















तब उसके वर्ग को २१०० और दूसरे अंक के चतुर्थ पात में, छि और दूसरे अंक के पंचपात से गुणा करना चाहिए और अन्य अंकों के छठे पात को इन गुणनफलों में जोड़ देना चाहिए। उसके बाद की भीति क्रिया करनी चाहिए जैसा कि नीचे के उदाहरणों से पता

१ उदाहरण—१४३२४०३८३६८ का सप्तमूल निकालो

$\begin{array}{r} 1 \\ 1 = \end{array}$	$\begin{array}{r} 14324038368 \\ 2100 \end{array}$
$\begin{array}{r} 1 \\ 1 \times 10000000 = 100000000 \end{array}$	<hr style="width: 50%; margin-left: auto; margin-right: 0;"/>
$\begin{array}{r} 1 \\ 1 \times 2100000 \times 2 = 42000000 \end{array}$	$12824038368$
$\begin{array}{r} 1 \\ 1 \times 320000 \times 2^2 = 12800000 \end{array}$	
$\begin{array}{r} 1 \\ 1 \times 42000 \times 2^3 = 672000 \end{array}$	
$\begin{array}{r} 1 \\ 1 \times 2100 \times 2^4 = 13440 \end{array}$	
$\begin{array}{r} 1 \\ 1 \times 10 \times 2^5 = 320 \end{array}$	
$\begin{array}{r} 1 \\ 2^6 = 64 \end{array}$	
<hr style="width: 50%; margin-left: auto; margin-right: 0;"/> $12824038368$	$12824038368$

\* सप्तमूल = ३२

















गहने हर एक गुणनफल को १ मान कर इनही संख्या का गिन लेना चाहिए :—

इस संख्या में एक बार एक जोड़ों और दूसरी बार दो जोड़ों और इन तीनों अर्थात् संख्या, ( संख्या + १ ) और ( संख्या + २ ) का भाग से गुणा करो और गुणनफल में तीन का भाग दो

१ उदाहरण:—  $1 \times 1 + 2 \times 2 + 3 \times 3 + 4 \times 4 \dots + 4 \times 10$  का मान बताओ

इस प्रश्न में गुणनफल की संख्या = ४

$$1 + 1 = 2$$

$$\text{और } 2 + 2 = 4$$

१, १० और ११ के गुणनफल में १ का भाग देने से हमें प्राप्ता

$$\text{हमरे } \frac{1 \times 10 \times 11}{2}$$

$$= 55$$

$$( 1+1 ) 1 \times 2 \times 3 + 2 \times 3 \times 4 + 3 \times 4 \times 5 + 4 \times 5 \times 6 + 5 \times 6 \times 7$$

आदि के मान निकालने का नियम :—

सबसे इन गुणनफलों की संख्या गिन लो । फिर इस संख्या से क्रम १, २ और ३ जोड़ो । इस प्रकार तीन संख्याएँ मिलेंगी । अब इन तीनों अर्थात् संख्या, ( संख्या + १ ) ( संख्या + २ ) और ( संख्या + ३ ) का भाग से गुणा करो और गुणनफल में बार का भाग दो ।

१ उदाहरण:—  $1 \times 2 \times 3 + 2 \times 3 \times 4 + 3 \times 4 \times 5$

$$= 6 \times 6 \times 6 = 216 \quad \text{और } 10 \times 11 \text{ का मान निकालो}$$

इसके गुणनफल की संख्या = ३

$$1 + 1 = 2$$

$$2 + 2 = 4$$

$$\text{और } 4 + 4 = 8$$



1911

1912

$$(1-0.01) = (1.01)$$

1913

1914

1915

$$(1.01 - 1.02) (1.01 - 1.02) = 1.01 - 1.02$$

1916

1917

1918

1919

$$1.01 \times 1.01 \times 1.01 \times 1.01 = 1.01$$

1920

1921













३ इव वर्ग

नियम १२८ का अर्थ लाया जा रहा है कि १२८ को इकाई जो होनी चाहिए  
 होगा वह १२८ ही होना ही पड़ेगा कि वह १२८ ही मुगम इकाई होनी।  
 इसी प्रकार १२८ को १२८ ही कहेंगे कि १२८ ही मुगम इकाई होनी  
 है कि १२८ ही मुगम इकाई होनी है कि १२८ ही मुगम इकाई होनी है कि  
 १२८ ही मुगम इकाई होनी है कि १२८ ही मुगम इकाई होनी है कि १२८ ही  
 मुगम इकाई होनी है कि १२८ ही मुगम इकाई होनी है कि १२८ ही मुगम  
 इकाई होनी है कि १२८ ही मुगम इकाई होनी है कि १२८ ही मुगम इकाई  
 होनी है कि १२८ ही मुगम इकाई होनी है कि १२८ ही मुगम इकाई होनी है।

नियम १२९ का अर्थ लाया जा रहा है कि १२९ को इकाई जो होनी चाहिए  
 होगा वह १२९ ही होना ही पड़ेगा कि वह १२९ ही मुगम इकाई होनी।  
 इसी प्रकार १२९ को १२९ ही कहेंगे कि १२९ ही मुगम इकाई होनी  
 है कि १२९ ही मुगम इकाई होनी है कि १२९ ही मुगम इकाई होनी है कि  
 १२९ ही मुगम इकाई होनी है कि १२९ ही मुगम इकाई होनी है कि १२९ ही  
 मुगम इकाई होनी है कि १२९ ही मुगम इकाई होनी है कि १२९ ही मुगम  
 इकाई होनी है कि १२९ ही मुगम इकाई होनी है कि १२९ ही मुगम इकाई  
 होनी है कि १२९ ही मुगम इकाई होनी है कि १२९ ही मुगम इकाई होनी है।

































यदि किसी वर्ग का क्षेत्रफल हो तो उसी वर्ग के क्षेत्रफल का वर्ग होता है।

$$16 \times 16 = 256$$

$$25 \times 25 = 625$$

$$36 \times 36 = 1296$$

$$49 \times 49 = 2401$$

$$64 \times 64 = 4096$$

$$81 \times 81 = 6561$$

$$100 \times 100 = 10000$$

यदि किसी वर्ग का क्षेत्रफल हो तो उसी वर्ग के क्षेत्रफल का वर्ग होता है।

$$1 \text{ वर्ग इंच} = 16 \text{ वर्ग इंच}$$

$$2 \text{ वर्ग इंच} = 4 \text{ वर्ग इंच}$$

$$3 \text{ वर्ग इंच} = 9 \text{ वर्ग इंच}$$

$$4 \text{ वर्ग इंच} = 16 \text{ वर्ग इंच}$$

$$5 \text{ वर्ग इंच} = 25 \text{ वर्ग इंच}$$

$$10 \text{ वर्ग इंच} = 100 \text{ वर्ग इंच}$$

यदि किसी वर्ग का क्षेत्रफल हो तो उसी वर्ग के क्षेत्रफल का वर्ग होता है।

$$1 \text{ वर्ग फीट} = 144 \text{ वर्ग इंच}$$

$$2 \text{ वर्ग फीट} = 576 \text{ वर्ग इंच}$$

$$3 \text{ वर्ग फीट} = 1296 \text{ वर्ग इंच}$$

$$4 \text{ वर्ग फीट} = 2304 \text{ वर्ग इंच}$$

( ४३४ ) वर्ग क्षेत्रफल

यदि किसी वर्ग का क्षेत्रफल हो तो उसी वर्ग के क्षेत्रफल का वर्ग होता है।

$$( १ ) १ \text{ वर्ग इंच} = 1 \text{ वर्ग इंच}$$

$$( २ ) १ \text{ वर्ग फीट} = 144 \text{ वर्ग इंच}$$

- ( ३ ) ० तर्गव १२ गट्टा लम्बा १ तर्गव २ गट्टा चौड़ा  
 ( ४ ) ४ तर्गव १२ गट्टा लम्बा, २ तर्गव ८ गट्टा चौड़ा  
 ( ५ ) २ तर्गव १० गट्टा लम्बा ४ तर्गव ६ गट्टा चौड़ा  
 ( ६ ) ४ तर्गव २ गट्टा लम्बा, १२ गट्टा चौड़ा  
 ( ७ ) ३ तर्गव १८ गट्टा लम्बा, १ तर्गव १३ गट्टा चौड़ा  
 ( ८ ) ६ तर्गव ४ गट्टा लम्बा ३ तर्गव १० गट्टा चौड़ा  
 ( ९ ) ७ तर्गव १० गट्टा लम्बा ४ तर्गव १० गट्टा चौड़ा  
 ( १० ) ८ तर्गव १० गट्टा लम्बा, ३ तर्गव १२ गट्टा चौड़ा  
 ( ११ ) ३ तर्गव ४<sup>१</sup>/<sub>२</sub> गट्टा लम्बा, २ तर्गव ६ गट्टा चौड़ा  
 ( १२ ) १ तर्गव २<sup>१</sup>/<sub>२</sub> गट्टा लम्बा १६<sup>१</sup>/<sub>२</sub> गट्टा चौड़ा  
 ( १३ ) १०<sup>१</sup>/<sub>२</sub> गट्टा लम्बा, १० गट्टा चौड़ा  
 ( १४ ) १८ गट्टा लम्बा १३ गट्टा चौड़ा  
 ( १५ ) २४ गट्टा लम्बा २२ गट्टा चौड़ा  
 ( १६ ) २० गट्टा लम्बा, २१<sup>१</sup>/<sub>२</sub> गट्टा चौड़ा  
 ( १७ ) १२ तर्गव २<sup>१</sup>/<sub>२</sub> गट्टा लम्बा ७ तर्गव ११<sup>१</sup>/<sub>२</sub> गट्टा चौड़ा  
 ( १८ ) १ तर्गव २ गट्टा लम्बा १० गट्टा चौड़ा  
 ( १९ ) २ तर्गव २ गट्टा लम्बा ७ गट्टा चौड़ा  
 ( २० ) १ तर्गव गट्टा लम्बा, २ तर्गव १०<sup>१</sup>/<sub>२</sub> गट्टा चौड़ा  
 ( २१ ) २ तर्गव १० गट्टा लम्बा ३ तर्गव ४<sup>१</sup>/<sub>२</sub> गट्टा चौड़ा  
 ( २२ ) ३ तर्गव २ गट्टा लम्बा, २ तर्गव ३३ गट्टा चौड़ा  
 ( २३ ) २ तर्गव २३ गट्टा लम्बा ३ तर्गव २२ गट्टा चौड़ा  
 ( २४ ) ३ तर्गव १२ गट्टा लम्बा ३ तर्गव २२ गट्टा चौड़ा  
 ( २५ ) ३ तर्गव १२ गट्टा लम्बा ३ तर्गव २२ गट्टा चौड़ा  
 ( २६ ) ३ तर्गव १२ गट्टा लम्बा ३ तर्गव २२ गट्टा चौड़ा  
 ( २७ ) ३ तर्गव १२ गट्टा लम्बा ३ तर्गव २२ गट्टा चौड़ा  
 ( २८ ) ३ तर्गव १२ गट्टा लम्बा ३ तर्गव २२ गट्टा चौड़ा  
 ( २९ ) ३ तर्गव १२ गट्टा लम्बा ३ तर्गव २२ गट्टा चौड़ा  
 ( ३० ) ३ तर्गव १२ गट्टा लम्बा ३ तर्गव २२ गट्टा चौड़ा





कर उस चित्रफल में से घटा देना चाहिये । परन्तु जिन घरों में छिदरिया या दरवाजे आदि न हों, उन में इनका चित्रफल नहीं घटाया जा सकता । यह भी नहीं भूलना चाहिये कि कमरे की लम्बाई और चौड़ाई के गुण कर देने से कमरे की भीतरी घत का चित्रफल निकल आता है क्योंकि इस दशा में भीतरी घत का चित्रफल कमरे के ऊपर के चित्रफल के बराबर है ।

१ उदाहरण:—एक कमरे की लम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई क्रमशः २५, २० और १५ गज है तो चारों दीवारों का चित्रफल बताओ ।

$$\begin{aligned}\text{चारों दीवारों का चित्रफल} &= 2 \times (\text{लम्बाई} + \text{चौड़ाई}) \times \text{ऊँचाई} \\ &= 2 \times (25 + 20) \times 15 \text{ वर्ग गज} \\ &= 2 \times 45 \times 15 \text{ वर्ग गज} \\ &= 1350 \text{ वर्ग गज}\end{aligned}$$

२ उदाहरण:—एक खाने की लम्बाई २० गज लम्बी, १५ गज चौड़ी और १० गज गहरी है । उसके भीतर की छोर पुताई करने में १ रु० प्रति वर्ग गज के हिसाब से क्या खर्च लगेगा ?

$$\begin{aligned}\text{दसकी तर्की का चित्रफल} &= 20 \times 15 \text{ वर्ग गज} \\ &= 300 \text{ वर्ग गज} \\ \text{दीवारों का चित्रफल} &= 2 \times (20 + 15) \times 10 \\ &= 700 \text{ वर्ग गज}\end{aligned}$$

$$\begin{aligned}\therefore \text{पुताई कराने का चित्रफल} &= 300 + 700 \text{ वर्ग गज} \\ &= 1000 \text{ वर्ग गज}\end{aligned}$$

$$\begin{aligned}\therefore \text{खर्च} &= 1000 \times 1 \text{ रु०} \\ &= 1000 \text{ रु० उत्तर}\end{aligned}$$

३ उदाहरण:—एक संतुल यादर से ६ फीट लम्बा, ४ फीट चौड़ा और ५ फीट ऊँचा है । यह संतुल ६ इंच मोटे तख्तों से बना हुआ है तो बताओ उसमें कितना वर्ग फीट तख्ता लगा होगा ।







घोर बनी हुई है। मैदान की लम्बाई २०० फीट है और सड़क का खर्च १ पैसे प्रति वर्ग फीट है। अगर सड़क बूनी चौड़ी होती तो उसमें ८१ पौण्ड और अधिक खर्च होता तो मैदान की चौड़ाई बताओ।

✓(१०) एक कमरा ५ गज लम्बा है। उसमें क्रय कराने की जागत ८० रु० और कागज मढ़वाने की जागत ६४ रु० = आना है। यदि कमरे की चौड़ाई १ गज कम होती और ऊँचाई आधा गज अधिक, तो क्रय कराने की जागत पहले से २० रु० कम परन्तु कागज मढ़वाने की जागत वही रहती, तो कमरे की चौड़ाई और ऊँचाई बताओ।

### घनफल

(१६८) जिनमें लम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई हो उन्हें घन या पिंड कहते हैं। इनके उदाहरण संवृक्त, घर का कमरा आदि हैं। घन के ऊपरी भाग को पृष्ठ या धरातल या तल कहते हैं। अगर कोई संवृक्त हो तो उसमें ६ पृष्ठ होंगे और हर पृष्ठ का हर एक कोण सम कोण होगा। ऐसे घनों को जिनके हर पृष्ठ के हर एक कोण समकोण हों आयताकार घन कहते हैं और अगर लम्बाई चौड़ाई और ऊँचाई प्रत्येक आपस में बराबर हों तो उसे सम घन कहते हैं। पिंडों के नापने की इकाई भी कोई पिंड हो देना चाहिये और तब किसी पिंड के घनफल से यह मतलब होगा कि इसमें पिंड की इकाई कितनी बार शामिल है। पिंडों के नापने की इकाई वह पिंड या घन है जिसकी हर एक भुजा इकाई के समान होती है चाहे ये इकाईयाँ इंच, फुट, गज या और कोई वस्तु हो।

अगर कोई वस्तु एक गज लम्बी, एक गज चौड़ी और एक गज ऊँची हो और उसके हर एक पृष्ठ का हर एक कोण समकोण हो तो उसे घन गज कहेंगे और उससे जितनी जगह घिरी हुई है वह घन फल कहलाती है। पिंडों के नापने की यह इकाई कहना सकती है। पिंडों के नापने की इकाई समघन है। परन्तु वर्ग गज और गज वर्ग की भाँति घन गज और



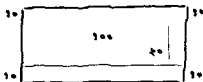




में होंगी। खोई १० गज चौड़ी और २ गज गहरी होगी। तो बनाओ इसे सुदवाने में २६० घन गज के हिमाय से क्या प्रबंध होगा ?

$$\text{खोई की सम्बाई} = २ \times १०० + (२० + १० + १०) \times २ \text{ गज} \\ = ३४० \text{ गज}$$

साफ जाहिर है कि १० का दूना या तो सम्बाई में या चौड़ाई में जोड़ना चाहिए।



$$\therefore \text{खोई का घनफल} = ३४० \times १० \times २ \text{ घनगज} \\ = १३६०० \text{ घन गज}$$

१ घनगज में २६०

$$\therefore १३६०० \text{ घन गज में } १३६०० \div २६० \\ = ५२००० \text{ रु० उत्तर}$$

४ उदाहरण : - एक संदूक की बाहरी सम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई क्रम से २ फीट ४ फीट और ३ फीट है। संदूक एक ऐसे तहने में बना हुआ है जो ३ इंच मोटा है। अगर १ घनफुट तहने का दाम १ रु० ८ प्या० हो तो बनाओ उस संदूक में खरी हुई लकड़ी का दाम क्या होगा ?

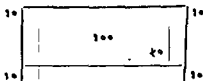
संदूक का ऊपरी परिमाण मान्य है, इसलिए तहने की मोटाई के हिसाब से हर एक परिमाण में घटाने से संदूक का भीतरी परिमाण मान्य हो जायगा।

संदूक की	१	फीट
संदूक की	२	फीट
और संदूक	३	फीट

में होंगे। खोई १० गज चौड़ी और २ गज गहरी होगी। तो बचाये हुए सुदाने में २ रु० घन गज के हिसाब से क्या व्यर्ष होगा ?

$$\begin{aligned}\text{खोई की खम्बाई} &= 2 \times 100 + (20 + 10 + 10) \times 2 \text{ गज} \\ &= 240 \text{ गज}\end{aligned}$$

साफ जाहिर है कि १० का दूना या तो खम्बाई में या चौड़ाई जोड़ना चाहिए।



$$\begin{aligned}\therefore \text{खोई का घनफल} &= 240 \times 10 \times 2 \text{ घनगज} \\ &= 10000 \text{ घन गज}\end{aligned}$$

१ घनगज में २ रु०

$$\begin{aligned}\therefore 10000 \text{ घन गज में } &10000 \times 2 \text{ रु०} \\ &= 20000 \text{ रु० उत्तर}\end{aligned}$$

४ उदाहरण : - एक संदूक की बाहरी खम्बाई, चौड़ाई की खोई कम से २ फीट ४ फीट और २ फीट है। संदूक एक ऐसे लोहे से बना हुआ है जो १ इंच मोटा है। अगर १ घनफुट लोहे का दाम १ रु० ८ आ० हो तो बचाये हुए संदूक में खरी दुई खकरी का दाम क्या होगा ?

संदूक का ऊपरी परिमाण मान्य है इसलिए लोहे की मोटाई के लिये हर एक परिमाण में घटाने से संदूक का भीतरी परिमाण मान्य हो जायगा।

$$\text{संदूक की भीतरी खम्बाई} = 2 - \frac{1}{4} = 1\frac{3}{4} \text{ फीट}$$

$$\text{संदूक की भीतरी चौड़ाई} = 2 - \frac{1}{4} = 1\frac{3}{4} \text{ फीट}$$

$$\text{और संदूक की भीतरी खोई} = 2 - \frac{1}{4} = 1\frac{3}{4} \text{ फीट}$$

कितनी हूँटे खगेंगी यदि गारे की लुहारों में उस दीवार का  $\frac{1}{2}$  भाग ठेका हो जाता है ?

( १४ ) एक संदूक में जो बाहर से १ फुट लम्बी, ४ फुट चौड़ी और ३ फुट ऊँची है और जो १ इंच मोटे लकड़े से बनाई गई है, कितने घन फुट लकड़ी खगी है ?

( १५ ) एक दीवार २० गज लम्बी  $२\frac{1}{2}$  फुट चौड़ी और १२ फुट ऊँची है उसके बनवाने में ३ इंच लम्बी, १ इंच चौड़ी और ३ इंच मोटी कितनी हूँटे खगेंगी जब कि दीवार में १ फीट ऊँचा और ३ फीट चौड़ा एक दरवाजा है ।

( १६ ) ११ फीट लम्बे और ७ फीट चौड़े कमरे की ऊँचाई बताओ जब कि कमरे में ११३३ घन फीट  $८१\frac{1}{2}$  घन इंच हवा समाती है ।

( १७ ) २ गज लम्बे और  $१\frac{1}{2}$  चौड़े होज की गहराई बताओ जब कि इस होज में उठता ही पानी आता है जितना कि ४ गज लम्बे १ गज चौड़े और १ फीट ३ इंच गहरे होज में आता है ।

( १८ ) यदि एक घन फुट पत्थर की तौल १६६ सेर है तो ४ फीट लम्बे, ३ फीट १ इंच चौड़े और १ फीट मोटे पत्थर की तौल बताओ ।

( १९ ) एक होज १६ फीट लम्बा, १२ फीट चौड़ा और २ फीट गहरा है, एक नल जो प्रति मिनट में ३० घन फीट पानी डालता है इसे कितनी देर में भर सकेगा ?

( २० ) एक, १० फीट ६ इंच लम्बे और २ फीट ३ इंच चौड़े, रीढ़ में पानी भरा है । पानी  $१\frac{1}{2}$  इंच नीचा करने के लिए कितना घन फुट पानी निकालना पड़ेगा ?

( २१ ) यदि एक आदमी के लिए १० घन फीट हवा की आवश्यकता पड़ती है तो बताओ उस कमरे में जिसकी लम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई क्रम से २२, १८ और २२ फीट है कितने मनुष्य रह सकते हैं ?

झिनी हूँ छगेंगी यदि गारे की तुलाई में उस दीवार का १ भाग देना पड़े  
आता है ?

( १४ ) एक संतूक में जो बाहर से १ फुट खम्बी, ४ फुट चौड़ी और  
३ फुट ऊँची है और जो १ इंच मोटे लकड़े से बनाई गई है, जिसे बनाने  
लकड़ी खर्ची है ?

( १५ ) एक दीवार २० गज खम्बी ११ फुट चौड़ी और १२ फुट लंबी  
है उसके बनवाने में ३ इंच खम्बी, १ इंच चौड़ी और ३ इंच मोटी लकड़े  
हूँ छगेंगी जब कि दीवार में १ फीट ऊँचा और ३ फीट चौड़ा एक  
दरवाजा है ।

( १६ ) ११ फीट खम्बी और ७ फीट चौड़े कमरे की ऊँचाई बताओ  
जब कि कमरे में ११४३ घन फीट ८९४ घन इंच हवा समाती है ।

( १७ ) २ गज खम्बी और ११ चौड़े होठ की गहराई बताओ जब कि  
हम होठ में उठना ही पानी आता है जिनका कि ४ गज खम्बी १ गज चौड़ी  
और १ फीट ३ इंच गहरे होठ में आता है ।

( १८ ) यदि एक घन फुट पाथर की लंबाई ११९ सेर है तो  
४ फीट खम्बी, १ फीट १ इंच चौड़े और १ फीट मोटे कपा की लंबाई  
बताओ ।

( १९ ) एक होठ १९ फीट खम्बी, १९ फीट चौड़ा और २ फीट  
गहरा है, एक नव जो प्रति मिनट में ३० घन फीट पानी साझा है २४  
झिनी देर में भर सकेगा ?

( २० ) एक, १० फीट १ इंच खम्बी और २ फीट ३ इंच चौड़ी, लंबी  
में पानी भरा है । पानी ११ इंच नीचा करने के लिए जिनका घन फुट पानी  
निष्काशना पड़ेगा ?

( २१ ) यदि एक पाथरों के टिक १० घन फुट हवा की साधारणतः  
रफता है तो बताओ एक कमरे में जिसकी खम्बी, चौड़ाई और ऊँचाई क्रम  
से २४, १८ और २२ फीट है जिनमें मनुष्य रह सकते हैं ?

कितनी हूँ खोंगी यदि गारे की जुलाई में उस दीवार का १ भाग पैसा से जाता है ?

( १४ ) एक संदूक में जो बाहर से ६ फुट लम्बी, ४ फुट चौड़ी और ३ फुट ऊँची है और जो १ इंच मोटे तख्ते से बनाई गई है, कितने घन फुट लकड़ी खरी है ?

( १५ ) एक दीवार २० गज लम्बी २½ फुट चौड़ी और १२ फुट ऊँची है उसके बनवाने में ३ इंच लम्बी, ६ इंच चौड़ी और ३ इंच मोटी प्लैंक हूँ खोंगी जब कि दीवार में ६ फीट ऊँचा और ३ फीट चौड़ा दरवाजा है ।

( १६ ) ११ फीट लम्बे और ७ फीट चौड़े कमरे की ऊँचाई बताओ जब कि कमरे में ११२½ घन फीट ८९४ घन इंच हवा समाती है ।

( १७ ) २ गज लम्बे और १½ चौड़े होज की गहराई बताओ जब कि इस होज में उतना ही पानी आता है जितना कि ४ गज लम्बे १ गज चौड़े और ३ फीट ३ इंच गहरे होज में आता है ।

( १८ ) यदि एक घन फुट पत्थर की तौल १९९ सेर है तो ४ फीट लम्बे, ३ फीट ६ इंच चौड़े और १ फीट मोटे पत्थर की तौल बताओ ।

( १९ ) एक होज १६ फीट लम्बा, १२ फीट चौड़ा और २ फीट गहरा है, एक नल जो प्रति मिनट में ३० घन फीट पानी बाजता है कितनी देर में भर सकेगा ?

( २० ) एक, १० फीट ६ इंच लम्बे और २ फीट ३ इंच चौड़े, हो में पानी भरा है । पानी १½ इंच नीचा करने के लिए कितना घन फुट पानी निकालना पड़ेगा ?

( २१ ) यदि एक आदमी के लिए १० घन फीट हवा की आवश्यकता पड़ती है तो बताओ उस कमरे में जिसकी लम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई क्रम से २५, १८ और २२ फीट है कितने मनुष्य रह सकते हैं ?



निकलेगी २ फुट २ इंच ऊंच करना चाहता है । यदि खाई की गहराई अगह बराबर हो तो खाई की गहराई बताओ ।

( ३० ) एक आयताकार गड १८० गज लम्बा और ११० गज चौड़ा है । उसके चारों ओर एक खाई खुदवानी है जिसकी दीवारें खम्बर रहेंगी । खाई की चौड़ाई २४ फीट और गहराई १८ फीट होगी तो खद खाई का खर्च ८ आने प्रति घन गज की दर से क्या होगा ?

( ३१ ) एक होज ६० फीट लम्बा और ४० फीट चौड़ा है जो प डालने की नाली से २ दिन में भर जाता है ; परन्तु यदि उसमें १०००१ फीट पानी डाल दिया जाए तो बाकी होज ३ दिन १८ घंटे में नाली भर जाता है तो होज की गहराई बताओ ।

( ३२ ) एक कमरा बाहर से ३० फीट लम्बा २० फीट चौड़ा और १० फीट ऊंचा है । उस की दीवारें २ फीट चौड़ी हैं । कमरे में २ दरवाजा, जिनमें ८ फीट ऊंचा और ४ फीट चौड़ा और ३ खिड़कियाँ २ फीट ऊंची और ३ फीट चौड़ी हैं तो ( १ ) दीवार बनाने का खर्च ३ रु० १० आ० प्रतिघन गज की दर से और ( २ ) उन दीवारों में लगाने वाली ईंटों की संख्या जब कि प्रत्येक ईंट ६ इंच लम्बी, ६ इंच चौड़ी और ४ इंच मोटी है बताओ ।

( ३३ ) एक होज १ इंच मोटे लकटे का बना हुआ है और बाहर और २१ फीट लम्बा, ७ फीट ८ इंच चौड़ा और ११ फीट १ इंच गहरा तो बताओ उस में कितने घन पानी आएगा ? ( एक घनफीट का = १००० घन )

( ३४ ) एक सन्दूक की बाहरी लम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई क्रमशः ४ फीट, २ फीट और १६ इंच है और यह सन्दूक १ इंच मोटे लकटे से बनाया गया है तो बताओ उस सन्दूक में कितने घन इंच लकड़ी लगी और ३ आ० प्रति वर्ग फुट के हिस्सा से सन्दूक के रेंगने में क्या खर्च पड़ेगा ( सन्दूक उल्टनदार है )





वैसे ही क्रिया करो जैसा समानुशात में किया जाता है अर्थात् प्रत्येक में सज्जानियों को लेकर देख लो कि इस में कौन प्रथम राशि के स्थान लिखा जायगा और कौन दूसरी राशि के स्थान पर। इसके बाद दूसरी और तीसरी राशियों के स्थान के अंकों के गुणनफल में पड़ती राशि स्थान के अंकों का भाग दे दो तो उत्तर था जायगा। यह विषय नीचे उदाहरणों द्वारा स्पष्ट हो जायगा।

१ उदाहरण — ५ आदमी १५ दिन में ३० रु० कमाने हैं तो आदमी १० दिन में कितना कमायेंगे ?

$$\begin{array}{rcl} ५ \text{ आदमी} & = & ५ \text{ आदमी} \\ १५ \text{ दिन} & १० \text{ दिन} & \end{array} \quad \begin{array}{l} ) \\ ) \end{array} \quad \begin{array}{l} ३० \text{ रु० उत्तर} \end{array}$$

$$\text{उत्तर } ५ \quad १५ = १० \quad ३०$$

$$\text{उत्तर } ५ \quad १० \quad ३० \text{ रु०}$$

$$५ \quad १५$$

$$= ३२ \text{ रु०}$$

इस प्रश्न में पड़ने उत्तर चौथी राशि के स्थान पर रख दिया उत्तर ३० में आयेगा इस लिये तीसरी राशि के स्थान पर उसी का तीस ३० रु० रख दिया। अब ५ आदमी और ५ आदमी को अपने मन में माथा कि यदि ५ आदमी ३० रु० कमाने हैं तो आदमी कितना कमायेंगे अगर दोना हो यवस्था में समस एक ही माथने में पना चला कि उत्तर तीसरी राशि ३० रु० में अधिक हो इस लिये ५ की दूसरी राशि ५ नीचे लिखा और ५ को ५ राशि ५ नीचे इसका भाग १० दिन और १० दिन को। माथा कि अगर १० दिन में ३० रु० कमाने हैं तो इस दिन कितना कमायेंगे अगर दोना हो यवस्था में समस एक ही माथने में पना चला कि उत्तर तीसरी राशि ३० रु० में अधिक हो इस लिये ५ की दूसरी राशि ५ नीचे लिखा और ५ को ५ राशि ५ नीचे इसका भाग १० दिन और १० दिन को। माथा कि अगर १० दिन में ३० रु० कमाने हैं तो इस दिन कितना कमायेंगे अगर दोना हो यवस्था में समस एक ही माथने में पना चला कि उत्तर तीसरी राशि ३० रु० में अधिक हो इस लिये ५ की दूसरी राशि ५ नीचे लिखा और ५ को ५ राशि ५ नीचे इसका भाग १० दिन और १० दिन को।











४२० बेलदार ३ घंटा प्रति दिन काम करके ३० गज खम्बी, १४ गज चौं और १२ गज गहरी खोईं कितने दिनों में खोदेंगे ?

( ३८ ) एक रेल गाड़ी जितने समय में ११ मील जाती है, उगने समय में दूसरी रेल गाड़ी ८ मील जाती है, यदि दूसरी गाड़ी १० दिन में १०८ मील जाए तो पहली गाड़ी १२ दिन में कितनी दूर जायगी ?

( ३९ ) ८ मर्द और ९ खड्के १२ एकड़ धान २ दिन में काटते हैं तो १० मर्द ४ खड्के १२ दिन में कितने एकड़ धान काटेंगे ? इस नि यह जान है कि २ खड्कों का काम १ मर्द के काम के बराबर है ।

( ४० ) यदि ४ मर्द और १० खड्के एक काम को ८ दिन में ३० दिन ६ घंटे काम करके पूरा करें तो ३ मर्द और ९ खड्के उसमें पूरे काम को प्रति दिन ८ घंटे काम करके कितने समय में पूरा करेंगे ? १ एक मर्द का काम एक खड्के से दूना होता है ।

( ४१ ) यदि २१० मजदूर प्रति दिन १० घंटे काम करके ० दिन में एक नहर १ मील खम्बी ९ फीट चौड़ी और २ फीट गहरी खोदें तो प्रति दिन ० घंटे काम करके कितने दिनों में ३२ मजदूर एक नहर ९९० फीट खम्बी ० $\frac{१}{२}$  फीट चौड़ी और २ $\frac{१}{२}$  फीट गहरी खोदेंगे ?

( ४२ ) एक घने के सेज को २० मर्द या २२ खड्के ८ घंटे प्रति दिन काम करके २२ दिन में काटने हैं तो १९ मर्द और २४ खड्के उसमें पूरे सेज को प्रति दिन ६ घंटे काम करके कितने दिनों में काटेंगे ?

( ४३ ) यदि गीम के ८ सैगों में जो प्रति दिन ४ घंटे उगते हैं, ६ दिन में १० द० अगते हैं तो १२ द० में १६ तक दिन कितने सैग प्रति दिन ३ घंटे उगाने आ सकेंगे ?

( ४४ ) एक काम को ४४ मर्द या २२ खड्के १० घंटे प्रति दिन आराम करके २२ दिन में पूरा करने हैं तो बचावो १६ मर्द और २२ खड्के बिना कर उस काम के १ $\frac{१}{२}$  को ० घंटे प्रति दिन काम करके कितने दिनों में पूरा करेंगे ?





औरत और १२० खड़के मिल कर कितने दिनों में ४ घंटे प्रति दिन काम करके १६ मीछ खे जाएंगे ?

( २१ ) एक विद्यार्थी ४ घंटे में २० पृष्ठ लिखता है, जब कि शेष ४ घंटे में २० पंक्तियाँ होती हैं। तो बनाओ उसे ४० पृष्ठ लिखने में कितना समय लगेगा, जब शेष ४ घंटे में २५ पंक्तियाँ हों ?

( २२ ) ३२ मर्द एक दीवाल को, जो ७०० फीट लम्बी, २ फीट गेजी और ० फीट ऊँची है, १८ घंटा प्रतिदिन काम करके १५ दिन में बनाते हैं तो ४६ मनुष्य और ४३ छिपों मिलकर १००० फीट लम्बी, १ १/२ फीट गेजी और ० फीट ऊँची दीवार को प्रतिदिन कितने घंटे काम करके ४९ १/२ दिन में पूरा करेंगे ? जब कि यह ज्ञान है कि ५ मर्दों के काम ० छिपों के काम के बराबर है।

( २३ ) २ मनुष्य या ३ औरत या ४ खड़के प्रतिदिन २० घंटे काम करके २१ दिन में ५ वेड़ काटते हैं तो बनाओ २१ मनुष्य ३६ औरत और ६० खड़के मिलकर १२४० वेड़ों को प्रतिदिन कितने घंटे काम करके ०० दिन में काटेंगे ?

( २४ ) १ मर्द या २ औरत या ३ खड़के २ घंटे में ५०० मीचन खोदेंगी हैं तो बनाओ १८०५०० मीचन खानी २० मर्द ३० औरत और ११ खड़के मिलकर कितने घंटे में खोदेंगे ?

( २५ ) १ घोड़े और १५ भैंस के खिचाने का कार्य २० दिन में ५००० है तो बनाओ ८ घोड़े और ३५ भैंसों के १० दिन खिचाने में क्या कार्य होगा ? यह मान्य है कि २ घोड़े खानी ही काम खाने हैं खिचनी १० हैं।

( २६ ) एक अंश पर ३० मनुष्य थे। बनके शिष्ट १० दिन के अंश का सामान, २० शीम प्रति मनुष्य प्रति दिन के शिष्ट में, औरत या ३३ दिन घोड़े हवा को मेरी के कार्य अंश के १ मनुष्य तक हवा

का दहनना बना और हमारे घोड़े ५ घादमी मर गये तो जाना कि प्रचार कौन था कि सामान खानी दिनों के शिष्ट पूरा हो जाय ?







( ७२ ) ८ मनुष्य या १२ लड़के १२ बीघे धान ६ घंटे प्रति दिन काम करके १० दिनों में काटते हैं तो बताओ कितने लड़के १ मनुष्यों के साथ काम करके १० बीघे खेत के धान ६ घंटे प्रति दिन काम करके ४ दिन में काट लेंगे ?

( ७३ ) एक चोर चोरी करके भागा। घर से निकलते समय दलाने उसे पकड़ लिया और उससे चोरी के ६० का १ और ६ अधिक लेकर छोड़ दिया। फिर उन्हे सतरी ने फाटक पर पकड़ा और जो कुछ उसके पास था उसका १ और ६ ६० अधिक लेकर छोड़ दिया। आगे बढ़ने पर उसे कोतवाल ने पकड़ा और जो कुछ उसके पास था उसका १ और ६ ६० अधिक लेकर छोड़ दिया। आगे बढ़ने पर फिर चौक पर दूसरे मिसत्री ने पकड़ा और जो कुछ उसके पास था उसका १ और १० अधिक लेकर छोड़ दिया और अन्त में शहर के बाहरी फाटक के कोतवाल ने पकड़ा और उसके पास के रुपये का १ और ८ अधिक लेकर छोड़ दिया इस प्रकार उसका कुछ रुपया समाप्त हो गया तो बताओ उसने कुछ कितने रुपये चोरी की थी ?

( ७४ ) १ मनुष्य पूरे दिन काम करके एक काम को ४६ दिन में पूरा कर सकते हैं। लेकिन उन में से एक मनुष्य दूसरे काम के कारण सिर्फ आधे समय काम करता है और दूसरा सिर्फ तिहाई समय और तीसरा सिर्फ चौथाई समय, तो बताओ काम कितने दिनों में पूरा होगा ?

( ७५ ) यदि १२ मनुष्य एक पुरता, जो २० गज लम्बा है, ८ घंटे प्रति दिन काम करके २६ दिन में बना सकते हैं तो १२० गज लम्बे पुरते को कितने मनुष्य ६ घंटे प्रति दिन काम करके २४ दिन में बना लेंगे ? जब कि अन्त के तीन दिनों में २० मनुष्य चौर बढ़ा लिये जावें।

( ७६ ) १० घंटे प्रति दिन काम करके एक पुरता, जो ८० गज लम्बा है, १६ आदमी ६ दिन में बनाते हैं तो ६० गज लम्बे पुरते तैयार करवाने के

लिये ८ घंटे प्रति दिन करने वाले कितने मजदूर लगाने चाहिये कि काम १३ दिन में समाप्त हो जाए ? जब कि अन्त के दो दिनों में ६ मनुष्य और बढ़ा दिये जाएँगे ।

( ८० ) २० मनुष्य एक पुरता जो, ७५ गज लम्बा है १२ घंटे प्रति दिन काम कर के, ६ दिन में बना सकते हैं । उसी प्रकार के एक दूसरे पुरते में जो ६० गज लम्बा है ६ घंटे प्रति दिन काम करनेवाले ६ मनुष्य लगाये गये । दो दिन के बाद कुछ और आदमी लगाये गये और काम कुल ६ दिनों में पूरा हो गया तो यथाश्रो पीछे और कितने मनुष्य लगाये गये थे ?

( ८१ ) १२ राज एक भीत को, जो २५ फीट लम्बी, ३ फीट मोटी और ८ फीट ऊँची है, ८ घंटे प्रति दिन काम करके ६ दिन में बनाते हैं तो यथाश्रो ६ घंटे प्रति दिन काम करने वाले कितने आदमी लगाये जाँय कि ३० फीट लम्बी, ३ १/२ फीट मोटी और १० फीट ऊँची भीत ६ दिन में तैयार हो जाये ? जब कि पीछे के तीन दिनों में ११ आदमी काम नहीं करते हैं ।

( ८२ ) ४ पौण्ड चाय और ८ पौण्ड चीनी का दाम १३ शिलिङ्ग है ? यदि चाय का दाम २५ प्रति सैंकड़ा बढ़ जाय और चीनी का दाम १५ प्रति सैंकड़ा घट जाए तो उन का दाम ५६ पेंस बढ़ जाता है तो एक पौण्ड चाय और एक पौण्ड चीनी का मूल्य बताओ ।

( ८३ ) १० आदमी एक खाई, जो १५ फीट लम्बी, १० फीट चौड़ी और ५ फीट गहरी है, १४ घंटा प्रति दिन आराम करके १५ दिन में खोदते हैं तो १६ फीट लम्बी, ८ फीट चौड़ी और ४ फीट गहरी खाई खोदने के लिए ८ घंटे प्रति दिन काम करने वाले कितने आदमी लगाये जायें कि काम १० दिन में अन्त हो जाये । यह भी मालूम है कि अन्त के दो दिन में ६ मजदूर काम नहीं करेंगे ?

( ८४ ) ३ पौण्ड चाय और २ पौण्ड चीनी का मूल्य ७ शिलिङ्ग है



( १० ) एक टीकेश्वर के पास दो तरह के आदमी हैं। पहली के प्रत्येक के एक सप्ताह की मजदूरी ३२ सि० ४ पैसे और दूसरी के प्रत्येक के एक सप्ताह की मजदूरी २१ सि० ४ पैसे हैं। दोनों के ४ : ३ का सम्बन्ध है। यदि वह अपना काम पहली तरह के आदमी कराता है तो काम दूसरी तरह के आदमी जितने समय में करते हैं उस सप्ताह पहले हो जाता है और खर्च १०२ पाँच अधिक पड़ता है। बताओ दोनों तरह के दरावर दरावर आदमी रखने से कुछ कितना खर्च होगा ?

( ११ ) एक किसान के पास दो प्रकार के मजदूर हैं। पहले प्रकार के प्रत्येक के प्रति दिन की मजदूरी ६ आ० ८ पा० और दूसरे प्रकार के प्रत्येक के प्रति दिन की मजदूरी ७ आ० ४ पा० है। दोनों के कामों में ७ : ६ का सम्बन्ध है। पहले प्रकार के मजदूर से काम कराने में दूसरे प्रकार के मजदूर से काम कराने के समय की अपेक्षा ३ दिन कम लगता है किन्तु खर्च ८० रु० अधिक होता है। तो दोनों प्रकार के दरावर दरावर मजदूर रखने से क्या खर्च होगा ?

( १२ ) २१ मजदूर के प्रशन में यह भी बताओ दोनों प्रकार के कितने कितने मनुष्य रखेंगे ?

( १३ ) एक टीकेश्वर के पास दो तरह के कुली हैं। पहले प्रकार के प्रत्येक की मजदूरी प्रति सप्ताह २८ सि० २ पैसे और दूसरे प्रकार के प्रत्येक की मजदूरी प्रति सप्ताह २२ सि० १ पैसे हैं। दोनों के कामों में ४ : ३ का सम्बन्ध है। पहले प्रकार के कुली से काम करवाने में दूसरे प्रकार के कुली से काम करवाने के समय का अपेक्षा ४ सप्ताह की बचत होती है किन्तु खर्च २४० पाँच अधिक होता है तो बताओ दोनों प्रकार के दरावर दरावर कुली रखने से क्या खर्च होगा ?





∴ १ आदमी और १ लड़का १ दिन में  $0 \times 1$  या  $1 \frac{1}{2}$  काम कर सकते हैं।

∴ १ आदमी और १ लड़का उसे १२ दिन में कर सकते हैं।

१ उदाहरण— $\infty$  मनुष्य और १ लड़के २० एकड़ १ दिन में और १ मनुष्य  $\infty$  लड़के २४ एकड़ ४ दिन में काट सकते हैं तो बताओ १ मनुष्य और तीन लड़के  $\infty$  एकड़ को कितने दिन में काटेंगे ?

$\infty$  मनुष्य और १ लड़के १ दिन में  $1 \frac{1}{2}$  एकड़ काट सकते हैं और १ मनुष्य और  $\infty$  लड़के १ दिन में १ एकड़ काट सकते हैं

$\infty$  मनुष्य और १ लड़के १ दिन में  $1 \frac{1}{2}$  एकड़ काटते हैं }  
और १ मनुष्य और  $\infty$  लड़के १ दिन में १ एकड़ काट सकते हैं }

इन दोनों को जोड़ने से

∴ १४ मनुष्य और १४ लड़के  $\infty$  एकड़ एक दिन में काट सकते हैं

∴ १ मनुष्य और १ लड़का  $\infty$  एकड़ " " "

∴ १ मनुष्य और २ लड़के  $\infty$  एकड़ " " "

या  $1 \frac{1}{2}$  एकड़ " " "

$\infty$  एकड़  $\infty$  दिन या १४ दिन में काट सकते हैं

१४ दिन उत्तर

अभ्यास प्रश्न (१८)

दि १००० का मूल्य २०००० और २ गाय तथा २० हाथी एक गाय का मूल्य बताओ।

( २ ) यदि २ बैल और ४ गाय का मूल्य ४४० रु० और ७ बैल तथा ३ गाय का मूल्य ४६६ रु० हो तो एक गाय का मूल्य बताओ ।

( ३ ) यदि ७ मन चावल और ३ मन सरसों का मूल्य १२९ रु० १ आ० तथा ३ मन चावल और ७ मन सरसों का मूल्य ११८ रु० ७ आ० हो तो एक मन चावल और १ मन सरसों का मूल्य ज्ञात कर बताओ ।

( ४ ) ३ मनुष्य और ४ खड़के एक खेत को २ दिन में तथा २ मनुष्य और ३ खड़के उसी खेत के  $\frac{1}{3}$  को २ दिन में काट सकते हैं तो एक १ मनुष्य और १ खड़का मिल कर उस खेत को कितने दिनों में काट सकेंगे ?

( ५ ) २ मनुष्य और ८ स्त्रियाँ मिल कर एक काम के  $\frac{1}{3}$  को २ दिनों में और ३ मनुष्य और २ स्त्रियाँ मिल कर उसी काम के  $\frac{1}{3}$  को ३ दिनों में पूरा कर सकते हैं तो बताओ १ मनुष्य और १ स्त्री अलग अलग उस काम को कितने दिनों में पूरा करेंगे ?

( ६ ) ४ मनुष्य और ६ खड़के ११ बीघा २ दिन में, तथा ७ मनुष्य और २ खड़के ३३ बीघा ४ दिन में काट सकते हैं तो ३ मनुष्य और १ खड़के मिल कर १४ बीघा कितने दिनों में काटेंगे ?

( ७ ) २ मनुष्य और ३ खड़के मिल कर एक काम को  $2\frac{1}{3}$  दिन में और ३ मनुष्य तथा २ खड़के मिल कर उसी काम को  $2\frac{1}{3}$  दिन में कर सकते हैं तो एक मनुष्य और १ खड़का मिल कर उस काम को कितने दिनों में समाप्त करेंगे ?

( ८ ) यदि ४ मनुष्य और ३ खड़कों की ४ दिन की मजदूरी ११ रुपया तथा ७ मनुष्य और २ खड़कों की २ दिन की मजदूरी २८ रु० ८ आना हो तो २ मनुष्य और २ खड़के कितने दिनों में ८१ रु० पायेंगे ?

( ९ ) एक वर्तन, जिसमें १७६ डोल पानी आता है दो नलों से भरा जाता है । यदि पहिला नल ४ घंटे और दूसरा नल ३ घंटे सुला रहता है तो वर्तन में ८६ डोल पानी भर जाना है और जब पहिला नल ३ घंटे

घौर दूसरा नल ४ घंटे तक गुला रहता है तो घर्सन में ८६ बोल पानी का जाता है तो दोनों नलों में कितने घंटे में घर्सन आधा भर जाएगा ?

### शुद्ध नियम

( १०४ ) शुद्ध नियम समलान समानुपात का ऐकिक नियम का विलुप्त प्रयोग ही है । शुद्ध नियम को निम्न अनुपात, परिवर्तन ( बदलना ) भी कह सकते हैं । हमकी घौर भी कई तरह से परिभाषायें दी जा सकती हैं । ग्रैशिक से भी हमका घनिष्ठ सम्बन्ध है । इसमें कई राशियाँ दी हुई रहती हैं घौर दो दो से सम्बन्ध भी दिया रहता है । अब हम में यह निकालना पड़ता है कि पहली राशि घौर घन्तिन राशि में क्या सम्बन्ध है । हमसे यह पता चल जाता है कि पहली राशि की एक ही हुई संख्या घन्तिन राशि की किम संख्या के समान है । जिन लोगों ने ग्रैशिक नली भीति समझ लिया है, उन्हें ऐसे प्रश्नों के लगाने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो सकती जैसा कि नीचे के उदाहरणों से स्पष्ट हो जाएगा ।

१ उदाहरण :- यदि ४ भेड़ का मूल्य ५ बकरी के बराबर, १० बकरी का मूल्य ३ गाय के बराबर, ६ गाय का मूल्य ४ बैल के बराबर और ६ बैल का मूल्य ३ घोड़े के बराबर है तो २ घोड़े का मूल्य कितनी भेड़ के मूल्य के बराबर है ?

$$\left. \begin{array}{l}
 ४ \text{ भेड़} = ५ \text{ बकरी} \\
 १० \text{ बकरी} = ३ \text{ गाय} \\
 ६ \text{ गाय} = ४ \text{ बैल} \\
 ६ \text{ बैल} = ३ \text{ घोड़े}
 \end{array} \right\}$$

$$\begin{array}{l}
 २ \text{ घोड़ा} = ६ \text{ बैल} \\
 \therefore १ \text{ घोड़ा} = ३ \text{ बैल} \\
 ४ \text{ बैल} = ६ \text{ गाय} \\
 \therefore १ \text{ बैल} = ३ \text{ गाय}
 \end{array}$$

$$\therefore \frac{1}{3} \text{ पैल} = \frac{1 \times 6}{3 \times 4} \text{ गाय}$$

$$3 \text{ गाय} = 10 \text{ बकरी}$$

$$\therefore 1 \text{ गाय} = \frac{10}{3} \text{ बकरी}$$

$$\therefore \frac{1 \times 6}{3 \times 4} \text{ गाय} = \frac{1 \times 6 \times 10}{3 \times 4 \times 3} \text{ बकरी}$$

$$2 \text{ बकरी} = 4 \text{ भेड़}$$

$$\therefore 1 \text{ बकरी} = \frac{4}{2} \text{ भेड़}$$

$$\therefore \frac{1 \times 6 \times 10}{3 \times 4 \times 3} \text{ बकरी} = \frac{1 \times 6 \times 10 \times 2}{3 \times 4 \times 3 \times 2} \text{ भेड़}$$

$$\therefore 1 \text{ घोड़ा} = \frac{1 \times 6 \times 10 \times 2}{3 \times 4 \times 3 \times 2} \text{ भेड़}$$

$$\therefore 2 \text{ घोड़ा} = \frac{2 \times 6 \times 6 \times 10 \times 2}{3 \times 4 \times 3 \times 2} \text{ भेड़}$$

$$= 12 \text{ भेड़ उत्तर}$$

ऊपर की क्रिया को ध्यान पूर्वक देखने से पता चलता है, पहले तो 12 राशियों को पहले और दूसरे दो भागों में बाँटना चाहिए जैसा कि ऊपर किया गया है। एक भाग को बाईं ओर रखना चाहिए और दूसरे को दाहिनी ओर। अब बाईं ओर की सब संख्याओं को परस्पर गुणा करके, इस संज्ञक गुणनफल से, दाहिनी ओर की सब संख्याओं के संज्ञक गुणनफल में भाग देना चाहिए। इस प्रकार बाईं ओर की प्रथम संख्या का और दाहिनी ओर की अन्तिम संख्या का संबंध मालूम हो जायगा और इसमें बाईं ओर की प्रथम संख्या की इकाई का मान, दाहिनी ओर की अन्तिम संख्या के पदों में निकलेगा। अगर बाईं ओर की सब संख्याओं के संज्ञक गुणनफल में, बाहिरी ओर की सब संख्याओं के संज्ञक गुणनफल से भाग दें तो भी वह संबंध निकल आएगा परन्तु ऐसा करने से दाहिनी ओर की अन्तिम संख्या की

इकाई का मान, बाईं ओर की प्रथम संख्या के पदों में आवेगा। पहले ही देख लेना चाहिए कि किस का मान देने में आसानी होगी। शक्ति राशि की इकाई का मान निचालना ही आसान होता है।

२ उदाहरण :—६ घोड़ों का मोल १६ गायों के मोल के समान, १२ गायों का मोल १० भैंसों के मोल के समान, २० भैंसों का मोल ३२ ऊँटों के मोल के समान, ३ ऊँटों का मोल २४ भेड़ों के मोल के समान और ६ भेड़ों का मोल २० रु० तो १२ घोड़ों का मोल क्या होगा और ६ घोड़े कितनी भेड़ों के समान होंगे ?

$$६ \text{ घोड़ा} = १६ \text{ गाय}$$

$$१२ \text{ गाय} = १० \text{ भैंस}$$

$$२० \text{ भैंस} = ३२ \text{ ऊँट}$$

$$३ \text{ ऊँट} = २४ \text{ भेड़}$$

ऊपर के नियम के अनुसार

$$१ \text{ घोड़ा} = \frac{१६ \times १० \times ३२ \times २४}{६ \times १२ \times २० \times ३} \text{ भेड़}$$

$$\therefore ६ \text{ घोड़े} = \frac{६ \times १६ \times १० \times ३२ \times २४}{६ \times १२ \times २० \times ३}$$

$$= २२४ \text{ भेड़ें}$$

$$\therefore १२ \text{ घोड़ा} = \frac{१२ \times २२४}{२} \text{ भेड़ें}$$

$$\text{और एक भेड़ का मोल} = \frac{२०}{६} \text{ रु०}$$

$$१२ \text{ घोड़े का दाम} = \frac{१२ \times २२४}{२} \text{ भेड़ों का दाम}$$

$$= \frac{१२ \times २२४ \times २०}{६ \times ६}$$

$$= २४६ \text{ रु०}$$

## अध्यासार्थ प्रश्न ( १२९ )

( १ ) यदि १५ गाय ११ घोड़े के बराबर, ११ घोड़े ५ मोड़ के बराबर और ११ मोड़ = हाथी के बराबर हैं तो ४ हाथी का मूल्य कितनी गाय के मूल्य के बराबर होगा ?

( २ ) यदि ७ सेर चाय का मूल्य ४ सेर कड़वे के मूल्य के बराबर, ६ सेर कड़वे का मूल्य ५ सेर चीनी के मूल्य के बराबर और १२ सेर चीनी का मूल्य २० सेर चाटे के मूल्य के बराबर हो तो २५ सेर चाटे का मूल्य कितने सेर चाय के मूल्य के बराबर है ?

( ३ ) यदि ४ मकान का मूल्य १ बैर के बराबर, १ बैर का मूल्य १२० बछरी के मूल्य के बराबर, १० बछरी का मूल्य २ गाय के बराबर, १ गाय का मूल्य ५ भैंस के बराबर और २ भैंस का मूल्य ८ बैर के मूल्य के बराबर है तो १० बैर का मूल्य कितने मकान के मूल्य के बराबर होगा ?

( ४ ) यदि १२ घोड़ों का मूल्य ७ भैंस के मूल्य के बराबर, ११ भैंस का मूल्य ११ गाय के मूल्य के बराबर, १० गाय का मूल्य ६ बछरी के मूल्य के बराबर और १२ बछरी का मूल्य ११ भैंस के मूल्य के बराबर हो तो १२ भैंस का मूल्य कितने घोड़ों के मूल्य के बराबर होगा ?

( ५ ) यदि ८ घोड़े = ३ भैंस, ११ भैंस = १६ गाय, ६ गाय = ११ बछरी और १८ बछरी = ३३ भैंस तो ६३ भैंस के मूल्य में कितने घोड़े बंधेंगे या मरते हैं ?

( ६ ) यदि २० चीनी बराबर है १२ आमरस के, ४ आमरस बराबर है ७ आम के और १२ आम बराबर है २४० मुसुरी के मूल्य के तो ११ चीनी, ५ आमरस, १० आम और २० मुसुरी का मूल्य बराबर होगा यदि मुसुरी की दर ५; तब प्रति सिक्का है ?

( ७ ) एक बालू में १०० गड हैं। वेनों का सम्बन्ध इस प्रकार है कि १०० गड बालू के हैं तो १०० बालू के, ३ गड बालू के तो १००

नारियल के, २ पेड़ ताड़ के तो ११ पेड़ आम के और ७ पेड़ निम्ब के तो २ पेड़ ताड़ के हैं तो हर तरह के पेड़ों की संख्या बताओ ।

( ८ ) १६ मनुष्य उतने काम को कर सकते हैं जितने को २२ छिपों; और २ छिपों उतने काम को कर सकती हैं जितने को ८ लड़के । एक काम को १२२ लड़कों ने मिल कर पूरा किया तो बताओ उसी काम को कितने मनुष्य कर सकते हैं ?

( ९ ) यदि ७२ रु० = ७ पौण्ड, २ पौण्ड = ६३ फ्लोरिन और १४ फ्लोरिन = २ डालर के होता है तो ७० डालर में कितने रुपये मिलेंगे ?

( १० ) क ७ दिन में उतना काम कर सकता है जितना ख ६ दिन में, ख ८ दिन में उतना काम कर सकता है जितना ग ७ दिन में और ग ६ दिन में उतना काम कर सकता है जितना घ १० दिन में; तो बताओ जिस काम को घ १२ दिन में कर सकता है सब मिल कर उसे कितने दिनों में करेंगे ?

( ११ ) जितने समय में क एक काम का  $\frac{1}{4}$  करता है ख उतने समय में  $\frac{1}{5}$  करता है और ख जितने समय में  $\frac{1}{5}$  करता है ग उतने समय में  $\frac{1}{6}$  करता है और ग जितने समय में  $\frac{1}{6}$  करता है घ उतने समय में  $\frac{1}{7}$  करता है । यदि घ उस काम को १२ दिन में कर सकता है तो सब मिल कर उसे कितने दिनों में कर सकेंगे ?

### समानुपातो भागों में विभाग

( १२ ) किसी दी हुई संख्या या राशि को समानुपातो भागों में बांटने का यह आशय होता है कि उनको ऐसे भागों में विभाजित करना है जे' जो हुई संख्याओं के समानुपाती हों । जैसे ३० रु० को ऐसे भागों में बाँटो कि एक दूसरे का दूना हो स्पष्ट है कि इसका उत्तर २० रु०, १० रु० है ।





$$\therefore \frac{अ}{ब} \times \frac{ब}{स} = \frac{अ}{स} = \frac{३}{४} \times \frac{४}{२} = \frac{३}{२}$$

$$\text{और } \frac{अ}{ब} \times \frac{ब}{स} \times \frac{स}{द} = \frac{अ}{द} = \frac{३}{४} \times \frac{४}{२} \times \frac{२}{६} = \frac{३}{६}$$

$$\therefore अ : ब : स : द = ३ : ४ : २ : ६$$

$$\therefore ३ + ४ + २ + ६ = १५$$

$$१५० \div १५ = १०$$

$$\therefore १० \times ३ = ३० \text{ रु० अ का भाग}$$

$$\therefore १० \times ४ = ४० \text{ रु० ब का भाग}$$

$$\text{और } १० \times २ = २० \text{ रु० स का भाग}$$

$$\text{और } १० \times ६ = ६० \text{ रु० द का भाग}$$

( ४ ) १५० गैलन मिश्रित वस्तु में शराब और पानी में २:३ का संबंध है तो बताओ उसमें कितना और पानी मिलाया जाय कि शराब और पानी में २:४ का संबंध हो जाय

$$२ + ३ = ५$$

$$\therefore \text{शराब} = \frac{१}{५} \times १५० = ३० \text{ गैलन}$$

$$\text{और पानी} = \frac{३}{५} \times १५० = ९० \text{ गैलन}$$

इस प्रश्न से साफ जाहिर है कि उसमें केवल पानी ही बढ़ाया जाता है इसलिए शराब की मात्रा वही रहती है

$$२ : ४ :: ३० \text{ गैलन} : \text{उत्तर}$$

$$\therefore २ \times \text{उत्तर} = ३० \times ४ \text{ गैलन}$$

$$\therefore \text{उत्तर} = \frac{३० \times ४}{२} = ६० \text{ गैलन}$$

$$६० - ३० = ३० \text{ गैलन पानी और मिलाना चाहिए}$$

( ५ ) एक पीपे में ३० गैलन शराब और पानी मिला हुआ भरा है । उसमें शराब और पानी का अनुपात ३:२ है । तो बताओ पीपे में से कितनी

मिश्रित वस्तु निकाल कर उतना ही पानी भरा जाय कि उस शराब और आधा पानी हो जाय ।

$$१ + २ = ३$$

उस पीपे में शराब  $= \frac{1}{3} \times ३ = १$  गैलन

और पानी  $= \frac{1}{3} \times २ = १२$  गैलन

पीपे में आधी शराब रह जानी चाहिए अर्थात् उसमें  $१ - १ = ०$  गैलन ही शराब रहनी चाहिए ।

$\therefore १ - १ = ०$  गैलन शराब निकाल लेना चाहिए ।

परन्तु १ गैलन शराब निकालने में २ गैलन पानी भी निकल जाय इस लिए  $१ + २$  या ३ गैलन मिश्रित वस्तु निकालना चाहिए ।

### अभ्यासार्थ प्रश्न ( १३० )

( १ ) १० रु० को ऐसे दो भागों में विभाजित करो कि एक २ गुना हो ।

( २ ) ६० को ऐसे तीन भागों में बाँटो कि उन के भाग १, २, ३ के समानुपाती हों ।

( ३ ) १०० रु० को अ, ब और स में इस प्रकार बाँटो कि ब के का गुना और स को अ तथा ब के भागों के योग के समान मिले ।

( ४ ) ८१ को ऐसे तीन भागों में बाँटो कि उनके भाग १, २, ३ के समानुपाती हों ।

( ५ ) ६३ रु० १२ आने को ऐसे चार भागों में बाँटो जो  $१, १\frac{1}{2}, २\frac{1}{2}$  और  $३\frac{1}{2}$  के समानुपाती हों ।

( ६ ) ३४ पौंड ११ सि० ४ पेंस को दो ऐसे भागों में जिनमें दूसरा पहले का ३ हो ।

( ७ ) ४२ रु० को ऐसे ५ भागों में विभक्त करो कि उनके भाग  $१, ३, ५, ७$  और  $९$  के समानुपाती हों ।



( ३३ ) ४८ को दो पंच भागों में विभक्त करो कि पहले का १ गुना और दूसरे का चौगुना मित्रा कर १०३ हो ।

( ३४ ) ६१ को दो पंच भागों में बाँटो कि पहले का १ और दूसरे का १ मित्रा कर १७ हो ।

( ३५ ) क. म. म. दूना बड़ा और ग. से ४ वर्ष बढ़ा है । दोनों आयु का योगफल ६६ वर्ष है तो प्रत्येक की आयु बताओ ।

( ३६ ) इस समय क. ल. और ग. की आयु का योगफल ३८ वर्ष है ४ वर्ष पहले लाला का आयु का सम्बन्ध ४ : ६ : १ था, तो इस समय दोनों की आयु पृथक् पृथक् क्या है ?

( ३७ ) जब कि २५ तोले सोने के दाम ५८ रु० ६ आ० १ पा० १ तो एक तोले चाँदी के दाम क्या होना चाहिये, जब उसकी और सोने के कीमत म. : १२ : का अनुपात है ?

( ३८ ) एक मनुष्य के दाम ५ पौंड १० शि० की पुँजी है, जिस पर साधारण, अर्द्ध काउन और शि० के सिक्के २ : ३ : ११ के अनुपात में हैं, प्रत्येक की संख्या बताओ ।

( ३९ ) १०० पौ० को १५ पुरुष २० स्त्री और ३० बालकों में इस प्रकार बाँटो कि एक पुरुष और एक बालक का भाग मित्रा कर दो स्त्रियों के भाग के समान हो और सब स्त्रियों के कुल ६० पौंड मिले ।

( ४० ) एक कारखाने में काम करने वाले पुरुष, स्त्री और बच्चों की संख्या क्रमशः १ : २ : ३ के सम्बन्ध में है, और एक पुरुष, एक स्त्री, और १ लड़के का मजदूरी क्रमशः ६ : ३ : २ के सम्बन्ध में है । जब कारखाने में कुल ५० पुरुष हैं और मासिक मजदूरी ४५० रु० है तो बताओ । पुरुष १ स्त्री और १ लड़के का मजदूरी पृथक् पृथक् क्या है ?

( ४१ ) एक मनुष्य ने अपना सम्पत्ति का ३/४ अपने पुत्र के लिये और १/४ अपनी पत्नी के लिये दान किया । २ वर्ष बाद उसका नाम ५ : २ : १ के अनुपात में बँटीला कर दिया । २ वर्ष बाद उसका पुत्र पत्नी से म. ५०० रु० खर्च

दिये और बाकी को व और ग में ४ : १ के अनुपात में बाँट दिया। अगर ग का हिस्सा ६२०० रु० हो तो बताओ व और व को कितना मिला ?

( ४२ ) २०० को दो भागों में विभाजित करो कि पहले का दुना, दूसरे के तिगुने के बराबर हो।

( ४३ ) कुछ रुपये व, व और ग में बाँटे गये; व को ग से तिगुना और व को ग से दुना मिला। यदि व ने ग से २० रु० = आ० अधिक पाये तो बताओ कुल कितने रुपये बाँटे गये ?

( ४४ ) ६० गैलन मिश्रित वस्तु में शराब और पानी में ३ : २ का सम्बन्ध है तो बताओ उसमें कितना पानी मिलाया जाय कि शराब और पानी में ४ : ३ का सम्बन्ध हो जाय ?

( ४५ ) एक वर्तन में ४० सेर दूध और पानी मिला हुआ भरा है जिसमें दूध और पानी का अनुपात ३ : २ है तो बताओ वर्तन में से कितने सेर मिश्रित वस्तु निकाल कर उतना ही पानी भरा जाय कि वर्तन में जाया दूध और जाया पानी हो जाय।

( ४६ ) एक वर्तन में २४ सेर दूध भरा हुआ है। पहले उसमें से ४ सेर दूध निकाल लिया और वर्तन को पानी से भर दिया, अब उस मिश्रित वस्तु में से ४ सेर निकाल कर फिर पानी से भर दिया, यह क्रिया तीन बार की गई तो बताओ अन्त में दूध और पानी में क्या सम्बन्ध रहेगा ?

( ४७ ) एक वर्तन में कुछ दूध रखा है। पहले उसमें से २ सेर दूध निकाल कर फिर २ सेर पानी जोड़ दिया गया। फिर २ सेर मिश्रित वस्तु निकाल कर उसमें २ सेर पानी भर दिया गया। अब उसमें दूध और पानी में १६६ : २६ का सम्बन्ध है। तो बताओ पहले उस वर्तन में कितना दूध था ?

### दम्बुरा या कमीशन

( ४८ ) दम्बुरा या कमीशन वह धन है जो मध्यस्थ व्यक्ति को वस्तु का मूल्य लाने की लागत पर प्रति सैकड़ा दिया जाय।

स्टाक, प्रामिसरी नोट या कम्पनी के कागज़ों के बेंचवाने वाले-मर्ज के प्रायः दलाल कहते हैं और उनकी दस्तूरी दलाली कहलाती है।

बीमा कराई उस दस्तूरी को कहते हैं जो किसी कम्पनी को किसी विशेष दरा में वस्तुओं के सुरक्षित रखने तथा हानि की दरा में उने की प्रतिज्ञा के लिए दी जाय। इससे स्पष्ट है कि कमीशन, दस्तूरी, दरा और बीमा कराई आदि सब प्रति सैकड़ा के हिसाब से दिया जाता है।

पालिसी एक प्रतिज्ञा पत्र है। बीमा कराई को प्रीमियम भी कहते हैं।

१ उदाहरण :—एक दलाल के द्वारा एक मकान ३२०० रु० में बिका। तो बताओ दलाल को कितना मिला। दलाली प्रति सैकड़ा २० है।

$$१०० रु० : ३२०० रु० :: २ : उत्तर$$

$$\therefore १०० \times उत्तर = ३२०० \times २ रु०$$

$$उत्तर = \frac{३२०० \times २}{१००} रु०$$

$$= ६४ रु०$$

२ उदाहरण — ३ रु० प्रति सैकड़ा बीमा कराई की दर है तो बताओ एक मनुष्य को १००० रु० की बीमा कराई में कितना वार्षिक प्रीमियम देना पड़ेगा।

$$१०० रु० में प्रीमियम = ३ रु०$$

$$\therefore १ रु० " " = \frac{३}{१००} रु०$$

$$१००० रु० " " = \frac{१००० \times ३}{१००} रु०$$

$$= ३० रु०$$

अभ्यासार्थ प्रश्न ( १३१ )

( १ ) एक दलाल ने ३५०५ रु० का समान बेचा, तो उसे १६ रु० प्रति सैकड़ा की दर से दलाली में कितने रुपये मिलेंगे ?

( २ ) ६१२ पौण्ड १० शि० ४ पेंस पर ४ मिलिट्र प्रति मैकदा की दर से दलाली क्या होगी ?

( ३ ) यदि किसी दलाल को १½ पौण्ड प्रति मैकदा की दर से किसी मकान के चेंबने के लिए १६ पौण्ड ६ शि० ८ पेंस दलाली मिली हो तो मकान का मूल्य बताओ ।

( ४ ) एक दलाल ने ४ रु० ८ आने प्रति घेरे की दर से ४२५ घेरे चायल मोल लिये । उसे प्रति मैकदा २½ रु० की दर से बर्मीशन मिलता तो बताओ खरीदने वाले को कुल कितने रुपये खर्च पड़े ?

( ५ ) एक जहाज के माल के असली मूल्य के ¾ का बीमा कराया गया । यदि प्रीमियम १½ रु० प्रति मैकदा की दर से २२ रु० १२ आ० ६½ पाई लगा तो जहाज की असली कीमत बताओ ।

( ६ ) एक मी पौण्ड के बीमा कराने में २१ शि० प्रीमियम, १ शि० ६ पेंस प्रतिशत पर कर ( स्टाम्प ) और १० शि० दलाल के कमीशन देना पड़ता है । यदि २२२२ पौण्ड का बीमा कराया जाय तो कुल कितना खर्च पड़ेगा ?

( ७ ) १२३८ पौण्ड कीमत के माल का बीमा ३½ पौण्ड प्रति मैकदा प्रीमियम की दर से कितने का कराया जाए कि यदि माल किसी कारण से नष्ट हो जाए तभी उस माल का मूल्य और बीमा कराई दोनों वसूल हो जाए ?

( ८ ) १२३६ पौण्ड के माल का बीमा कितने का कराया जाए कि माल नष्ट होने पर माल और बीमा कराई दोनों वसूल हो सकें ? जब कि प्रीमियम २० शि० ३ पेंस, स्टाम्प १ शि० ६ पेंस और दलाली १० शि० ६ पेंस है ।

( ९ ) १२३६ रु० का माल या बीमा कितने रुपये का कराया जाए कि माल नष्ट होने पर माल और बीमा का खर्च वसूल हो सके । बीमा





परन्तु हाथी का दान = २२०० रु०

∴ भैंस और गाय का दान = २४०० — २२००

= २०० रु०

∴ घोड़ा का दान = ३०० — २००

= १०० रु० उत्तर

## अभ्यासार्थ प्रश्न ( १३२ )

निम्न लिखित संख्याओं की श्रृंखला निकालो :—

( १ ) २, ६, ७, ८, ४

( २ ) ११, १२, १६, १३, २३

( ३ ) २८, २४, १६, १३, ३

( ४ ) ८, ११, १३, ६, १०

( ५ ) ७२, ३२, १४, १३, ३६, ६

( ६ ) ३१, ४१, ३१, २१

( ७ ) ११३, ८३, ७३, ६, ३, ३

( ८ ) पाँच बैलों का मूल्य क्रम से ३२, ४२, ८१, ३२ और २४ रु० हैं तो उनके मूल्य की श्रृंखला निकालो ।

( ९ ) ४ लड़कों की उपस्थिति क्रम से २०, २४, २१ और २३ दिन हैं तो उनकी उपस्थिति की श्रृंखला बताओ ।

( १० ) एक मनुष्य ने अपनी पाँच गायों को क्रम से २०, २२, ४३, ४२ और ७२ रु० में बेची तो प्रत्येक गाय का औसत मूल्य क्या हुआ ?

( ११ ) एक बटई में ४ कुर्मी पाँच पाँच रुपये में, ६ कुर्मी छार छार रुपये में और दो कुर्मी १ रु० ८ आने की दर में बेची तो प्रत्येक कुर्मी का औसत मूल्य बताओ ।

१२ ) छार बैल और ३ गायों के मूल्य की श्रृंखला ३८ रु० है

माताओं के मूल्य की घोषणा ४५ रु० है तो बेटों के मूल्य की भी घोषणा बलासी।

( ११ ) चार मनुष्यों के हाथों की औसत ३५५ द० है । इसमें से मनुष्य के पाय ५२५ द० हैं तो शेष तीनों के हाथों की औसत बताओ :

( १४ ) ८ घोड़ों, १० बैल, ७ गाय और ५ भैंस के मूल्य की रकम २५ रु० है । घोड़ों के मूल्य की औसत ८२ रु०, बैलों के मूल्य की २५ रु० और गायों के मूल्य की औसत २५ रु० है जो भैंस के मूल्य की औसत बनाये ।

( ३२ ) १ मनुष्यों की आयु की औसत २० वर्ष है । हमने दे रें मनुष्यों की आयु कम से ३३ और ३२ वर्ष है, जो दोन बार मनुष्यों की आयु की औसत निरूपित ।

( १६ ) • कोरे मासों की मीछ की घीमन ३ मत्त १५ से है। यह  
• कोरे मासों की मीछ की घीमन ३ मत्त है तो दोन तीन कोरे मासों की  
मीछ की घीमन बनाया।

( १० ) एक पाठशाळा में १२ बच्चे हैं । उनकी आयु की सीमा १ वर्ष है, यदि यह बच्चे छोटा या बड़ा बालिका की आयु की सीमा ० वर्ष है तो यह पाठशाळा ४ बच्चों की आयु की सीमा क्या होगी ?

( ३८ ) एक मास, एक घोड़ा और एक बैल के नामों की शीशम १० रु० है और बड़ी मास बड़ी घोड़ा और एक बैल के नामों की शीशम २० रु० है । यदि बैल का नाम १२ रु० है तो बैल का मास बनाना ।

( १४ ) कुछ चीनी, कुछ लाल और १ मैग के दूध की चौक ॥  
 २० है चीनी दही कोठा दही लाल चीनी ॥ कुछ हाथी के दूध की चौक ॥  
 २० है । यदि हाथी का दूध २३ ०२ २० है तो मैग का दूध हाथी ।

( २२ ) दिया वह लीज का मुकादमा ४ मरगाहों की रीति  
मरगाहों का उद्गम दिया हुआ है उनमें से १ मरगाहें बरत की १० की  
१२ तथा उद्गम का मरगाह ११ है और उद्गम का १ मरगाहें ( १३ ) की

हम प्रथम का टकरा १० दिना हुआ है, तो बचाओ वे दो संख्याएँ बचें बचें सी हो सकती हैं?

( २१ ) १० से लेकर २०० तक की संख्याओं की श्रृंखला बताओ ।

( २२ ) एक मेस में ४० छात्रों की रमोई बननी थी । उसमें १२ छात्रों के और बड़े जाने पर मेस का खर्च प्रति मास ६०० रु० बढ़ गया, परन्तु श्रृंखला खर्च प्रति छात्र १० रु० कम हो गया तो बताओ पहले मासिक खर्च क्या था ?

( २३ ) सम्मेलन की प्रथम परीक्षा के १ परीक्षार्थियों ने कुल नम्बरों का १, १ परीक्षार्थियों ने १, १ परीक्षार्थियों ने १, १ परीक्षार्थियों ने १, १ परीक्षार्थियों ने १, १ परीक्षार्थियों ने १ और शेष परीक्षार्थियों ने १ प्राप्त किया । कुल परीक्षार्थियों के प्राप्त नम्बरों की श्रृंखला २६६ है तो बताओ कुल नम्बर कितने हैं ?

( २४ ) राम ने पर साल २० बीघे में गेहूँ बोया था । इस वर्ष उसने २० बीघे अधिक गेहूँ बोया और पर साल से कुल ६० मन अधिक गेहूँ पैदा हुआ । परन्तु गेहूँ की श्रृंखला पैदावार पर साल से इस वर्ष प्रति बीघा १३ मन कम हो गई तो बताओ पर साल उसने कुल कितने मन गेहूँ पैदा हुआ था ?

### तत्कालीन और भित्तीकाटा

( १०० ) मान लिया कि किसी छात्रों ने कुछ धन उधार लिया और महाजन को ब्याज और मूलधन निश्चय कर कुछ निपट समय के बाद देने का वादा किया । अब किसी कारण से वह निपट समय के पहले ही अपना चुका देना चाहता है । ऐसी दशा में वह महाजन को कुछ रक्कम नहीं देना बल्कि उतने समय का कितने समय पहले वह रक्कम देना ब्याज काट लेगा । हम रुपये को जो निपट समय के पहले ब्याज काट कर दिया जाता है । तत्काल धन और कितना ब्याज काट लिया जाता है उसे भित्ती काटा

कहते हैं और जिनका धन के देने का वह पहले वादा करता है देय धन कहने हैं। अतएव देय धन में व्याज और मूल धन दोनों मिले रहने हैं।

इन परिभाषाओं से स्पष्ट है कि तत्कालधन = मूलधन

मिनीकाटा = व्याज [ परन्तु वह भी स्मरण रखना चाहिये कि व्याज और मिनी काटा दो भिन्न २ धन के हैं, एक ही धन के नहीं।

और देयधन = तत्कालधन + मिनी काटा

ऊपर के समीकरणों का प्रयोग व्यवहार के लिए किया जा सकता है।

१ उदाहरण :— १ सैकड़ा व्याज की दर से ४ वर्ष के समय में देयधन

४८० रु० का तत्कालधन बनायो।

१ वर्ष में १ रु० व्याज है।

४ वर्ष में  $४ \times १ = ४०$  रु०

• मिथधन =  $१०० + ४० = १४०$  रु०

∴ १४० रु० का तत्कालधन =  $१००$  रु०

• १ रु० " " =  $\frac{१००}{१२०}$  रु०

• ४८० रु० " " =  $\frac{४८० \times १००}{१२०}$  रु०

= ४०० रु०

• उत्तर = ४०० रु०

### अभ्यासाय प्रश्न ( १३३ )

तत्कालधन बनायो :—

( १ ) १ सदीये के समय में देय १५० रु० का देने का, १ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से।

( २ ) १ वर्ष के समय में देय १८१५ रु० का, ४ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से।

( ३ )  $1\frac{1}{2}$  वर्ष के अंत में देय १२२६ रु० ४ आने का,  $2\frac{1}{2}$  प्रति सैकड़ा ब्याज की दर से ।

( ४ ) २ वर्ष ६ महीने के अंत में देय १६१६१ रु० २ आ० ४ पाई का ४ प्रति सैकड़ा ब्याज की दर से ।

( ५ ) २ वर्ष के अंत में देय ४२१२ रु० का,  $3\frac{1}{2}$  प्रति सैकड़ा ब्याज की दर से ।

( ६ ) २ महीने के अंत में देय ३४३ पौ० ६ शिलिंग = पैसे का  $4\frac{1}{2}$  प्रति सैकड़ा ब्याज की दर से ।

( ७ ) २ महीने के अंत में देय ४१८ पौण्ड का, ६ प्रति सैकड़ा ब्याज की दर से ।

( ८ )  $4\frac{1}{2}$  वर्ष के अंत में देय ४२२ पौण्ड १२ शिलिंग का, २ प्रति सैकड़ा ब्याज की दर से ।

( ९ ) २ वर्ष के अंत में देय ८४ पौण्ड १० शिलिंग का, ४ प्रति सैकड़ा ब्याज की दर से ।

( १० ) २१ महीने के अंत में देय ६८० पौ० १८ शिलिंग ४ पैसे का,  $3\frac{1}{2}$  प्रति सैकड़ा ब्याज की दर से ।

( ११ ) १६ महीने के अंत में देय धन २२६१ रु० ८ आ० का,  $4\frac{1}{2}$  प्रति सैकड़ा ब्याज की दर से ।

२ उदाहरण :—२ प्रति सैकड़ा ब्याज की दर से २ वर्ष के अंत में देयधन १००० रु० का निती काटा बताओ ।

$$1 \text{ वर्ष में ब्याज} = ५ \text{ रु०}$$

$$२ \text{ वर्ष में ब्याज} = ५ \times २ \text{ रु०}$$

$$= १० \text{ रु०}$$

$$१००० \text{ रु० का निधन} = १००० + १० = १०१० \text{ रु०}$$

$$१०१० \text{ रु० का नितीकाटा} = १०१ \text{ रु०}$$

$$1. 1 \quad " \quad " \quad " \quad = \frac{22}{122} \text{ रु०}$$

$$\therefore 1000 \text{ रु०} \quad " \quad " \quad = \frac{1000 \times 22}{122} \text{ रु०}$$

$$= 1800 \text{ रु०}$$

$$\therefore \text{उत्तर} = 1800 \text{ रु०}$$

### अभ्यासार्थ प्रश्न ( १३४ )

मिनीमाट्र निहाजों:—

( १ ) २½ प्रति मैकदा व्याज की दर से ८ महीने के समय में देयधन २०० रु० का ।

( २ ) ०½ प्रति मैकदा व्याज की दर से ०२ दिन के समय में देयधन ०१० रु० का माना का ।

( ३ ) २ प्रति मैकदा व्याज की दर से ३ महीने के समय में देय १३२० रु० का ।

( ४ ) ३½ प्रति मैकदा व्याज की दर से १½ वर्ष के समय में देय २१४ रु० का ।

( ५ ) ३½ प्रति मैकदा व्याज की दर से ८ महीने के समय में देय ०९ पीछ १० डिग्रि का ।

( ६ ) ४½ प्रति मैकदा व्याज की दर से ३½ वर्ष के समय में देय २२०८ रु० १२ पा० का ।

( ७ ) २ प्रति मैकदा व्याज की दर से ३ वर्ष के समय में देय ८३३ पी० १२ डिग्रि का ।

( ८ ) २ प्रति मैकदा व्याज की दर से १२ महीने के समय में देय १३२८ रु० २ पा० का ।

( ६ ) २ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से १८ वर्ष के अन्त में देय  
३१६ रु० १० आ० = पाई का ।

( १० ) ७½ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से १० वर्ष के अन्त में  
देय धन २५३ पौण्ड २ शिलिङ्ग ६ पेंस का ।

( ११ ) ३½ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से २½ वर्ष के अन्त में  
देय ३२८ पौण्ड १० शिलिङ्ग ६ पेंस का ।

३ उदाहरण :—६ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से ६१० रु० का २१०  
रु० मित्रीकाया है तो समय निकालो ।

$$६१० रु० का मित्री काया = २१० रु०$$

$$\therefore \text{तत्काल धन} = ( ६१० - २१० ) रु० \\ = ४०० रु०$$

$$४०० रु० का व्याज = २१० रु०$$

$$\therefore १ रु० " " = \frac{२१०}{४००} रु०$$

$$\therefore १०० रु० " " = \frac{१०० \times २१०}{४००} रु० \\ = ३० रु०$$

$$६ रु० व्याज होता है = १ वर्ष में$$

$$\therefore १ रु० " " = \frac{१}{६} वर्ष में$$

$$\therefore ३० रु० " " = \frac{३०}{६} वर्ष में \\ = ५ वर्ष में$$

उत्तर ५ वर्ष ।

### अभ्यासार्थ प्रश्न (१३५)

नीचे लिखे हुए प्रश्नों में समय बताओ जब कि :—

( १ ) ४½ प्रति सैकड़ा की दर से ६०२ रु० १२ आने का मित्री काया  
२२२ रु० १२ आना है ।



( १ ) ४ प्रति मैत्रके की दूर से ३१२ क० का मिनी काग ११० क० है ।

( २ ) ४ प्रति मैत्रके की दूर से ३२० गौ० १६ मि० ६ पै० का मिनी काग ३२ गौ० १० मि० ६ पै० है ।

( ४ ) ४ प्रति मैत्रके की दूर से ३२६ गौ० १ मि० ११ पै० का मिनी काग ३२ गौ० १ मि० ११ पै० है ।

( ८ ) ४ प्रति मैत्रके की दूर से ३०२ गौ० ८ मि० का मिनी काग ३० गौ० ८ मि० है ।

( ६ ) २ प्रति मैत्रके की दूर से ४०८ क० ४ घा० ४ पाई का मिनी काग ३३ क० ४ घा० ४ पाई है ।

( ७ ) ४ प्रति मैत्रके की दूर से ३०६ क० ८ घा० ८ पाई का मिनी काग ३० क० ८ घा० ८ पाई है ।

( ८ ) ४ प्रति मैत्रके की दूर से ८०८ गौ० ४ मि० ३ पै० का मिनी काग ८० क० ४ मि० है ।

( ९ ) ४ प्रति मैत्रके की दूर से ३२६६ गौ० ६ मि० ६ पै० का मिनी काग ३२०८ गौ० १२ मि० है ।

( १० ) ४ प्रति मैत्रके की दूर से ३०३ क० १ घा० ३ पाई का मिनी काग ३०० क० १ घा० ३ पाई है ।

( ११ ) ४ प्रति मैत्रके की दूर से ३०३ मैत्रके ४ मि० ६ पै० का मिनी काग ३०० मैत्रके है ।

४ मिनी काग — ४ क० ४ घा० ४ मि० ४ पै० का ३३० क० का मिनी काग है जो मिनी की दूर समाना ।

३३० क० का मिनी काग = ३३० क०

मिनी काग = ३३० ११०

= ३३० क०

३३० क० का मिनी काग = ३३० क०

$$\therefore 1 \text{ र० } " = \frac{140}{100} \text{ र०}$$

$$\therefore 100 \text{ र० } " = \frac{100 \times 140}{100} \text{ र०}$$

$$= 140 \text{ र०}$$

$$\therefore \text{ दर } = \frac{1}{100} = 0 \text{ प्रति सैकड़ा}$$

### अभ्यासार्थ प्रश्न ( १३६ )

प्याज की दर बताकर जय कि :—

( १ ) १ वर्ष के अन्त में ४२६० र० देय धन पर १६० र० निती काटा है ।

( २ ) ४ वर्ष के अन्त में ७२६ पौण्ड देय धन पर तत्काल धन ६०५ पौण्ड है ।

( ३ ) ४ वर्ष के अन्त में १६७ पौण्ड २ शिलिङ्ग २ पेंस देय धन पर निती काटा ७१ पौण्ड १२ शिलिङ्ग २ पेंस है ।

( ४ ) ३½ वर्ष के अन्त में ३८५ पौण्ड १५ शिलिङ्ग देय धन पर निती काटा ४८ पौण्ड ५ शिलिङ्ग है ।

( ५ ) ६½ वर्ष के अन्त में देय धन ११७४६ र० १० आ० ८ पाई पर निती काटा ३०२४ र० १० आ० ८ पाई है ।

( ६ ) ३ वर्ष के अन्त में ८३३ पी० १५ शिलिङ्ग देय धन पर निती काटा १०८ पौण्ड १५ शिलिङ्ग है ।

( ७ ) ६ महीने के अन्त में देय धन ४१८ पौण्ड पर तत्काल धन ४०० पौण्ड है ।

( ८ ) २½ वर्ष के अन्त में देय धन ५३८ पौण्ड १० शि० ० १½ पें० पर तत्काल धन ५०० पौण्ड १५ शि० ४ पेंस है ।

( ९ ) ५ वर्ष के अन्त में १४६६२ र० ८ आ० देय धन पर निती काटा २३६२ र० ८ आना है ।



२२ मई को देन है वास्तव में २२ मई को देन होता है । जैसे अगर क  
विल ११ जुलाई को दो नहीने की सुत पर लिखा गया हो तो करने को ते  
१० सितम्बर को देन होता है पन्तु कमल में वह १ अक्टूबर को देन होता  
है । ऐसे प्रश्नों में नहीने सर्वदा संघों के तिर जाते हैं, १० दिन के बनावटी  
नहीं

हुंडी का धन = तत्काल धन + कमली निती काय

∴ हुंडी के धन का व्याज = तत्काल धन का व्याज + कमली नितीकाय  
का व्याज ।

= कमली नितीकाय + कमली नितीकाय का  
व्याज ।

∴ अवधारित बटा = कमली नितीकाय + कमली नितीकाय का  
व्याज ।

१ उदाहरण :— १०० रु० की एक हुंडी २० जनवरी को ४ नहीने की  
सुत पर लिगी गई और ११ मार्च को २ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से  
सुनाई गई तो बताओ हुंडी खेचने वाले को क्या मिला और उस पर व्याज  
हार्कि बटा क्या हुआ ?  
करने को तो हुंडी २० मई को देन है पन्तु कमल में वह २१ मई को  
दे है ।

११ मार्च में २१ मई तक = ०१ दिन =  $\frac{1}{365}$  वर्ष

१०० रु० का १ वर्ष का व्याज = ४ रु०

१०० रु० का  $\frac{1}{365}$  वर्ष का व्याज =  $\frac{4}{365}$  रु०

१ रु०

$\frac{4}{365} \times 182.5 = 1.98$

$1.98 + 1.98 = 3.96$

३ रु०

• व्यवहारिक बढ़ा  $\approx २$  रु०

घौर हुड़ी भुनाने बाजों को २००-२ वा ४१२ रु० निचे ।

✓ उदाहरण — एक हुड़ी का घमझी मितीकाटा २० रु० है तो बैकर का लाभ २ रु० है तो मिलने रु० की हुड़ी थी ।

व्यवहारिक बढ़ा = बैकर का लाभ + घमझी मितीकाटा

$$= २ + २०$$

$$= २२ रु०$$

• घमझी मितीकाटे का व्याज = व्यवहारिक बढ़ा - घमझी मितीकाटा

$$= २२ - २०$$

$$= २ रु०$$

.. २० रु० का व्याज = २ रु०

२ रु० व्याज पर मूलधन = २० रु०

• १ रु० " =  $\frac{१}{१०}$  रु०

• २२ रु० " =  $\frac{२२ \times २०}{१०}$  रु०

$$\approx १०० रु०$$

१ उदाहरण :— २०० रु० की एक हुड़ी १० मार्च को १ महीने की मुदत पर लिखी गई घौर २० वीं अप्रैल को ४  $\frac{१}{२}$  सैकड़े व्याज की दर से भुनाई गई । तो बैकर का लाभ बताओ ।

बैकर का लाभ = व्यवहारिक बढ़ा - घमझी मितीकाटा

$$\text{व्यवहारिक बढ़ा} = \frac{२०० \times ४}{१०० \times २} \times \frac{१४६}{३६५} = २ रु०$$

$$\text{घौर घमझी मितीकाटा} = \frac{२}{२००} \times \frac{२०० \times ४}{२} = \frac{४२००}{२००} रु०$$

$$\text{बैकर का लाभ} = २ - \frac{४२००}{२००} = २१ रु०$$



जाय जिससे सौदागर अपने भाइयों को १२ प्रति सैकड़ा दस्तगी देय १० प्रति सैकड़ा के लाभ में रहे ।

( १० ) एक व्यापारी अपने भाग को क्रय मूल्य से २० प्रति सैकड़ा लाभ लेकर बेचता है और अपने भाइयों को १० प्रति सैकड़ा दस्तगी दे दे तो उसे प्रति सैकड़ा क्या लाभ होता है ?

( ११ ) १००० रु० की एक हुण्डी २४ मार्च को १ महीने की मुद पर लिखी गई और १० अप्रेल को ४ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से भुनाई गई तो बताओ हुण्डी बेचने वाले को क्या मिला और उस पर व्यवहारिक क्या हुआ ?

( १२ ) १०० रु० की एक हुण्डी १ जनवरी को १ महीने की दर पर लिखी गई और ११ मई को २½ सैकड़े व्याज की दर से भुना तो बेचकर का लाभ बताओ । और यह भी बताओ कि भुनाने पर कितना मिला ?

### अभ्यासार्थ प्रश्न ( १३८ )

( १ ) क्रय मूल्य से प्रति सैकड़ा कितने अधिक दाम में सौदा जाये जिस से व्यापारी अपने भाइयों को २ प्रति सैकड़ा कमिशन देकर प्रति सैकड़ा लाभ में रहे ?

( २ ) यदि किसी पुस्तक की १ प्रतियों के उधार का मूल्य वसी की १० प्रतियों के बराबर मूल्य के बराबर हो, तो डिस्ट्रीट की प्रति की दर बताओ ।

( ३ ) यदि ३ सैकड़े व्याज की दर से १०० रु० का १४२ रु० के मिनीकाटे के बराबर हो तो बताओ, ३४२ रु० के समय के अन्त में देय है ?

( ४ ) यदि ३½ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से ७०० रु० का ७१८ रु० पर के मिनीकाटे के बराबर है तो बताओ, ७१८ रु० के समय के अन्त में देय है ?

( ४ ) ४ प्रति सैकड़ा व्याज की दर में किसी समय में किसी धन का व्याज २६ रु० और ( उसी समय के लिए उसी व्याज दर में ) नितीकाया २५ रु० है तो वह धन और समय बताओ ।

( ६ ) ६½ प्रति सैकड़ा व्याज की दर में किसी समय में किसी धन का व्याज ४८ पौण्ड और नितीकाया ४५ पौण्ड है तो वह धन और समय बताओ ।

( ७ ) किसी पुस्तक की २० प्रतिमों के आधार मूल्य उसकी २१ प्रतिमों के नकद मूल्य के बराबर है, तो प्रति सैकड़ा व्याज की दर बताओ ।

( ८ ) किसी समय के लिए २४६ पौण्ड पर २१ पौण्ड नितीकाया है तो उसने ही धन पर उस समय में दूने समय के लिए क्या नितीकाया होगा ?

( ९ ) एक मनुष्य ने ७७२ रु० में एक घोड़ा मोल लिया और उसी समय साल भर के बाद पर ८८० रु० में बेच दिया । यदि व्याज की दर ८ प्रति सैकड़ा सालाना हो तो बताओ इस समय वह प्रति सैकड़ा कितने लाभ में रहा ?

( १० ) साधारण व्याज और नितीकाया दरों में क्या अन्तर होता है ? स्पष्ट समझाओ ।

( ११ ) २ वर्ष में मूल धन और व्याज मिल कर ६३२ रु० होने हैं और व्याज मूलधन का ¼ है तो मूलधन और वार्षिक प्रति सैकड़ा व्याज की दर बताओ ।

( १२ ) ४ वर्ष के बाद देने वाले धन पर नितीकाया १४१ रु० १० आ० ८ पैसे और उसी का धन पर व्याज १०० रु० होता है तो मूलधन और व्याज की दर बताओ ।

( १३ ) २ वर्ष में ८ सैकड़ा व्याज की दर पर व्याज और नितीकाया ८० रु० है तो मूल धन बताओ ।



( १४ ) ३१५ पौण्ड का सरकाचधन बना होगा जो उसे हम प्रदा  
मिलाने को है—४२ पौण्ड १ वर्ष में, ६६ पौण्ड २ वर्ष में और १०१ वर्ष  
में; व्याज की दर ५ प्रति सैकड़ा है ।

( १५ ) व्याज कितना धन चुकाने से ५२० रु० ८ आ० का १ प्रति  
प्रति सैकड़ा व्याज की दर से १ वर्ष ३ महीने के पश्चात् देने वाले ऋण का  
चुचना हो जावेगा ?

( १६ ) व्याज कितना धन चुकाने से १११० पौण्ड का २ प्रति  
सैकड़ा व्याज की दर से २ वर्ष ८ महीने के पश्चात् देने वाले ऋण का चुका  
हो जावेगा ?

( १७ ) एक सौदागर नकद ५० रुपये पाने से ६० रु० के बिज का  
रुपया भर पाता है, तो बताओ वह कितना प्रति सैकड़ा दस्तूरी देना है !

( १८ ) ४ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से कितना धन उधार दिया जा  
कि ५ वर्ष में उससे दूना व्याज मिले कितना ५ प्रति सैकड़ा व्याज की दर  
से ८०० रु० का ६ वर्ष में मिलता है ?

( १९ ) १०० रु० को दो भागों में हम प्रकार बांटे कि पहले भाग  
का २ १/२ प्रति सैकड़े व्याज की दर से ५ वर्ष में व्याज की आमदनी  
दूसरे भाग के व्याज की आमदनी से, जो ३ प्रति सैकड़े व्याज की दर से  
४ वर्ष में मिलती है तिगुनी हो ।

( २० ) यदि देय धन ३०० रु० और कुछ समय में किसी व्याज की  
दर से उसका साधारण व्याज ३६ रुपया है तो उतने ही समय का उर्ध्व  
व्याज की दर से मिली काटा बताओ ।

( २१ ) यदि ३ १/२ वर्ष में किसी व्याज की दर से देय धन ७२० रु०  
और उसका साधारण व्याज १२६ रु० है तो उतने ही समय का उसी व्याज  
की दर से मिली काटा और तत्काल धन बताओ ।

( २२ ) एक व्यापारी अपनी चीजें क्रय मूल्य से २५ प्रति सैकड़ा

अधिक पर देना है। परन्तु धरने प्राइको को १२ प्रति सैकड़ा फर्माकर देता है तो बराम्मे उसे कितना प्रति सैकड़ा खान होता है?

( २३ ) बिजने को हुंडी १५ पर को निपाद पर लिखो जाये कि २००० प्रति सैकड़ा माइवती निर्माणात् फाट कर हती समय खरपा लेने से ४६० रु० १० आ० निजे ?

( २४ ) २ प्रति सैकड़ा ब्याज की दर से किन्ती समय में बुधु धन का निभधन १०२० रु० होता है। ब्याज मूलधन का ५ है तो मूलधन और समय बताओ।

( २५ ) यदि ब्याज की दर २ प्रति सैकड़ा हो तो कितना धन बैंक में जमा कर दिया जाय कि चार वर्षों तक प्रत्येक वर्ष के बन्त में कम से २१० रु०, ४२० रु०, ६३० रु० तथा ८४० रु० निजते रहे ?

( २६ ) यदि ब्याज की दर ६ प्रति सैकड़ा सालाना हो तो कितना खरपा बैंक में जमा कर दिया जाय कि चार वर्षों तक प्रत्येक वर्ष के बन्त में १२०० रु० निजता रहे ?

( २७ ) कौलधारी ने धरने खरपा का २२ प्रति सैकड़ा, ६ प्रति सैकड़ा ब्याज की दर से धनन को बर्ज दिया और रोप खरपा बैंक में जमा कर दिया। बैंक में २ प्रति सैकड़ा ब्याज मिलता है। यदि ४ वर्ष के बन्त में कौलधारी को बुज ब्याज के २१० रु० निजे तो बताओ उसके धन पहले बुज बिजने खरपा थे ?

( २८ ) यदि ब्याज की दर १० प्रति सैकड़ा है तो बिजने खरपा हम समय किन्ती बैंक में जमा कर दिये जाय कि ६ वर्षों तक प्रत्येक वर्ष के बन्त में कम से १२० रु०, ४८० रु० और ६४० रु० निजते रहे ?

( २९ ) यदि ब्याज की दर ४ प्रति सैकड़ा है तो बिजने खरपा इस समय किन्ती बैंक में जमा कर दिये जाय कि ४ वर्षों तक प्रत्येक वर्ष के बन्त में १००० रु० निजते रहे ?

... १००० रु० निजते रहे ?

प्रति मिकदा से २ प्रति मिकदा व्याज दर हो जाने के कारण इसकी प्रति शुद्ध लाभ परतल की अपेक्षा ६३० रु० कम हो गई तो बनायी इससे मुक्तान बनाया ।

१३) एक मनुष्य रुपये में गई पाई इन्कम् टैक्स देता है । एक वर्ष का ६० प्रति मिकदा से २ प्रति मिकदा हो जाने के कारण पाई प्रतिशत गड़ प्राप्ति बहुत की अपेक्षा ६३ रु० कम हो गई तो इस मनुष्य से मुक्तान बनाया ।

१४) किसी इन का ४ प्रति मिकदा माजाना व्याज की दर से। की ६० प्रतिशत व्याज थी। चक्रवृद्धि व्याज का चलता दर १० प्रतिशत हो का दर इन क्या है ?

१५) किसी इन का २ प्रति मिकदा माजाना व्याज की दर से। की ६० प्रतिशत व्याज थी। इनका धन का सभी व्याज दर से चक्रवृद्धि का का चलता दर १२ प्रतिशत है । पाई हो तो पड़ धन क्या है ? व्याज की पड़ अर्थात् धन इन से समझा दिया जाता है ।

१६) यदि चक्रवृद्धि व्याज की दर २ प्रति मिकदा माजाना हो तो इस मनुष्य के रु० 'धन' इसा कर दिया जाए कि सर्वदा ही व्याज की है धन से १०० रु० का 'मजाना रु०' ।

१७) यदि हम कि प्रति मास व्याज दर, जो देव धन रु० है इन रु० १००० मजाना से इनके व्याज का भाग देवे से प्रिन्सिपल प्रिन्सिपल धन रु० ।

१८) यदि इन ३ प्रति मिकदा चक्रवृद्धि व्याज की दर से किसी 'धन' रु० १००० रु० ।

१९) यदि चक्रवृद्धि दर १० प्रतिशत हो तो इस धन की दर 'धन' रु० १००० रु० ।

( ३८ ) एक सौदागर अपनी वस्तुओं को नगद और धः नहीने के लिये दोनों तरह से बेचता है । यदि ब्याज की दर २ प्रति सैकड़ा हो तो बतानी इन दोनों दानों में यह क्या सम्बन्ध रखेगा ?

( ३९ ) लगभग २२ वर्ष में कोई धन चक्रवृद्धि ब्याज से तिगुना हो जाता है तो सूद की दर बताओ ।

( ४० ) कोई धन १४ $\frac{1}{2}$  वर्ष में चक्रवृद्धि ब्याज से दूना हो जाता है तो सूद की दर बताओ

( ४१ ) कुछ दिनों में दिये धन ६०२ पौंड का तत्कालधन १२६ पौंड है । यदि चक्रवृद्धि सूद की दर ४ $\frac{1}{2}$  प्रति सैकड़ा हो तो समय निकालो ।

( ४२ ) किन्तु दिनोंमें १०० पौंड का निधधन २ प्रति सैकड़ा चक्रवृद्धि ब्याज की दर से ११४६ पौंड १४ सि० १० पेंस हो जायगा ?

( ४३ ) आठ वर्ष में देय धन १०००० पौंड का २ प्रति सैकड़ा चक्रवृद्धि ब्याज की दर से कितना तत्काल धन होगा ?

( ४४ ) २ $\frac{1}{2}$  वर्ष में चक्रवृद्धि ब्याज की किस दर से १००० रु० का २२०० रु० हो जायगा ?

( ४५ ) यदि ब्याज की दर २ प्रति सैकड़ा हो तो इन समय बैंक में कितना जमा कर दिया जाय कि पहले वर्ष के अन्त में १० पौंड दूसरे वर्ष के अन्त में २० पौंड, तीसरे वर्ष के अन्त में ३० पौंड और चौथे वर्ष के अन्त में ४० पौंड, आदि (अनन्त समय तक इसी प्रकार १० रु० प्रति वर्ष अधिक) निजले रहें ? ( इसमें चक्रवृद्धि ब्याज लगाया गया है ) ।

( ४६ ) मानलो कि ब्याज प्रतिदिवस दिया जाता है तो २० वर्ष में २ प्रति सैकड़ा की दर से किस धन का १ पौंड हो जायगा ?

## समय समीकरण

( १८० ) भिन्न भिन्न समयों में चुकाए जाने वाले मिश्र मिश्र वरं चुकाए जाने के ऐसे एक समय के जानने की रीति को समय समीकरण कहते हैं जिसे देने से मद्दत करने या खर्च करने वाले किसी को लाभ या हानि न इसे समीकृत समय कहते हैं ।

## समीकृत समय जानने के नियम

प्रत्येक खर्च को समय से गुणा करो और इन गुणनफलों के योग के योग का भाग दे दो तो समीकृत समय निकल आता ।

१ उदाहरण :—३०० रु० ४ वर्ष के बाद, २०० रु० चार वर्ष के और ४०० रु० २ वर्ष बाद में मिश्रने वाला है तो समीकृत समय निर्धार

$$\text{समीकृत समय} = \frac{300 \times 4 + 200 \times 4 + 400 \times 2}{300 + 200 + 400}$$

$$= \frac{2200}{1200} \text{ वर्ष}$$

$$= \frac{11}{6} \text{ वर्ष}$$

$$= 1 \frac{5}{6} \text{ वर्ष}$$

२ उदाहरण :—२०० रु० छठे वर्ष बाद मिश्रने वाला है, १०० रु० २ वर्ष बाद और २०० रु० ३ वर्ष बाद मिश्रने वाला है । इन का समीकृत समय ४ वर्ष है तो बताओ कि २०० रु० छठे वर्ष के बाद मिश्रने वाला है ?

$$200 + 100 + 200 = 500 \text{ रु०}$$

$$500 \times 4 = 2000, \text{ यह } 200 \text{ रु० और वर्षों के गुणनफल का योग है}$$

$$\text{परन्तु } 200 \times 6 = 1200$$





五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥  
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥  
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥  
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥  
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥  
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥  
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ ८ ॥  
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥  
 श्रीहरये नमः ॥ १० ॥  
 श्रीरामाय नमः ॥ ११ ॥  
 श्रीलक्ष्मणे नमः ॥ १२ ॥  
 श्रीबालमनोहराय नमः ॥ १३ ॥  
 श्रीसुग्रीवाय नमः ॥ १४ ॥  
 श्रीजम्बवन्तये नमः ॥ १५ ॥  
 श्रीकपिले नमः ॥ १६ ॥  
 श्रीव्यासे नमः ॥ १७ ॥  
 श्रीभृगवे नमः ॥ १८ ॥  
 श्रीशुक्रे नमः ॥ १९ ॥  
 श्रीकश्यपे नमः ॥ २० ॥  
 श्रीअत्रेयान्धके नमः ॥ २१ ॥  
 श्रीअत्रेयान्धके नमः ॥ २२ ॥  
 श्रीअत्रेयान्धके नमः ॥ २३ ॥  
 श्रीअत्रेयान्धके नमः ॥ २४ ॥  
 श्रीअत्रेयान्धके नमः ॥ २५ ॥  
 श्रीअत्रेयान्धके नमः ॥ २६ ॥  
 श्रीअत्रेयान्धके नमः ॥ २७ ॥  
 श्रीअत्रेयान्धके नमः ॥ २८ ॥  
 श्रीअत्रेयान्धके नमः ॥ २९ ॥  
 श्रीअत्रेयान्धके नमः ॥ ३० ॥

— 13 —

[illegible]

१. विशेष विषय का विवरण  
 २. विशेष विषय का विवरण  
 ३. विशेष विषय का विवरण

*[Faint handwritten notes at the bottom of the page]*



प्रायः साइक लाग वस्तुओं के खरीदने के समय ही दाम नहीं और बाद में दूधानदार उनके नाम एक कागज भेजना है जिसमें हुई वस्तुओं के नाम, जो भिन्न भिन्न निशियों पर हो गई हैं, लिखे हैं और उनका मूल्य भी दर्ज रहना है। इसे दिमाय कहते हैं। इन में प्रत्येक वस्तु का नाम तथा दाम आदि लिखा हो तो इसे छोटा दिमाय कहते हैं।

### दिमाय का समूचा

२० जनवरी सन् १९२०

संगुप्त प्रांतीय कच्ची मंड का खरा भंडार

प्रमाण ( पीठ )

सन् १९२० ई०				
१ जनवरी "	कागज मात्र जो बीजक में लिखा है			१०
२ जनवरी "	"	"	"	१२ १
३ जनवरी "	"	"	"	१०
४ जनवरी "	"	"	"	११

### छोटा छार दिमाय का समूचा

२१ जनवरी सन् १९२०

संगुप्त प्रांतीय कच्ची मंड का खरा भंडार

प्रमाण

सन् १९२०				
१ मंड	१ मंड कागज मात्रमय ११	का० प्रॉन मंड		१ १
	२ मंड कागज मात्र २	का० प्रॉन मंड		१ १
	३ मंड कागज मात्र ३	का० प्रॉन मंड		१ १
				१ २

# अभ्यासार्थ प्रश्न (१४१)

नीचे लिखे प्रश्नों का योजक नाम और तिथि के सहित  
नामाः—

( १ ) २ गज २ फीट बरपाट २ र० २ छा० ३ पाई प्रति गज  
१ गज बीन बरपा १ र० १२ छा० प्रति गज; २० गज बीन की बरपा  
१ छा० २ पाई प्रति गज; ३ गज खर १ र० ४ छा० प्रतिगज; ४ गज  
फीट ४ छा० ११ पाई प्रति गज ।

( २ ) गंगा-पुस्तक-माला की १ पुस्तकें २ र० ४ छा० प्रति पुस्तक,  
साहित्य बुधुन माला की २२ पुस्तकें १ र० १ छा० प्रति पुस्तक, बौद्धधर्म  
माला की १० पुस्तकें १२ छा० प्रति पुस्तक ।

( ३ ) मज्ज माला की २२ पुस्तकें १ र० २ छा० प्रति पुस्तक; गंगा  
माला की २२ पुस्तकें २ र० १ छा० प्रति पुस्तक, २२ ग० बरपा १२ छा०  
प्रति गज, २ मोटर गाड़ी ० हजार १० प्रति मोटर, २२ साहित्य २२०  
रुपया प्रति साहित्य ।

( ४ ) २ बाजुपान १० छात्र १० प्रति बाजुपान, १ नवान ० छात्र  
१० प्रति नवान, १ मोटर साहित्य ० हजार १० प्रति मोटर साहित्य ।

( ५ ) १०० दर्जन रूमिड १२ छा० प्रति दर्जन, २० बोरी होल्डर ३  
१ छा० प्रति बोरी, १०० यान रूमिड बरपा १२० र० २ छा० प्रति  
यान, १२० दर्जन रुपा ४ र० १० छा० प्रति रुपा ।

( ६ ) २२ रूमिड दर्जन रूमिड ४२० र० प्रति रूमिड दर्जन रूमिड, २२  
२२ र० प्रति रूमिड, २० रुपा २ र० प्रति रुपा, १० रूमिड ३ रूमिड  
प्रति रूमिड ।

( ७ ) २० रूमिड रूमिड १२ र० २ छा० प्रति रूमिड, २ रूमिड रूमिड  
१० प्रति रूमिड, १ छात्र रूमिड रूमिड १२ र० ४ छा० प्रति रूमिड,  
रूमिड रुपा १० र० प्रति रूमिड ।

( ८ ) १५ दर्जन घमरुद् ५ पैने जो दर्जन, १०० कोड़ी गरिमा  
५० ११ आ० प्रति कोड़ी, १५० कोड़ी केजा १ आ० प्रति कोड़ी,

( ९ ) ७० जोड़ी पैत ५० न० प्रति जोड़ी, १७० गाव १८५० प्रति  
प्रति गाव, ७५ हाथी ५ हजार प्रति हाथी, १०० घोड़ा ४५० ५०  
घोड़ा

( १० ) १५० घोड़ा शकल ४० न० प्रति घोड़ा, ७५ मन  
७५ न० ४ आ० प्रति मन, ७० मन कलाहम्पु २० न० प्रति मन ।

### गति या गमन सर्वोधी प्रदान

( १२३ ) चन्द्रमणिन में साधारण गति सर्वोधी प्रानों का वर्तन  
होना और वास्तव में वह प्रथम वर्तन करने का ही है । वर्तन करने  
का वह बहुत ही उपयोगी साधन है । वास्तु चन्द्रमणिन में भी वह वि  
प्रकार की गति का वर्तन करना है जिससे साधन गति कर सकते हैं । चन्द्र  
मणिन गति के प्रथम रूप में जो गमनों में विभाजित हैं, वे हैं :—

( १ ) दोष और श्रेष्ठ ( २ ) समान और भूरी ( ३ ) बरी के रूप  
वह भूरी जिसका दोष वर्तन समान की तरह हुआ है । ये ही वर्तन हैं ।  
वर्तन का गति बदलना है । साधन गति या वर्तन की योजना है :— ( १ )  
साधारण गति और ( २ ) विशेषण गति ।

प्रदान दिया है वह प्रत्यक्ष वह साधन वा साधन साधन है और जो  
वर्तन में वर्तमान वर्तन वर्तन वह वह विशेष वर्तन है । इन वर्तन वर्तन  
की गति वर्तन वर्तन वा वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन  
में वर्तन की गति का वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन  
वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन  
वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन  
वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन वर्तन

उदाहरण के लिए मान लें कि दो समानांतर पट्टियों पर दो रेलगाड़ियाँ एक ही दिशा में और एक ही चाल से जा रही हैं। अब एक रेलगाड़ी की धरेदा दूसरी की कोई गति हो जाने मान लें। इसे सापेक्ष गति कहते हैं क्योंकि एक समान और पदार्थ की गति दूसरे गतिशील की गति की धरेदा सापेक्ष गति कहलाती है। समान और पदार्थ की निरपेक्ष गति दूसरी और सापेक्ष गति दूसरी होती है। प्रायः = गति के प्रश्नों में निरपेक्ष गति और सापेक्ष गति के न समझने से भ्रम भूत कर जाते हैं। दौड़-खेज में भी निरपेक्ष और सापेक्ष गति का अर्थ उदाहरण मिलता है। घड़ों के प्रश्नों में भी इन गतियों का अभिन्न धारा जाता है।

[illegible]

( 108 ) यह दो प्रकारों एक ही भाषी लोग के समूहों को जो किम समूहों के एक दूसरे के साथ भाषा है या एक समूहों के दूर भाषा है भाषाविद समूहों का कहते हैं ।

[illegible]

( १ ) : दूध का रंग

[illegible]

दौड़-खेल की क्रियाएँ नीचे के उदाहरणों से स्पष्ट होंगी।

१ उदाहरण :—३६० गज की दौड़ में अ, ब से ६० गज आगे निकल आता है और स से १२० गज। बताओ ४८० गज की दौड़ में ब और स में कौन जीतेगा और कितना ?

$$३६० - ६० = ३०० \text{ गज}$$

$$३६० - १२० = २४० \text{ गज}$$

जितनी दूर में अ ३६० गज दौड़ता है ब ३०० गज दौड़ता है

और " " अ ३६० " " स २४० " "

∴ " " ब ३०० " " स २४० " "

$$∴ " " ब १ " " स \frac{२४०}{३००} " "$$

$$∴ " " ब ४८० " " स \frac{४८० \times २४०}{३००} "$$

$$∴ " " ब ४८० " " स ४४८ " "$$

∴ ४८० गज की दौड़ में ब, स से ( ४८० - ४४८ ) गज या ३२ गज आगे निकल आया।

२ उदाहरण :—एक मील की दौड़ में अ, ब से ३२२ गज और स से ४८० गज आगे निकल आता है। अगर अ और स दौड़ें तो अ तीन मिनट दो मील की दौड़ में जीत आता है। तो बताओ एक मील दौड़ने में ब कितना समय लेगा।

$$१०९० - ३२२ = ७६८ \text{ गज}$$

$$१०९० - ४८० = ६१० \text{ गज}$$

दो मील की दौड़ में अ, स से तीन मिनट जीत आता है

तो १ मील की " १ १/२ मिनट " "

और १ मील की " ४८० गज " "

इससे साफ जाहिर है कि स, १ मिनट में ४८० गज दौड़ सकता है ।

स को ४८० गज चलने में समय = १ मिनट

∴ स को १ गज " " " =  $\frac{1}{480}$  मिनट

∴ स को १२८० गज " " " =  $\frac{1280 \times 1}{480 \times 2}$  मिनट  
= ४ मिनट

पाम्पु जब तक स १२८० गज दौड़ता है तब तक स १२८० गज दौड़ता है ।

१२८० गज से दौड़ने में स को ४ मिनट लगना है

∴ १ " " " =  $\frac{1}{1280}$  मि. " "

∴ १७६० गज " " स को  $\frac{4 \times 1760}{1280}$  मिनट लगना है

या २ मिनट लगना है ।

१ उदाहरण:—एक खेल में १२० प्वाइंट में स, स से १० प्वाइंट जीत जाता है और स, स से ८० प्वाइंट में १ प्वाइंट जीतता है तो बताओ कि सला स और स ४४४ प्वाइंट खेलें तो कौन जीतेगा और बिना ?

१२०—१० = ११० प्वाइंट

८०—१ = ७९ प्वाइंट

लिमिटेड है स १२० प्वाइंट लगना है स ११० प्वाइंट लगना है

और " " स ८० " " स ७९ " "

" " स १ " " स  $\frac{1}{80}$  " "

स ११० स  $\frac{110 \times 80}{80}$  " "

स १११ प्वाइंट लगना है

अतः स १११ प्वाइंट लगना है

स ८० प्वाइंट लगना है







( १० ) क एक मील १ मिनट में दौड़ सकता है और ग, बड़े ११२ गज की दौड़ में ३२ गज से हराता है तो बनाओ ११० गज दौड़ में क को विजय समय लागेगा ?

( ११ ) एक खेल में क ११ प्वाइंट में ख को १ प्वाइंट, ग १० प्वाइंट में ग को ३ प्वाइंट और ग १० प्वाइंट में घ को १ प्वाइंट देता है तो बनाओ २२० प्वाइंट में क, ग को और ख, घ को किस प्वाइंट देगा ?

( १२ ) एक मील की दौड़ में क ने ख को ४० गज आगे रखा और १० गज उस में आगे निकल गया . ग ने ग को २० गज आगे रखा और ३० गज आगे निकल गया । तो बनाओ क और ग उनसे दौड़ें तो क, ग से कितने गज से जीतेगा ?

( १३ ) एक मील की दौड़ में क, ख को ८८ गज और ग, बड़े ८० गज आगे रखा है । क, ग को एक मील की दौड़ में १ मिनट पहले चलने दे सकता है तो प्रत्येक को १ मील दौड़ने में किस समय लागेगा ?

( १४ ) एक मील की दौड़ में क ने ख को ८० गज आगे रखा और १० गज उस में आगे निकल गया । ख ने ग को ३० गज आगे रखा और ६० गज पीछे रह गया । यदि क और ग उनसे ही दौड़ें तो क कितने गज से जीतेगा ?

( १५ ) एक मील की दौड़ में क, ग में ३० गज, ग, घ में १२ गज और ख, घ में ७२ गज आगे निकल आता है । यदि क और घ दौड़ें तो क कितने गज से जीतेगा ?

( १६ ) एक खेल में ८० प्वाइंट में घ, ब को १ प्वाइंट और ब, क को २ प्वाइंट दे सकता है तो बनाओ १०० प्वाइंट में घ, ग को किस दे सकता है ?



८ गज के  $७\frac{1}{2}$  मिनट पर ख को २४१ गज दौड़ना बाकी था तो बगैरे दौड़ की लम्बाई क्या थी और क की चाल प्रति घंटा क्या थी ?

( २४ ) क और ख ने  $1\frac{1}{2}$  मील की दौड़ की । पहले जितने मील में ख २ गज दौड़ता था उतने में क १ गज, परन्तु बाधी दूरी चलने पर एक गया और जितने समय में पहले १ गज चलता था उतने में ख १ गज चलने लगा और ख अपनी पहली चाल से चला गया तो बताइये कितना जीतेगा और कितने अन्तर से जीतेगा ?

( २५ ) एक मील की दौड़ में क, ख से २४० गज आगे था ३० है । उतनी ही दूरी की दौड़ में क, ग को १८ मिनट से और ख, १६ मिनट से जीतता है । तो बताओ, क कितने समय में १ दौड़ता है ?

( २६ )  $1\frac{1}{2}$  मील की दौड़ में क, ख को ४४० गज और ख, ग १३२ गज से जीतता है तो बताओ यदि क और ग दौड़ें तो क कि गज से जीतेगा ?

### गोल-चक्र

( १८१ ) १ उदाहरण:—य, व और स एक ही स्थान से एक गोल (दुता) राने पर, जिसका घेरा ४० मील है, क्रम से १, ८ और १ मील प्रति की चाल से चले । य और व एक दिशा में और स विपरीत दिशा में च करता है । तो बताओ कितने घंटों के बाद वे फिर एक जगह पर होंगे ?

य, ख से २ मील प्रति घंटा अधिक चलता है अतएव वह  $\frac{1}{2}$  घंटे में व से एक पूरा चक्र अधिक कर लेगा । अतएव य और व प्रत्येक १ घंटे के अन्त में मिलेंगे ।

य और व मिलने पर व ३ घंटे में १२ मील ने चले हैं । अतएव प्रत्येक  $\frac{1}{3}$  वा १ घंटे के बाद मिलेंगे ।

तीनों के मिलने का समय — १० और १ वा अंशुनम समारम्भ









एक ही दिना में

मनुष्य पहली माही में बैठा है इस लिए उसे मासेय गति से दूसरी माही की सम्पूर्ण रात बर्नानी पड़ेगी।

एक ही दिना में मासेय गति = २ मील  
 और १०१ मील = ११ मील

२ मील १ घंटा में

१ मील १ घंटा में

११ मील १ घंटा या ०० सेकंड में

विपरीत दिना

इस दिना में मासेय गति = २२ मील  
 २२ मील १ घंटा में

१ मील १ घंटा में

११ मील १ घंटा या ११ सेकंड में  
 $10 \times 22$

(४) मनुष्य दूसरी माही में

मनुष्य दूसरी माही में बैठा है इस लिए उसे मासेय गति में पहली माही की सम्पूर्ण रात बर्नानी पड़ेगी।

इसने एक ही दिना में

इस दिना में मासेय गति = २ मील  
 और १०१ मील = ११ मील

२ मील १ घंटा में

१ मील १ घंटा में

११ मील १ घंटा या ११ सेकंड में  
 $10 \times 22$





### एक ही दिशा में

मनुष्य पानी काही में डूबा है इस लिए उसे सारेपन गति में दूसरी  
की भी समझें पार बनाई पड़ेगी ।

एक ही दिशा में सारेपन गति = १ मील

और १०१ मील =  $\frac{1}{101}$  मील

१ मील १ घंटा में

... १ मील  $\frac{1}{101}$  घंटा में

...  $\frac{1}{101}$  मील  $\frac{1}{101}$  घंटा या ७० सेकंड में

### विपरीत दिशा में

एक दिशा में सारेपन गति = ११ मील

११ मील १ घंटा में

१ मील  $\frac{1}{11}$  घंटा में

$\frac{1}{11}$  मील  $\frac{1}{11 \times 11}$  घंटा या  $\frac{1}{121}$  सेकंड में

### ( ४ ) मनुष्य दूसरी काही में

मनुष्य दूसरी काही में डूबा है इस लिए उसे सारेपन गति में दूसरी  
की भी समझें पार बनाई पड़ेगी ।

### दोनों एक ही दिशा में

एक दिशा में सारेपन गति = १ मील

और १०१ मील =  $\frac{1}{101}$  मील

१ मील १ घंटा में

१ मील  $\frac{1}{101}$  घंटा में

... मील  $\frac{1}{101}$  घंटा या ७० सेकंड में

विपरीत दिशा में

इस दशा में सापेक्ष गति = ११ मील

११ मील १ घंटा में

∴ १ मील  $\frac{1}{11}$  घंटा से

१ मील  $\frac{1 \times 1}{20 \times 11}$  घंटा या  $2\frac{1}{11}$  सेकंड में

✓ उदाहरण : एक कीड़ा एक बॉल पर दिन में १२ गज बढ़ जाता है परन्तु रात में १ गज फिथल आता है, तो बताओ वह कितने घंटों में पहुँच जायगा अथवा बॉल की लम्बाई १० गज हो।

१०—१२ = २ गज

१२—१ = ११ गज

कीड़ा २४ घंटे में ११ गज बढ़ता है। वह भी रात है कि दिन। कुछ ऊपर बढ़ जायगा तब किसलने का कोई प्रश्न ही नहीं रह जाय ११ से १० पूरा पूरा नहीं बढ़ता है, इसलिए अन्तिम दिन कीड़े बढ़ने का नहीं मित्रेगा। अन्दाज से मानूँ कि १ दिन तक ११ गज बढ़ जायगा।

१०—४२ = ८ गज। इस आठ गज को वह १२ गज प्रति दिन मात्र से बढ़ेगा।

१२ गज १२ घंटे में

∴ १ गज  $\frac{1}{12}$  घंटा में

∴ ८ गज  $\frac{8 \times 12}{12}$  या ८ घंटे में

कुल १२ × २४ = ८ या १२२ घंटे लगेंगे

४ उदाहरण. दो तौपें एक ही स्थान पर ३ मिनट के अंतर में रही हैं, परन्तु एक मनुष्य ने जो इस स्थान की ओर आ रहा था उसे आधा १ मिनट १० सेकंड के अंतर में सुनी। यदि आधा की ११०० फीट प्रति सेकंड हो तो उस मनुष्य की आग बनावो।



के बहाव के साथ खेने की अपेक्षा दूना समय लगता है। तो नदी का बहाव प्रति मील बताओ।

स्पष्ट है कि नाव की चाल + नदी का बहाव =  $2 \times$  ( नाव की चाल + बहाव )

( नाव की चाल + बहाव ) + ( नाव की चाल - बहाव ) =  $2 \times$  ( नाव की चाल - बहाव )

$\therefore 2$  नाव की चाल =  $2 \times$  ( नाव की चाल - बहाव )

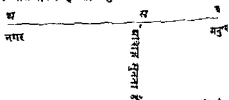
$\therefore 2 \times 1 = 2 \times$  ( नाव की चाल - बहाव )

$\therefore$  नाव की चाल - बहाव =  $\frac{2 \times 1}{2} = 1$

बहाव =  $1 - 1$

= २ मील

१ उदाहरण:—दो गोपों एक ही स्थान से १२ मिनट के अन्तर छुटती हैं। एक मनुष्य ने, जो उस स्थान की ओर आ रहा था, गोपों की आवाज़ ११ मिनट २० सेकंड के अन्तर से सुनी। यदि आवाज़ चाल ११२० फीट प्रति सेकंड हो तो मनुष्य की चाल बताओ।



मान लो कि अ स्थान पर गोपों १२ मिनट के अन्तर से छुटती हैं और स्थान से मनुष्य अ स्थान की ओर आ रहा है। यदि वह मनुष्य ब स्थान पर खड़ा रहता तो वह गोपों की आवाज़ १२ मिनट के अन्तर से ही सुनता क्योंकि अ से ब स्थान तक पहुँचने में आवाज़ को शून्य बार समान समय लगता, परन्तु मनुष्य अ स्थान की ओर आ रहा है। इसलिए वह













पीछे पहुँचता है और यदि ५ मील प्रति घण्टा चलता है तो समय से १५ मिनट पहिले पहुँचता है, तो उसे कितनी दूर जाना है ?

( २९ ) मुझे एक नियत स्थान पर एक नियत समय पर पहुँचना यदि मैं प्रति घण्टा ४ मील की गति से चलता हूँ तो १० मिनट देर से यदि प्रति घण्टा ५ मील की गति से चलता हूँ तो १० मिनट पहले जाता है तो उस स्थान की दूरी बताओ ।

( ३० ) एक नियत स्थान पर पहुँचने के लिए अब मैं ५ मील घण्टा की गति से चलता हूँ तो ७½ मिनट देर से और अब ९ मील घण्टा की गति से चलता हूँ तो १०½ मिनट पहले पहुँचता हूँ तो स्थान की दूरी बताओ ।

( ३१ ) दो भाई एक ही स्थान से १२ मिनट के अन्तर में दूरी, एक मनुष्य ने जो उस स्थान की ओर जा रहा था, मोर दूरी की जा ११ मिनट २० सेकण्ड के अन्तर में मुरी । यदि भाजा ११२० ई० सेकण्ड चलता हो तो उस मनुष्य की गति प्रति घण्टा बताओ ।

( ३२ ) दो भाई एक ही स्थान से १२ मिनट के अन्तर में एक मनुष्य ने जो उस स्थान से दूर जा रहा था तो वे दूरी ११ मिनट २० सेकण्ड के अन्तर में मुरी । यदि भाजा ११२० ई० सेकण्ड चलता हो तो उस मनुष्य की गति प्रति घण्टा बताओ ।

( ३३ ) दो भाई एक ही स्थान से ५ मिनट के अन्तर में दूरी ११ मिनट २० सेकण्ड के अन्तर में मुरी । यदि भाजा ११२० ई० सेकण्ड चलता हो तो उस मनुष्य की गति प्रति घण्टा बताओ ।

( ३४ ) दो भाई एक ही स्थान से ५ मिनट के अन्तर में दूरी ११ मिनट २० सेकण्ड के अन्तर में मुरी । यदि भाजा ११२० ई० सेकण्ड चलता हो तो उस मनुष्य की गति प्रति घण्टा बताओ ।







११ मिनट १२ सेकंड के समय में मूनी । यदि मनुष्य की आय १० वर्ष प्रति ११ या १० आयुष्य की आय प्रति सेकंड बताओ ।

( २१ ) ॥ तब एक ही जगह से १२५ मिनट के अन्तर से दूसरे जगह एक मनुष्य न, ता उस जगह से दूर आ रहा था, तोमे दूसरे के आगमन १० मिनट २२ सेकंड के अन्तर से मूनी । यदि आगमन प्रति सेकंड ११०० फीट चलता है ता मनुष्य की यात्रा बताओ ।

१.००) जो ताप एक ही जगह से  $10^{\circ}$  मिनट के अन्तर से हूँ।  
 तब १४ मिनट में जो उष्मा जगह को चार घाटा था, सो वै हूँ के का  
 १.०० मिनट के अन्तर से मूनी। यदि वायु की ताप प्रति सेण्टी ११  
 फाट २ जो मिनट का पाठ बताओ।

[illegible][illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

١٠  
 ١١  
 ١٢  
 ١٣  
 ١٤  
 ١٥  
 ١٦  
 ١٧  
 ١٨  
 ١٩  
 ٢٠  
 ٢١  
 ٢٢  
 ٢٣  
 ٢٤  
 ٢٥  
 ٢٦  
 ٢٧  
 ٢٨  
 ٢٩  
 ٣٠  
 ٣١  
 ٣٢  
 ٣٣  
 ٣٤  
 ٣٥  
 ٣٦  
 ٣٧  
 ٣٨  
 ٣٩  
 ٤٠  
 ٤١  
 ٤٢  
 ٤٣  
 ٤٤  
 ٤٥  
 ٤٦  
 ٤٧  
 ٤٨  
 ٤٩  
 ٥٠  
 ٥١  
 ٥٢  
 ٥٣  
 ٥٤  
 ٥٥  
 ٥٦  
 ٥٧  
 ٥٨  
 ٥٩  
 ٦٠  
 ٦١  
 ٦٢  
 ٦٣  
 ٦٤  
 ٦٥  
 ٦٦  
 ٦٧  
 ٦٨  
 ٦٩  
 ٧٠  
 ٧١  
 ٧٢  
 ٧٣  
 ٧٤  
 ٧٥  
 ٧٦  
 ٧٧  
 ٧٨  
 ٧٩  
 ٨٠  
 ٨١  
 ٨٢  
 ٨٣  
 ٨٤  
 ٨٥  
 ٨٦  
 ٨٧  
 ٨٨  
 ٨٩  
 ٩٠  
 ٩١  
 ٩٢  
 ٩٣  
 ٩٤  
 ٩٥  
 ٩٦  
 ٩٧  
 ٩٨  
 ٩٩  
 ١٠٠









३ उदाहरण :—४ घड़ी १ बजे के बीच में कब घड़ी की सुइयों में १८ दर्जे का अन्तर होगा ?

वास्तव में यह अवस्था दो बार होगी । पहले उस अवस्था में जब की सुई दूसरी सुई से (  $20-12$  ) या २ दर्जे अधिक घूम लेगी और जब यह घड़ी सुई छोटी सुई से  $20 + 12$  या ३२ दर्जे अधिक घूम लेगी तब मिनट की सुई १२ दर्जे ६० मिनट में आगे निकल जाती है

.. "	"	१ दर्जे $\frac{60}{11}$ मिनट में	"	"
.. "	"	२ दर्जे $\frac{60}{11} \times 2$ मिनट में	"	"
		या $2 \frac{1}{11}$ मिनट में	"	"
"	"	३२ दर्जे $\frac{60 \times 32}{11}$ मिनट में	"	"
		या $171 \frac{3}{11}$ मिनट में	"	"

४ उदाहरण :—एक घड़ी आज १२ बजे ठीक कर दी गई । १ समय इस घड़ी में जब १ बजे कर ११ मिनट हुए थे तब ठीक कर बजे थे । तो बताओ कि जब घड़ी में ११ बजे कर १२ मिनट दिखा पड़ेगा तो ठीक समय क्या होगा ?

जब घड़ी में  $11 \frac{1}{11}$  बजेगा है तब ठीक समय १ बजे है

" " १ " " "  $\frac{1}{11}$  "

" "  $11 \frac{1}{11}$  " " "  $\frac{11 \times 60}{11} = 60$  या १२ बजे है "

५ उदाहरण :—दो घड़ियों में इस समय १ बजे है, पन्द्रह वर्षों एक प्रति दिन ( २४ घंटे में ) १ सेकंड गुप्त चलती है और दूसरी सेकंड सेज । तो बताओ कि कितनों दिनों के बाद उनमें १ घंटे का अंतर हो जाएगा ?

१ - २ = १ सेकंड

१ सेकंड का अन्तर १ दिन में

१ सेकंड का अन्तर  $\frac{1}{24}$  दिन में

$1 \div \frac{1}{24}$  सेकंड का अन्तर  $1 \div \frac{1}{24} = 24$  दिन में

या ७२० दिन में







( १० ) एक जेय घड़ी एक दिन में ३ मिनट तेज चलती है और दूसरी ४ मिनट सुस्त । पहली घड़ी सोमवार के १० बजे और दूसरी वही उसी दिन चार बजे दिन में ठीक की गई तो बत्ताओ शुक्रवार के १२ बजे दिन में दोनों घड़ियों में क्या समय होगा ?

( १८ ) एक घड़ी १६ घण्टे में ३० सेकेंड सुस्त और दूसरी १८ घण्टे में ३० सेकेंड तेज चलती है । पहली घड़ी शुक्रवार के ८ बजे दिन में ठीक की गई और दूसरी उसी दिन २ बजे रात में ठीक कर दी गई । तो बत्ताओ शनिवार के १२ बजे दिन में दोनों में कितने समय का अन्तर होगा ?

( १६ ) एक घड़ी एक दिन में १ मिनट तेज चलती है और दूसरी १ मिनट सुस्त । दोनों में सोमवार के दिन में १२ एक साथ बजे तो बत्ताओ शनिवार की रात में जब दूसरी घड़ी में १० बजे के ४४ $\frac{१}{२}$  मिनट का समय है तो पहली घड़ी में क्या समय होगा ?

( २० ) रविवार के ४ बजे दिन में एक घड़ी ३ मिनट तेज और दूसरी २ मिनट सुस्त । यदि गुरुवार की ८ बजे संध्या समय पहली घड़ी १ मिनट सुस्त और दूसरी ३ मिनट तेज हो गई तो बत्ताओ उनमें ठीक होना क्या था ?

( २१ ) दो घड़ियों में रविवार के सवेरे ७ एक साथ बजे । मंगल के सवेरे जब पहली घड़ी में ६ बजे तब दूसरी घड़ी में ६ बजने में १२ मिनट बाकी थे । तो बत्ताओ सुस्त घड़ी को कितना तेज या तेजघड़ी को कितना सुस्त करें कि दोनों में बुध के दिन में १२ एक साथ बजे ?

( २२ ) दो घड़ियाँ जिनमें पहली प्रति दिन २ मिनट सुस्त और दूसरी १ मिनट तेज चलती है, २ बजे सवेरे ठीक कर दी गई । तो बत्ताओ जब उसी दिन दूसरी घड़ी में ३ बजे कर ४८ मिनट होंगे तो पहली घड़ी में क्या समय होगा ?

( २३ ) एक घड़ी प्रति दिन ४ मिनट तेज और दूसरी ३ मिनट सुस्त चलती है । गुरुवार के ६ बजे मध्य ठीक की गई तो बत्ताओ जब उसी दिन





बनाओ उस समय प्रत्येक घड़ी में क्या बजेगा अब एक घड़ी दूधों के मिनट पीछे हो ?

( ३१ ) एक घड़ी में जो ६ बजे मधेरे ठीक कर दी गई थी, ११ मध्या में ठीक समय पर २ बजने में २ मिनट बाकी थे, तो बनाओ उसमें २ बजेंगे, तब ठीक समय क्या होगा ?

( ३२ ) एक घड़ी में जो ६ बजे मधेरे ठीक की गई २ बजे ११ ठीक समय पर २ बज कर २ मिनट हुए थे, तो अब उसमें २ बजे के जो समय क्या था ?

( ३३ ) एक घड़ी की सुइयों प्रत्येक ६६ मिनट पछाए एक घड़ी का आध्यात्मिक करता है, तो बनाओ घड़ी २४ घण्टे में कितनी लेट है ?

( ३४ ) एक घड़ी ४ २ घंटा ३ बजे के बीच में ३४ दोनों सुइयों का ध्यान पर थी ठीक समय था, अब प्रति घंटे ३ मिनट सुन्न चरनी का बनाओ दोपहर के १२ बजे उसमें क्या समय था ?

( ३५ ) एक घड़ी में १० घंटा ११ बजे के बीच में ३४ दोनों सुइयों का ध्यान पर थी ठीक समय था, अब प्रति घंटे ३ मिनट लेट चरनी का बनाओ मध्या ठीक ६ बजे उसमें क्या समय था ?

( ३६ ) एक घड़ी दिन के ६ बजे मधेरे ठीक की गई १४ प्रति घंटा ३, मिनट सुन्न चरनी है, तो बनाओ ठीक समय क्या होगा अब दोनों सुइयों ६ बजे के बीच में क्या था एक मीट में ही ?

( ३७ ) एक घड़ी दिन के ६ बजे मध्या में ठीक की गई १४ प्रति घंटा ३ मिनट लेट चरनी है, तो बनाओ ठीक समय क्या होगा अब दोनों सुइयों ६ बजे के बीच में क्या था १० बजे के बीच में क्या था एक मीट में ही ?

१. २. ३. ४. ५. ६. ७. ८. ९. १०. ११. १२. १३. १४. १५. १६. १७. १८. १९. २०. २१. २२. २३. २४. २५. २६. २७. २८. २९. ३०. ३१. ३२. ३३. ३४. ३५. ३६. ३७. ३८. ३९. ४०. ४१. ४२. ४३. ४४. ४५. ४६. ४७. ४८. ४९. ५०. ५१. ५२. ५३. ५४. ५५. ५६. ५७. ५८. ५९. ६०. ६१. ६२. ६३. ६४. ६५. ६६. ६७. ६८. ६९. ७०. ७१. ७२. ७३. ७४. ७५. ७६. ७७. ७८. ७९. ८०. ८१. ८२. ८३. ८४. ८५. ८६. ८७. ८८. ८९. ९०. ९१. ९२. ९३. ९४. ९५. ९६. ९७. ९८. ९९. १००.



गई और १०१० रु० पर दोबो गई तो भी १० रु० लाभ हुआ। प्रत्येक १०० में १० रु० लाभ हुआ। इसे निरन्तर लाभ कहने हैं। वास्तु यही १०० में सादेस्य लाभ दूसरी दशा से कहीं अधिक है उसे १० रु० पर १० रु० लाभ हुआ और दूसरी दशा में १००० रु० पर १० रु०। इसलिये दोबो सार्वभ्य लाभों में बड़ा अन्तर है। इसी लिये लाभ और हानि के प्रश्न बहुत प्राति सैकड़ा हानि या लाभ ज्ञातया जाना है। लाभ हानि के लिये ऐकिक नियम, त्रैशिक या समानुपात किमी की भी सहायता से कार्य से लग सकता है। हानि और लाभ के ज्ञातने का नियम नीचे के उदाहरण से स्पष्ट हो जायगा :—

१ उदाहरण :—एक चादमी ने एक घोड़ा ८० रु० में खरीदा और १० रु० पर बेच दिया तो उसे प्रति सैकड़ा क्या लाभ हुआ ?

$$८० - ८० = १० रु० लाभ$$

$$८० रु० पर उम्माका लाभ = १० रु०$$

$$१ \quad ८० \quad " \quad " \quad " \quad = \frac{१०}{८०} रु०$$

$$१०० \quad ८० \quad " \quad " \quad " \quad = \frac{१०० \times १०}{८०} रु०$$

$$= १२\frac{१}{२} प्रति सैकड़ा लाभ$$

२ उदाहरण — एक घोड़े को ८२ रु० पर खरीदे में १० रु० की हानि होता है तो बताओ इसे खरीदे या बेचे कि २० रु० की लाभ हो ?

मान लिया कि खरीदा १०० रु० पर खरीदा गया

१०० - १० = ९० रु० पर खरीदा में १० रु० की हानि होता है तो ८० रु० की हानि होता है तो ८० रु० पर खरीदा लाभ होता है २० रु० की लाभ होता है

$$१० \quad १२० \quad ८० \quad १००$$

१. १०० टका = १०० X १०० रु०

२. १०० टका = १०० / १०० रु०

३. १०० टका

यदि मूल्य हीन हो करेगा तो मूल्य हीन मरणा है ।

१. टकाटका — एक काजाल दुई बाज मल का १०० रु० में होकर मल  
 के का १०० रु० में विक्रय हो जाने का १ काज होकर । जो काजाल का  
 मल मरणा ।

बाज — बाज का बाज — १०० - १०० = १०० रु०

बाज हो १० रु० १ रु० बाज हुआ  
 मल मूल्य मूल्य में रु० १० विक्रय का बाज होकर  
 होकर मल का १ - १ = १ रु०

१० रु० बाज का बाज १० रु०

१० रु० बाज का बाज १० रु०

१० रु० बाज का बाज १० रु०

१० रु० बाज का बाज १० रु०

१० रु० बाज का बाज १० रु०

१० रु० बाज का बाज १० रु०

( ३ ) एक घोड़ा ८२ रु० को मोल खिया गया और ३४ रु० में बेंचा गया ; तो प्रति सैकड़ा क्या लाभ हुआ ?

( ४ ) एक कुर्सी ४ रु० १२ आने में खरीदी गई और ३ रु० १२ आने में बेच दी गई तो प्रति सैकड़ा क्या हानि हुई ?

( ५ ) एक कुर्सी ६ रु० १२ आने की बेचने में १० प्रति सैकड़ा का हुआ ; तो वह कुर्सी खिने में बेची जाय कि २० प्रति सैकड़ा लाभ हो ?

( ६ ) एक घड़ी २० प्रति सैकड़ा लाभ से २२ रु० में किसी तोर का क्रय मूल्य बनायो ?

( ७ ) अतिने रुपये में २५ वस्तु खरीदी जाती हैं उनमें ही मूल्य १८ वस्तु बेची जाती हैं तो प्रति सैकड़ा क्या लाभ होता है ?

( ८ ) एक बूकानदार एक दोरा लेई ७ रु० १२ आने में मोल बेच है और १२ प्रति सैकड़ा लाभ में बेचना है तो स्थित मूल्य बनायो ?

( ९ ) एक घोड़ा २२ रु० में बेचने में प्रति सैकड़ा १० का हानि हुई तो घोड़े का क्रय मूल्य बनायो ?

( १० ) एक पुस्तक खिना ने एक पुस्तक २ रु० १२ आने में बेच कर ८ की सैकड़ा हानि उठाई तो पुस्तक का क्रय मूल्य क्या था ?

( ११ ) एक बूकानदार ने एक दोरा खिना १२ रु० में खिने में बेच कर १२ प्रति सैकड़ा लाभ उठाया तो खिना का क्रय मूल्य क्या था ?

( १२ ) एक वस्तु ३२ रु० १२ आने में मोल खी गई ; यदि इसे बेचने में ४ प्रति सैकड़ा लाभ वह तो खिने में खरीद कि प्रति सैकड़ा १२ लाभ हो ?

( १३ ) एक जमीन का मूल्य १०२,००० रु० में बेचने में ८ की सैकड़ा का हुआ तो खिना १००,००० रु० में खिना का क्रय मूल्य क्या था ?

( १४ ) एक वस्तु १२ रु० १२ आने में खिने में १० प्रति सैकड़ा का हुआ तो खिना का क्रय मूल्य क्या था ?

( १५ ) किसी वस्तु को ४४४ रु० में बेंचने से ११ प्रति सैकड़ा लाभ होता है ता कितने में बेंचने से ७ प्रति सैकड़ा हानि होगी ?

( १६ ) किसी वस्तु को ३१२ रु० में बेंचने से ८ प्रति सैकड़ा अधिक लाभ होता है, जितना २०० रु० में बेंचने से होता है, तो उस वस्तु का क्रय मूल्य बताओ ।

( १७ ) एक टेबुल को ४२ रु० में बेंचने से १५ प्रति सैकड़ा हानि होता है ता उसे २२ रु० में बेंचने से प्रति सैकड़ा क्या लाभ या हानि होगी ?

( १८ ) १ रु० ३ आ० प्रति पुस्तक की दर से पुस्तकें बेंची गईं । यदि १८ $\frac{१}{२}$  प्रति सैकड़ा के हिसाब से कुल लाभ २७ $\frac{१}{२}$  रु० हुआ तो कितनी पुस्तकें बेंची गईं ?

( १९ ) कुछ धान ४ रु० प्रति सैकड़ा की दर से बेंचा गया तो ६ रु० १२ आ० लाभ हुआ । यदि इसमें ३३ $\frac{१}{२}$  प्रति सैकड़ा लाभ हुआ हो तो कितने धान बेंचे गए ?

( २० ) एक घोड़ा को ४०० रु० में बेंचने से ५ प्रति सैकड़ा हानि हुई तो २० प्रति सैकड़ा लाभ के लिए उसे कितने में बेंचना चाहिए ?

✓( २१ ) एक बनिया सौदा खरीदने समय १० प्रति सैकड़ा अधिक तालता है और बेंचने के समय १० प्र० सैकड़ा कम तालता है तो इस व्यापार से उसे प्रति सैकड़ा क्या लाभ होता है ?

✓( २२ ) एक बनिया सौदा खरीदने के समय ५ सेर में ८ $\frac{१}{२}$  टाक अधिक ले लेता है और बेंचने के समय ५ सेर में ८ $\frac{१}{२}$  टाक कम देता है, तो उसे प्रति सैकड़ा कितना लाभ होता है ?

( २३ ) एक कुजड़े ने २०० धान मोल लिए ; उन में से २० धान बिक गए और शेष का उस ने ६ पाई के २ धान का दर से बिक दिया तो ३ : ८ में सैकड़ा लाभ हुआ तो बताओ कि उसने कितने में १ कोड़ा धान बिक लिया ?

( ३४ ) एक वनिज ने २१ आ० प्रति पीण्ड की दर से चाप बेने।  
इस १२ प्रति मैकड़ा हानि हुई तो बचाओ उसे प्रति मैकड़ा क्या जान  
यदि वह २० आ० प्रति दुइरवेड की दर से चाप बेने।

( ३५ ) मोहन ने अपना मकान १० प्रति मैकड़ा हानि उठा का  
बाना यदि वह १२ प्रति मैकड़ा लाभ लेकर बेचना तो पड़ने की १  
२५, २० यदि वह बाना का मकान का नाम क्या था ?

( ३६ ) एक मकान ३५ आ० में बेचने से श्रिता प्रति मैकड़ा  
हानि २० आ० में ली गई यदि वह ३५ आ० में बेचने से हो  
गया तो मकान का नाम क्या था ?

( ३७ ) एक दुकान का मूल्य प्रति मैकड़ा १५ का माने पर।  
१२ आ० का मूल्य का नाम क्या था ?

( ३८ ) एक मकान का मूल्य प्रति मैकड़ा १५ का माने पर।  
१२ आ० का मूल्य का नाम क्या था ? यदि वह १२ आ० का मूल्य से  
बेचा तो मकान का नाम क्या था ? यदि वह १२ आ० का मूल्य से  
बेचा तो मकान का नाम क्या था ?

( ३९ ) एक मकान का मूल्य प्रति मैकड़ा १५ का माने पर।  
१२ आ० का मूल्य का नाम क्या था ? यदि वह १२ आ० का मूल्य से  
बेचा तो मकान का नाम क्या था ? यदि वह १२ आ० का मूल्य से  
बेचा तो मकान का नाम क्या था ?

( ४० ) एक मकान का मूल्य प्रति मैकड़ा १५ का माने पर।  
१२ आ० का मूल्य का नाम क्या था ? यदि वह १२ आ० का मूल्य से  
बेचा तो मकान का नाम क्या था ? यदि वह १२ आ० का मूल्य से  
बेचा तो मकान का नाम क्या था ?

( ४१ ) एक मकान का मूल्य प्रति मैकड़ा १५ का माने पर।  
१२ आ० का मूल्य का नाम क्या था ? यदि वह १२ आ० का मूल्य से  
बेचा तो मकान का नाम क्या था ? यदि वह १२ आ० का मूल्य से  
बेचा तो मकान का नाम क्या था ?

( ४२ ) एक मकान का मूल्य प्रति मैकड़ा १५ का माने पर।  
१२ आ० का मूल्य का नाम क्या था ? यदि वह १२ आ० का मूल्य से  
बेचा तो मकान का नाम क्या था ? यदि वह १२ आ० का मूल्य से  
बेचा तो मकान का नाम क्या था ?







## अव्ययस्थिति

को एक में मिला कर २० प्रति सैकड़ा लाभ पर बेच दिया। यदि गरीबों की नीचे १०० में खाने लाभ हुआ हो तो मैंने कितनी लॉच गरीबों की और उन्हें मैंने किस दर में बेचा?

( ४० ) एक तरानू ऐसी है कि उसके एक पल्ले में जितना बोझ रख जाय दूसरे में उतने से १५ प्रति सैकड़ा अधिक रखने में डरती सीधी रहती है। इस तरानू ने एक बनिया मौदा खरीदने और बेचने दोनों ही में उगाता है तो बताओ अपनी बेईमानी से वह कुछ लागत पर कितना प्रति सैकड़ा लाभ उगाता है?

( ४१ ) मोहन ने अपना घोड़ा कुछ घटा सह कर ३४० रु० में बेचा, यदि वह घोड़ा ४२० रु० में बिकता तो उसमें घाटे का १/५ लाभ होता तो उस में घोड़े का मूल्य बताओ।

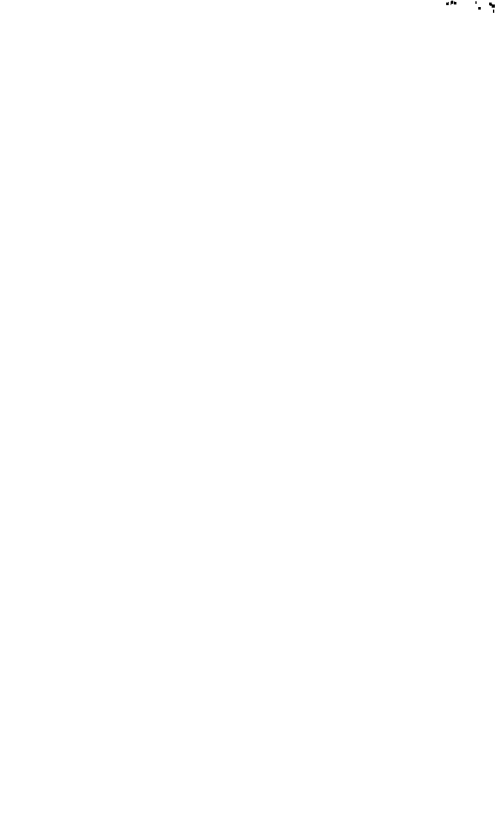
( ४२ ) एक मकान कुछ लाभ पर ६६० रु० में बेच दिया गया। यदि मकान २४० रु० में बिकता तो लाभ का १/५ हानि होती। तो मकान का मूल्य बताओ।

( ४३ ) किसी बनिया ने अपने बढ़िये चीनी को १५ प्रति सैकड़ा लाभ बेचने का निश्चय किया। परन्तु उस बढ़िये चीनी में १/५ घटिया चीनी, जिसका मूल्य बढ़िये चीनी का ५ था मिला दिया। तो बताओ बनिये को प्रति सैकड़ा क्या लाभ हुआ?

( ४४ ) बनिया अपना बढ़िया चाय को २० प्रति सैकड़ा लाभ पर बेचना चाहता है। परन्तु उस बढ़िये चाय में १/५ घटिया चाय जिसका मूल्य बढ़िये चाय का १/५ है, मिला दिया। तो बताओ अब उसे प्रति सैकड़ा लाभ होगा?

( ४५ ) मोहन ने एक जमीन का टुकड़ा २२५ प्रति सैकड़ा लाभ पर बेच दिया। मोहन ने उसे ७५ प्रति सैकड़ा लाभ ले कर हाथ बेच दो। गांधे ने २२६० रु० में खाने में जमीन खरीदी थी। तो मोहन ने किसने रुपये में जमीन खरीदी थी?





का लाभ या हानि उनके मूलधन के अनुपात ही में होगी। यह बात उदाहरण में स्पष्ट होगी :—

१ उदाहरण —अ, ब और ग एक व्यापार में शामिल हैं। ब का म० ब का १०० म० और ग का २०० म० लगा है। अगर कुल ११ लाभ हुआ हो तो हर एक का अलग अलग लाभ क्या होगा।

$$१०० + ४०० + २०० = ७०० \text{ म०}$$

$$१२०० \text{ म० पर लाभ } २४० \text{ म०}$$

$$१ \text{ म० } \therefore \therefore = \frac{२४०}{७००} \text{ म०}$$

$$१ \text{ } १०० \text{ म० } \therefore = \frac{२०० \times २४०}{७००} \text{ म०}$$

$$= ६० \text{ म० ब का लाभ}$$

$$१०० \text{ म० } \therefore = \frac{४०० \times २४०}{७००} \text{ म०}$$

$$= ८० \text{ म० ग का लाभ}$$

$$२०० \text{ म० } \therefore = \frac{२०० \times २४०}{७००} \text{ म०}$$

$$= १०० \text{ म० ग का लाभ}$$

### विशेष मामला

( ११० ) हमने व्यापारियों के मूलधन तथा समय दोनों को ध्यान में रखा है। ऐसे प्रश्नों में मूलधन और समय दोनों का समान अंश होना चाहिए। यदि यह अनुपात नहीं हो तो मूलधन पर समय के अनुपात में लाभ या हानि का अंश निकालना पड़ेगा।

१ उदाहरण — अ ६०० म० ब ४०० म० और ग २०० म० का मूलधन है। अगर कुल ११ लाभ हुआ हो तो हर एक का अलग अलग लाभ क्या होगा।



$$\text{इसी प्रकार } ४ = ७ \times ४ + ( ७ - १\frac{१}{२} ) \times ८$$

$$= २८ + १४$$

$$= ४२ \text{ पीड़}$$

$$\therefore \text{ दोनों का मिलकर } = १\frac{१}{२} + ४२ = १\frac{१}{२} \text{ पीड़}$$

$$१\frac{१}{२} \text{ पीड़ पर क } = १\frac{१}{२} \text{ पीड़}$$

$$\therefore १ \text{ पीड़ पर क का लाभ } = \frac{३ \times १००}{२२५} \text{ पीड़}$$

$$\therefore २२५ \text{ पीड़ " " } = \frac{२२५ \times ३ \times १००}{२२५ \times ३} \text{ पीड़}$$

$$= १०० \text{ पीड़}$$

$$\therefore \text{ क का लाभ } = २२५ - १०० \text{ पीड़}$$

$$= १२५ \text{ पीड़}$$

### अभ्यासार्थ प्रश्न ( १४७ )

( १ ) क, ख और ग ने मित्र कर व्यापार करना प्रारम्भ किया। क ४२० रु०, ख ने १०० रु० और ग ने ३२० रु० लगाया। मात्र के क में १०८ रु० लाभ हुआ तो प्रत्येक को कितना कितना लाभ का हक मिलना चाहिए ?

( २ ) घ, ब और म ने मित्र कर एक सेन भरी। घ ने १०० रु०, ब ने ७६ रु० और म ने ८२ रु० दिया। वर्ष के अन्त में ४० रु० की हानि सेना पर हुई, तो बन्नाघो प्रत्येक को कितने कितने रुपये का अंश मिले ?

( ३ ) राम, रघुम और मुरेश ने मित्र कर व्यापार किया। रघु ने १३०० रु०, रघुम ने १८०० रु० और मुरेश ने ८०० रु० लगाया। वर्ष के अन्त में ४२२ रु० की हानि हुई। तो बन्नाघो अब तीनों के कितने कितने रुपये व्यापार में गेज रहे ?

( ४ ) गजेश, दिनेश और मुरेश ने मित्र कर व्यापार किया। गजेश ने मुरेश से २०० रु० अधिक, दिनेश ने गजेश से १०० रु० अधिक और मुरेश

में १०० रु० लगाने। व्यापार में १४४ रु० खान हुआ। तो तीनों में होते बाँटे।

( १ ) क, द और स ने साम्य किया। क के २२० रु० खान नहींने तक, द के १०० रु० १ नहींने तक और स के ४०० रु० पाँच नहींने तक रहे। और खान २२ रु० १ का हुआ तो बराबरी खान के धन में से किम को कितना कितना मिला ?

( १ ) क, द और स ने मिल कर १४०२ रु० में एक सेंट मोत लिया। धन के अन्त में तीनों को अन्त से ७६ रु० खान जाने, ४६ रु० खान जाने और २१ रु० ४ जाने मिले, तो तीनों ने कितने कितने रुपये लगाने थे ?

( ७ ) मोहन, सोहन और राम ने मिल कर एक धागाई ६०२ रु० १२ जाने में मोत लिद। मोहन ने १२ गाव २ नहींने तक, सोहन ने १६ गाव ४ नहींने तक और राम ने २२ गाव ६ नहींने तक धागाई तो बराबरी तीनों को किमो किमो धागाई देनी पड़ेगी ?

( ८ ) एक व्यापार में क ने १०० रु० और ग ने १२०० रु० लगाने। ४ नहींने के बाद क ने १०० रु० निकाल लिया। क के रुपये निकालने के २ नहींने बाद ग ने भी २२० रु० निकाल लिद। इसी समय ग ४२० रु० देकर व्यापार में सम्मिलित हो गया। माल के अन्त में २२२ रु० खान हुए तो बराबरी खान में तीनों के कितने कितने रुपये हिस्से हुए ?

( ९ ) एक व्यापार में क से स के रुपये डेढ़ गुने थे। तीन नहींने के बाद व्यापार में से क ने अपने रुपये का १/३ निकाल लिया। लेकिन अन्त में व्यापार के बाद बाका रुपये का १/३ व्यापार में मिला दिया और ग ने ४ नहींने बाद अन्त में अपने रुपये का १/३ भी मिला दिया लेकिन १० नहींने के बाद अन्त में अपने रुपये का १/३ निकाल लिया माल के अन्त में १२१ रु० खान हुए, तो बराबरी खान में तीनों के कितने कितने रुपये हिस्से हुए ?

( १० ) द और स ने मिल कर एक धागाई सेंट क के १० रु० ग के



के रुपये देव गुने थे । ६ महीने के बाद अ ने अपने ६० को दूना और ४ देवदा कर दिया । ६ महीने के बाद स उतने ही रुपये देकर बूकान में लौट हो गया जिनने उस समय अ और ब के रुपये मिल कर थे । साल के अंत में १३३१ ६० ४ आ० लाभ हुआ, तो बताओ लाभ के रुपये में से कि को कितने कितने रुपये मिले ?

( ११ ) एक चरागाह में अ ने १८ घोड़े ६ महीने तक, ब ने १२ ४ महीने तक और स ने ४४ में ३ महीने तक चराया । बैल की खा भेद की चराई से तीन गुणों और छोटे की चराई बैल की चराई से दोगुने है । कुल चराई के २६ ६० ० आ० देने पड़े, तो बताओ तीनों को कि कितने रुपये देने पड़े ?

( १२ ) एक व्यापार में तीन भादमियों ने रुपये लगाये । पहले का १०० ६ महीने तक, दूसरे का ४०० ६० ४ महीने तक और तीसरे का १०० ६ महीने तक रहा । तीनों के लाभ मिल कर ६८ ६० हैं, तो हर एक को क्या मिलना चाहिए ?

( १३ ) क और ख ने मिल कर एक व्यापार किया । क ने पहले २०० ६० और ख ने ६०० ६० दिए । व्यापार प्रारम्भ करने के दो महीने बाद क ने १००० ६० और ३ महीने बाद ख ने १२०० ६० और दिए । साल के अन्त में ६४० ६० लाभ हुए, तो बताओ लाभ के रुपये का उन्हें किस भाग बँटना चाहिए ?

( १४ ) मोहन और सोहन ने एक चरागाह ० महीने के लिए लिया । मोहन ने २४ भैंस ४ महीने तक चराई, तो बताओ कि बाकी तीन महीने में सोहन कितनी भैंसे चरावे कि उस को मोहन का १ देना पड़े ?

( १५ ) राम और श्याम ने एक चरी का खेत ४ महीने के लिए लिया । राम ने २४ गाँव ३ महीने तक चराई । शेष दो महीने में श्याम ने चरी गाँव चराई । यदि श्याम को चराई के लिए राम का चराई का १ देना तो श्याम ने कितने गाँव चराई ?



कुल लाभ में क और ख में रुपये का अनुपात २:३ है तो बताओ क लाभ के कुल कितने रुपये मिले ?

( २१ ) क ख और ग ने १०००० रु० की पूंजी से एक व्यापार किया । कुल पूंजी में क ने ३१००० रु० और ख ने २१००० रु० दिए परन्तु यह बात ठहरी कि कुल लाभ आपस में बराबर बराबर बँटेगा । कुल पूंजी की एक तिहाई पर ग १० प्रति सैकड़ा ब्याज देगा और ग सामे का काम करने के बदले २१०० रु० साल में मिलेंगे । यदि सालान्त में कुल लाभ में से क, ख और ग के रुपये का अनुपात २३:२१ है तो बताओ ख को कुल कितने रुपये मिले ?

( २२ ) क, ख और ग ने क्रमशः २००० रु०, १००० रु० और ७००० रु० लगा कर एक साथ एक व्यापार किया । क लाभ का १० प्रति सैकड़ा और ख लाभ का १५ प्रति सैकड़ा व्यापार के प्रबन्ध करने के हक पाता है । शेष लाभ मूल धन में लगाये हुए रुपये के अनुसार बँटता है । साल के अन्त में क को ख से ३३० रु० कम मिले तो कुल लाभ कितना हुआ ?

( २३ ) एक सामे में क ने ४५०० रु०, ख ने ३५०० रु० और ग ने ४००० रु० लगाये । साल के अन्त में प्रत्येक को लाभ के रुपये में उसके रुपये का ५ प्रति सैकड़ा मिलने के बाद जो बचा उसका १५ प्रति सैकड़ा ख को सामे के काम करने के बदले मिला । शेष लाभ के रुपये के तीनों ने दिससे के अनुसार बाँटे , यदि कुल १८०० रु० का लाभ हुआ है तो बताओ अब प्रत्येक को क्या मिला ?

( २४ ) क, ख और ग ने सामे का एक प्रेम खरीदा । कुर्मीर के लिए क ने २५ और ख ने १५ सामान मूल्य की कुर्मीरें दीं । ग ने कुर्मीरों के मूल्य के बदले ४० रु० दिये, तो बताओ हम रुपये को क और ख किस प्रकार बाँटे ?

( २५ ) कौलधारी, सुगन और अनन्त ने मिल कर एक मछान ख



२ उदाहरण — एक चीनी १२ रु० मन की और दूसरी १० रु० की है, तो बताओ इनको किस अनुपात से मिलावें कि मिश्रित चीनी भाव १५ रु० मन हो जाय ।

इस प्रश्न में लाभ या हानि की कुछ भी शर्त नहीं है । इसलिए लाभ को न तो लाभ ही होना चाहिए और न हानि ही ।

जब दोनों प्रकार की चीनी एक ही में मिला दी जाती है तब वह १० मन के भाव की हो जाती है, और घराब चीनी के हर एक मन के बेंचने से ( १५ - १२ ) या ३ रु० का लाभ होता है, और अच्छी चीनी के एक मन के बेंचने से ( १० - १५ ) या ५ रु० की हानि होती है । जब दोनों प्रकार की चीनी बराबर मात्रा में मिलाई जायें तो साफ़ आरि लाभ होने लगेगा । इसलिए घराब चीनी कम मिकानी चाहिए । अगर घराब चीनी दो मन हों तो ६ रु० लाभ होगा और अगर अच्छी चीनी ३ मन तो ३ मन में ६ रु० हानि होगी । इसलिए घराब और अच्छी चीनी १ के अनुपात से मिलाना चाहिए । ऐसे प्रश्नों के हल करने के लिए पा मिश्रित वस्तु के मूल्य को प्रत्येक में से घटा देना चाहिए और इन अन्तरों को उलट देना चाहिए और उम्मी उलटे हुए अनुपात से ही वस्तुओं को मिलाना चाहिए ।

३ उदाहरण — ३ आ० ६ पा० मेंर और ५ आ० मेंर के भावों में दूध को किस अनुपात से मिलावें कि मिले हुए दूध को ४ आ० मेंर बेंचने पर ६ रु० प्रति सैकड़ा लाभ हो ।

$$100 + \frac{2}{14} = \frac{2000}{14} \text{ रु०}$$

$$\frac{2000}{14} \text{ रु० पर क्रयमूल्य } 100 \text{ रु०}$$

$$1 \text{ रु०}$$

$$14 \times 100 \text{ रु०}$$

$$1400$$









( २ ) १० रु० टन, १३ रु० टन, १६ रु० टन और २१ रु० टन कायला किस हिसाब से मिलाया जाए कि मिले हुए कायले का मूल्य १० रु० टन हो ?

( ३ ) १३ रु० गैलन, १८ रु० गैलन, ८ रु० गैलन की शराब में रंगे मिलाने से ३ रु० गैलन की शराब बनती है तो तीनों प्रकार की शराब को पानी किस अनुपात से मिलाया गया है ?

( ७ ) १६ रु० तोले के सोने में कुछ भाग १६ रु० तोला, कुछ १८ रु० तोला, कुछ २३ रु० तोला और कुछ २४ रु० तोला का सोना मिलाया गया । अब मिले हुए सोने की दर २० रु० तोला है तो मिलाए गए सोने का अनुपात बताओ ।

( ८ ) १० रु० मन, १४ रु० मन, १८ रु० मन और २० रु० मन के चीनी मिला कर ४० मन चीनी १७ रु० मन की तैयार की गई तो बचने हर तरह की चीनी किस अनुपात से मिलाई गई और मिली हुई ४२ मन चीनी में कौन चीनी मिलती है ?

( ९ ) पाँच आने सेर, ४ आने सेर और ७ आने सेर की चीनी किस हिसाब से मिलाई जाए कि मिली हुई चीनी की दर ६ आने सेर हो । १२ सेर मिश्रित चीनी में किस प्रकार की चीनी किन्तों है ?

( १० ) किसी दूकान दार के पास १० आ०, १२ आ०, १४ आ० और १६ आ० प्रति सेर की दर का मसाला है । यदि पहले दो प्रकार के मसाले बराबर बराबर मिला लिए जाए और पिछले दोनों प्रकार के मसाले भी बराबर बराबर मिला लिए जाए तो अब मिश्रित मसाला १४ आने सेर का तैयार करने के लिए किस हिसाब से मिलाना चाहिए ?

( ११ ) एक मनुष्य के पास १४ रु० प्रति गैलन की और २४ रु० प्रति गैलन की शराब थी । उसने दोनों प्रकार की शराबों को ३ : २ के अनुपात में लेकर मिला दिया । अब मिली हुई शराब में किस हिसाब से पानी मिलावे कि मिली हुई वस्तु १६ रु० प्रति गैलन की हो जावे ?



( १८ ) एक वर्तन में ३६ सेर दूध है । पड़ले उस में से ३ सेर निकाल लिया और तब ३ सेर पानी डाल दिया । अब उस मिश्रण में से ३ सेर निकाल कर फिर ३ सेर पानी डाल दिया । यह क्रिया बार की गई तो बताओ अन्त में दूध और पानी में क्या सम्बन्ध होगा ?

( १९ ) एक दूध में भरे हुए वर्तन में से ४ सेर दूध निकाल पानी से वर्तन को भर दिया । फिर मित्री हुई वस्तु में से ४ सेर निकाल कर फिर पानी से वर्तन को भर दिया । तो दूध और पानी का सम्बन्ध १९ : ४ हो गया, तो बताओ पड़ले वर्तन में कितने सेर दूध थे ?

( २० ) एक शराब में भरे पाँचे में १० सेर शराब निकाल कर पानी से भर दिया । फिर मित्री हुई वस्तु में से १० सेर निकाल कर फिर पानी से पाँचा भर दिया । अब फिर मित्री हुई वस्तु में से १० निकाल कर पाँचे को पानी से भर दिया, शराब और पानी का सम्बन्ध २१६ : १२७ हो गया तो बताओ पाँचे में कितनी शराब थी ?

( २१ ) एक तेल में भरे पाँचे में से १६ सेर तेल निकाल कर पानी से भर दिया । फिर मित्री हुई वस्तु में से १६ सेर निकाल कर पानी से भर दिया । इसा प्रकार की क्रिया बार बार करने पर तेल और पानी का सम्बन्ध २४६ : ३९६ रहा, तो बताओ पाँचे में कितने तेल थे ?

( २२ ) एक वर्तन में २२ सेर दूध है । उस में से ११ सेर निकाल कर वर्तन को पानी से भर दिया । अब उस मिश्रण में से ११ सेर निकाल कर फिर वर्तन को पानी से भर दिया । यह क्रिया बार की गई तो बताओ अन्त में दूध और पानी का सम्बन्ध होगा ?

( २३ ) एक दूध में भरे हुए वर्तन में से ५ सेर दूध निकालने तथा डालने की क्रिया बार बार करने पर तेल और पानी का सम्बन्ध २४३ : ७२९ हो गया तो बताओ वर्तन में कितना दूध था ?













$$\therefore \frac{४८०२०}{३} \text{ रु० " " " } \Rightarrow \frac{४८०२० \times १००}{३ \times १८} \text{ रु०}$$

$$\Rightarrow \frac{४८०२००}{३} \text{ रु०}$$

उत्तर = १६००६६ रु० २ आ० १

६ उदाहरण.—४ रु० लैकने स्टाक के स्टाक का भाग १०६ रु० है १२००० रु० के स्टाक पर बिगना डिविडेंड मिशेगा ?

१०० रु० के स्टाक से डिविडेंड = ४ रु०

" १ रु० " " =  $\frac{१}{१००}$  रु०

" १२००० रु० " " =  $\frac{१२००० \times ४}{१००}$  रु०

= ४८० रु० उत्तर

७ उदाहरण.—३ रु० लैकने स्टाक में ४०६२ रु० लगाने से ११० की आमदनी होती है तो स्टाक का भाग बतायें ।

११० रु० आमदनी जिस बज के लगाने से होती है = ४०६२ रु०

१ रु० " " " =  $\frac{४०६२}{११०}$  रु०

" ३ रु० " " " =  $\frac{३ \times ४०६२}{११०}$  रु०

= १०२ रु०

८ उदाहरण.—११० रु० के भाग के ३००० रु० के स्टाक के १२ क्या देना होगा यदि वार्षिक ३ प्रतिशत मिलेगा ?

११० रु०  $\frac{३}{१००}$  =  $\frac{३३३}{१००}$  रु०

१०० रु० के स्टाक के बिगने आं बज देना होगा =  $\frac{११३३}{१००}$  रु०

१ रु० के " " =  $\frac{११३३}{१००}$  रु०



$$१४३\frac{१}{२} + \frac{१}{२} = १४०$$

१४० रु० के अगाने में साजाना धामदनी = २ रु०

$$१ \quad रु० \quad " \quad " \quad " \quad \rightarrow १\frac{१}{२} रु०$$

$$१४००० रु० \quad " \quad " \quad " \quad \rightarrow \frac{१४००० \times १\frac{१}{२}}{१२०} रु०$$

$$\rightarrow १२०० रु०$$

### अध्यामार्थ धरन ( १४२ )

( १ ) एक मनुष्य ने २२०० रु० में मम मोच के दोवर खरीदे, जो अब हर एक मोचर ११२ रु० में बिकने लगा तो बेच बाबा, तो कनापो ज्ये धिनना काम हुआ ?

( २ ) एक मनुष्य ने २१० की दर का २००० रु० का दोवर खरीद और अब प्रत्येक दोवर का नाम ११० हो गया तो बेच बाबा, तो कनापो ज्ये धिनना काम हुआ अब कि दबाजी पनि गीददा ? है ?

( ३ ) २ रु० गीददे आत्र के १२०० रु० के दबा के नाम ११ की दर में क्या होगा, अब कि दबाजी पनि गीददा ? है ?

( ४ ) ३ रु० गीददे आत्र के २२० रु० का आत्र ४ रु० गीददे की दर में बेच देने में धिनना काम बढ़ागा अब कि दबाजी ? है ?

( ५ ) एक दिनी उवन मित्र धमनी के दोवरी का नाम १०० रु० की कनापो एक मनुष्य १२०० रु० में धिनने दोवरी का नाम बढ़ा है ?

( ६ ) १२०० दोवर १२ दि० में २२ रु० दोवर की दर के धिनना बेच बाबा कनापो है, अब कि दबाजी २ दि० २ रु० पनि गीददा ?

( ७ ) एक मनुष्य ने २००० रु० में २ रु० गीददा आत्र का नाम बढ़ा २२ रु० की दर में कनापो दोवर २२ रु० का नाम बढ़ा २२ रु० की दर में कनापो अब कनापो धिनने कनापो है ?





( ८ ) २६०० रु० के बम्बई चुंगी के डिपेंडर १२ रु० मैबदा प्रीमियम से बेंचने से बितना रु० मिलेगा यदि बलाली १ रु० मैबदा है ?

( ९ ) २१ रु० मैबदे ब्याज के बम्बनी ब्याज का भाग बलाघो उध कि २००० रु० का ब्याज बेंचने से २१२२ रु० मिलने है । बलाली प्रति मैबदा १ रु० है ।

( १० ) एक मनुष्य के पास ४२०० पौण्ड के ब्याज है, यदि वह उन्हें ८०१ की दर से बेंच कर जो धन मिले उसमें ४१ प्रति मैबदा का ब्याज का पौण्ड की दर से मोड़ ले, तो उसके पास बितने का ब्याज होगा ?

( ११ ) एक मनुष्य ने ६६ की दर से ४१ रु० मैबदे ब्याज के बम्बनी ब्याज में २१०० रु० लगाये और वह महीने का डिविडेंड लेकर उसकी ६४ की दर से बेंच दिया, तो बलाघो उसे क्या लाभ हुआ ?

( १२ ) २१ रु० मैबदे के २००००० रु० के ब्याज का वह माही डिविडेंड क्या होगा ?

( १३ ) २१ रु० मैबदे के १४ २०० रु० के ब्याज का वार्षिक हकान किस बलाघो ?

( १४ ) ४१ मैबदे ब्याज २२१२० रु० के ब्याज से ६ रु० की ब्याज-दही प्रति रु० में ४ पारु हकामकिय देने से लाभ क्या होगा ?

( १५ ) १ रु० मैबदे ब्याज का ८२ के ब्याज से दिवने ब्याज का बंसी का ब्याज मोड़ देने से १८० बलाघो वार्षिक डिविडेंड मिलेगा ?

( १६ ) एक मनुष्य ने २००० रु० से ४ रु० प्रति मैबदे के बलाघो ब्याज २११ की दर से महीना, तो बलाघो दि ४ रु० में उसे ब्याज से बितना लाभार्थ होगा ? बलाघो प्रति मैबदा है

१० १ रु० मैबदा का १०१ की दर से दिवने रु० बलाघो बलाघो का ब्याज महीना उध १६ प्रति रु० १ पारु हकामकिय रु० के ब्याज से बितना लाभार्थ होगा ? बलाघो प्रति मैबदा है

( १८ ) एक आदमी ने २८०३५ से एक कम्पनी का शेयर जो ५० सैकड़ा ब्याज का है और १०२½ की दर से मिलता है खरीदा। तो आमदनी पर ५ पाई प्रति रुपये टैक्स देने पर उसे वार्षिक आमदनी क्या होगी ? दलाली प्रति सैकड़ा ½ है।

( १९ ) ३ रु० सैकड़े और ६०½ की दर के ३००० के कम्पनी कागज के बदले में ३½ रु० सैकड़ा ब्याज का ६२½ की दर का फिन्ने का कम्पनी कागज मिलेगा और वार्षिक आमदनी में इस बदले से क्या अन्तर पड़ेगा जब कि दलाली प्रति सैकड़ा ½ है।

( २० ) एक मनुष्य ने ८००० रु० से ७२½ की दर से ३½ रु० सैकड़े ब्याज के स्टॉक खरीदे और जब उस की दर ६८½ हो गई, तो बेंच कर विक्री के रूप से ७२½½ की दर से ४ रु० सैकड़ा ब्याज का स्टॉक खरीदा तो उसकी आमदनी में क्या लाभ या हानि हुई ? दलाली प्रति सैकड़ा २ है।

( २१ ) एक मनुष्य ने ८३½ रु० के भाव से ४ रु० सैकड़े ब्याज का नोट खरीदा और १ वर्ष के बाद ८० रु० के भाव से बेंच दाजा, तो बग़ावत ऐसा करने से उसे कितना लाभ या हानि हुई, जब नोट १००० रु० का था ? दलाली प्रति सैकड़ा २ देनी पड़ती है।

( २२ ) एक मनुष्य के पास ३ रु० सैकड़े ब्याज का ८६½ की दर पर ३२०० रु० का नोट है। उसने इसे बेंच कर ४ रु० सैकड़े ब्याज के १११½ की दर से कम्पनी कागज मोल लिए, तो बग़ावत उसके सालाना ब्याज में क्या अन्तर पड़ेगा ? जब कि दलाली २ प्रति सैकड़ा है।

( २३ ) एक मनुष्य ने ६४०० पौण्ड का नोट ८८ पौण्ड के भाव से ४ पौण्ड सैकड़े ब्याज का खरीदा और जब नोट का भाव बढ़ कर ९१ पौण्ड हो गया तो नोट को बेंच कर ७० पौण्ड के रेलवे के हिस्से खरीदे जिस पर ४½ प्रति सैकड़ा नफ़ा मिलता था, तो बग़ावत उस की आमदनी में क्या अन्तर पड़ेगा ?

( २४ ) एक मनुष्य को ४ रु० सैकदे ध्याज के बागज में ६३½ बी दर से बिलना खपया लगाना चाहिये, कि ४ पाई प्रति खपया हन्यमर्त्यवर देकर ६२८ रु० बी वार्षिक आयमदनी हो ?

( २५ ) एक मनुष्य ने कुछ धन ३½ प्रति सैकदा पाजे सरकारी बागज में जिर की दर ६०½ है लगाया, यदि वह उन को ६०½ की दर से खरीदता तो उसे १०० रु० के सरकारी बागज अधिक मिलने तो बताओ उसने बिलने खपया बागज लेने में लगाए ? दलाली ? प्रति सैकदा है ।

( २६ ) ४½ सैकदे ध्याज का बागज खरीदने में २६४२२ रु० ८ आ० लगाने से २११ रु० १२ आ० मासिक आयमदनी होती है, तो उस बागज का भाव बताओ ।

( २७ ) एक मनुष्य १४६०० पौण्ड १ प्रति सैकदा के ६० के भाव के और ३½ प्रति सैकदा के ६० के भाव के स्टाक में लगाता है, उस की सम्पूर्ण आयमदनी २०० पौण्ड है, तो बिलने का प्रत्येक स्टाक उसने खरीदा ?

( २८ ) एक मनुष्य ने कुछ धन से ३½ प्रति सैकदा के १८ के भाव से स्टाक खरीदा । अगर वह ४ प्रति सैकदा के १०८ की दर से उसने ही धन से दूसरे तरह का स्टाक खरीदता, तो उस ध्याज में वार्षिक २० पौण्ड अधिक मिलता, तो बताओ उसने बिलना धन लगाकर स्टाक खरीदा ?

( २९ ) एक आदमी ने कुछ रुपये से ४½ प्रति सैकदा ध्याज के बागज १०४ बी दर से खरीदा और जब प्रत्येक स्टाक का मूल्य १०१ रु० हो गया, तो उसने बेच दिया । इसमें उसे ६०० रु० का लाभ हुआ तो बताओ उसने बिलने खपया का स्टाक खरीदा का ?

( ३० ) उक्त स्टाक का भाव १०८ सैकदा है जब १३१० पौण्ड के बागज का भाव १०८ है ।

( ३१ ) १ पौण्ड ध्याज के बागज का भाव ८० है । १ पौण्ड ध्याज के बागज का स्टाक १०८ पौण्ड के भाव से खरीदा जा रहा है । बागज का भाव १०८ पौण्ड के भाव से १०८ पौण्ड के भाव से खरीदा जा रहा है ।



( ३२ ) बनाओ कौन से कागज़ में रुपया लगाना अच्छा है। २½ सैकड़े व्याज के १८½ रु० के भाव के कागज़ में, अथवा १½ रुपये के व्याज के १०२ रुपये के भाव के कागज़ में ?

( ३३ ) १९४३० रु० से ४½ रु० सैकड़े व्याज का १०१ रु० के ब का कम्पनी कागज़ खरीदने से कितने रुपये महीने की आमदनी होगी, व १० वर्ष पीछे सम मोज़ के हिसाब से रुपया फेर दिया जाय, तो इसमें क पर वार्षिक कितने सैकड़े का व्याज मिलेगा ?

( ३४ ) एक मनुष्य ने ३ रु० सैकड़े की व्याज का कागज़ ७२ के भा से बेंच कर २ रु० व्याज का कागज़ खरीद किया, परन्तु उस की आमद में कुछ अन्तर नहीं हुआ, बताओ उसने विपुला कागज़ किस भा से खरीदा था ?

( ३५ ) २ पींड सैकड़ा व्याज का २२½ पींड के भाव से २९१९ री ५ शि० का कम्पनी कागज़ बेंच कर ४ पींड सैकड़ा व्याज का ८२ पींड के भाव का कागज़ मोज़ खेने में आमदनी में क्या अन्तर होगा ? दशाब्दी मालूम देनी पड़ती है ।

( ३६ ) किस में रुपया लगाना लाभदायक है ? १० सैकड़े आमदनी के बैंक के भाग में ३१३ के भाव से, अथवा २ सैकड़े व्याज का कागज़ ११ के भाव खरीद करने में ।

( ३७ ) १ पींड सैकड़े व्याज का १२०० पींड का कागज़ ८१½ के भाव से खरीदने में क्या लार्च होगा, और इसमें क्या दर व्याज मिलेगा ? ( दशाब्दी ½ प्रति सैकड़ा है ) ।

( ३८ ) एक मनुष्य ने ४½ सैकड़े के कम्पनी कागज़ को १०१ के भाव से खरीदने में कुछ रुपये लगाये, अब कागज़ का भाव घट कर १०१ होकर जब उसको बेंच दिया, इसमें उसको दशाब्दी लाभ कर ९०० रु० पाया हुआ, बताओ उसने कितने रुपये लगाये थे ?

( ३६ ) हमारे पास ३००० पौंड का ४ सैकड़े व्याज का कम्पनी कागज़ था; जब उस का भाव ८२½ हुआ तब हमारे दलाल ने ½ सैकड़ा दलाली ले कर उसे बेच दिया और फिर उस धन को उसने ४½ सैकड़े के ६८½ के भाव से कागज़ में ½ सैकड़ा दलाली लेकर खरीदने में लगा दिया, यथाचो उस ने पिछला कागज़ कितना खरीदा ?

( ४० ) ४½ रु० सैकड़ा व्याज का कम्पनी कागज़ खरीदने में २६४२२ रु० ८ आ० लगाने में २१३ रु० १२ आ० नासिक आमदनी होती है; तो उस कागज़ का भाव बताओ ।

( ४१ ) एक मनुष्य १६३००० रु० में से कुछ रुपया ४ प्रति सैकड़े के १०८ के भाव के गवर्नमेंट स्टॉक में लगाता है, और शेषधन को ५ प्रति सैकड़े के १०६½ के भाव के म्यूनिस्पल डिबेंचर में; यथाचो प्रत्येक में कितना कितना धन लगावे, ताकि दोनों से समान आमदनी हो जाय ?

( ४२ ) में १२८०५ रु० ४ प्रति सैकड़े वाले कागज़ में जिसकी दर ६८½ है लगाता हूँ; जब कि उनकी दर बढ़कर १०२½ हो जाती है तब बेचता हूँ और इस प्राप्ति को ४½ प्रति सैकड़े जाने में जिसकी दर १०५½ है लगाता हूँ; तो मेरी आय में क्या परिवर्तन हुआ ? ( दलाली ½ प्रति सैकड़ा सम्पूर्ण व्यापारों में ली जाती है ) ।

( ४३ ) एक मनुष्य ने एक ही धन दो प्रकार के स्टॉक में व्यय किया; ३½ प्रति सैकड़ा वाले सरकारी कागज़ में जिसकी दर १०३½ है और ८ प्रति सैकड़ा वाले म्यूनिमिपल डिबेंचर में जिसकी दर १०५ है; उसकी आय एक स्टॉक से दूसरे से ६३ रु० अधिक है, तो प्रत्येक स्टॉक में कितना धन लगाया गया था ?

( ४४ ) एक मनुष्य के पास ३½ प्रति सैकड़ा वाले सरकारी कागज़ का स्टॉक है जो २८५६ रु० वापिस देता है । वह स्टॉक का आधा १०६½ की दर विव्रय करता है, और इस प्राप्ति को हवड़े की मिल के भागों में १५३



( ५० ) एक मनुष्य ने १३ सैकड़े का कम्पनी कागज़ ६२½ के भाव से बेंच कर १८५०० रु० पाये; फिर उसने अपने रु० का १ भाग, ४ सैकड़े का कागज़ ६६ के भाव से खरीद करने में और शेष १ सैकड़े का कागज़ ६० के भाव से खरीद करने में लगा दिये; यताथो इस व्यापार से उसकी आमदनी में क्या अन्तर होगा ?

( ५१ ) ४ प्रति सैकड़े के कागज़ का भाव ६८ रु० है और ५ प्रति सैकड़े के कागज़ का भाव १२०½; किसमें रुपया लगाना अच्छा है । एक प्रकार का कागज़ कितने का है, जब कि आमदनी में १० रुपये का अन्तर है ।

( ५२ ) ४ प्रति सैकड़े के कम्पनी कागज़ को सममोल ( पार ) के भाव से मोल लेने में कितना रुपया लगाना चाहिए, कि उनकी आय उस प्राप्ति के समान हो; जो १०००० रु० देकर ४½ प्रति सैकड़े व्याज के कम्पनी कागज़ को १०२ के भाव से मोल लेने से होती है ।

( ५३ ) ३ सैकड़े के व्याज का कागज़ ८३½ के भाव से मिलता है और ३½ सैकड़े के व्याज का ३ सैकड़ा बट्टे ( ६७ के भाव ) से कागज़ मोल लिया जाता है; यताथो इन दोनों में कौन सा कागज़ खरीद करने में रुपया लगाना अच्छा है ?

( ५४ ) एक मनुष्य १४६७० पाँड ३ प्रति सैकड़ा के ६० के भाव के और १½ प्रति सै० के ६७ के भाव के स्टॉक में लगाता है; उसकी सम्पूर्ण आमदनी ५०० पाँड है, तो कितने का प्रत्येक स्टॉक उसने खरीदा ?

( ५५ ) एक मनुष्य के पास १०००० पाँड का ३ सैकड़े का स्टॉक है; वह उसे ६३½ के भाव से बेंच देता है और जो कुछ आमदनी होती है, उसे ४ सैकड़े के १०१½ के भाव के स्टॉक में लगा देता है, तो उसकी आमदनियों का अन्तर क्या हुआ ? [ ठलाली हर सौदेपर १ प्रति सैकड़ा ]

( ५६ ) एक लाख रुपया के ३½ सैकड़ा व्याज के गवर्नमेंट प्रोमेसरी नोट में, जिसका भाव १००½ है । मासिक क्या आमदनी होगी ?

१. २०. किन्तु कर्ण के ३३ प्रति मैट्टा के मरहती मोर १३१।  
 ना य वनन कार्दित, कि विजय मृत्यु से २ प्रति मैट्टा के वज्रपाट्ट  
 मित्त किन्तु १३३। का ना य इनने कय दिये जा सके मित्त १३३।  
 कार्दित का समनना ह। उन्नात्ता प्रत्येक मोरे पर ३ प्रति मैट्टा ही ली।

२. २०. एक मनुष्य का ३ प्रति मैट्टा के किसी कामना है।  
 का ना य किन्तु कर्ण प्रमाण कार्दित, कि उमहो १३० पीट ली।  
 कामनना ह। माय १। उन्नात्ता ३ प्रति मैट्टा )

३. २०. एक दिग्गज ३३ प्रति मैट्टा का ३३३ के मय के ३३  
 क ३ मयनम कामना नाट कर्णक आयता कर्ण क प्रति मैट्टा के ३  
 क माय के ३३३ य वलता है कि पदमे की दृष्टाती ३ प्रति मैट्टा के  
 दृष्टा के प्रति मैट्टा ह। ना दावो कामनानों में का ३  
 वलता १

४. २०. एक व्याज का ३३३३ पीट का मय ३३३ के मय  
 कामना दृष्टा व्याज वन य मय माय ३ पीट ३ मित्त ३ मित्त  
 कामना ३ ३३३ दृष्टा व्याज ३ प्रति मैट्टा का हो, तो मय ३  
 वलता

५. २०. ३३३३ ३३३३ का ३३३३ मय के ३३३३  
 क माय य कामना ३३३३ का ३३३३ कामनानी का होली ३

६. २०. एक मय कामना के ३३३३ मय का एक मय क  
 ३३३३ मय ३३३३ मय के ३३३३ मय ३३३३ मय के ३३३३  
 मय ३३३३ मय का ३३३३ मय के ३३३३ मय के ३३३३

७. २०. ३३३३ ३३३३ मय का ३३३३ मय के ३३३३

८. २०. ३३३३ ३३३३ मय के ३३३३ मय के ३३३३

९. २०. ३३३३ ३३३३ मय के ३३३३ मय के ३३३३

१०. २०. ३३३३ ३३३३ मय के ३३३३ मय के ३३३३

११. २०. ३३३३ ३३३३ मय के ३३३३ मय के ३३३३

१२. २०. ३३३३ ३३३३ मय के ३३३३ मय के ३३३३

( ६४ ) २ रु० सैकड़े व्याज और १० $\frac{१}{२}$  रु० की दर के कागज में कितना लगाया जाए, कि आमदनी पर २ $\frac{१}{२}$  रु० सैकड़े का इन्कम् टैक्स दे कर ११२ रु० की वार्षिक बचत हो ?

( ६५ ) ४ $\frac{१}{२}$  रु० सैकड़े व्याज और १० $\frac{३}{४}$  रु० की दर के कागज में कितना रुपया लगाया जाए, कि आमदनी पर ३ रु० सैकड़े का इन्कम् टैक्स कर २६१६ रु० की वार्षिक बचत हो ?

( ६६ ) जब ३ $\frac{१}{२}$  रु० सैकड़े व्याज के कागज का भाव ८२ रु० था, एक आदमी ने उसे बेच कर बिन्ही के दामों में ४ रु० सैकड़े व्याज का दूसरा कागज ६२ रु० के भाव से ले लिया। इस से उस की वार्षिक आमदनी १२०० रु० बढ़ गई, तो बताओ उस के पास ३ $\frac{१}{२}$  प्रति सैकड़े व्याज का कितने का कागज था ?

( ६७ ) जब ४ $\frac{१}{२}$  रु० सैकड़े व्याज के कागज का भाव ८८ रु० था, एक आदमी ने उसे बेच कर बिन्ही के दामों से २ रु० सैकड़े व्याज का दूसरा कागज ६६ के भाव से ले लिया। इस से उस की वार्षिक आमदनी २०० रु० बढ़ गई तो बताओ उस के पास ४ $\frac{१}{२}$  रु० प्रति सैकड़े व्याज का कितने का कागज था ?

( ६८ ) एक मनुष्य ने २ रु० सैकड़े व्याज के ७६०० रु० का कागज ३ $\frac{१}{२}$  प्रति सैकड़े बट्टे से बेच कर बिन्ही के रुपये से ६ $\frac{१}{२}$  रु० सैकड़े व्याज के कागज १० $\frac{१}{२}$  प्रति सैकड़े प्रीमियम से खिचे, तो बताओ इस से उस की वार्षिक आमदनी में क्या लाभ वा हानि होगी ?

( ६९ ) मुझे कितना धन ४ $\frac{१}{२}$  प्रति सैकड़े व्याज के कागज में ८१ के भाव से लगाना चाहिये कि और ३००० रु० ३ प्रति सैकड़े के कागज में ७२ के भाव से लगा कर और कुछ आमदनी पर ४ पाई प्रति रुपया इन्कम् टैक्स देकर ३७४ रु० मुझे वार्षिक बच रहे ?

( ७० ) किस में ४३१२ पी० लगाना अच्छा होगा ३ $\frac{१}{२}$  प्रति सैकड़ा व्याज और ६१ के भाव के कागज में वा ६२ पाई प्रति हिस्से के भाव के उल्लन 'मर ४ हिस्से में कितने पैज' पर ४ प्रति सैकड़े का व्याज मिलना है ?

( ७१ ) एक कंठनी के २५ दिस्मों का मोल २१२५ बीर दिविदेव २ पी० सैकड़े की दर से दिया जाए, तो छिने दिस्मों १४८० पीर होगा, अब दिविदेव २ $\frac{१}{२}$  पी० सैकड़े की दर से दित

( ७२ ) एक कंठनी के १८ दिस्मों का मोल १४२८०० है, ३ डेव ४ $\frac{१}{२}$  द० सैकड़े की दर से दिया जाए, तो छिने दिस्मों १३२० द० होगा, अब दिविदेव २ द० सैकड़े की दर से दित

( ७३ ) २ द० सैकड़े व्याज के बागज का भाव ६० द० और सैकड़े व्याज के बागज का भाव १०२ है । एक मनुष्य ने प्रत्येक रा २०० द० का बागज मोल दिया और दूसरे ने प्रत्येक प्रकार के ४ २०० द० खगाये । दोनों को अपनी बागज के रुपये पर जो भाज दम की गयी का मिश्रण करो ।

( ७४ ) २ द० सैकड़े व्याज के बागज का क्या भाव होगा, जो बागज के रुपये का  $\frac{१}{१०}$  ० पाई प्रति रुपये का इन्टर रेट दे दे के वार्षिक व्याज बन रहे ?

( ७५ ) ४ $\frac{१}{२}$  द० सैकड़े व्याज के बागज का क्या भाव होगा, जो बागज के रुपये का  $\frac{१}{१०}$  ३ पाई प्रति रुपये का इन्टर रेट दे दे के वार्षिक व्याज बन रहे ?

( ७६ ) एक मनुष्य ४ प्रति सैकड़े व्याज का बागज, जिस का भाव १ मिश्रण दे और जिस का दरबार एक सत्र के समय से सत्र सत्र से पूरा लगता, भाव बना करता है । यदि ६० २ प्रति सैकड़े व्याज का है वह बागज किस भाव से बना करेगा ?

( ७७ ) एक मनुष्य २ प्रति सैकड़े व्याज का बागज जिस का भाव १ मिश्रण दे और जिसका दरबार सत्र के समय से सत्र सत्र से पूरा लगता, भाव बना करता है । यदि ६० ४ प्रति सैकड़े व्याज का है वह बागज किस भाव से बना करेगा ?





मोल लिया। उस की कुछ साखाना आमदनी २१६ रु० ८ आ०  
तो बनाओ उसने कुछ कितने रुपये खगाये ?

( ८४ ) एक मनुष्य को १८८६ रु० स्टाक में खगाने हैं तो बनाओ  
प्रति सैकड़े व्याज के सरकारी कागज में त्रिप का भाव ०१ प्रति सैकड़े  
से है कराया खगाना अधिक लाभकारी होगा, या सम मोल पर  
हिससा लेना, त्रिप पर प्रति दिन प्रति सैकड़ा २१ पाई व्याज  
और दोनों का अन्तर निकालो।

( ८५ ) एक मनुष्य ने ३१ प्रति सैकड़े व्याज के बानपुर उन्न  
रोपर २४०० रु० में लिया। उस की वार्षिक आमदनी १८३ रु० ८  
हुई, तो बनाओ मोल लेते समय ३१ प्रति सैकड़े का रोपर कि  
से था ?

( ८६ ) मैंने २१ प्रति सैकड़े व्याज के रखे रोपर ४३०२ रु०  
लिया। मेरी वार्षिक आमदनी २४६ रु० की हुई, तो बनाओ मोल  
समय मैंने रोपर कितने रु० से लिये थे ?

( ८७ ) एक मनुष्य ने ४१ प्रति सैकड़े व्याज के कागज में ३६  
कुछ धन खगाया। जब उस का भाव ३४१ हो गया तो १८०० रु०  
कागज बेच दिया और शेष को तब बेचा, जब उस का भाव ८६१ हो  
कुछ दिनों के दरसे उसने २ प्रति सैकड़े व्याज के कागज में जो ८६१  
रु० का है, खगा दिये। इस प्रकार उस की आमदनी ८६१ रु०  
गई तो बनाओ पदसे उसने कितने रुपये खगाये थे ?

( ८८ ) एक मनुष्य ने ४१ प्रति सैकड़े व्याज के कागज में १११  
रु० से कुछ धन खगाया। जब उस का भाव ३८१ हो गया, तो १२५६ रु०  
का कागज बेच दिया और शेष को कुछ दिनों के बाद ८१ की दर से बेच  
कुछ दिनों के दरसे उसने ४१ सैकड़े व्याज के कागज में सम मोल पर  
दिया। इस प्रकार उस की आमदनी १२ रु० बढ़ गई, तो बनाओ  
कितना धन खगाया था ?

## बदला

( ११५ ) अन्तर्राष्ट्रीय वा अन्तर्जातीय व्यापार में एक देश की किसी निर्यात धन संरक्षा को, दूसरे देश की एक निर्यात धन संरक्षा के बराबर देने को बदला कहते हैं। यह बदला कई प्रकार में होता है। कभी कभी हुंडी, राजा या राजा के द्वारा भी एक देश का सिद्धा दूसरे देश के प्रचलित सिद्धों में बदला जाता है। इस प्रकार बदला करने से केवल बागझ भेजना पड़ता है और सिद्धों के भेजने का अधिक व्यय बच जाता है। हुंडी एक यह गणपत्र है जिसके द्वारा निर्यात समय में कोई निर्यात धन दूसरी जगह के किसी भी मनुष्य को चुकाया जाता है। जो मनुष्य हुंडी पर हस्ताक्षर करता है उसे हुंडी मन्वारने वाला, अथवा द्वाधर कहते हैं। जिसके कहने से हुंडी की जाती है उसे हुंडी का अधिकारी और जिस के ऊपर हुंडी मन्वारी जाती है, उसे फोटीयाल कहते हैं। हुंडी दो प्रकार की होती है :—  
 १. पूर्णानी जिस का नाम हुंडी देखने ही चुकाया जाता है और दूसरी निपादी जिस का नाम किसी निर्यात समय के अन्त में देना पड़ता है। हुंडी के द्वारा हम इस प्रकार चुकाया जाता है :—मानलो कि तुमने छंदन के एक मौदा-  
 ११ के नाम १०० रौंद भेजना है। अब तुमने एक ऐसे महाजन का पैसा को लेजना चाहिए जिस का लेन देन छंदन होना हो। उस महाजन से मैं तुम्हारे के भाव से १०० रौंद की हुंडी मोल लूँगा और उस हुंडी को मैं तुम्हारे के मौदागर के पास भेज दूँगा। अब छंदन का प्यासगी हम हुंडी को हम कारगी के पास ले जायगा, जिसके नाम पर हुंडी जिसी हुई है और हम इस हुंडी को शिल्लका और हमसे १०० रौंद ले लेंगा।

अब यह हमें कि सिद्ध भिन्न सिद्धों का भिन्न भिन्न नाम देना है। हमें या हमें बदला का बजाना है और बड़े बड़े सिद्धों का और सिद्धों का नाम है सिद्ध का नाम देना। हमें या सिद्धों का नाम है। बड़ा बड़ा बड़ा नाम है 'बड़ा' हमें कि सिद्धों का नाम देना है। हमें

खुदाई के बाद जर्मनी के सिक्कों का भाव इतना गिर गया था कि पड़ने कई रु० की मिजती थी वे कुछ ही घण्टों की मिजने लग ग

भारत वर्ष में चींदी के सिक्कों का भाव नहीं बढ़ता, पर में का मौल बाजार भाव के अनुसार घटता बढ़ता रहता है और उस सार सरकार अपने खजाने से खेनदेन करती है। इस प्रकार भारत लाख रु० का घाटा होता है।

एक देश के सिक्कों को दूसरे देश के सिक्कों में बदलने के सिक्कों का बाजार भाव जानने की आवश्यकता होती है जो राजा व्यापारिक कार्यों से संबंधित घटते बढ़ते रहते हैं। कभी कभी इन बैंक भी सहायता देने हैं जिन्हें इकसचेंच बैंक कहते हैं। इन बैंकों भी एक देश का सिक्का या धन दूसरे देश के सिक्कों में बदला जाता भिन्न भिन्न देशों में भिन्न भिन्न सिक्कों का प्रयोग होता है और की बनावट शुद्ध धातु के विचार से भिन्न भिन्न होती है। इन किसी देश के सिक्कों में शुद्ध धातु की मात्रा अधिक होती है और कम कभी कभी इन सिक्कों की धातुओं के अनुसार इन का मौल किया जाता है जैसे घग्गेरी साइरेन में सोना क्रामिमी में मैंगे १ २६१ गुना होता है, इसलिये बाजार में १ पाँच, १ २६१ मैंगे समान होना चाहिए परन्तु राजनैतिक और व्यापारिक कारणों से मान घटा बढ़ा करता है। अब एक देश का मुद्रा, शुद्ध धातु के सि दूसरे देश की मुद्रा के बराबर होता है तो उन्हें समान बढ़ता घटे परन्तु वे भी बदलने रहते हैं। और प्रायः बाजार भाव पर निर्भर रहते

बहुत देशों में धन्य परिमायों की मॉलि मिहें की १०, १००, १००० आदि भागों में विभाजित किए गए हैं क्योंकि ऐसे भागों के परिवर्तन उपान्तर करने में बड़ी आसानी पड़ती है और एक धंकी स दूसरा धंकी रूप में केवल दशमशत का चिह्न लगाकर बढ़ा सकते हैं। अथ, १ वेजियम, स्विजरलैंड और यूनाइटेड किंगडम के सिक्के तीस परिमाण और ८०



१ उदाहरण :—अगर १ शिक्तिग १२ आने के सामान हो १  
 पीर - जि० = वस के बिलने ६० आनेगे ?

$$४३ वा० १ जि० = वस - १२० पीर$$

$$१२ वा० १ जि० = ६०$$

$$१ जि० = ६०$$

$$४३ जि० = २० १ जि०$$

$$१२० पीर = १२० २० १$$

२ उदाहरण २२०० इस्वी के शिक्तों के बरखे से धिरे १  
 ६०००० शिक्तिग 'मि०' वस १ शिक्तिग २२०० वस पीर २२००  
 २० वस

$$१ वस = २२००$$

$$२२०००० शिक्तिग = १०० वस$$

$$१०० वस = २२०००० शिक्तिग$$

$$१०० शिक्तिग = २२००००$$

$$१ शिक्तिग = २२००००$$

$$२२००००$$

३ उदाहरण १००००० शिक्तिग १००००० शिक्तिग १००००० शिक्तिग

१००००० शिक्तिग १००००० शिक्तिग १००००० शिक्तिग



$$११ + १ = १२ \text{ और } २३ + १ = २४$$

$$\text{पहले मिक्के में मोला की मात्रा} = \frac{१२३ \times ११}{१२} \text{ सेन}$$

$$\text{और " " चौदी " " } = \frac{१२३}{१२} \text{ सेन}$$

$$\text{और } \frac{१२३}{१२} \text{ सेन चौदी का मूल्य} = \frac{१२३}{१२ \times १२} \text{ सेन मोला के}$$

$$\begin{aligned} \text{पहले मिक्के का मोल} &= \left( \frac{१२३ \times ११}{१२} + \frac{१२३}{१२२} \right) \text{ सेन मोला} \\ &= \frac{७२२७}{६४} \text{ सेन मोला} \end{aligned}$$

$$\text{द्वितीय मिक्के में } \frac{२३ \times २३}{२४} \text{ सेन मोला है}$$

$$\text{और " " चौदी } \frac{२३}{२४} \text{ सेन चौदी है}$$

$$\text{चतुर्थ } \frac{२३}{२४} \text{ सेन चौदी का मोल} = \frac{२३}{२४ \times १२} \text{ सेन मोला के}$$

$$\begin{aligned} \text{द्वितीय मिक्के का मोल} &= \left( \frac{२३ \times २३}{२४} + \frac{२३}{२४ \times १२} \right) \text{ सेन मोला} \\ &= \frac{७२२७}{१२८} \text{ सेन मोला} \end{aligned}$$

$$\frac{७२२७}{६४} \text{ और } \frac{७२२७}{१२८} \text{ को सामान्यिह लुप्तवा करने से काया बनता है}$$

पहले मिक्के का समस्त मोल द्वितीय में मिक्के के समस्त मोल के बराबर है क्योंकि समस्त मोल द्वितीय में पहला एक मिक्का द्वितीय से अधिक











और मिरिया मिटर = १०००० मीटर  
इसी प्रकार और भी समझ लेना चाहिए ।

### मीटरी प्रणाली के पैमाने

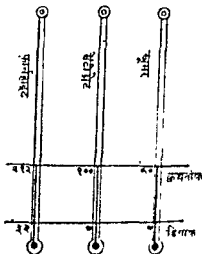
मीटरी प्रणाली में: —

- ( १ ) लम्बाई की इकाई = १ मीटर
- ( २ ) क्षेत्रफल की इकाई = १ एयर = १०० वर्ग मीटर
- ( ३ ) घनफल की इकाई = १ स्टीयर = १ घन मीटर
- ( ४ ) तरल द्रव्यों की माप की इकाई = १ लिटर =  $\frac{1}{1000}$  घन मीटर
- ( ५ ) तौल की इकाई = १ ग्राम =  $\frac{1}{1000000}$  घन मीटर स्वच्छ पानी की तौल ।

### इकाई का परिमाण

- १० मिली मीटर = १ सेंटी मीटर = २२२०००६ इंच
- १० सेंटी मीटर = १ डेसी मीटर = ३९३७००६ इंच
- १० डेसी मीटर = १ मीटर = ३९३७००६ इंच
- १० मीटर = १ डेका मीटर = ३९३७००६ इंच  
= ३९३७००६२ फीट
- १० डेका मीटर = १ हेक्टा मीटर = ३९३७००६२ फीट
- १० हेक्टा मीटर = १ किलो मीटर = ३९३७००६२ फीट  
= १०६३ ६३२०६२ गज
- १ किलो मीटर = १ मिरिया मीटर = ३९३७००६२ फीट  
= १०६३ ६३२०६२ गज
- १ मीटर = ३९३७ इंच = ३ फीट ३, इंच के लगभग  
कभी कभी ३, फीट

इन सबों में सेंटीमीटर ही मीटरों की प्रणाली के अनुकूल बनाया गया है, दूसरे नहीं।



ग्राम, हेक्टी ग्राम आदि का जोड़ना घटाना गुणा और भाग करने की तरह से ही होता है।

१ उदाहरण:—८२ मीटर ३ सेंटी मीटर और ४ मिमीमीटर ६ मिमी मीटर बनाओ।

$$८२ \text{ मीटर} \rightarrow ८२००० \text{ मिमी मीटर}$$

$$३ \text{ सेंटी मीटर} = ३० \text{ मिमीमीटर}$$

$$\text{कुल } ८२००० + ३० + ४ = ८२०३४ \text{ मिमी मीटर}$$

२ उदाहरण — ४२ मीटर में कितने फुट होंगे, अब ४२ सेंटी मीटर + ३ इंच

$$४१ \text{ सेमीमीटर} = ४१ \text{ सेंटी मीटर}$$

$$२५४ \text{ सेंटी मीटर} = १ \text{ इंच}$$

$$\therefore १ \text{ मीटर मीटर} = \frac{१}{२५४} \text{ इंच}$$

$$\therefore ४१ \text{ सेंटी मीटर} = \frac{४१}{२५४} \text{ इंच}$$

$$= १०.०२ \text{ इंच}$$

१ उदाहरण:—२०६ वर्ग मीटर का वर्ग मिलीमीटर बनाओ ।

$$२०६ \text{ वर्गमीटर} = २०६ \times १०० \text{ वर्ग सेमीमीटर}$$

$$= २०६ \times १०० \times १०० \text{ वर्ग सेंटी मीटर}$$

$$= २०६ \times १०० \times १०० \times १०० \text{ वर्ग मिली मीटर}$$

$$= २०६०००००० \text{ वर्ग मिली मीटर}$$

४ उदाहरण:—६६ वर्ग मिलीमीटर का वर्ग सेमी मीटर बनाओ

$$६६ \text{ वर्ग मिलीमीटर} = \frac{६६}{१००} \text{ वर्ग सेंटी मीटर}$$

$$= \frac{६६}{१०० \times १००} \text{ वर्ग सेमी मीटर}$$

$$= \frac{६६}{१००००} \text{ वर्ग सेमी मी.}$$

$$= ०.००६६ \text{ वर्ग सेमी मीटर}$$

२ उदाहरण:— एक पीकल के टुकड़े की लम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई क्रम से १० सेंटीमीटर, ८ से. मी. और ६ से. मीटर है और उस की तौल १०० ग्राम है तो एक घन सेंटी मीटर कितना भारी है ?

$$\text{टुकड़े का घन मात्र} = १० \times ८ \times ६ \text{ घन सेंटी मीटर}$$

$$\text{एक घन सेंटी मीटर का भार} = \frac{१००}{१० \times ८ \times ६} = २.१ \text{ ग्राम}$$

एक उदाहरण से स्पष्ट है कि पीकल की लम्बाई, घन का घन मात्र और तौल के मध्य घन मात्र और तौल के मध्य में जो सम्बन्ध है

$$१. १०० \text{ घन सेंटी मीटर} = १००००० \text{ घन मिली मीटर}$$

$$१०० \text{ घन सेंटी मीटर} = १०० \text{ घन सेंटी मीटर}$$

$$१०० \text{ घन सेंटी मीटर} = १०० \text{ घन सेंटी मीटर}$$



१ उदाहरण :—११४१८ सेरीमान में से ११४१८ मान बताओ

११४१८ सेरीमान = ११४१८ मान

और ११४१८ मान = ११४१८ मान

यानि से १ मान दस

अभ्यासाय प्रश्न ( १५१ )

( १ ) ० विरोधीय के मान बताओ

( २ ) ४ विरोधीय २ सेरीमान ० सेरीमान = मान ० सेरी-

मान २ सेरीमान और १ विरोधीय के मिश्रमान बताओ ।

( ३ ) १११११० मिश्रमान का विरोधीय बताओ ।

( ४ ) ११०१०१ सेरीमान के सेरीमान बताओ ।

( ५ ) दस के दस में सेरीमान का मान बताओ ।

( ६ ) दस ०२ मान का दस मान बताओ ।

( ७ ) १११११ सेरीमान का दस बताओ ।

( ८ ) १११०० सेरीमान का सेरी और दस बताओ ।

( ९ ) १ मान २ सेरीमान ० सेरीमान का मान बताओ

( १० ) ११११ मान में १११११ सेरीमान बताओ ।

( ११ ) १११११ सेरीमान में से ११११ मान बताओ ।

( १२ ) २ सेरीमान १ विरोधीय के सेरीमान के दस बताओ

( १३ ) दस सेरीमान में दस सेरीमान दस सेरीमान

( १४ ) १ मान १ सेरीमान ० सेरीमान का मिश्रमान का मान-

१०१

( १५ ) १ सेरीमान १ मान मान का मान बताओ

( १६ ) १११११ का मान बताओ

( १७ ) दस १ मान दस मान बताओ, दस ११ ११ ११ ११ ११

११ ११ ११ ११ ११ ११





( १६ ) अगर १०१ मीटर का दाम १२० अंश हो तो १ मीटर का दाम बताओ ।

( १७ ) अगर २० घादमी ४ दिन में १४'४ स्टैयर जमीन खोद सकें तो कितने घादमी १६ दिन में १२'८ मीटर खड़ी १२'२ मीटर चौड़ी और १'६ मीटर गहरी खाई खोदेंगे ?

( १८ ) अगर १० घंटा प्रति दिन काम करके २२ दिन में २४ घादमी एवं दीवार जो १० मीटर लम्बी, २ मीटर मोटी और १० मीटर ऊँची है बना सकेंगे तो बनाओ २० मीटर लम्बी, १ मीटर और २ डेमीमीटर मोटी तथा ६ मीटर ऊँची दीवार को ८ घंटा प्रति दिन काम करके २४ दिन में कितने घादमी बनाएंगे ?

( १९ ) अगर २२'७४ मिटर का दाम गेहूँ का दाम २२ ४० अंश हो तो २८'६ बिस्को दाम गेहूँ का दाम क्या होगा ?

( २० ) अगर २२'६ मीटर का दाम १४'४ अंश हो तो १२'६ मीटर का दाम क्या होगा ?

( २१ ) २२ बिस्कोदाम २२ दाम में १६ का भाग हो ।

( २२ ) २२६ अंश ८ दामिन २ सेटारुन में २ अंश ० दामिन ४'३ सेटारुन का भाग हो

१. १०'४३ दाम २० दाम २ दामिन ६ सेटारुन में २२

२. १०'४३ दाम का भाग हो

३. २२६ अंश ८ दामिन २ सेटारुन में २ अंश ० दामिन ४'३

४. २२६ अंश ८ दामिन २ सेटारुन में २ अंश ० दामिन ४'३

५. २२६

६. २२६ अंश ८ दामिन २ सेटारुन में २ अंश ० दामिन ४'३

७. २२६ अंश ८ दामिन २ सेटारुन में २ अंश ० दामिन ४'३

८. २२६ अंश ८ दामिन २ सेटारुन में २ अंश ० दामिन ४'३

९. २२६



और भी व्यवस्था प्दान देना चाहिए। ऐनों तथा चरागाहों की धास भी बढ़ती रहती है। यदि सम्मन्धी क्रियाएँ नीचे के उदाहरणों से स्पष्ट हो जायेंगी।

१ उदाहरण:—एक शरागाह की घाम की छद्म सदा एक सी रहती है। उसमें पहले से भी घाम छगी हुई है। यदि ४० पैल उस शरागाह की घाम को ४ दिन में और १५ पैल १ दिन में खर मक्खे हों तो दशाघो १० दिन में बिजने पैल खर सखेंगे ?

कमली धाम - ५ दिन की दूरी धाम को ५ दिन में ४० पैर चर खेत है	
" " - ५ " " " " १ " " २०० पैर " "(१)	
दीन " " - ५ " " " " ५ " " १५ पैर " "	
" " - ५ " " " " १ " " २१० पैर " "(२)	

( २ ) में में ( १ ) को घटावे में

( १—२ ) दिन की बड़ी हुई मात्रा को १ दिन में १० बेल्ट पर रखने से इस प्रकार स्पष्ट है कि १ दिन में १० बेल्टों के रखने के बिना पल्लव प्राप्त नहीं हो पाता ।

... १ दिन की छुट्टी १० या २० पैसों के लिए दिया होगा।

(१) मैं मेरे अपने अपने हैं हैं

उदाहरण : मान लें कि  $n$  है जिससे  $100 - 2n$  या  $12n$  है। यदि  $n$  का मान  $10$  है तो  $(100 - 2n) = 12n$  है।  $(100 - 2n) = 12n$  है।  $(100 - 2n) = 12n$  है।

१. यह भी ध्यान रखें कि १०० १० व १५ दिनों के  
दस्तावेजों में

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100 101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038 1039 1040 1

[illegible]



और भी आवश्यक ध्यान देना चाहिए। खेतों तथा चरागाहों की घास भी बढ़ती रहती है। वृद्धि सम्बन्धी क्रियाएँ नीचे के उदाहरणों से स्पष्ट हो जायेंगी।

१ उदाहरण:—एक चरागाह की घास की वृद्धि सदा एक सी रहती है। उसमें पहले से भी घास लगी हुई है। यदि ४० बैल उस चरागाह की घास को २ दिन में और ३२ बैल ६ दिन में चर सकते हों तो यथाग्रो १० दिन में कितने बैल चर सकेंगे ?

घसली घास + २ दिन की बढ़ी हुई घास को २ दिन में ४० बैल चर लेते हैं  
 " " + २ " " " " १ " " २०० बैल " "(१)  
 और " " + ६ " " " " ६ " " ३२ बैल " "  
 " " + ६ " " " " १ " " २१० बैल " "(२)

( २ ) में से ( १ ) को घटाने से

( ६—२ ) दिन की बढ़ी हुई घास को १ दिन में १० बैल चर सकते हैं इस प्रकार स्पष्ट है कि १ दिन में १० बैलों के चरने के लिये पर्याप्त घास बढ़ जाती है।

.. २ दिन की घास  $२ \times १०$  या २० बैलों के लिए पर्याप्त होगी

(१) में से इसे घटाने से स्पष्ट है कि

घसली घास के चरने के लिए २००—२० या १८० बैलों की आवश्यकता है यही बात ( २ ) में से  $[ \{ २१० - ( ६ \times १० ) \} = १५०$  बैल ] भी आ सकती है

१० दिन में घसली घास के लिए १८० - १० या १७० बैलों की आवश्यकता है

और बढ़ा हुई घास के लिए प्रति दिन १० बैलों की आवश्यकता है

१० १७ २७ बैल उत्तर

इस प्रकार से हम इस प्रकार से भी कर सकते हैं— एक हीड़ में पहले से कुछ घास है और सोनाह न भी लगातार इसमें एकसा पानी आता

८०००

८४०० = एक वर्ष में मूत्रधन

५

४२००० तुमारे वर्ष का ध्यात्र

८४००

८८२० = दो वर्ष में मिश्रधन

५

४४१०० तीसरे वर्ष का ध्यात्र

८८२०

४२९१ तीसरे वर्ष में मिश्रधन

८०००

१२९१ तीसरे वर्ष के अन्त तक का ध्यात्र

### वृद्धि सम्बन्धी प्रश्न

( २०१ ) ऐकिक नियम, साधारण त्रैराशिक, समानुपात तक ५ राशिक आदि में वृद्धि की ओर कुछ भी ध्यान नहीं दिया जा साधारण ध्यात्र में भी वृद्धि की ओर कुछ भी ध्यान नहीं दिया जा परन्तु चक्रवृद्धि ध्यात्र में इसकी ओर ध्यान दिया जाता है। इसी वृद्धि की ओर ध्यान देने से ही इसका नाम चक्रवृद्धि ध्यात्र पड़ गया है। अन्तर्गत वृद्धि सम्बन्धी प्रश्नों की मध्य बातों का वर्णन यहाँ नहीं हो सकता कि मध्य का वर्णन चक्रवृद्धि-चक्रवृद्धि तथा चक्र राशि चक्रवृद्धि में रहता है अन्तर्गत सम्बन्धी सुगम बातों का वर्णन करना यहाँ भी आवश्यक है। वृद्धि के योग की धाम की दो गाय ५ दिन में चरें तो रात है कि इष्टी के ५ काम हो १ गाय १० दिन में चरें तो रात की धाम की धाम की धाम विचार किया जाय। इसी प्रकार कुर्दे में भी चरती मद्य सेतों में चरता है। अन्तर्गत कुर्दे के मद्यों के इष्ट करने में चरती की धाम।

और यह मालूम है कि १० दिन के बड़े पानी को १ दिन में २० मनुष्य गाली पर रखता है ।

∴ दोनों के घटाने से स्पष्ट है कि ( ६०—२० ) मनुष्य ६००० घन फीट पानी गाली पर रखता है

∴ ४० मनुष्य ६००० " "

∴ १ मनुष्य  $\frac{6000}{40}$  या १५० घन फीट " "

∴ ०५०० घन फीट पानी गाली करने के लिए  $0500 \div 150 = 30$  मनुष्यों की आवश्यकता होगी

∴ २ दिन में ३० + २ या ३२ मनुष्यों की आवश्यकता होगी

और बड़े पानी के लिए प्रति दिन दो मनुष्यों की आवश्यकता होगी

∴ सब मिला कर  $32 + 2$  या ३४ मनुष्यों की आवश्यकता होगी उत्तर ।

### अभ्यासार्थ प्रश्न ( १५२ )

( १ ) मान लो कि घास की वृद्धि मर्रा एक ही सी रहती है और पहले से भी कुछ घास उगी है तो उस खेत की घास को १० दिन में बिताने और खर लेने जिसे १ ईक १० दिन में और २ ईक १५ दिन में खर लेने है ?

( २ ) यदि बिरों खेत की पहले से उगी हुई घास मर्रा इस समय का उगी हुई घास को १५ ईक १० दिन में और १० ईक २० दिन में खर लेने है तो बताओ इसी खेत में २५ दिन सब बिताने और खर लेने ? यदि घास का बढ़ना मर्रा एक ही है ।

३ ) यदि २ एकड़ की उगी हुई मर्रा इस समय की पहले वाली घास का १० ईक १ दिन में और १० ईक १५ दिन में खर लेने है तो बताओ इसी उगी में १५ ईक बिताने जिसे सब खर लेने ? यदि घास का बढ़ना मर्रा एक ही है ।











[illegible]

4 + 414119 22.1 2'03

1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 26

[illegible]

१. १०० २५ ३३ ४४ ५५ ६६ ७७ ८८ ९९ १००  
 २. १०० २५ ३३ ४४ ५५ ६६ ७७ ८८ ९९ १००  
 ३. १०० २५ ३३ ४४ ५५ ६६ ७७ ८८ ९९ १००  
 ४. १०० २५ ३३ ४४ ५५ ६६ ७७ ८८ ९९ १००  
 ५. १०० २५ ३३ ४४ ५५ ६६ ७७ ८८ ९९ १००  
 ६. १०० २५ ३३ ४४ ५५ ६६ ७७ ८८ ९९ १००  
 ७. १०० २५ ३३ ४४ ५५ ६६ ७७ ८८ ९९ १००  
 ८. १०० २५ ३३ ४४ ५५ ६६ ७७ ८८ ९९ १००  
 ९. १०० २५ ३३ ४४ ५५ ६६ ७७ ८८ ९९ १००  
 १०. १०० २५ ३३ ४४ ५५ ६६ ७७ ८८ ९९ १००

१. ...  
 २. ...  
 ३. ...  
 ४. ...  
 ५. ...

... ..  
... ..

तो हाँज २५ मिनट में भर जाता है। जब घ और स साथ साथ खोले जाते हैं तो वह २० मिनट में भर जाता है और जब तीनों एक साथ खोल दिए जाते हैं तो ३० मिनट में भरता है। यदि व और स नल एक साथ खोल दिए जाएँ और घ बंद रहे तो भरा हाँज कितनी देर में खाली हो जाएगा ?

✓ ( ७ ) उन दोनों संख्याओं को बताओ जिनका अन्तर ५ है और दोनों संख्या का तिगुना बड़ी संख्या के दूने से १ अधिक है।

✓ ( = ) मैं कुछ दूर घोड़े पर प्रति घंटे १२ मील की चाल से गया और ५ मील प्रति घंटे की चाल से पैदल लौट आया। जाने आने में मुझे कुल ५ $\frac{१}{२}$  घंटे लगे तो बताओ मैं कितनी दूर गया था ?

( ६ ) एक फौज नियमानुसार पंक्तियों में जा रही थी। हर एक पंक्ति में सिपाहियों की संख्या कुल पंक्तियों की संख्या से १० कम थी। सामने से शत्रुओं को आते हुए देख कर हर पंक्ति में १० सिपाही बढ़ा दिए गए और इस तरह पूरी फौज केवल १० पंक्तियों में बँट गई। बताओ फौज में कुल कितने सिपाही थे ?

( १० ) एक खाई खोदने में ८० मज़दूरों ने काम करना प्रारम्भ किया। पहले १० दिनों तक सब ने मिल कर काम किया, फिर कुछ मज़दूरों ने काम करना छोड़ दिया। उन सबों की २४ दिन की मज़दूरी पहले की अपेक्षा २७:६४ के अनुपात में कम हो गई तो बताओ पिछले १४ दिनों में कितने मज़दूरों ने काम करना छोड़ दिया ?

( ११ ) एक आदमी अपनी यात्रा का  $\frac{१}{३}$  भाग ३ मील प्रति घंटा की चाल से पूरा करता है  $\frac{१}{३}$  भाग ४ मील प्रति घंटा से,  $\frac{१}{३}$  भाग ५ मील प्रति घंटा से और शेष ६ मील प्रति घंटा से। इस प्रकार सब यात्रा ५ घंटे ४२ मिनट में पूरा कर लेता है। तो बताओ उसे कुल कितनी दूर की यात्रा करनी थी ?

( १२ ) किसी धन का दो वर्ष का व्याज ७१ पौ० १६ शि० ७ $\frac{१}{२}$  पैसे



( १६ ) यदि १४०१ में किसी संख्या का भाग देते हैं तो ८ शेष बचता है और यदि उसी संख्या से ७८४८ में भाग देते हैं तो ३ शेष बचता है । बताओ वह कौन सी संख्या है ?

( २० ) यह घोड़ी से घोड़ी कौन सी संख्या है जिस से अगर १३२० को गुणा करें तो गुणनफल पूर्ण वर्ग हो ?

( २१ ) किसी लड़ाई में एक सौत्र ने शिकस्त खाई । इस में ३ आदमी हथियार लिए हुए भागे । जितने बाकी बचे, उन में से १ ने अपना हथियार रख दिया । अब बाकी में से ३ का पता न लगा कि क्या हुए और इतने पर बाकी १०० सिपाही घायल हुए और नारे गये तो बताओ सौत्र में कितने सिपाही थे ?

( २२ ) दो रेलगाड़ी एक ही समय—एक क स्थान से ख स्थान के लिए और दूसरी ख स्थान से क स्थान के लिए—घुटती हैं ; पहली प्रति घंटे १० मील और दूसरी प्रति घंटे १० मील चलती है । जब दोनों गाड़ी आस में मिलती हैं तो यह नातून होता है कि एक दूसरी से १०० मील अधिक चल चुकी, तो क मे ख तक की दूरी बताओ ।

( २३ ) एक आपनाकर सेत का सेंवचल ६ पृष्ठ १६० व० गज हैं और इस की लम्बाई चौड़ाई की तिगुनी है । तो एक कोर से मनाने तक के कोर तक की दूरी बताओ ।

( २४ ) राम और रघुन मिल कर एक दीवार को १० १/२ दिन में तैयार करते हैं । राम ७ दिन में जितना काम करता है, रघुन उमने को १० दिन में पूरा करता है तो बताओ दोनों छत्रग अलग कितने समय में करेंगे ?

( २५ ) एक मनुष्य पटना से राम नगर ३ मील प्रति घंटे की चाल से गया और ४ मील प्रति घंटे की चाल से लौट आया । यदि वह ४ मील प्रति घंटे की चाल से जाता और २ मील प्रति घंटे की चाल से लौटता तो उसे पहले की अपेक्षा ४ १/२ घंटे कम लगते, तो पटना से राम नगर की दूरी बताओ ।





११ प्रति मीकड़े का लाभ हुआ, तो बताओ, उसने घोड़ा बितने रुपये में माल लिया था ?

( १४ ) एक नाविक बहाव के साथ तीन मील उतनी ही दर में खेता है जितनी दर में २ मील बहाव के प्रतिवृत्त । यदि नाव की चाल प्रति घंटा ११ मील होती तो वह बहाव के साथ बहाव के प्रतिवृत्त दिशा में कौनो चाल से खेता : तो स्थिर पानी में उस के खेने की ताबत और नदी का बहाव बताओ ।

( १५ ) एक आदमी पहारी के ऊपर २ मील प्रति घंटे की चाल से चढ़ता है और ३ मील प्रति घंटे की चाल से उतरता है । वह २ घंटे में ऊपर जा कर लौट आया, तो बताओ उसे कुल बितनी घूर चलना पड़ा ?

( १६ ) मुझे कुछ रुपये कुछ लड़कों में बाँटना हैं । यदि मैं प्रत्येक लड़के को १ रु० देता हूँ तो ३ रु० बच जाते हैं और यदि प्रत्येक को ० रुपये देता हूँ तो ३ रु० बच हो जाते हैं, तो बताओ मुझे बितने रुपये बाँटने हैं ?

( १७ ) मुझे एक नियम स्थान पर एक नियम समद पर पहुँचना है । यदि मैं ३ मील प्रति घंटे की चाल से चलता हूँ तो १५ नियम समद में पहुँचे पहुँचना है और यदि ३ मील प्रति घंटे की चाल से चलता हूँ तो समद से १० मिनट पहले, पहुँचना है । तो मुझे बितनी घूर चलना है ?

( १८ ) दो मजदूरों का महत्तम मजदूरदर ३११ और उतना लघु-तम मजदूरदर १८०४४ है । यदि दोनों मजदूर १००४ हैं तो कौनो मजदूर कता है ?

( १९ ) एक स्थान में चले और लौट मिलकर ४० घंटे । यदि दोनों के बीच का प्रत्येक लौट को ३ घंटे ३० मिनट है । उन्हे प्रत्येक लौट को २ घंटे ३० मिनट देते हैं तो लौटने की संख्या बताओ ।

( २० ) कुछ रुपये ४ या ५ और ६ में इस प्रकार बाँटे गये कि ४ को ४ भागों में बाँटा जा सके । यदि ५ को ५ भागों में बाँटा जा सके तो कौनो रुपये ५ भागों में बाँटे जा सकते हैं ?





















































यदि तुम मुझे १० घान दे दो तो मेरे पास तुम से दूने घान हो जायें । तो बत्ताओ प्रत्येक के पास कितने घान थे ?

( १०७ ) किन्ती मित्र के घर में ७ जोड़ देने से बड़ २ हो जाती है और यदि उन के हर में से दो घटा दें तो बड़ १ हो जाती है । तो बत्ताओ, वह कौन सी मित्र है ?

( १०८ ) एक घोड़ी और दून्तरी बड़ी दो संख्याएं हैं । यदि घोड़ी संख्या में ७ जोड़ दें तो योगफल बड़ी का दूना हो जाता है और यदि बड़ी संख्या में ४ जोड़ दें तो योगफल घोड़ी संख्या का त्रिगुना हो जाता है । तो उन दोनों संख्याओं को बत्ताओ ।

( १०९ ) एक परीक्षा में ११ प्रति सैकड़ा परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए । यदि १० परीक्षार्थी और रहते और उनमें से ११ फेल हो जाते तो उत्तीर्ण होने वाले परीक्षार्थियों की संख्या ४४% प्रति सैकड़ा होती तो बत्ताओ कुल कितने परीक्षार्थी परीक्षा में बैठे थे ?

( ११० ) एक सौदगर ने दो वस्तुओं को ४१ रु० में बेचा । उसे पहली पर १० प्रति सैकड़ा और दूसरी पर २० प्रति सैकड़ा लान हुआ । यदि प्रत्येक वस्तु पर वह ११ प्रति सैकड़ा लान उठाना, तो भी उठाना ही खान होगा तो बत्ताओ उसने कितने में प्रत्येक वस्तु को बेचा ।

( १११ ) ८७४ को देने दो हिस्सों में बाँटो कि पहले भाग का १० प्रति सैकड़ा दूसरे भाग के ४० प्रति सैकड़े से ३० कम हो ।

( ११२ ) दो लड़के एक ही समय पढ़ना से इन्द्रपुर के लिर, जो पढ़ना से ३३ मील की दूरी पर है, चले । पहला कितने समय में १२ मील चलता है, दूसरा उधने ही समय में ११ मील चलता है । यदि पहला लड़का इन्द्रपुर दूसरे लड़के से १ घंटा पहले पहुँच गया तो दोनों की चाल प्रति घंटा क्या है ?

( ११३ ) घनश और मुन्ना ने एक ही समय घन से पढ़ना से गया और गया से पढ़ना के लिर प्रस्थान किया । यदि वे परस्पर के निहने के







( २०४ ) एक नाव १० घंटा में ३० मील धारा की ओर और ४४ मील धारा के विरुद्ध जाती है। वही नाव १३ घंटे में ४० मील धारा की ओर २२ मील धारा के विरुद्ध जाती है तो नाव तथा धारा की चाल बताओ।

( २०५ ) दो रेलगादियाँ जिनकी लम्बाई क्रम से ६० गज और ७२ गज है समानान्तर पटरियों पर एक ही ओर जा रही हैं। पहली (६० गज) गाड़ी दूसरे को १२ सेकंड में पार कर जाती है। यदि धीना चाल से चलने वाली गाड़ी की चाल दोगुनी होती तो यह उसे २४ सेकंड में पार कर जाती। तो दोनों गाड़ियों की चाल बताओ।

( २०६ ) एक शराब के दूकानदार के पास दो तरह की शराब है एक २ शि० प्रति बोतल की और दूसरी ३ शि० ४ पेंस प्रति बोतल की। तो बताओ हरेक तरह की शराब की कितनी कितनी बोतलें लेकर मिजावे कि १०० बोतल मिली हुई शराब २ शि० ४ पेंस प्रति बोतल के हिसाब से बिक सके।

( २०७ ) एक मील की दौड़ में अ, ब को ४५ गज देता है और तब भी उससे २१ सेकंड पहले ही नियत स्थान पर पहुँच जाता है। दूसरी बार फिर ये दौड़ते हैं। इस में अ, ब को १ मिनट १२ सेकंड देता है, तो भी ब को ८८ गज हरा देता है। तो बताओ वे दोनों १ मील कितनी देर में दौड़ सकते हैं ?

( २०८ ) दो आदमी एक ही समय एक क स्थान से ख स्थान के लिए और दूसरा ख स्थान से क स्थान के लिए रवाना हुए। १४ दिन चलने के बाद दोनों एक दूसरे को मिले। मिलने की जगह से अपनी अपनी यात्रा पूरी करने में एक से दूसरे को  $3\frac{1}{2}$  दिन अधिक लगता है। यदि क स्थान से ख स्थान की दूरी ४६० मील है तो प्रत्येक की चाल अलग अलग बताओ।































$$\begin{aligned} & ( \text{छोटी संख्या} - ६ ) : ६ :: ६ : ( \text{बड़ी संख्या} - ६ ) \\ \therefore ( \text{छोटी संख्या} - ६ ) ( \text{बड़ी संख्या} - ६ ) &= ६ \times ६ \\ &= ३६ \end{aligned}$$

इन्हीं दोनों संख्याओं  $\{ ( \text{छोटी संख्या} - ६ ) \text{ और } ( \text{बड़ी संख्या} - ६ ) \}$  का अन्तर भी १६ है

$\therefore$  ये दोनों निकाली जा सकती हैं क्योंकि यह नियम है कि गुणनफल के चौरागने में अन्तर के वर्ग को जोड़ कर मूल लेने से योगफल आता है

$$\begin{aligned} \therefore \text{इनका योग} &= \sqrt{३६ \times ४ + (१६)^2} \\ &= \sqrt{१४४ + २५६} \\ &= \sqrt{४००} \\ &= २० \end{aligned}$$

अब संक्रमण की सहायता से दोनों संख्याएँ निकल सकती हैं

$$\therefore \text{बड़ी संख्या} - ६ = \frac{२० + १६}{२}$$

$$= १८$$

दोनों और ६ जोड़ने से

$$\text{बड़ी संख्या} = १८ + ६$$

$$= २४$$

$$\text{छोटी संख्या} - ६ = \frac{२० - १६}{२}$$

$$= २$$

$$\text{छोटी संख्या} = २ + ६$$

$$= ८$$

एसे प्रश्नों के लिए निम्न निर्दिष्ट नियम निकलता है : - जितने दोनों में दोनों मिलकर काम करने हो उसके वर्ग के चौरागने में अन्तर का वर्ग जोड़ कर वर्गमूल लो और तब हम वर्गमूल



हिए । य स = १०० के दशानो और य स को २ विन्दु पर दो तुल्य भागों विभाजित करो

$$\therefore \text{ज य}^2 \div 2 \times 20 \times \text{ज य} \div \text{य द}^2 = 14400 \div 20^2$$

$$\text{या ज य}^2 \div 2 \times \text{य द} \backslash \text{ज य} \div \text{य द}^2 = 14400$$

$$\therefore (\text{ज य} \div \text{य द})^2 = (120)^2$$

$$\text{या ज य} \div \text{य द} = 120$$

$$\text{या ज य} \div 20 = 120$$

२० दोनों और घटाने से

$$\text{ज य} = 20$$

$$\therefore \text{ज य मूल्य} = 20$$

इस क्रिया से निम्न लिखित नियम निकलता है —

बेची को सौगुन करहु, वगं पचाम मिलाय ।

वगंमूल लो ताहि कर, देहु पचाम घटाय ॥

इन क्रियाओं से यह नही समझना चाहिए कि ऐसे प्रश्नों का केवल यह एक नियम निकलता है वास्तव में ये नियम रेखा के घटाने पर निर्भर है रेखा भिन्न भिन्न लम्बाई तक बढ़ाई जा सकता है और उसी के अनुसार भिन्न भिन्न नियम भी निकल सकते हैं वास्तव में ऐसे प्रश्नों के अनन्त नियम निकाले जा सकते हैं उदाहरण के लिए इसी प्रश्न के कुछ और नियम यही दिए जाते हैं :—

### दुसरा नियम

झिजने पर घोड़ा देखा जाय उसमे २ का वर्ग जोड़ो, योगफल का वर्ग-मूल लो वगमूल मे से २ घटाओ और तब शेषफल को १० से गुणा कर दो ।



### नवा नियम

विक्रय मूल्य को १०००० से गुणा करो. गुणनफल में २०० का वर्ग जोड़ो. योगफल के वर्गमूल में से २०० घटाओ, और तब १० का भाग दो।

### दसवां नियम

विक्रय मूल्य को २ से गुणा करो, गुणनफल में १२ का वर्ग जोड़ो. योगफल का वर्गमूल लो. वर्गमूल में से १२ घटाओ और तब  $\frac{1}{2}$  से गुणा करो।

११ उदाहरण: —एक आदमी ने अपने कमल को उतने दूने सैकड़े लाभ लेकर  $१२\frac{1}{2}$  रु० को बेच दिया, जितने पर उतने खरीदा था। वो कमल का दाम बताओ।

यह प्रश्न भी उक्त प्रश्न की तरह ही लग सकता है। वही प्रकार से इस सवाल का एक यह नियम निकल सकता है:—जितने पर बेचा जाए वतने २० से गुणा करो. गुणनफल में २२ का वर्ग जोड़ो, योगफल का वर्गमूल लो और वर्गमूल में २२ घटा दो।

$$\begin{aligned}\text{इस नियम के अनुसार कमल का दाम} &= \sqrt{12\frac{1}{2} \times 20 + 22^2} - 22 \\ &= 22 - 22 \\ &= 22 = 12\frac{1}{2}\end{aligned}$$

इसी प्रकार ऐसे सब प्रश्नों के लिए निम्न नियम निकल सकते हैं।

### सप्तम नियम

$$\begin{array}{rcl} १० उदाहरण :— & : & \frac{1}{1} \\ & & \frac{1}{1} \\ & & \frac{1}{1} \\ & & \frac{1}{1} \\ & & ११ - \frac{1}{1} \end{array}$$





### नवा नियम

विक्रय मूल्य को १०००० से गुणा करो, गुणनफल में २०० का वर्ग जोड़ो, योगफल के वर्गमूल में से २०० घटाओ, और तब १० का भाग दो।

### दसवा नियम

विक्रय मूल्य को ६ से गुणा करो, गुणनफल में १५ का वर्ग जोड़ो, योगफल का वर्गमूल लो। वर्गमूल में से १५ घटाओ और तब  $\frac{1}{4}$  से गुणा करो।

११ उदाहरण: — एक आदमी ने अपने कमल को उससे दूने सँकड़े लाभ लेकर  $१२\frac{1}{2}$  रु० को बेच दिया, जितने पर उसने खरीदा था। तो कमल का दाम बताओ।

यह प्रश्न भी उक्त प्रश्न की तरह ही लग सकता है। उसी प्रकार से इस सवाल का एक यह नियम निरूपित सकता है:—जितने पर बेचा जाय उसमें २० से गुणा करो, गुणनफल में २५ का वर्ग जोड़ो, योगफल का वर्गमूल लो और वर्गमूल में २५ घटा दो।

$$\begin{aligned}\text{इस नियम के अनुसार कमल का दाम} &= \sqrt{१२\frac{1}{2} \times २० + २५} - २५ \\ &= २५ - २५ \\ &= २५ = १२\frac{1}{2}\end{aligned}$$

इसी प्रकार ऐसे सब प्रश्नों के निम्न निम्न नियम निरूपित करने हैं।

### संक्षेप नियम

१२ उदाहरण :—

$$\begin{array}{r} 1 \\ \times 1 \\ \hline 1 \\ \times 1 \\ \hline 11 \end{array}$$



में भी प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, पंचम, षष्ठ तथा सप्तम परिधिष का मान सम से

१, १, १, १, १, १, १ और १ हैं। संलग्न निम्न का मान १ है। इस उदाहरण से भी दिखाया जा सकता है कि संलग्ननिम्न का मान पहले, तीसरे और पाँचवें परिधिष के मान से कम और दूसरे, चौथे, छठे परिधिष के मान से अधिक है।

इन उदाहरणों से यह भी स्पष्ट हो गई है कि ज्यों ज्यों इन परिधिषों की संख्या बढ़ती जाती है त्यों त्यों, प्रत्येक परिधिष का मान, संलग्न निम्न के मान के अधिक पास पहुँचता जाता है।

कारणागत संख्याओं से संलग्न निम्न बनाने की रीति निम्न लिखित क्रिया से स्पष्ट होगी:—

१४ उदाहरण:—मान लो  $\sqrt{14}$  को संलग्न निम्न के रूप में माना है

$$\sqrt{14} = 4 - (\sqrt{14} - 4) = 4 - \frac{2}{(\sqrt{14} + 4)}$$

$$\frac{\sqrt{14} + 4}{2} = 2 + \frac{\sqrt{14} - 2}{2} = 2 + \frac{2}{\sqrt{14} + 2}$$

$$\frac{\sqrt{14} + 2}{2} = 1 + \frac{\sqrt{14} - 2}{2} = 1 + \frac{2}{\sqrt{14} + 2}$$

$$\frac{\sqrt{14} - 2}{2} = 1 - \frac{\sqrt{14} - 4}{2} = 1 - \frac{2}{\sqrt{14} + 2}$$

$$\frac{\sqrt{14} - 4}{2} = 1 - \frac{\sqrt{14} - 6}{2} = 1 - \frac{2}{\sqrt{14} - 2}$$

$$\frac{\sqrt{14} - 6}{2} = 1 - \frac{\sqrt{14} - 8}{2} = 1 - \frac{2}{\sqrt{14} - 2}$$



। भी प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, पंचम, षष्ठ तथा सप्तम परिशिष्ट नाम  
 हैं।

११, १२, १३, १४, १५, १६, १७ और १८ हैं। मंत्रों में से का नाम  
 ११, १२ है। इन उदाहरणों में भी दिखलाना का प्रयत्न है कि मंत्रप्रमाण का  
 नाम पहले, दोसरे और तीसरे परिशिष्ट के नाम में का भी दूसरे, तीसरे,  
 चतुर्थ परिशिष्ट के नाम में प्रविष्ट है।

इन उदाहरणों में यह भी स्पष्ट हो है कि जो जो इन परिशिष्टों की  
 संख्या बताती जाती है सो सो, प्रत्येक परिशिष्ट का नाम मंत्रों में से  
 नाम के अन्तिम नाम प्रत्युक्त होता है।

कथनीयता संख्याओं से मंत्रों में से मंत्रों को रचित करने  
 लिखित किया से स्पष्ट होगा—

११ उदाहरण—नमो को . १२ को मंत्रों में से का नाम है

$$\begin{aligned}
 & \bullet १२ = १ - \left( \bullet १२ - १ \right) = १ - \frac{१}{\left( \bullet १२ - १ \right)} \\
 & \bullet १२ - १ = १ - \bullet १२ - १ = १ - \frac{१}{\bullet १२ - १} \\
 & \bullet १२ - १ = १ - \bullet १२ - १ = १ - \frac{१}{\bullet १२ - १} \\
 & \bullet १२ - १ = १ - \bullet १२ - १ = १ - \frac{१}{\bullet १२ - १} \\
 & \bullet १२ - १ = १ - \bullet १२ - १ = १ - \frac{१}{\bullet १२ - १} \\
 & \bullet १२ - १ = १ - \bullet १२ - १ = १ - \frac{१}{\bullet १२ - १} \\
 & \bullet १२ - १ = १ - \bullet १२ - १ = १ - \frac{१}{\bullet १२ - १}
 \end{aligned}$$



मान लो और तब सुगमता से उनका मान निकाल लो । इन सब बातों का विस्तृतपर्यन्त हमारे भाग में किया जायगा ।

### संख्याओं के निम्नलिखित आधार

१२ उदाहरण—अङ्कगणित में प्रायः चारों का प्रयोग होता है वे सब—  
 दो—मद भी इकाई के एक और एक शून्य में प्रयोजित किए जाते हैं परन्तु ऐसा  
 करना केवल सुगम मात्र ही है, आवश्यक नहीं । यदि हम लोग चाहें तो २,  
 १ ४, ३, ६, ० आदि १, १०, ११ अथवा बारह या और अधिक एक के भी  
 इकाई मान सकते हैं और उनमें भी सब गणित कर सकते हैं । यदि कोई  
 चाहनी छः तक को ही इकाई माने तो उसे इन बात को कभी नहीं सूझना  
 चाहिए कि उन दस में कोई भी एक छः में अधिक नहीं हो सकता । उस  
 दस में मात्र दस ही होगा और उसे २४२१ को लिखना पड़ेगा :—

$$२ \times १० + ४ \times १० - २ \times १० - ३$$

यदि कोई बहुत मात्र तक के चारों को इकाई माने और २ को दस  
 माने तो वह २३० २२२ में से १०१२१२ को बखसूँगा :—

$$२३०२२२$$

$$१०१२१२$$

$$१३९०१०$$

इस दस में १३९४०१ और २० का गुण हो किया जायगा :—

$$१३९४०१$$

$$२०$$

$$१००१०१२$$

$$००२११६$$

$$१२००११२$$

यदि कोई चाहनी केवल १ तक इकाई माने तो इन संख्याओं का लिखना  
 २२११ उनको गुणक में ०११२२ का रूप धारण करेगा और यह लिखने के  
 उदाहरण में रहने ही :—



७ ४२१३

७ ७४४ २

७ १०६ २

७ १६ १

२ १

$$२ \times १३ = २ \times ७ + १ \times ७ + १ \times ७ + २ \times ७ + २$$

२११०६

अकर्मणि का यह अंश बहुत ही सुन्दर तथा मनोरंजक है। विद्वान् प्रयत्न करके भाग में किया जायगा। हम लोगों के गणित का यह अंश भी अत्यन्त ही मनोरंजक है। इसका मानने दें और इस को पढ़ने पर भी बहुत ही मजे आयेगा। इसका भाग भी सब विद्वान् पढ़कर देखें कि इसका उदाहरण क्या है।

### सम्पूर्ण

१. अकर्मणि का यह अंश पढ़ने में सब विद्वान् मजे करेंगे। इसका भाग भी सब विद्वान् पढ़कर देखें कि इसका उदाहरण क्या है।

$$१ \times १ = १$$

$$१ \times २ = २$$

-

$$१ \times ३ = ३$$

$$१ \times ४ = ४$$

$$१ \times ५ = ५$$

१. अकर्मणि का यह अंश पढ़ने में सब विद्वान् मजे करेंगे। इसका भाग भी सब विद्वान् पढ़कर देखें कि इसका उदाहरण क्या है।

२. अकर्मणि का यह अंश पढ़ने में सब विद्वान् मजे करेंगे। इसका भाग भी सब विद्वान् पढ़कर देखें कि इसका उदाहरण क्या है।

३. अकर्मणि का यह अंश पढ़ने में सब विद्वान् मजे करेंगे। इसका भाग भी सब विद्वान् पढ़कर देखें कि इसका उदाहरण क्या है।

### फर्माटो

न

१० उदाहरण :— $2^n + 1$  को फर्माट कहते हैं। फर्मा पाश्चात्य देश का एक बहुत ही अधिक प्रतिष्ठित गणितज्ञ हो गया है। न को भिन्न भिन्न संख्या मानने से

न

$2^n + 1$  के अनन्त मान हो सकते हैं।

जैसे मानलो कि  $n = 1$

न

१

$$\text{तब } 2^1 + 1 = 2^1 + 1$$

$$= 2^1 + 1$$

$$= 2 + 1$$

$$= 3$$

इसे  $F_1$  से प्रकटित करने की बात है  $\therefore F_1 = 3$

न

इसी प्रकार  $F_2 = 2^2 + 1$

२

$$= 2^2 + 1$$

४

$$= 2^2 + 1$$

$$= 4 + 1$$

$$= 5$$

$$\therefore F_2 = 5$$

न

इसी प्रकार  $F_3 = 2^3 + 1$

३

$$= 2^3 + 1$$

८

$$= 2^3 + 1$$







[illegible]

A handwritten musical score for the song 'The Rose Tree'. The score is written on ten staves. The first staff begins with a treble clef and a key signature of one sharp (F#). The melody is written in a cursive, handwritten style. The lyrics 'The Rose Tree' are written below the first staff. The score continues with several more staves of music, each with corresponding lyrics. The handwriting is somewhat informal and appears to be a personal or working draft. The paper is aged and slightly discolored.

$$\frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} + \frac{1}{2} \right) = \frac{1}{2} \quad \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} + \frac{1}{2} \right) = \frac{1}{2}$$

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 84

[illegible]

—

$$- \frac{1}{2} \frac{d}{dt} \left( \frac{1}{\rho} \right) = \frac{1}{2} \frac{d}{dt} \left( \frac{1}{\rho} \right)$$
[illegible]













गया । अब १० गैलन मिश्रित वस्तु निकाल कर उस में फिर १० गैलन पानी डाल दिया गया । यही क्रिया कई करोड़ बार की गई तथापि उस पीपे में कुछ—न—कुछ शराब का हिस्सा रह ही गया तो बताओ उस पीपे से शराब को बिल्कुल निकाल देने के लिए यह क्रिया कितनी बार और करनी पड़ेगी ? क्या इस क्रिया की सहायता से उस पीपे में कभी भी केवल पानी—ही—पानी रह जायगा ?

( ३० ) एक मनुष्य ५ और ६ घंटे के बीच में अपने घर से बाहर गया और ६ तथा ७ घंटे के बीच में लौटा । लौट कर उसने देखा कि घड़ी की सुइयों ने अपने स्थानों को परिवर्तन कर लिया है । तो बताओ वह कै से घंटे अपने घर से बाहर गया था ?

( ३१ ) मैं चार और पाँच घंटे के बीच में अपने घर से बाहर टहलने गया था और ५ तथा ६ घंटे के बीच में लौटा । मैंने आकर देखा कि चलते समय जहाँ पर घंटे वाली सुई थी वहाँ पर अब निनट वाली सुई आ गई थी और निनट वाली सुई के स्थान पर घंटे वाली सुई आ गई थी तो बताओ मैं कै से घंटे अपने घर से बाहर टहलने के लिए गया था ?

( ३२ ) एक जहाज़ १५ मील प्रति घंटा के हिसाब से पूर्व की ओर जा रहा है । यह एक विशेष स्थान पर बारह घंटे पहुँचता है । एक दूसरा जहाज़ उत्तर की ओर से चला जा रहा है और यह जहाज़ उस विशेष स्थान पर दस घंटे पहुँचता है तो बताओ कि वे एक दूसरे से निकटतम कब होंगे ? और तब उनके बीच की दूरी क्या होगी ?

( ३३ ) एक जहाज़ १२ मील प्रति घंटे के हिमाच से उत्तर की ओर जा रहा है । इस जहाज़ ने अपने से १० मील की दूरी पर अपने ठीक पूर्व की ओर एक दूसरे जहाज़ को जो १६ मील प्रति घंटे के हिमाच से ठीक पश्चिम की ओर जा रहा था देखा । तो बताओ कि इन दोनों जहाज़ों के बीच का सबसे कम दूरी क्या होगी ? वे एक दूसरे से निकटतम कब होंगे ?







( ४८ ) प्रथमूल्य के तिगुने प्रति सैकड़े लाभ से एक मनुष्य ने अपने दैल को ३२ रु० में बेच दिया तो दैल का प्रथमूल्य क्या है ?

( ४९ ) प्रथमूल्य के पाँचगुने प्रति सैकड़े लाभ से एक मनुष्य ने अपने दैल को ३६ रु० पर बेच दिया तो दैल का प्रथमूल्य क्या था ?

( ५० ) एक मनुष्य ने अपनी गाय को उमने ही सैकड़ा हानि उठाकर २२ रु० पर बेच दिया जिने पर उमने सरीश था तो गाय का दाम क्या था ? यदि उसे २४ रु० पर बेचा होता तो गाय का दाम क्या होता ?

( ५१ ) एक मनुष्य ने प्रथमूल्य के आधे प्रति सैकड़ा हानि उठा कर अपने माल को ३८ रु० में बेच दिया, जितने पर उमने सरीश था । तो माल का प्रथमूल्य क्या था ?

( ५२ ) एक संख्या के वर्गमूल का दस गुना, उसी संख्या का आठवाँ भाग और ६ मिलकर उस संख्या के बराबर हो जाने हैं तो उस संख्या को क्या था ?

( ५३ ) किसी संख्या के वर्ग का २ गुना और ४ मिल कर उस संख्या के १४ गुने के बराबर है । तो वह संख्या की संख्या है ?

( ५४ ) दस संख्या की एक ऐसी संख्या क्या था जिसे हल्लो, हल्लो, क्या खुपे आप कति सली मे दस के दस संख्या के ही हों तो उस संख्या मे हो जितना वर्ग, वह कति क्या था ?

( ५५ ) क्या दस २४ की तरह और भी कोई संख्या हो सकती है ? यदि हो सकती हो तो उसे क्या था ?

( ५६ ) संख्या संख्या की ऐसी संख्या को क्या था जिसे हल्लो हल्लो के दस के संख्या संख्या की संख्या हो तो उस संख्या मे है जितना वर्ग क्या था ?

( ५७ ) दो संख्या की दस संख्या की संख्या है जिसे हल्लो हल्लो के दस के दस संख्या संख्या के संख्या हो तो क्या था ?















अनन्त तब

( ८१ ) ( ८२ ) ११०२१ को १ के आधार पर प्रकटित करो ।

( ८३ ) ११०२१ को १२ के आधार पर प्रकट करो ।

( ८४ ) ( ८५ ) २५ के आधार पर ११२०२११ लिखा है तो इसे २ आधार पर लिखो ।

( ८६ ) १ के आधार पर २४२ लिखा है तो इसे १० आधार पर लिखो ।

( ८७ ) १ के आधार मान कर १००२११२१ में ४१०० का भाग

८४ ) १ के आधार मानकर ११२२४ का वर्ग मूल निकालो ।

( ८५ ) १ के आधार मानकर १४१२ १४ का वर्ग मूल निकालो तथा इसे १ के आधार पर लिखो ।

८६ ) १००००० का आधार को १००००, १००००० से प्रकटित किया तो १००००० का आधार मानकर क्या होगा ?

८७ ) १००००० का आधार मान कि ११११ को १००००० से भाग दो ।

८८ ) १००००० का आधार मान कि ११११ को १००००० से भाग दो ।





अद्वय मर

- ( ८१ ) ( ८ ) ११७४१ को ६ के आधार पर प्रकटित करें ।  
 ( ९ ) ४३७४१ को १२ के आधार पर प्रकट करें ।  
 ( ८२ ) ( ८ ) दश के आधार पर ११२७४११ लिखा है तो इसे २  
 आधार पर लिखें ।  
 ( ९ ) ६ के आधार पर २४४ लिखा है तो इसे १० के  
 आधार पर लिखें ।  
 ( ८३ ) ६ के आधार मान कर १००१२१०६ में ४६०२ का भाग ले  
 ०४ को ६ के आधार मानकर ३१३३४ का दर्ज मूल निकालें ।  
 ( ८४ ) ६ के आधार मानकर १४३२ ४४ का दर्ज मूल निकालें  
 और दश को ६ के आधार पर लिखें ।  
 ( ८५ ) दश के आधार को १००४ १००१०४ में प्रकटित किया गया  
 है इसका १०००० भाग क्या है ?  
 ( ८६ ) दश के आधार मान बि ११११ को १००० में  
 क्या भाग पड़ेगा ?  
 ( ८७ ) १००४ का १००० में भाग क्या है ?  
 ( ८८ ) १००४ का १००० में भाग क्या है ?  
 ( ८९ ) १००४ का १००० में भाग क्या है ?  
 ( ९० ) १००४ का १००० में भाग क्या है ?







( नाथ , परिद्विषों का मान, संज्ञा मित्रों के मान से कम होता है  
 श्री गिरि कहा कि त्यों त्यों परिद्विषों की शक्तिया बढ़ती जाती हैं त्यों  
 के मान संज्ञा मित्र के मान के समान होता जाता जाता है ।

( ८६ ) १०० गीत का मिश्रण २० वर्ष में २ गीत प्रति मीटर का  
 व्यास के दिग्भागे में मिलना हो जायगा ?

( ८७ ) २ प्रति मीटर का व्यास की दर से मिली वन का  
 मिलने दिना में हो जायगा ?

( ८८ ) १०००० गीत ८ वर्ष के बाद मिलने जायगा है तो १  
 प्रति मीटर का व्यास की दर से उम्मा नम्बर वन वनको

( ८९ ) १० प्रति मीटर का व्यास की दर से १००० गीत  
 २००० गीत मिलने दिना में हो जायगा ?

( ९० ) गिरि कहा कि २ प्रति मीटर का व्यास की दर से  
 वन से बाद वन गीतों में भी मिलने हो जायगा ?

( ९१ ) ६ प्रति मीटर का व्यास की दर से मिल वन का  
 दर से १००० गीत हो जायगा ?

( ९२ ) ८ प्रति मीटर का व्यास की दर से १०० गीत ८  
 १००० गीत मिलने दिना में हो जायगा ?

( ९३ ) १० प्रति मीटर का व्यास की दर से मिल वन का  
 दर से १००० गीत हो जायगा ?

( ९४ ) १२ प्रति मीटर का व्यास की दर से मिल वन का  
 दर से १००० गीत हो जायगा ?

( ९५ ) १४ प्रति मीटर का व्यास की दर से मिल वन का  
 दर से १००० गीत हो जायगा ?

( ९६ ) १६ प्रति मीटर का व्यास की दर से मिल वन का  
 दर से १००० गीत हो जायगा ?

( ९७ ) १८ प्रति मीटर का व्यास की दर से मिल वन का  
 दर से १००० गीत हो जायगा ?

मिल गये । तो बताओ कि उस पत्थर की प्रारंभिक गति क्या थी जो नीचे से ऊपर की ओर फेंका गया था । जब यह पत्थर ऊपर से आने वाले पत्थर से मिला था, तब इस की गति क्या थी ?

( १६ ) एक संख्या में ११ का भाग देने से १, बारह का भाग देने से ४ और १३ का भाग देने से १ बाकी बचता है तो उस छोटी-से-छोटी संख्या को बताओ ।

( १०० ) वह छोटो से छोटी कौन सी संख्या है जिसमें ५ का भाग देने से एक, ६ का भाग देने से ३ और ११ का भाग देने से ७ बाकी बचता है ।

( १०१ ) एक कुएँ में एक पत्थर गिरा दिया गया और संघर्ष ( पानी तथा पत्थर के संयोग ) का शब्द  $0.1\frac{1}{2}$  सेकंड के बाद सुनाई पड़ा । यदि शब्द की गति ११२० फीट प्रति सेकंड हो, तो कुएँ की गहराई बताओ ।

( १०२ ) एक कुएँ में एक पत्थर गिरा दिया गया । जब इस पत्थर ने कुएँ के जल की स्पर्श किया, तब उसकी गति १६ फीट प्रति सेकंड थी । जल तथा पत्थर के संघर्ष का शब्द पत्थर फेंकने के  $1\frac{1}{2}$  सेकंड पीछे सुनाई पड़ता है तो शब्द की गति बताओ ।

( १०३ ) एक गुब्बारा ३२ फीट प्रति सेकंड की गति से ऊपर चढ़ रहा था । उससे एक पत्थर गिरा दिया गया जो १० सेकंड में पृथ्वी पर पहुँच गया तो बताओ जब गुब्बारे से पत्थर गिराया गया तब वह पृथ्वी से कितनी ऊँचाई पर था ?

मिडिल वर्नाक्यूलर की परीक्षा के प्रश्न

सन् १९२० ई०

( १ ) १००२४ को २०३१२५ में भाग दो और नजनकत का ३ अंक तक वर्गमूल दिखाओ ।

( २ ) मनुष्यों की एक पंक्ति को जिसकी लम्बाई ११०० फीट है, गली से निकलने में जो एक मीटर २० फीट लम्बी है कितनी देर लगेगी जब कि वह एक मिनट में २८ पद प्रत्येक २३ फीट का रखते हैं !

( ३ ) एक काम को ३५ आदमी ४० दिन में करते हैं। यदि १० दसवें दिन ५ आदमी कम होते जायें तो बचाओ काम कितने दिन में समाप्त हो आवेगा ?

( ४ ) एक मनुष्य ने कुछ नारङ्गियाँ १ घाने की ३ के भाव से बेच लीं और उतनी ही १ घाने की २ के भाव से मोल लीं, सब नारङ्गियाँ अपने दो घाने की २ के भाव से बेच डालीं, तो बताओ उसको प्रति सैकड़ा का लाभ या हानि हुई ?

( ५ ) अ और ब की अवस्थाओं का जोड़ इस समय ७० वर्ष है। ११ वर्ष हुए तब उनकी अवस्थाओं में ७ व २ की निरवत ( अनुपात ) रहे, तो बताओ अब उनकी अवस्थाएँ क्या हैं ?

( ६ ) एक नगर की मनुष्य संख्या इस समय २००० है और १० वर्षों सेकड़ा प्रत्येक वर्ष बढ़ती आती है; तो बताओ ३ वर्ष उपरान्त उसकी मनुष्य संख्या क्या होगी ?

( ७ ) अ, ब, स, एक खेल के चारों ओर ८, १० और १२ मिनट में घूम सकते हैं; तो बताओ घूमना आरम्भ करने के कितनी देर बाद फिर मिलेंगे ?

( ८ ) ३० व ४० अ, ब और स में इस भाँति बाँटो कि अ को ब से त्रिगुण मिले और स को ब से १० व ४० कम मिलें ।

१६२१

अङ्कगणित

समय—३ घण्टे

[ प्रत्येक प्रश्न के नम्बर के अनुसार प्रश्नारे पर दिये हुये हैं । प्रत्येक प्रश्न की क्रिया स्पष्ट और विधि-सहित होनी चाहिये । ]

१—'०४२१ और '००२६ के योगफल और अन्तर को गुणा करो और उसके वर्गमूल के दसवें भाग को '०२, '०३, व '०० के गुणनफल के दसगुने से भाग दो । ... ६

२—तीन मनुष्य जिन के दणों की लम्बाई २३ फीट, २३ फीट और १ फीट है एक मील दहले तो बताओ कि उनके कदम (दग) कितनी बार एक साथ पड़े ? ... ६

३—मध्यहार गणित द्वारा २३ की ४१ गटरो का मोल १४ र० १२ धा० ८ पा० प्रति मन की दर से निवालो जब कि एक गटरो ४ मन ३ सेर = दसक की है । ... ०

४—दो मैमिस्को के एक टेर में रखे, छटाओ, व पाँचदियां मिली हुई हैं । और उनके मोल में अनुपात २०, १२ और ६ का है तो पाँचदियों की संख्या बताओ । ... ६

५—एक बन्ने की लम्बाई पाँचाई से दूनी है और उसकी चौड़ाई या लरुं ६ इंचिंग प्रति गज की दर से ४४ पी० २ इंच है और दीवारों की पुचाई या लरुं १ इंच ६ पें० प्रति वर्ग गज की दर से = पी० = इंच है तो बन्ने की लम्बाई, पाँचाई व ऊँचाई निवालो । ०

६—एक दीवारों में = पाँच मैमिस्को रखे की दोषे जिस में एक दर २० नि मरुडा लान और दूसरे दर २० प्रति मैमिस्को दानि हुई तो बताओ कि इसका लाभ हुआ का दानि और कितना ? ०

७—एक दीवारों में = एक मरुडा रखे कि जिसमें एक दर २० नि मरुडा लान और दूसरे दर २० प्रति मैमिस्को दानि हुई तो बताओ कि इसका लाभ हुआ का दानि और कितना ? ०



१६२१

अंकगणित

समय—३ घण्टे

[ प्रत्येक प्रश्न के नम्बर किनारे पर दिये हुये हैं । प्रत्येक प्रश्न की क्रिया स्पष्ट और विधि-सहित होनी चाहिये । ]

१—'०४२१ और '००२६ के योगफल और अन्तर को गुणा करो और उसके वर्गमूल के दसवें भाग को '०२, '०३, व '०७ के गुणनफल के दसगुने में भाग दो । ... ६

२—तीन मनुष्य त्रिन के ढगों की लम्बाई २ $\frac{१}{२}$  फीट, २ $\frac{३}{४}$  फीट और ३ फीट हैं एक मील टहले तो बताओ कि उनके क्रम (ढग) कितनी धार एक साथ पड़े ? ... ६

३—व्यवहार गणित द्वारा रुई की ४१ गठरी का मोल १४ रु० १२ धा० ८ पा० प्रति मन की दर से निकालो जब कि एक गठरी ४ मन ३ सेर ८ द्रुओं की है । ... ७

४—दो सौ मिट्टों के एक ढेर में रुपये, अठखी, व चौअन्नियां मिली हुई हैं । और उनके मोल में अनुपात २०, १२ और ६ का है तो चौअन्नियों की संख्या बताओ । ... ६

५—एक कन्ने की लम्बाई चौड़ाई से दूनी है और उसकी छटाई का लंब ६ शिलिंग प्रति गज की दर से ४४ पा० २ शि० है और दीवारों की पुठाई का लंब १ शि० ६ पै० प्रति वर्ग गज की दर से ८ पा० ८ शि० है तो कन्ने की लम्बाई, चौड़ाई व ऊँचाई निकालो । ... ७

६—एक व्यापारी ने २ घोड़े सौ सौ रुपये को बेंचे जिस में एक पर २० प्रति सैकड़ा लाभ और दूसरे पर २० प्रति सैकड़ा हानि हुई । तो बताओ कि उसको लाभ हुआ या हानि, और कितना ? ... ७

७—एक चाक्रार व्यापारी ने ऐसी नगाह बनवाई कि जिसकी एक ओर ७४ मन रुपये से दूसरी ओर केवल ३८ सेर तुल मकं । उसने ४ रु० ८

















यदि एक घन कुछ सक्की तौल में १६ पौंड हो तो समूह का बोझ बताओ ।

... ७

६०

मार्च सन् १९२५ ई०

( १ ) दलनखर गुला के इस हल किये हुए प्रश्न में कुछ प्रश्नों के स्थान पर जो निम्न गये हैं गुला का चिन्ह × दिया है, इन स्थानों में प्रश्न लिखो ।

$$\begin{array}{r}
 ३३.७४२ \\
 \times ०६ \\
 \hline
 \times \times \times \times \times \times \\
 ३४ \quad \quad \quad ६ \times \times \\
 २ \quad \quad \quad ० \quad १ \quad १ \quad ६ \times \\
 \quad \quad \quad \quad २ \quad ३ \quad २ \quad ४ \times \times \\
 \hline
 २३१ \quad \quad ४ \quad २ \quad २ \quad १ \quad ६ \quad २
 \end{array}$$

( २ ) किन्तो प्योतरी ने १०००) २० के चावल मोल खिरे उनमें से चौपाई पापल ४ प्रति लैकड़ा हानि से बिके; अब बिकी का भाव प्रति लैकड़ा कितना बढ़ा दिया जाय कि दोन चावलों को उस भाव में बेचने से कुछ पर २ २० प्रति लैकड़ा लाभ हो ।

( ३ ) हण्ड सन्ध में एक दुकान निम्नी पून बड़ी सम्वत् १९१६ को १३०० २० लगा कर मोली । उस दिन दो गाँव घोड़ी जोरा ७२ २० प्रति गाँव के हिस्सा में राधेमोहन की दुकान में, और ४० घान मारमोन १० २० प्रति घान के भाव में धोराम के यहाँ से मैगाये । २० २० को ब्याद बिकी हुई, और ११० २० का मारमोन महती काब ले गया और ६० २० मार दे गया, उस दिन का हिस्सा लेकड़ा यहाँ और याना यहाँ में बँडे लिखोगे !

१. १. चकुराई पापल का भाव में किन्तो घन का निम्न घन ० बरें में









पश्चात् लड़के को उग्र से दुगनी रह जावेगी । यताग्रो उसके साथी की उग्र कितनी थी ? ...६

६—एक दियासलाई का बक्स २'५ इंच लम्बा, १'७½ इंच चौड़ा और १'८ इंच ऊंचा है । यदि प्रत्येक दियासलाई का घन फल ०'३५ घन इंच हो तो इस बक्स में कितनी दियासलाईयों धा सकती हैं ? ...६

६०

### अंकगणित १६२७

( समय - ३ घण्टे )

नोट—प्रत्येक प्रश्न की क्रिया साफ़ होनी चाहिये ।

- ✓ ( १ ) ७८६२० को ७२६४८ से तीन पंक्तियों में गुणा करो । ७
- ( २ ) २७५'०४६ में ७ और ४ के स्थानीय मान का अन्तर निकालो ।
- ( ३ ) सेठ पूलचन्द ने मिती पूस सुदी ५ सम्बत् १९८१ को ३० मन चना ४ रु० २ आ० मन की दर से और ४० मन चावल ७ रु० २ आ० मन की दर से गजाधर अनाज वाले से उधार खरीदे और १० मन चीनी १६ रु० ८ आ० मन की दर से नरुद मँगवाई । अन्तु आदित्ये के यहाँ से १२० मन गेहूँ ८ मन से खरीदे । १ रु० ५ आ० किराया, १० आ० घादत और २ आ० रामलीला की यावत लगे, जिसमें से ३०० रु० नरुद दिये गए । शाम को ४४२ रु० ८ आ० नरुद बाकी बचे, । यताग्रो उस दिन पहली धी रोकड़ बाँकी क्या थी । रोकड़ यही का नमूना लिख कर विधि मिलाओ । ८
- ( ४ ) किसी संख्या का वर्गमूल ५२'८२ है और दो स्थान दशमलव तक वर्गमूल निकालने के बाद ४०८ बाँकी बचे । उस संख्या का वर्गमूल ५ दशमलव स्थान तक क्या होगा ? ९

( ५ ) एक दूकानदार ११ चाकू १० रु० में खरीदता है और १० चाकू ११ रु० में बेचता है, तो उसे प्रति चाकू क्या लाभ होगा ? ७



४—अ, इ और स ने मिलकर व्यापार किया। अ का ३००० रुपया  
नहीने तक य का २००० रुपया इ नहीने तक और स का १००० रुपया  
नहीने तक व्यापार में लगा रहा। यदि ० नहीने के पीछे कुछ लाभ  
२० रुपया हो, तो हर एक को लाभ में कितना रुपया मिलेगा ?

१—कुछ मात्र ४२० रुपया में मोल लिया गया और एक तिहाई मात्र  
जरीद के दानों पर बेचा गया। तो बताओ कि बाकी को कितने प्रति  
सैकड़ा लाभ पर बेचा जाये कि कुछ लागत पर २० प्रति सैकड़ा  
लाभ हो।

१—एक रकम के ३ वर्ष के साधारण और चक्रवृद्धि व्याज में ३३२  
रुपये ८ आने का अन्तर है तो रकम बताओ जब कि दर २ प्रति सैकड़ा  
प्रति वर्ष हो।

०—पिता की आयु पुत्र की आयु में २२ वर्ष अधिक है ५ वर्ष के  
परचाय पिता की आयु पुत्र की आयु में दूनी हो जायगी। बताओ पुत्र की  
वर्तमान आयु क्या है।

८—एक आदमी एक बाग के गिर्दे ( चारों ओर ) ३ मील का पथर  
लगाया है यदि बाग २१ गज लम्बा और २० गज चौड़ा हो तो उसने कुछ  
कितने पथर लगाये।

१—११२११ और १११११ का गुणनफल दो पङ्क्तियों में दिखाओ।



































- (२०) ७२ गाजा १ फ्रीट १ इंच (२१) ३४ रु० १ पा०  
 (२२) १६ मन १० सेर १२ छुट्टाक (२३) १० पौ० १२ शि० ० पे०  
 (२४) १२ मन ६ सेर ३ छुट्टाक (२५) २ दिन २० घंटे १२ मिनिट  
 (२६) ३ घंटा १२ मिनिट ४३ सेकंड (२७) १३१ गाजा २ फ्रीट ३ इंच  
 (२८) १ पौ० १८ शि० २ पे० २ फादिङ्ग  
 (२९) ४ पौ० ११ शि० १० पे० ३ फादिङ्ग  
 (३०) १२ घंटा २२ मिनिट १ सेकंड  
 (३१) २१ घंटा १० विरवा २ विरवांसी  
 (३२) २६ पौ० २ वि० १६ विरवांसी  
 (३३) ४ फादिङ्ग ० गाजा १ फ्रीट ११ इंच  
 (३४) ० फादिङ्ग ८ गाजा २ फ्रीट ० इंच

### अभ्यासार्थ प्रश्न (२२) पृष्ठ १००

- (१) १४ घाने २ पैसे (२) १ रु० १२ घाने १ पैसा  
 (३) २ रु० १२ घाने ३ पैसे (४) २ रु० ३ घाने २ पैसे  
 (५) २ रु० १४ घाने (६) ० रु० २ घाने  
 (७) १ रु० १ पैसा (८) १२ रु० १३ घाने १ पाई  
 (९) २३ रु० ८ घा० १ पाई (१०) ३२ रु० १ घा० २ पाई  
 (११) ७० रु० ३ घा० ११ पाई (१२) २२० रु० ८ घा० ८ पाई  
 (१३) २३८ रु० १४ घा० १ पाई (१४) १ मन २२ सेर २ छुट्टाक  
 (१५) २४ मन २१ सेर १२ छुट्टाक (१६) ८८ मन १ सेर ३ छुट्टाक  
 (१७) २८४ मन १४ सेर १० छुट्टाक (१८) ११ गाजा २ फ्रीट ८ इंच  
 (१९) २४ गाजा २ फ्रीट २ इंच (२०) ११ गाजा १ इंच  
 (२१) १८ गाजा १ फ्रीट १ इंच (२२) १३ पौ० ११ शिलिङ्ग ० पे०  
 (२३) ४० पौंड १० शिलिङ्ग (२४) २८ पौंड ३ शिलिङ्ग ० पे०  
 (२५) १४ पौंड २ शिलिङ्ग २ पे० (२६) २२ घंटे ४६ मिनिट १



- [illegible]



## अभ्यासार्थं प्रश्न ( २४ ) पृष्ठ ११५

- ( १ ) १२ रु० १४ आ० ( २ ) २६ रु० ८ आ० २ पा०  
 ( ३ ) ६८ रु० ३ आ० ३ पा० ( ४ ) १४१ रु० ७ पा०  
 ( ५ ) २३७ रु० ११ आ० ३ पा० ( ६ ) २४६ रु० ११ आ० ८ पा०  
 ( ७ ) ६६७ रु० १० आ० ६ पा० ( ८ ) १००१ रु० १२ आ० ६ पा०  
 ( ९ ) २३२३ रु० ६ पा० ( १० ) ३०७७ रु० १ आ० ३ पा०  
 ( ११ ) ६२६६ रु० ६ आ० ६ पा० ( १२ ) ३०६२७ रु० ३ आ०  
 ( १३ ) ७६६१ रु० १४ आ० २ पा० ( १४ ) ७०२० रु० १४ आ० २ पा०  
 ( १५ ) ४२ मन २० सेर १२ छैं ( १६ ) १४०० मन ६ सेर ६ छैं  
 ( १७ ) २४७०० मन २४ सेर ११ छैं  
 ( १८ ) ३०६ पौ० १२ शि० ६ पै० ( १९ ) ४८ पौ० १० शि० १० पै०  
 ( २० ) ११२३ पौ० १० शि० ( २१ ) ३०० पौ० १२ शि०  
 ( २२ ) १२१२२० पौ० १४ शि० ( २३ ) १२२२६ ग० ६ ई०  
 ( २४ ) १४२६ व० ग० १ व० प्री० ७२ व० ई०  
 ( २५ ) ३४ मीन ६२८ गज ( २६ ) ३६३ रु० १० आना ६ पा०  
 ( २७ ) ३६१ रु० १ आ० ३ पा० ( २८ ) १४६ रु० ६ आ० ६ पा०  
 ( २९ ) ६२६६ रु० ७ आ० ६ पा० ( ३० ) २२४१८ रु० २ आ०  
 ( ३१ ) ६००० रु०  
 ( ३२ ) १००२ बी० १४ बिस्वा १ बिस्वांसी १६ अक्षप्रांसी  
 ( ३३ ) ७२६ मन १४ सेर ( ३४ ) ३२२ ग० २ प्री०  
 ( ३५ ) ८३ मन १२ सेर १३ छैंटाक  
 ( ३६ ) ४२ वर्ष ६ अष्टमि ६ दिन २२ घंटा २३ मिनट  
 ( ३७ ) १२२६ रु० १० आ० ६ पा० ( ३८ ) १३११ रु० ११ आ० ६ पा०  
 ( ३९ ) २० मन ३८ सेर १२ छैंटाक ( ४० ) ३६६६ रु० ७ आ० ६ पा०  
 ( ४१ ) ३४६ रु० ४ आ० ८ पा० ( ४२ ) ६२१४ रु० ६ आ०  
 ( ४३ ) ८ रु० ३ आ० ३ पा० ( ४४ ) ६० रु० २ आ० ८ पा०





|  |                               |
|--|-------------------------------|
| ( १ ) १०६ पार्श्व                      | ( १० ) २१०० गॉट, रोय द मज     |
| ( ११ ) २६०                             | ( ११ ) २१ टोला                |
| ( १२ ) २ मज १२ गिरा                    | ( १२ ) १२ सेर                 |
| ( १३ ) ८६६                             | ( १३ ) १२२० दुबड़े            |
| ( १४ ) ११ मज                           | ( १४ ) २४८० २० ४ मज ४ पार्श्व |
| ( १५ ) १२ २० ६ मज २ पार्श्व            | ( १५ ) २४३२ २० ६ मज २ पार्श्व |
| ( १६ ) २ २० २ मज ८ पार्श्व             | ( १६ ) ८८८० २० ४ मज ४ पार्श्व |
| ( १७ ) १ १० १ मज ११ पार्श्व            | ( १७ ) ४२ २० २ मज ८ पार्श्व   |
| ( १८ ) २८०१२०१० मज ८ पार्श्व           | ( १८ ) ६ मज २ पार्श्व         |
| ( १९ ) २६ पार्श्व २ मज १ दिव           | ( १९ ) २१२ छहसे, रोय, १० मज   |
| ( २० ) ११                              | ( २० ) २ पार्श्व              |
| ( २१ ) ४१२६                            | ( २१ ) २२ २० ८ मज ४ पार्श्व   |
| ( २२ ) १० मज १ पार्श्व २ मज            | ( २२ ) ६८० २० १० मज           |
| ( २३ ) ७२ पार्श्व                      | ( २३ ) २६०                    |
| ( २४ ) २२                              | ( २४ ) २२ २० ४ मज ४ पार्श्व   |
| ( २५ ) १२ मज २ पार्श्व                 | ( २५ ) २२ पार्श्व             |
| ( २६ ) १०२११ गॉट १२२ २० १ पार्श्व ८ मज |                               |
| ( २७ ) १० पार्श्व १ मज ४ दिव           | ( २७ ) १० मज ८ पार्श्व        |
| ( २८ ) १० मज                           | ( २८ ) ६ दिव                  |
| ( २९ ) १० २० १० मज                     | ( २९ ) ११०००                  |
| ( ३० ) १० २० १० मज                     | ( ३० ) १००० २०                |
| ( ३१ ) १० २० १० मज                     | ( ३१ ) १० २० १० मज            |
| ( ३२ ) १० २० १० मज                     | ( ३२ ) १० २० १० मज            |
| ( ३३ ) १० २० १० मज                     | ( ३३ ) १० २० १० मज            |
| ( ३४ ) १० २० १० मज                     | ( ३४ ) १० २० १० मज            |
| ( ३५ ) १० २० १० मज                     | ( ३५ ) १० २० १० मज            |
| ( ३६ ) १० २० १० मज                     | ( ३६ ) १० २० १० मज            |
| ( ३७ ) १० २० १० मज                     | ( ३७ ) १० २० १० मज            |
| ( ३८ ) १० २० १० मज                     | ( ३८ ) १० २० १० मज            |
| ( ३९ ) १० २० १० मज                     | ( ३९ ) १० २० १० मज            |
| ( ४० ) १० २० १० मज                     | ( ४० ) १० २० १० मज            |



- [illegible]

अभ्यासार्थं प्रश्न ( २८ ) पृष्ठ १३९.

- |                    |                    |
|--------------------|--------------------|
| (1) 100 ਫੀਸੇ       | (12) 12 ਫੀਸੇ 12 ਮੀ |
| (2) 10 ਫੀਸੇ        | (13) 13 ਫੀਸੇ 13 ਮੀ |
| (3) 100 ਫੀਸੇ 10 ਮੀ | (14) 14 ਫੀਸੇ 14 ਮੀ |
| (4) 10 ਫੀਸੇ 10 ਮੀ  | (15) 15 ਫੀਸੇ 15 ਮੀ |
| (5) 100 ਫੀਸੇ 10 ਮੀ | (16) 16 ਫੀਸੇ 16 ਮੀ |
| (6) 10 ਫੀਸੇ 10 ਮੀ  | (17) 17 ਫੀਸੇ 17 ਮੀ |
| (7) 100 ਫੀਸੇ 10 ਮੀ | (18) 18 ਫੀਸੇ 18 ਮੀ |
| (8) 10 ਫੀਸੇ 10 ਮੀ  | (19) 19 ਫੀਸੇ 19 ਮੀ |
| (9) 100 ਫੀਸੇ 10 ਮੀ | (20) 20 ਫੀਸੇ 20 ਮੀ |















|             |            |            |
|-------------|------------|------------|
| ( १३ ) १२४० | ( १४ ) ४२० | ( १५ ) ४२० |
| ( १६ ) १२४० | ( १७ ) ४२० | ( १८ ) ४२० |

### अष्टागणित प्रश्न ( ३६ ) गृह्य १७८

|             |             |             |
|-------------|-------------|-------------|
| ( १ ) १२४०  | ( २ ) १२४०  | ( ३ ) १२४०  |
| ( ४ ) १२४०  | ( ५ ) १२४०  | ( ६ ) १२४०  |
| ( ७ ) १२४०  | ( ८ ) १२४०  | ( ९ ) १२४०  |
| ( १० ) १२४० | ( ११ ) १२४० | ( १२ ) १२४० |
| ( १३ ) १२४० | ( १४ ) १२४० | ( १५ ) १२४० |

### अष्टागणित प्रश्न ( ३७ ) गृह्य १८१

|             |             |             |
|-------------|-------------|-------------|
| ( १ ) १२४०  | ( २ ) १२४०  | ( ३ ) १२४०  |
| ( ४ ) १२४०  | ( ५ ) १२४०  | ( ६ ) १२४०  |
| ( ७ ) १२४०  | ( ८ ) १२४०  | ( ९ ) १२४०  |
| ( १० ) १२४० | ( ११ ) १२४० | ( १२ ) १२४० |
| ( १३ ) १२४० | ( १४ ) १२४० | ( १५ ) १२४० |
| ( १६ ) १२४० | ( १७ ) १२४० | ( १८ ) १२४० |
| ( १९ ) १२४० | ( २० ) १२४० | ( २१ ) १२४० |
| ( २२ ) १२४० | ( २३ ) १२४० | ( २४ ) १२४० |
| ( २५ ) १२४० | ( २६ ) १२४० | ( २७ ) १२४० |
| ( २८ ) १२४० | ( २९ ) १२४० | ( ३० ) १२४० |

# उत्तरनामा

- (०) १ शिल्लिङ्ग (८) ३ शिल्लिङ्ग (९) २ हंघ  
 (१०) ११ हंघ (११) १ निनट (१२) २६ निनट

## अभ्यासार्थ प्रश्न (३९) पृष्ठ १९०

- |        |        |        |        |
|--------|--------|--------|--------|
| (१) १  | (२) १  | (३) १  | (४) १  |
| (२) १  | (६) १  | (७) १  | (८) १  |
| (३) १  | (१०) १ | (११) १ | (१२) १ |
| (१३) २ | (१४) १ | (१५) १ | (१६) १ |
| (१७) १ | (१८) १ | (१९) १ | (२०) १ |
| (२१) १ | (२२) १ | (२३) १ | (२४) १ |
| (२५) १ | (२६) १ | (२७) १ | (२८) १ |
| (२९) १ | (३०) १ | (३१) १ | (३२) १ |
| (३३) १ | (३४) १ | (३५) १ | (३६) १ |
| (३७) १ | (३८) १ | (३९) १ | (४०) १ |

## अभ्यासार्थ प्रश्न (४०) पृष्ठ १९३

- |                              |                               |
|------------------------------|-------------------------------|
| (१) १, १, १ और १             | (२) १, १, १ और १              |
| (३) १, १, १, १ और १          | (४) १, १, १, १ और १           |
| (५) १, १, १, १, १ और १       | (६) १, १, १, १, १ और १        |
| (७) १, १, १, १, १, १ और १    | (८) १, १, १, १, १, १ और १     |
| (९) १, १, १, १, १, १, १ और १ | (१०) १, १, १, १, १, १, १ और १ |



# उत्तरमाळा

- ( ११ ) १, १, १, १  
( १२ ) १, १, १, १  
( १३ ) १, १, १, १  
( १४ ) १, १, १, १  
( १५ ) १, १, १, १  
( १६ ) १, १, १, १

- ( १७ ) १, १, १, १  
( १८ ) १, १, १, १  
( १९ ) १, १, १, १  
( २० ) १, १, १, १  
( २१ ) १, १, १, १  
( २२ ) १, १, १, १

## अभ्यासार्थ प्रश्न (४४) पृष्ठ १९८

- |          |          |          |
|----------|----------|----------|
| ( १ ) १  | ( २ ) १  | ( ३ ) १  |
| ( ४ ) १  | ( ४ ) १  | ( ६ ) १  |
| ( ७ ) १  | ( ५ ) १  | ( ८ ) १  |
| ( १० ) १ | ( ११ ) १ | ( १२ ) १ |
| ( १३ ) १ | ( १४ ) १ | ( १५ ) १ |
| ( १६ ) १ | ( १७ ) १ | ( १८ ) १ |
| ( १९ ) १ | ( २० ) १ | ( २१ ) १ |
| ( २२ ) १ |          |          |

## अभ्यासार्थ प्रश्न (४५) पृष्ठ १९९

- |          |          |          |          |
|----------|----------|----------|----------|
| ( १ ) १  | ( २ ) १  | ( ३ ) १  | ( ४ ) १  |
| ( ५ ) १  | ( ६ ) १  | ( ७ ) १  | ( ८ ) १  |
| ( ९ ) १  | ( १० ) १ | ( ११ ) १ | ( १२ ) १ |
| ( १३ ) १ | ( १४ ) १ | ( १५ ) १ | ( १६ ) १ |
| ( १७ ) १ | ( १८ ) १ | ( १९ ) १ | ( २० ) १ |
| ( २१ ) १ | ( २२ ) १ | ( २३ ) १ |          |

## अभ्यासार्थ प्रश्न (४६) पृष्ठ २०१

- |         |         |         |         |
|---------|---------|---------|---------|
| ( १ ) १ | ( २ ) १ | ( ३ ) १ | ( ४ ) १ |
| ( ५ ) १ | ( ६ ) १ | ( ७ ) १ |         |





|             |             |             |
|-------------|-------------|-------------|
| ( ७ ) १४१८  | ( ८ ) १४१८  | ( ९ ) १४१८  |
| ( १० ) १४१८ | ( ११ ) १४१८ | ( १२ ) १४१८ |
| ( १३ ) १४१८ | ( १४ ) १४१८ | ( १५ ) १४१८ |
| ( १६ ) १४१८ | ( १७ ) १४१८ | ( १८ ) १४१८ |

अभ्यासार्थ प्रश्न ( ५० ) पृष्ठ २०५

|             |             |             |             |
|-------------|-------------|-------------|-------------|
| ( १ ) १४१८  | ( २ ) १४१८  | ( ३ ) १४१८  | ( ४ ) १४१८  |
| ( ५ ) १४१८  | ( ६ ) १४१८  | ( ७ ) १४१८  | ( ८ ) १४१८  |
| ( ९ ) १४१८  | ( १० ) १४१८ | ( ११ ) १४१८ | ( १२ ) १४१८ |
| ( १३ ) १४१८ | ( १४ ) १४१८ | ( १५ ) १४१८ | ( १६ ) १४१८ |
| ( १७ ) १४१८ | ( १८ ) १४१८ | ( १९ ) १४१८ | ( २० ) १४१८ |
| ( २१ ) १४१८ | ( २२ ) १४१८ | ( २३ ) १४१८ | ( २४ ) १४१८ |
| ( २५ ) १४१८ | ( २६ ) १४१८ | ( २७ ) १४१८ | ( २८ ) १४१८ |
| ( २९ ) १४१८ | ( ३० ) १४१८ | ( ३१ ) १४१८ | ( ३२ ) १४१८ |
| ( ३३ ) १४१८ | ( ३४ ) १४१८ | ( ३५ ) १४१८ | ( ३६ ) १४१८ |
| ( ३७ ) १४१८ | ( ३८ ) १४१८ | ( ३९ ) १४१८ | ( ४० ) १४१८ |

अभ्यासार्थ प्रश्न ( ५१ ) पृष्ठ २०९

|             |             |             |
|-------------|-------------|-------------|
| ( १ ) १४१८  | ( २ ) १४१८  | ( ३ ) १४१८  |
| ( ४ ) १४१८  | ( ५ ) १४१८  | ( ६ ) १४१८  |
| ( ७ ) १४१८  | ( ८ ) १४१८  | ( ९ ) १४१८  |
| ( १० ) १४१८ | ( ११ ) १४१८ | ( १२ ) १४१८ |
| ( १३ ) १४१८ | ( १४ ) १४१८ | ( १५ ) १४१८ |
| ( १६ ) १४१८ | ( १७ ) १४१८ | ( १८ ) १४१८ |
| ( १९ ) १४१८ | ( २० ) १४१८ | ( २१ ) १४१८ |
| ( २२ ) १४१८ | ( २३ ) १४१८ | ( २४ ) १४१८ |
| ( २५ ) १४१८ | ( २६ ) १४१८ | ( २७ ) १४१८ |
| ( २८ ) १४१८ | ( २९ ) १४१८ | ( ३० ) १४१८ |





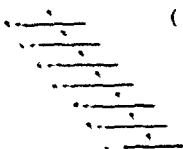
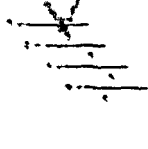


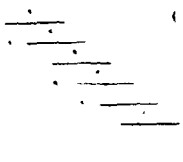
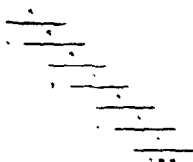




|                       |                       |                       |
|-----------------------|-----------------------|-----------------------|
| ( ७ ) $1\frac{1}{2}$  | ( ८ ) $1\frac{1}{2}$  | ( ९ ) $1\frac{1}{2}$  |
| ( १० ) $1\frac{1}{2}$ | ( ११ ) $1\frac{1}{2}$ | ( १२ ) $1\frac{1}{2}$ |
| ( १३ ) $1\frac{1}{2}$ | ( १४ ) $1\frac{1}{2}$ | ( १५ ) $1\frac{1}{2}$ |
| ( १६ ) $1\frac{1}{2}$ | ( १७ ) $1\frac{1}{2}$ | ( १८ ) $1\frac{1}{2}$ |
| ( १९ ) $1\frac{1}{2}$ | ( २० ) $1\frac{1}{2}$ | ( २१ ) $1\frac{1}{2}$ |
| ( २२ ) $1\frac{1}{2}$ | ( २३ ) $1\frac{1}{2}$ | ( २४ ) $1\frac{1}{2}$ |
| ( २५ ) $1\frac{1}{2}$ | ( २६ ) $1\frac{1}{2}$ | ( २७ ) $1\frac{1}{2}$ |
| ( २८ ) $1\frac{1}{2}$ | ( २९ ) $1\frac{1}{2}$ | ( ३० ) $1\frac{1}{2}$ |
| ( ३१ ) $1\frac{1}{2}$ | ( ३२ ) $1\frac{1}{2}$ | ( ३३ ) $1\frac{1}{2}$ |
| ( ३४ ) $1\frac{1}{2}$ | ( ३५ ) $1\frac{1}{2}$ |                       |

अभ्यासाध्य प्रश्न ( ६४ ) पृष्ठ २३९

( १ )  ( २ ) 

( ३ )  ( ४ ) 





|                                       |                                       |                                      |
|---------------------------------------|---------------------------------------|--------------------------------------|
| ( २८ ) १                              | ( २९ ) ७                              | ( ३० ) ९                             |
| ( ३१ ) २ <sup>१</sup> / <sub>२</sub>  | ( ३२ ) ३                              | ( ३३ ) २ <sup>१</sup> / <sub>२</sub> |
| ( ३४ ) ७                              | ( ३५ ) १५ <sup>१</sup> / <sub>२</sub> | ( ३६ ) १                             |
| ( ३७ ) ६                              | ( ३८ ) ११ <sup>१</sup> / <sub>२</sub> | ( ३९ ) १                             |
| ( ४० ) १२ <sup>१</sup> / <sub>२</sub> | ( ४१ ) २                              | ( ४२ ) ११                            |
| ( ४३ ) ६                              | ( ४४ ) २०                             | ( ४५ ) १६                            |

### अभ्यासाय प्रश्न ( ६६ ) पृष्ठ २४४

- ( १ ) २ ए० ६ पा० ( २ ) २ ए० १२ पा० २ पा०  
 ( ३ ) १४ ए० १० पा० २<sup>१</sup>/<sub>२</sub> पा० ( ४ ) ३ ए० ७ पा०  
 ( ५ ) ४ ए० १३ पा० १ पा० ( ६ ) १ ए० २ पा० १०<sup>१</sup>/<sub>२</sub> पा०  
 ( ७ ) ३ ए० ८ पा० १०<sup>१</sup>/<sub>२</sub> पा० ( ८ ) ७३ ए० २ पा०  
 ( ९ ) ७२ ए० ७ पा० ७ पा० ( १० ) १ टी० १४ लि० ७ से०  
 ( ११ ) ४२ टी० १७ लि० ११<sup>१</sup>/<sub>२</sub> से० ( १२ ) १२ टी० ६ लि० ८ से०  
 ( १३ ) ३३ टी० १६ लि० ४ से० ( १४ ) २ टी० ८ लि० ६<sup>१</sup>/<sub>२</sub> से०  
 ( १५ ) ६ टी० १२ लि० ६ से० ( १६ ) १२ टी० १७ लि० ८ से०  
 ( १७ ) १३ मज १ सेर २ दू० ( १८ ) २०१ मज ८ दू०  
 ( १९ ) ४ दिव १६ दं० ४२ मिण्ट २४<sup>१</sup>/<sub>२</sub> से०  
 ( २० ) १२ मज १० सेर २ दू०  
 ( २१ ) १० मीठ ४ दू० २<sup>१</sup>/<sub>२</sub> से० २ मज  
 ( २२ ) १० मज १० दू० १ पा० १२ टी०  
 १. १० मज १० दू० १ पा० १२ टी० २. ७ ए० १४ पा० २<sup>१</sup>/<sub>२</sub> पा०  
 ३. १ पा० १. १ पा० ४. ४ ए० ७ पा० १३ टी० १७ टी०  
 ५. १. १. १. १. १. ७ टी० ११ पा० १०<sup>१</sup>/<sub>२</sub> मज  
 ६. १२ मज  
 ७. १२१ दू० १२ लि० ४ से०  
 ८. १२१ दू० १२ लि० ४<sup>१</sup>/<sub>२</sub> से०



- ( ६ ) ६१३ ( ७ ) ६३ ( ८ ) १
- ( ९ ) १३ ( १० ) १३ और ११ ( ११ ) १
- ( १२ ) १३ ( १३ ) १३ ( १४ ) १३
- ( १५ ) १३ ( १६ ) २४ ( १७ ) १२
- ( १८ ) २०५ ह० ( १९ ) ११५ पी० ( २० ) १५
- ( २१ ) १३ ( २२ ) ४३ ( २३ ) १४०
- ( २४ ) १३ ( २५ ) १०५ हाथ ( २६ ) ७८० गज
- ( २७ ) ३००, ४५ ( २८ ) ८४ ह०
- ( २९ ) ४१६६ ह० १० आ० ८ पा० ( ३० ) २३२० पी०
- ( ३१ ) ५० मिनट ( ३२ ) ४ ( ३३ ) ११
- ( ३४ ) २४०, १३ ( ३५ ) २४० ( ३६ ) २४०
- ( ३७ ) ३६ ( ३८ ) ६० ह० ( ३९ ) ६०० ह०
- ( ४० ) १ ( ४१ ) १ ( ४२ ) १
- ( ४३ ) ३ घंटे ( ४४ ) १६६ ( ४५ ) ७, ४१
- ( ४६ ) ११, २३ ( ४७ ) घ १ पी० ६ शि० ८ पे०,
- घ १ पी० ६ शि० ४ पे०, स १ पी० ८ शि० ४ पे०
- ( ४८ ) १२६०६० ह० ( ४९ ) ८५ ह० १२ आ०
- ( ५० ) घ ४० ह० ५ आ०, घ ४२ ह० १२ आ०, स १८ ह० १३ आ०
- ( ५१ ) १२२ ह० ८ आ० ( ५२ ) ३३३
- ( ५३ ) १३ ( ५४ ) १ ( ५५ ) २१, २१
- ( ५६ ) ४ पी० ४ शि० ( ५७ ) ३३३ ( ५८ ) २११
- ( ५९ ) ६०० ह० ( ६० ) ३१ घंटे ( ६१ ) १
- ( ६२ ) ११, २१ और ३३ ( ६३ ) ११११
- ( ६४ ) १३ ( ६५ ) ७ पी० ८ शि०
- ( ६६ ) २६ पी० ६ शि० ६ पे०, २१ पी० १६ शि० २१ पे०
- ( ६७ ) ४ पी० १८ शि० ११ पे०



- ( ११ ) ७१ रु० ( २० ) १४२ रु० ११ पा०  
 ( १२ ) १८० पा० ( २१ ) ११६ रु० ८ पा०  
 ( १३ ) १२६६ रु० ( २२ ) १४१ रु० ८ पा०  
 ( २४ ) ७४१ रु० ( २३ ) ८०१ रु० १० पा० ८ पा०  
 ( २५ ) १३८१ रु० १६ पा० ११ पा०  
 ( २६ ) ४२६ रु० १४ पा० ७ पा० ( २७ ) ११७६ रु० ४ पा०  
 ( २८ ) २२६६ रु० ६ पा० ६ पा० ( २९ ) ४१७ पा० ६ दि० १० पै०  
 ( ३० ) १४०० रु० १४ पा० ( ३१ ) १२७२ पा० २ दि० ४ पै०  
 ( ३२ ) ७८० पा० १४ दि० ८ पै०

### अभ्यासाय प्रश्न ( ७१ ) पृष्ठ २६४

- ( १ ) १११ रु० ६ पा० ६ पा० ( २ ) १११८ रु० ३ पा० ६ पा०  
 ( ३ ) २२२२ रु० ( ४ ) ३३३ रु०  
 ( ५ ) १११११० ११ पा० ११ पा० ( ६ ) १११ रु० ११ पा० ४ पा०  
 ( ७ ) १८१२ रु० ४ पा० २ पा० ( ८ ) २२१२ पा० १० दि० ६ पै०  
 ( ९ ) २०११ रु० ११ पा० २ पा०  
 ( १० ) १७ पा० १ दि० १ पै० ( ११ ) ४१८१ रु० १० पा० ३ पा०  
 ( १२ ) १०११ रु० १० पा० ८ पा० ( १३ ) २२२१ रु० १ पा० ८ पा०  
 ( १४ ) १११८ रु० १ पा० १ पा० ( १५ ) १११ पा० १ दि० ४ पै०  
 ( १६ ) ११११ पा० २ दि० ४ पै०  
 ( १७ ) ११११ पा० १० पै० ( १८ ) ४१२१ पा० ११ दि० ११ पै०  
 ( १९ ) १२७ पा० १ दि० १ पै०  
 ( २० ) १०११११ रु० ११ पा० ८ पा०  
 ( २१ ) ११११११ रु० ८ पा० ( २२ ) १७११० पा० ११ दि० ११ पै०  
 ( २३ ) १११८ पा० १ दि० ४ पै०  
 ( २४ ) १०१२ रु० १ पा० १० पा०



- ( ७ ) २० सौं १२ सौं २१ सौं ( = ) ३ सौं २० सौं २१ सौं  
 ( ८ ) २२२ सौं १६ सौं २३ सौं ( १० ) २२२ सौं १६ सौं २३ सौं  
 ( ११ ) २२२ सौं १६ सौं २३ सौं  
 ( १२ ) २२२ सौं १६ सौं २३ सौं  
 ( १३ ) २० सौं २ सौं २ सौं २ सौं ( १४ ) २ सौं २ सौं २ सौं २ सौं  
 ( १५ ) २२२ सौं २ सौं २ सौं  
 ( १६ ) २० सौं १२ सौं २१ सौं ( १७ ) २२२ सौं २ सौं २ सौं २ सौं  
 ( १८ ) २२ सौं १० सौं २१ सौं  
 ( १९ ) २२२ सौं २ सौं २ सौं २ सौं  
 ( २० ) २२२ सौं २ सौं २ सौं २ सौं ( २१ ) २२२ सौं २ सौं २ सौं २ सौं  
 ( २२ ) २२२ सौं २ सौं २ सौं २ सौं ( २३ ) २२२ सौं २ सौं २ सौं २ सौं  
 ( २४ ) २२२ सौं २ सौं २ सौं २ सौं ( २५ ) २२२ सौं २ सौं २ सौं २ सौं

### अन्यथापि नमः ( ७२ ) पृष्ठ २७३

- |                    |                          |
|--------------------|--------------------------|
| ( १ ) १ सौं १० सौं | ( २ ) १० सौं २ सौं       |
| ( ३ ) २ सौं        | ( ४ ) २ सौं              |
| ( ५ ) २ सौं        | ( ६ ) २ सौं              |
| ( ७ ) २ सौं        | ( ८ ) २ सौं              |
| ( ९ ) २ सौं २ सौं  | ( १० ) २ सौं २ सौं २ सौं |
| ( ११ ) २ सौं       | ( १२ ) २ सौं             |
| ( १३ ) २ सौं       | ( १४ ) २ सौं             |
| ( १५ ) २ सौं       | ( १६ ) २ सौं             |
| ( १७ ) २ सौं       | ( १८ ) २ सौं             |
| ( १९ ) २ सौं       | ( २० ) २ सौं             |
| ( २१ ) २ सौं       | ( २२ ) २ सौं             |
| ( २३ ) २ सौं       | ( २४ ) २ सौं             |
| ( २५ ) २ सौं       | ( २६ ) २ सौं             |
| ( २७ ) २ सौं       | ( २८ ) २ सौं             |
| ( २९ ) २ सौं       | ( ३० ) २ सौं             |
| ( ३१ ) २ सौं       | ( ३२ ) २ सौं             |
| ( ३३ ) २ सौं       | ( ३४ ) २ सौं             |
| ( ३५ ) २ सौं       | ( ३६ ) २ सौं             |
| ( ३७ ) २ सौं       | ( ३८ ) २ सौं             |
| ( ३९ ) २ सौं       | ( ४० ) २ सौं             |
| ( ४१ ) २ सौं       | ( ४२ ) २ सौं             |
| ( ४३ ) २ सौं       | ( ४४ ) २ सौं             |
| ( ४५ ) २ सौं       | ( ४६ ) २ सौं             |
| ( ४७ ) २ सौं       | ( ४८ ) २ सौं             |
| ( ४९ ) २ सौं       | ( ५० ) २ सौं             |
| ( ५१ ) २ सौं       | ( ५२ ) २ सौं             |
| ( ५३ ) २ सौं       | ( ५४ ) २ सौं             |
| ( ५५ ) २ सौं       | ( ५६ ) २ सौं             |
| ( ५७ ) २ सौं       | ( ५८ ) २ सौं             |
| ( ५९ ) २ सौं       | ( ६० ) २ सौं             |
| ( ६१ ) २ सौं       | ( ६२ ) २ सौं             |
| ( ६३ ) २ सौं       | ( ६४ ) २ सौं             |
| ( ६५ ) २ सौं       | ( ६६ ) २ सौं             |
| ( ६७ ) २ सौं       | ( ६८ ) २ सौं             |
| ( ६९ ) २ सौं       | ( ७० ) २ सौं             |
| ( ७१ ) २ सौं       | ( ७२ ) २ सौं             |
| ( ७३ ) २ सौं       | ( ७४ ) २ सौं             |
| ( ७५ ) २ सौं       | ( ७६ ) २ सौं             |
| ( ७७ ) २ सौं       | ( ७८ ) २ सौं             |
| ( ७९ ) २ सौं       | ( ८० ) २ सौं             |
| ( ८१ ) २ सौं       | ( ८२ ) २ सौं             |
| ( ८३ ) २ सौं       | ( ८४ ) २ सौं             |
| ( ८५ ) २ सौं       | ( ८६ ) २ सौं             |
| ( ८७ ) २ सौं       | ( ८८ ) २ सौं             |
| ( ८९ ) २ सौं       | ( ९० ) २ सौं             |
| ( ९१ ) २ सौं       | ( ९२ ) २ सौं             |
| ( ९३ ) २ सौं       | ( ९४ ) २ सौं             |
| ( ९५ ) २ सौं       | ( ९६ ) २ सौं             |
| ( ९७ ) २ सौं       | ( ९८ ) २ सौं             |
| ( ९९ ) २ सौं       | ( १०० ) २ सौं            |





- |                           |                             |
|---------------------------|-----------------------------|
| ( ७७ ) २ आदमी             | ( ७८ ) २६ दिन               |
| ( ७९ ) २४ दिन             | ( ८० ) १० दिन               |
| ( ८१ ) १ मन १६ मेर        | ( ८२ ) ३२ मन                |
| ( ८३ ) २ शि० ४ पेंस       | ( ८४ ) ३० घोडे              |
| ( ८५ ) ३६ घोडे            | ( ८६ ) २६० पौ० १० शि०       |
| ( ८७ ) ३६० आदमी           | ( ८८ ) ८ १/२ दिन            |
| ( ८९ ) ८ लॅम्प            | ( ९० ) २ १/२ दिन            |
| ( ९१ ) ४२ १/२ १/२ दिन     | ( ९२ ) ८०० आदमी बंदार गये । |
| ( ९३ ) ४० आदमी बंदार गर । | ( ९४ ) २० दिन               |
| ( ९५ ) १० दिन             |                             |

### अभ्यामार्थ प्रश्न ( ७५ ) पृष्ठ २८६

- |                                       |                                      |
|---------------------------------------|--------------------------------------|
| ( १ ) ६ १/२ दिन                       | ( २ ) ६ १/२ दिन                      |
| ( ३ ) ४ १/२ १/२ दिन                   | ( ४ ) ३० दिन                         |
| ( ५ ) २२ १/२ घं०                      | ( ६ ) क १२ दिन, ख १८ दि० और ग २४ दि० |
| ( ७ ) क १० दिन, ख १२ दिन और ग १२ दिन. |                                      |

तीनों मिलकर ४ दिन में

- |                     |                         |
|---------------------|-------------------------|
| ( ८ ) २ मिनट        | ( ९ ) १२ दिन            |
| ( १० ) ८ १/२ दिन    | ( ११ ) १६ १/२ दिन       |
| ( १२ ) ६ १/२ दिन    | ( १३ ) ६ १/२ दिन        |
| ( १४ ) २ १/२ दिन    | ( १५ ) १२ १/२ मिनट      |
| ( १६ ) २६ १/२ दिन   | ( १७ ) ६ १/२ दिन        |
| ( १८ ) ७ १/२ दिन    | ( १९ ) ११ १/२ दिन       |
| ( २० ) १० और २० दिन | ( २१ ) ४० दिन और ७२ दिन |
| ( २२ ) ११ घण्टा     | ( २३ ) २४ दिन           |
| ( २४ ) ६ दिन        | ( २५ ) १० दिन और १२ दिन |







- ( ७ ) ३:१४ ( ८ ) ७:१८ ( ९ ) ३:४  
 ( १० ) ४:२ ( ११ )  $\frac{४}{५}$  ( १२ )  $\frac{४}{५}$   
 ( १३ )  $\frac{४}{५}$  ( १४ )  $\frac{४}{५}$  ( १५ )  $\frac{४}{५}$   
 ( १६ )  $\frac{४}{५}$  ( १७ )  $\frac{४}{५}$  ( १८ )  $\frac{४}{५}$   
 ( १९ )  $\frac{४}{५}$  ( २० )  $\frac{४}{५}$  ( २१ )  $\frac{४}{५}$   
 ( २२ )  $\frac{४}{५}$  ( २३ ) १०:१३ ( २४ ) ३:४  
 ( २५ ) ४:११ ( २६ ) १५ आना:७ रुपया  
 ( २७ ) ३:४ ( २८ ) ७:११  
 ( २९ ) ३:४ ( ३० ) १:२  
 ( ३१ ) ११:४० ( ३२ ) १३:११ ( ३३ ) २४ और ३६  
 ( ३४ ) ६२ रु० १३ आ० ८ पा० और ४६ रु० ६ आ० ३ पा०  
 ( ३५ ) २० रु० ११ आ० ४ पा० ( ३६ ) ६०:४८  
 ( ३७ ) २४:७२ ( ३८ ) १३२:१५४  
 ( ३९ ) ८:२१ यदा है ( ४० ) ६:७

अभ्यासाय प्रश्न ( ७९ ) पृष्ठ ३०७

- ( १ ) हैं ( २ ) हैं ( ३ ) नहीं  
 ( ४ ) हैं ( ५ ) नहीं ( ६ ) हैं  
 ( ७ ) ६ ( ८ ) २ ( ९ ) ६  
 ( १० ) ३१३६ ( ११ ) १६६४० ( १२ ) २०४  
 ( १३ ) १० ( १४ ) २०६ ( १५ ) ४२२४  
 ( १६ ) ७१४ ( १७ ) १४०० ( १८ ) २१००  
 ( १९ ) ००० ( २० ) २२ ( २१ ) २१  
 ( २२ ) ३० ( २३ ) १३ ( २४ ) ६६  
 ( २५ ) ३ ( २६ ) २६ ननुम् ( २७ ) ६ निमित्त  
 ( २८ ) ६ ( २९ ) १० ( ३० ) २६

## अध्यामार्थ प्रश्न ( ८१ ) तृष्ट ३२२

- |                |               |               |
|----------------|---------------|---------------|
| ( १ ) १०० रु०  | ( २ ) ४० रु०  | ( ३ ) ४६ रु०  |
| ( ४ ) १३ रु०   | ( ५ ) ७० गी०  | ( ६ ) १० लै०  |
| ( ७ ) ७२ रु०   | ( ८ ) ११० रु० | ( ९ ) १४० लै० |
| ( १० ) ११८ रु० |               |               |

## अध्यामार्थ प्रश्न ( ८२ ) तृष्ट ३२४

- |                              |                              |
|------------------------------|------------------------------|
| ( १ ) ३६० रु०                | ( २ ) ६० रु० ३ पा० ११ लै०    |
| ( ३ ) १४९२ रु० ११ पा० ४१ लै० | ( ४ ) ११६० रु० ११ पा० ७१ लै० |
| ( ५ ) २० रु०                 | ( ६ ) ४ रु०                  |
| ( ७ ) २२ रु०                 | ( ८ ) ११ रु०                 |
| ( ९ ) ९०० रु०                | ( १० ) ४०१ लै०               |

## अध्यामार्थ प्रश्न ( ८३ ) तृष्ट ३

- |                 |                |                |
|-----------------|----------------|----------------|
| ( १ ) ३०० रु०   | ( २ ) ११० रु०  | ( ३ ) १०००     |
| ( ४ ) २०० रु०   | ( ५ ) ३४४ रु०  | ( ६ ) २१० रु०  |
| ( ७ ) ११८१ लै०  | ( ८ ) ११०० लै० | ( ९ ) २००० लै० |
| ( १० ) १२०० लै० | ( ११ ) ३१० लै० | ( १२ ) १०० लै० |

## अध्यामार्थ प्रश्न ( ८४ ) तृष्ट ३२७

- |                                   |                             |
|-----------------------------------|-----------------------------|
| ( १ ) ३१६ रु०                     | ( २ ) ४१४ रु०               |
| ( ३ ) ४१६६ रु० ६ पा० ४१ लै०       | ( ४ ) ४१६ रु०               |
| ( ५ ) २१११ रु० ६ पा० १० लै० ४ रु० | ( ६ ) ११०१ रु० १० पा० ४ रु० |
| ( ७ ) ४१४३ रु० ११ लै०             | ( ८ ) ४११३ रु० ११ लै०       |

### अभ्यासार्थ प्रश्न ( ८५ ) पृष्ठ ३२८

- ( १ ) १० रु०; ३०० रु० ( २ ) १४ रु०; ३१४ रु०  
 ( ३ ) ६० रु०; १४० रु० ( ४ ) ८४ रु०; ७८४ रु०  
 ( ५ ) १२० रु० १ आ० ३३६ पा०; १०३ रु० १ आ० ३३६ पा०  
 ( ६ ) १२८ पाँ० १ शि० ७३ पैस; १६८० पाँ० ११ शि० ७३ पैस  
 ( ७ ) ३१६ रु० १ आ० ४ पा०; २३०८ रु०  
 ( ८ ) ८८१ रु० १४ आ० १० पाई  
 ( ९ ) १०६३ रु० १३ आ० ७ पा० ( १० ) ४०२ रु० २ आ० ८ पा०  
 ( ११ ) ८१६८ रु० १२ आ० ( १२ ) ११०० रु० ८ आ०  
 ( १३ ) २१३२ रु० ६ आ० ११ पा० या २१३२ रु० ६ आ० १० पा०  
 ( १४ ) २१३८ रु० २१ आ० १ पाई

### अभ्यासार्थ प्रश्न ( ८६ ) पृष्ठ ३३०

- ( १ ) ४ ( २ ) १ ( ३ ) ३३ ( ४ ) ४३ ( ५ ) ३३  
 ( ६ ) ४ ( ७ ) १ ( ८ ) १ ( ९ ) ८३

### अभ्यासार्थ प्रश्न ( ८७ ) पृष्ठ ३३१

- ( १ ) २३ ( २ ) १ ( ३ ) ४ ( ४ ) ४३ ( ५ ) ३३३

### अभ्यासार्थ श्र ( ८८ ) पृष्ठ ३३३

- ( १ ) ३ वर्ष ( २ ) १ वर्ष ( ३ ) १ वर्ष ( ४ ) १ वर्ष  
 ( ५ ) ६४ वर्ष ( ६ ) ४ वर्ष ( ७ ) ३ वर्ष ( ८ ) ८० वर्ष

### अभ्यासार्थ प्रश्न ( ८९ ) पृष्ठ ३३४

- ( १ ) १००० रु० ( २ ) ०१०० रु० ( ३ ) २३००० रु०  
 ( ४ ) ३०० रु० ( ५ ) २०० रु०

































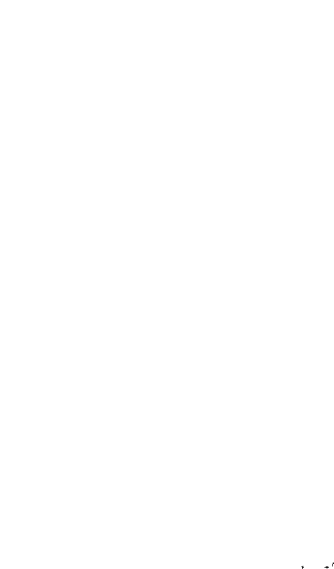




















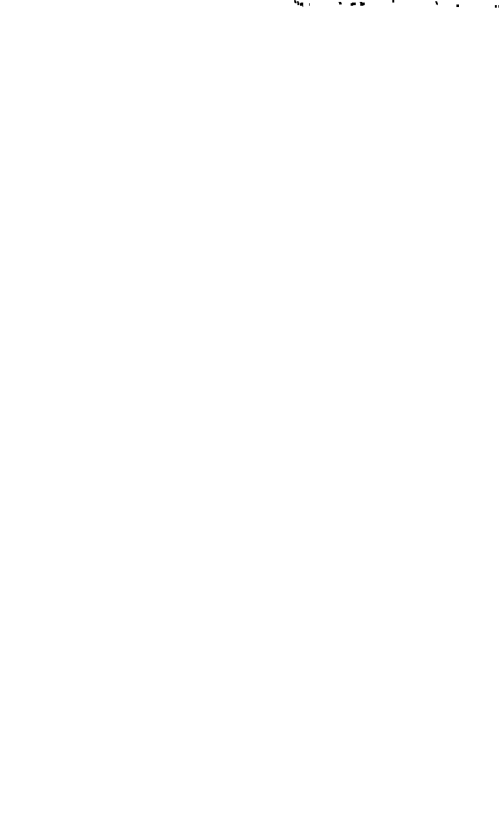
|                 |                |                |
|-----------------|----------------|----------------|
| ( १८ ) २४३६     | ( १९ ) २६६०    | ( १०० ) २८२०   |
| ( १०१ ) १२२००   | ( १०२ ) ४१२१   | ( १०३ ) ८१२०   |
| ( १०४ ) २६०००   | ( १०५ ) १२२८२० |                |
| ( १०६ ) ११६०३२० | ( १०७ ) १६४०   | ( १०८ ) ३६००   |
| ( १०९ ) ४८००    | ( ११० ) १८४६   | ( १११ ) ६२४१   |
| ( ११२ ) ८६४६    | ( ११३ ) २४०२६  | ( ११४ ) ११६०२६ |
| ( ११५ ) ०१०४०६  | ( ११६ ) ४८२६   | ( ११७ ) २२००   |
| ( ११८ ) २३१०४   | ( ११९ ) ४८२८४  | ( १२० ) ११६०२६ |
| ( १२१ ) २४०२६   | ( १२२ ) १२०४०६ | ( १२३ ) ११६००० |
| ( १२४ ) २८१२०४१ |                |                |

अभ्यासार्थ प्रश्न । ( १२३ ) पृष्ठ ४८२

- ( १ ) ८० व० प्र०।
- ( २ ) १२२ व० प्र०।
- ( ३ ) ११० व० प्र०।
- ( ४ ) २१० व० प्र०। १८ व० ह०।
- ( ५ ) ४३ व० प्र०। १८ व० ह०।
- ( ६ ) ४ व० ग० २ व० प्र०। २४ व० ह०।
- ( ७ ) ०१४ व० ग० ० व० प्र०। १२६ व० ह०।
- ( ८ ) १२२० व० ग० ३ व० प्र०।
- ( ९ ) १६३० व० ग० ३ व० प्र०। १०८ व० ह०।
- ( १० ) १०८ व० ग० ८ व० प्र०। ३६ व० ह०।
- ( ११ ) ४८ व० ग० २ व० प्र०।
- ( १२ ) ४८ व० ग० ३ व० प्र०। २६ व० ह०।
- ( १३ ) ४८ व० ग० ३ व० प्र०। ३० व० ह०।
- ( १४ ) ४८ व० ग० ३ व० प्र०। ३० व० ह०।
- ( १५ ) ४८ व० ग० ३ व० प्र०। ३० व० ह०।
- ( १६ ) ४८ व० ग० ३ व० प्र०। ३० व० ह०।
- ( १७ ) ४८ व० ग० ३ व० प्र०। ३० व० ह०।
- ( १८ ) ४८ व० ग० ३ व० प्र०। ३० व० ह०।
- ( १९ ) ४८ व० ग० ३ व० प्र०। ३० व० ह०।
- ( २० ) ४८ व० ग० ३ व० प्र०। ३० व० ह०।

















































- ( ३० ) '००६३ ( ३१ ) ६०० घन मीटी मीटर  
 ( ३२ ) ७००००००० घ० मि० ( ३३ ) '०००२३ घ० मी०  
 ( ३४ ) २'६६२५० मी० मीटर ( ३५ ) १२ लिटर  
 ( ३६ ) ६ लिटर ( ३७ ) १६३८०  
 ( ३८ ) १३'३० मि० ( ३९ ) ४ प्रॉक  
 ( ४० ) १२० घा० ( ४१ ) २० घा०  
 ( ४२ ) २'८३ प्रॉ ( ४३ ) ८००२ प्रॉक  
 ( ४४ ) १६६६'०२ ग्राम ( ४५ ) ११०  
 ( ४६ ) ११०'१११ ( ४७ ) ८८ २ प्रॉक  
 ( ४८ ) २००००० ग्राम ( ४९ ) ८२ प्रॉक ३ मीटर  
 ( ५० ) १३'०२ प्रॉक ( ५१ ) ६ मीटर ( ५२ ) ६६' मीटर  
 ( ५३ ) २३' डिमी ( ५४ ) ६०' डिमी ( ५५ ) ४४' मीटर  
 ( ५६ ) ४० ( ५७ ) २० ( ५८ ) २०  
 ( ५९ ) १२२ ( ६० ) १२२ ( ६१ ) ४० ( ६२ ) ००  
 ( ६३ ) २२ ( ६४ ) २०' २०' २०' ( ६५ ) २१' २०' २०'  
 ( ६६ ) १२' २०' २०' ( ६७ ) १०' २०' २०'  
 ( ६८ ) ०११'०१ घ० मी० मी० ( ६९ ) ११११११ घ० मि० मी०  
 ( ७० ) १ ४ घ० मी०

अभ्यासास्यं प्रश्न ( १५२ ) पृष्ठ ६८३

- ( १ ) ६ मीटर ( २ ) ६ मीटर ( ३ ) १८ मि  
 ( ४ ) २१ मि ( ५ ) २० मि ( ६ ) १४ मि  
 ( ७ ) १३ मि ( ८ ) १३ मि ( ९ ) १३ मि



## अङ्कगणित

नमूल के दूसरे अंक का वर्ग रखो और इन तीनों को जोड़ो तब २४२२  
 आया। इससे घनमूल के दूसरे अंक २ से गुणा किया और गुणनफल  
 को २०१२२ में से घटाया। शेष कुछ नहीं बचा और ४२ उत्तर हुआ।  
 २ उदाहरण :— १२८१२२१ का घन मूल निकालो।

इसकी क्रिया अत्यन्त संक्षेप में दी गई है।

$$२^३ =$$

$$१२८१२२१$$

$$२१$$

$$=$$

$$२^३ \times १०० = १२००$$

$$२ \times १० \times २ = ४००$$

$$\frac{१२८१२२१}{१२४००}$$

$$२^२ = २२$$

$$१२२२$$

$$०६२२$$

$$१८८२२१$$

$$२२^३ \times १०० = १०८२००$$

$$२२ \times १० \times १ = ०२०$$

$$१^३ = १$$

$$१८८२२१$$

$$१८८२२१$$

इसी प्रकार दशमलव भिन्न, साधारण भिन्न आदि का भी घनमूल  
 निकाल सकता है। हम में कोई विशेष यत्तिनाई नहीं है इसलिए उनका  
 वर्णन नहीं किया जाता।

अभ्यासार्थ प्रश्न ( १०० )

इनका घनमूल निकालो —

$$( १ ) १०००$$

$$( २ ) १२१६८१$$

$$( ३ ) १०००००$$

$$( ४ ) १२१६८१$$



$$\begin{aligned}
 (14)^3 &= (10+4)^3 \\
 &= 10^3 + 3 \times 10^2 \times 4 + 3 \times 10 \times 4^2 + 4^3 \\
 &= 27044
 \end{aligned}$$

इन सिद्धान्तों की सहायता से अब घनमूल का नियम भी निकल आता है। परन्तु यहाँ पर घनमूल निकालने का अत्यन्त संक्षेप में वर्णन किया जायगा। क्योंकि यह वर्गमूल के समान ही है। मान लो कि २११२२ का घनमूल निकालना है।

$$\begin{array}{r}
 \begin{array}{r} 21122 \\ 44000 \\ \hline 20122 \end{array} \quad \begin{array}{l} 42 \\ 42 \\ \hline 22 \end{array} \\
 \begin{array}{l} 4 \times 200 = 800 \\ 4 \times 20 \times 2 = 160 \\ 2 = 22 \end{array} \\
 \hline
 2422 \quad 20122
 \end{array}$$

स्पष्ट है कि उत्तर में दो अंक आवेंगे। यह भी स्पष्ट है कि इसका उच्च ४० और २० के बीच में आवेगा क्योंकि  $40^3 = 64000$  और  $20^3 = 8000$  है। इससे पता चल गया कि पहला अंक ४ है क्योंकि हमी का घन २११२२ में से घट सकता है २० का नहीं। ४० का घन करके घटाया तो २०१२२ बचा अब प्रथम अंक ४ के घात को २०० से गुणा करो और गुणनफल ८००० रख दो। यही ८००० प्रांच भाजक है। इसका २०१२२ में भाग देने से २ आया। यही घनमूल का दूसरा अंक है अब घनमूल के प्रथम अंक ४ को २० से गुणा करो और ८५ गुणनफल को, घनमूल के दूसरे अंक से गुणा करके प्रांच भाजक के नीचे रखो और यहाँ पर जांच लो कि २ वस्तुतः घनमूल का दूसरा अंक है या नहीं। यहाँ २ घनमूल का दूसरा अंक है। अगर यह न होता तो घनमूल का दूसरा अंक ४ मानने और तब किया करते। इस गुणनफल के नीचे

घनमूल के दूसरे अंक का वर्ग रखो और इन तीनों को जोड़ो तब २४२५ हुआ। इससे घनमूल के दूसरे अंक २ से गुणा किया और गुणनफल को २०१२५ में से घटाया। शेष कुछ नहीं बचा और ४५ उत्तर हुआ।

२ उदाहरण :— १२=१२२५१ का घन मूल निकालो।

इसकी क्रिया अत्यन्त संक्षेप में दी गई है।

|                           |               |               |
|---------------------------|---------------|---------------|
| $2^3 =$                   | $12=12251$    | २५१           |
| $2^3 \times 300 =$        | $1200$        | ८             |
| $2 \times 30 \times 2 =$  | $1200$        | <u>०८१३</u>   |
| $2^3 =$                   | $22$          |               |
|                           | $1222$        | <u>०६२५</u>   |
|                           |               | <u>१८८२५१</u> |
| $22^3 \times 300 =$       | $120200$      |               |
| $22 \times 30 \times 2 =$ | $1320$        |               |
| $2^3 =$                   | $1$           |               |
|                           | <u>१८८२५१</u> | <u>१८८२५१</u> |

इसी प्रकार दशमलव भिन्न, साधारण भिन्न आदि का भी घनमूल निकल सकता है। इस में कोई विशेष कठिनाई नहीं है इसलिए उनका वर्णन नहीं किया जाता।

अभ्यासार्थ प्रश्न ( १०० )

इनका घनमूल निकालो —

( १ ) १२२८

( २ ) १०१३७

३ । ३६.०४

( ४ ) १३२६५१



## अष्टगणित

घनमूल के दूसरे शंक का वर्ग रखो और इन तीनों को जोड़ो तब २४२२ हुआ। इससे घनमूल के दूसरे शंक २ से गुणा किया और गुणनफल को २७१२२ में से घटाया। शेष कुछ नहीं बचा और ४६ उत्तर हुआ।

२ उदाहरण :— १२८१३२२१ का घन मूल निकालो।

इसकी क्रिया अत्यन्त संक्षेप में दी गई है।

|                           |          |     |
|---------------------------|----------|-----|
| $2^3 =$                   | १२८१३२२१ | २२१ |
| $2^3 \times 300 =$        | १२००     |     |
| $2 \times 30 \times 2 =$  | ३००      |     |
| $2^2 =$                   | २२       |     |
|                           | १२२२     |     |
| $22^3 \times 300 =$       | १८७२००   |     |
| $22 \times 30 \times 2 =$ | ७२०      |     |
| $2^3 =$                   | १        |     |
|                           | १८८२२१   |     |

इसी प्रकार दशमलव भिन्न, साधारण भिन्न आदि का भी घन निकल सकता है। इस में कोई विशेष फटिनाई नहीं है इसलिए वर्णन नहीं किया जाता।

अभ्यासार्थ प्रश्न ( १२० )

इनका घनमूल निकालो —

( १ ) १७२८

( २ ) ३६३०४

( ३ ) १२१६७

( ४ ) १३२६२१



नीचे लिखी हुई निशों का घनमूल निकाला :—

$$(४६) २१\frac{१}{३}$$

$$(४७) २१\frac{२}{३}$$

$$(४८) १२८८\frac{१}{३}$$

$$(४९) २२३\frac{१}{३}$$

$$(५०) २६११\frac{१}{३}$$

नीचे लिखी हुई निशों का घनमूल ३ दशमलव अंकों तक निकालो

$$(५१) १०८$$

$$(५२) १२२$$

$$(५३) १२$$

$$(५४) ०.२२$$

$$(५५) १०००१२२$$

$$(५६) १\frac{१}{३}$$

$$(५७) ६\frac{१}{३}$$

$$(५८) २\frac{१}{३}$$

$$(५९) २१\frac{१}{३}$$

$$(६०) १०१\frac{१}{३}$$

$$(६१) १\frac{१}{३}$$

### पंचमूल

( १४० ) कोई संख्या घनने पंच घन का पंचमूल बदलाती है । इन चिन्ह  $\sqrt[५]{}$  का  $( )^{\frac{१}{५}}$  है । जिन तरह वर्गमूल तथा घनमूल

नियमों का बरतन हुआ है ठीक उसी तरह से पंचमूल के नियमों का भी लुट बरतन हो सकता है । परन्तु जिन लोगों ने उन्हें समझ लिया है वे तब इस सिद्धान्तों को निस्तार सकते हैं । अतएव यहाँ पर पंचमूल । अल्प संक्षिप्त बरतन दिया जायगा ।

### पंचमूल निकालने का नियम

• उदाहरण :—३१२२ का पंच मूल निकालो

$$३१२२ = २ \times ६२१$$







तब उसके पाँचों को २१०० और दूसरे अंक के चतुर्थ घात से, और दूसरे अंक के पंचघात से गुणा करना चाहिए और घन के छठे घात को इन गुणनफलों में जोड़ देना चाहिए। उनके की भौति किया करनी चाहिए जैसा कि नीचे के उदाहरणों से

१ उदाहरण—१४३२१०१८३१८ का सप्तमूत्र निकालो

|   |   |            |                     |
|---|---|------------|---------------------|
|   |   |            | १४३२१०१८३१८<br>२१८७ |
| १ | १ =                                     |            |                     |
| १ | १ × ००००००० = १०३००००००                 |            |                     |
| १ | ३ × २१००००० × २ = १०२०६०००००            | १२४८२७३८१८ |                     |
| ४ | ३ × ३२०००० × २ <sup>४</sup> = ११३४००००० |            |                     |
| १ | ३ × ३२००० × २ <sup>३</sup> = ७६९००००    |            |                     |
| १ | ३ × २१०० × २ <sup>२</sup> = ३०२४००      |            |                     |
| १ | ३ × ०० × २ <sup>१</sup> = ६०२०          |            |                     |
|   | २ <sup>०</sup> = ६४                     |            |                     |
|   |   | ६२४४८६६१८४ | १२४८२७३८१८          |

सप्तमूत्र = ३२

उदाहरणः—७२०१७१६४०३७६२७६३६ का सप्तमूल निकाळो

$$\mathbf{z} =$$

७२०५०५६४०६७६८६९६० २५६  
१२८

$\bullet \bullet \bullet \bullet \bullet =$

100000 X 2 = 200000

$$5000 \times 2 = 10000$$

1000 X 4 = 4000000

$$100 \times 4 = 424.00$$

2 X 2 = 230200

4 = 11111

६६४००३१२५

000000 = 100=824364000000

10000 X 5 = 50000

$$140000 \times 8 = 1120000$$

$$12000 \times 5 = 112500000$$

2900 X 5 = 14500000000

10 X £ = 12500000

== 2222

०११०२२५३७३३  
७६२७६३६

922000 ÷ 4444444444

नहूँ ईश्वर को एक ही धर्म में

१४३००८०६२०६३६ समनना चाहिप

११००२४३०३२  
३६२०६३६















गहने हर एक गुणनफल को १ मान कर इनकी संख्या को गिन लेना चाहिए :—

इस संख्या में एक बार एक जोड़ो और दूसरी बार दो जोड़ो और इन तीनों अर्थात् संख्या, ( संख्या + १ ) और ( संख्या + २ ) को भाग में गुणा करो और गुणनफल में तीन का भाग दो

१ उदाहरण:— $१ \times २ + २ \times ३ + ३ \times ४ + ४ \times ५ \dots + ९ \times १०$  का मान ज्ञात करो

इस प्रश्न में गुणनफल की संख्या = ९

$$१ + १ = १०$$

$$\text{और } १ + २ = ११$$

१, १० और ११ के गुणनफल में ३ का भाग देने से ऊपर आने

$$\text{ऊपर } \rightarrow \frac{१ \times १० \times ११}{३}$$

$$= ११०$$

$$( १+९ ) १ \times २ \times ३ + २ \times ३ \times ४ + ३ \times ४ \times ५ + ४ \times ५ \times ६$$

, अर्थात् के मान निश्चय करने का नियम :—

हरसे इस गुणनफल की संख्या गिन लो । फिर इस संख्या में प्रथम १, २ और ३ जोड़ो । इस प्रकार तीन संख्याएँ मिलेंगी । अब इन तीनों अर्थात् संख्या, ( संख्या - १ ) ( संख्या + २ ) और ( संख्या - १ ) का गुणनफल गुणा करो और गुणनफल में ३ का भाग दो ।

$$१ उदाहरण -- १ \times २ \times ३ + २ \times ३ \times ४ + ३ \times ४ \times ५ + ४ \times ५ \times ६ + ५ \times ६ \times ७ + ६ \times ७ \times ८$$

इसमें गुणनफल की संख्या = ६

$$१ + १ = १०$$

$$१ + २ = ११$$

$$\text{और } १ + ३ = १४$$



१५. ३। लम्बायाँ के गुणनफल के भीगने में इनके समान  
 ३। का न के इन के इनके योग का वर्ग का मान है जैसे :—

$$10 \times 10 = 100 \quad (10 \times 10) = 100 + 0$$

१५ १५५

३। लम्बायाँ के इन के योग का समान के गुण का ३।  
 ३। का न के इन के इनके योग का वर्ग का मान है

$$10 \times 10 = 100 \quad (10 \times 10) = 100 + 0$$

$$10 \times 10 = 100 \quad (10 \times 10) = 100 + 0$$

न के इन के समान दिग मान है का वदुन ही वदोली है  
 ३। वदुन के समान है का वदुन ही वदोली है  
 ३। वदुन के समान है का वदुन ही वदोली है

३। लम्बायाँ के गुणनफल के भीगने में इनके समान :  
 ३। लम्बायाँ के गुणनफल के भीगने में इनके समान :  
 ३। लम्बायाँ के गुणनफल के भीगने में इनके समान :

३। लम्बायाँ के गुणनफल के भीगने में इनके समान :  
 ३। लम्बायाँ के गुणनफल के भीगने में इनके समान :  
 ३। लम्बायाँ के गुणनफल के भीगने में इनके समान :

३। लम्बायाँ के गुणनफल के भीगने में इनके समान :  
 ३। लम्बायाँ के गुणनफल के भीगने में इनके समान :  
 ३। लम्बायाँ के गुणनफल के भीगने में इनके समान :  
 ३। लम्बायाँ के गुणनफल के भीगने में इनके समान :













### इति च शर्मा

[illegible]

१. ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
 २. ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
 ३. ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
 ४. ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
 ५. ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
 ६. ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
 ७. ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
 ८. ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
 ९. ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
 १०. ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥





२ उदाहरण :- एक घात की लम्बाई २० गज और चौड़ाई ६० गज है तो उनके एक कोने से दूसरे कोने तक की दूरी बताओ ।

२० गज

६०

१०० गज

६०

$$दल^2 = अर^2 + अल^2$$

$$\therefore दल = \sqrt{६०^2 + २०^2}$$

$$= \sqrt{३६०० + ४००}$$

$$= \sqrt{४०००}$$

$$\therefore दल = \sqrt{४००००}$$

$$= १०० गज उत्तर$$

३ उदाहरण :- एक वर्ग की एक भुजा ४५ गज और दूसरे वर्ग की भुजा ६६ गज है तो उन वर्ग की भुजा क्या होगी जिन का क्षेत्रफल पहले दोनों वर्गों के क्षेत्रफल के अन्तर के बराबर हो ?

हल :- दोनों वर्गों का क्षेत्रफल निकाल कर घटा देना चाहिए । यही अन्तर नया वर्ग का क्षेत्रफल होगा । इसलिए इस अन्तर का वर्गमूल लेने से वर्ग की भुजा निकल आएगी ।

पहले वर्ग का क्षेत्रफल =  $४५^2$  वर्ग गज

























नीचे लिखी बातें बड़ी आसानी से साबित हो सकती हैं—

$$\text{अरीब} \times \text{अरीब} = \text{बीघा}$$

$$\text{अरीब} \times \text{गट्टा} = \text{बिस्वा}$$

$$\text{गट्टा} \times \text{गट्टा} = \text{बिस्वांली}$$

$$\text{अरीब} \times \text{बिस्वांली} = \text{बिस्वांली}$$

$$\text{बिस्वांली} \times \text{गट्टा} = \text{कचवांली}$$

$$\text{बिस्वांली} \times \text{बिस्वांली} = \text{घनवांली}$$

$$\text{गट्टा} \times \text{बिस्वांली} = \text{कचवांली}$$

१ उदाहरण:—एक आयताकार खेत का क्षेत्रफल बताओ जो ८ अरीब  
७ गट्टा लम्बा तथा ३ अरीब १ गट्टा चौड़ा है।

$$= \text{अरीब} \times ३ \text{ अरीब} = २४ \text{ बीघा}$$

$$= \text{अरीब} \times १ \text{ गट्टा} = ४० \text{ बिस्वा}$$

$$३ \text{ अरीब} \times ७ \text{ गट्टा} = २१ \text{ बिस्वा}$$

$$७ \text{ गट्टा} \times १ \text{ गट्टा} = ३२ \text{ बिस्वांली}$$

∴ सब मिल कर = २७ बीघा २ बिस्वा १२ बिस्वांली उत्तर

२ उदाहरण:—एक आयताकार खेत ८ गट्टा लम्बा और १२ गट्टा चौड़ा है तो उसका क्षेत्रफल बताओ।

$$७ \text{ गट्टा} \times १२ \text{ गट्टा} = ३\frac{१}{२} \times ३\frac{१}{२} \text{ बीघा}$$

$$= १२\frac{१}{४} \text{ बीघा}$$

$$= ३\frac{१}{४} \text{ बिस्वा} = ४ \text{ बिस्वा } ४ \text{ बिस्वांली}$$

अभ्यासाय प्रश्न ( १२४ )

नीचे के आयताकार खेतों का क्षेत्रफल निकालो:—

( १ ) ३ अरीब लम्बा, २ अरीब चौड़ा

( २ ) १ अरीब १० गट्टा लम्बा, ११ गट्टा चौड़ा



- ( ३ ) २ जरीय १५ गट्टा लम्बा १ जरीय ५ गट्टा चौड़ा  
 ( ४ ) ४ जरीय १५ गट्टा लम्बा, २ जरीय ८ गट्टा चौड़ा  
 ( ५ ) ५ जरीय १० गट्टा लम्बा ४ जरीय ६ गट्टा चौड़ा  
 ( ६ ) ४ जरीय २ गट्टा लम्बा, १५ गट्टा चौड़ा  
 ( ७ ) ३ जरीय १८ गट्टा लम्बा, १ जरीय १३ गट्टा चौड़ा  
 ( ८ ) ६ जरीय ४ गट्टा लम्बा ३ जरीय १० गट्टा चौड़ा  
 ( ९ ) ७ जरीय १२ गट्टा लम्बा ४ जरीय १० गट्टा चौड़ा  
 ( १० ) ८ जरीय १७ गट्टा लम्बा, ५ जरीय १२ गट्टा चौड़ा  
 ( ११ ) ३ जरीय ४<sup>१</sup>/<sub>२</sub> गट्टा लम्बा, २ जरीय ६ गट्टा चौड़ा  
 ( १२ ) १ जरीय २<sup>१</sup>/<sub>२</sub> गट्टा लम्बा १६<sup>१</sup>/<sub>२</sub> गट्टा चौड़ा  
 ( १३ ) १७<sup>१</sup>/<sub>२</sub> गट्टा लम्बा, १० गट्टा चौड़ा  
 ( १४ ) १८ गट्टा लम्बा १७ गट्टा चौड़ा  
 ( १५ ) २५ गट्टा लम्बा २२ गट्टा चौड़ा  
 ( १६ ) २० गट्टा लम्बा, २१<sup>१</sup>/<sub>२</sub> गट्टा चौड़ा  
 ( १७ ) १२ जरीय ५<sup>१</sup>/<sub>२</sub> गट्टा लम्बा ७ जरीय ११<sup>१</sup>/<sub>२</sub> गट्टा चौड़ा  
 ( १८ ) १ जरीय २ गट्टा लम्बा १० गट्टा चौड़ा  
 ( १९ ) २ जरीय २ गट्टा लम्बा ७ गट्टा चौड़ा  
 ( २० ) ४ जरीय १ गट्टा लम्बा, २ जरीय १०<sup>१</sup>/<sub>२</sub> गट्टा चौड़ा  
 ( २१ ) ५ जरीय १ गट्टा लम्बा ३ जरीय ४<sup>१</sup>/<sub>२</sub> गट्टा चौड़ा  
 ( २२ ) ३ जरीय २ गट्टा लम्बा, २ जरीय ३ गट्टा चौड़ा  
 ( २३ ) ४ जरीय २ गट्टा लम्बा ३ जरीय ४ गट्टा चौड़ा  
 ( २४ ) ५ जरीय १<sup>१</sup>/<sub>२</sub> गट्टा लम्बा ३ जरीय २ गट्टा चौड़ा  
 ( २५ ) ६ जरीय ३ गट्टा लम्बा ४ जरीय १३<sup>१</sup>/<sub>२</sub> गट्टा चौड़ा  
 ( २६ ) ८ जरीय ४ गट्टा लम्बा २ जरीय ३<sup>१</sup>/<sub>२</sub> गट्टा चौड़ा  
 ( २७ ) १० जरीय ५ गट्टा लम्बा २ जरीय १० गट्टा चौड़ा  
 ( २८ ) १२ जरीय ६ गट्टा लम्बा २ जरीय १० गट्टा चौड़ा

- ( २६ ) ४ जरीब १२ कड़ी लम्बा, ४ जरीब २ कड़ी चौड़ा  
 ( २७ ) ७ जरीब १२ कड़ी लम्बा, २ जरीब ६२ कड़ी चौड़ा  
 ( २८ ) ४ जरीब २२½ कड़ी लम्बा, २ जरीब २० कड़ी चौड़ा  
 ( २९ ) ७ जरीब ४०½ कड़ी लम्बा, २ जरीब ६३½ कड़ी चौड़ा

कमरे की दीवारों का क्षेत्रफल, दीवारों में चटाई आदि लगाना

( १६० ) यह बात सब को मालूम है कि कमरे में चार दीवारें होती हैं । इनमें से दो दीवारें बड़ी होती हैं और दो छोटी । दोनों बड़ी दीवारें आपस में बराबर होती हैं और दोनों छोटी दीवारें भी आपस में बराबर होती हैं । यह भी स्पष्ट ही है कि प्रत्येक दीवार आयत है । इसलिये आयत के क्षेत्रफल निकालने के नियमों की सहायता से ही कमरे की दीवारों का क्षेत्रफल निकल सकता है ।

सब से पहले बड़ी दीवार को ले लिया । यह एक आयत है जिसकी लम्बाई कमरे की लम्बाई है और जिसकी चौड़ाई कमरे की ऊँचाई है ।

∴ इसका क्षेत्रफल = कमरे की लम्बाई × ऊँचाई

∴ दोनों बड़ी दीवारों का क्षेत्रफल = २ × (कमरे लम्बाई × ऊँचाई)

अब छोटी दीवारों को लिया और इसका भी उसी प्रकार से क्षेत्रफल निकाला ।

∴ दोनों छोटी दीवारों का क्षेत्रफल = २ × (कमरे की चौड़ाई × ऊँचाई)

∴ चारों दीवारों का क्षेत्रफल = २ × (कमरे की लम्बाई × ऊँचाई) +

२ × (कमरे की चौड़ाई × ऊँचाई)

= २ × (लम्बाई + चौड़ाई) × ऊँचाई ।

इस सूत्र की सहायता से चारों दीवारों का क्षेत्रफल ज्ञात हो गया । परन्तु यह भी स्मरण रखना चाहिये कि इस क्षेत्रफल में द्वारों और खिड़कियों आदि का क्षेत्रफल भी शामिल है । इस लिये अगर किसी घर में दरवाजें, तथा खिड़कियाँ आदि दी हुई हों तो इनका क्षेत्रफल निकाल

कर उस क्षेत्रफल में से घटा देना चाहिये । परन्तु त्रिन प्रश्नों में सिर्फि या दरवाजे आदि न हों, उन में इनका क्षेत्रफल नहीं घटाया जा सका यह भी नहीं भूलना चाहिये कि कमरे की लम्बाई और चौड़ाई के गुण कर देने से कमरे की भीतरी छत का क्षेत्रफल निकल आता है क्योंकि दरवा में भीतरी छत का क्षेत्रफल कमरे के छत के क्षेत्रफल बराबर है ।

१ उदाहरण:—एक कमरे की लम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई क्रमानुस २२, २० और १२ गज है तो चारों दीवारों का क्षेत्रफल बताओ ।

$$\begin{aligned}\text{चारों दीवारों का क्षेत्रफल} &= 2 \times (\text{लम्बाई} + \text{चौड़ाई}) \times \text{ऊँचाई} \\ &= 2 \times (22 + 20) \times 12 \text{ वर्ग गज} \\ &= 2 \times 42 \times 12 \text{ वर्ग गज} \\ &= 1008 \text{ वर्ग गज}\end{aligned}$$

२ उदाहरण:— एक लम्बाई २० गज लम्बी, १६ गज चौड़ी और ११ गज गहरी है । उसके भीतर की छोर पुताई करने में १ रु० प्रति वर्ग गज के हिसाब से क्या खर्च लगेगा ?

$$\begin{aligned}\text{उभरी लम्बी का क्षेत्रफल} &= 20 \times 16 \text{ वर्ग गज} \\ &= 320 \text{ वर्ग गज} \\ \text{दीवारों का क्षेत्रफल} &= 2 \times (20 + 16) \times 11 \\ &= 720 \text{ वर्ग गज}\end{aligned}$$

$$\begin{aligned}\therefore \text{पुताई कराने का क्षेत्रफल} &= 320 + 720 \text{ वर्ग गज} \\ &= 1040 \text{ वर्ग गज}\end{aligned}$$

$$\begin{aligned}\therefore \text{खर्च} &= 1040 \times 1 \text{ रु०} \\ &= 1040 \text{ रु० उत्तर}\end{aligned}$$

३ उदाहरण:—एक संदूक बाहर से ६ फीट लम्बा, ४ फीट चौड़ा और ४ फीट ऊँचा है । यह संदूक ६ इंच मोटे तख्तों से बना हुआ है तो बताओ उसमें कितना वर्ग फीट तख्ता लगा होगा ।

यह प्रश्न कई तरह से लग सकता है। पहले किसी एक ओर की लकड़ियों का क्षेत्रफल निकालना चाहिए और तब तख्ते की मुगई का दूना घटा कर दूसरी ओर के तख्तों का।

$$६ \times २ \text{ इंच} = १ \text{ फुट}$$

पहले सबसे ऊपर अर्थात् टहन और तली का क्षेत्रफल निकाल लिया।  
तली और टहन का क्षेत्रफल  $= ६ \times २ \times २$

$$= २० \text{ वर्ग फीट}$$

$$\text{संदूक के चारों ओर की भीतरी लम्बाई} = (६ - १) \times २ + २ \times २ \\ = २० \text{ फीट}$$

$$\text{और चारों ओर की ऊँचाई} = ४ - १ \text{ फीट} \\ = ३ \text{ फीट}$$

$$\therefore \text{चारों ओर का क्षेत्रफल} = २० \times ३ \text{ वर्ग फीट} \\ = ६० \text{ वर्ग फीट}$$

$$\therefore \text{कुल क्षेत्रफल} = ६० + ६० \text{ वर्ग फीट} \\ = १२० \text{ वर्ग फीट}$$

### अभ्यासाध्य प्रश्न (१२५)

( १ ) एक कमरे की लम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई क्रम से २०, १२ और १२ फीट है तो चारों दीवारों का क्षेत्रफल बताओ।

( २ ) एक खाई का लम्बाई चौड़ाई और गहराई क्रम से ३०, २२ और १० फीट है तो खाई का दावारों का क्षेत्रफल निकालो।

( ३ ) एक खाई की लम्बाई, चौड़ाई और गहराई क्रम से १८, १४, और ६ फीट है। उसके भीतर की ओर पुताई करने में ६ घा० प्रति गज की दर से क्या खर्च पड़ेगा ?

( ४ ) एक कमरा २० फीट लम्बा १८ फीट चौड़ा और १६ फीट ऊँचा





घोर बनी हुई है। मैदान की लम्बाई २०० श्रोत है और सड़क का लंबाई १ पैस प्रति वर्ग श्रोत है। अगर सड़क बूनी चौड़ी होती तो उसमें ८१ पौण्ड और अधिक खर्च होता तो मैदान की चौड़ाई बताओ।

✓ (१०) एक कमरा ५ गज लम्बा है। उसमें क्रश कराने की लागत ८० रु० और कागज मढ़वाने की लागत १४ रु० ८ आना है। यदि कमरे की चौड़ाई १ गज कम होती और ऊँचाई आधा गज अधिक, तो क्रश कराने की लागत पहले से २० रु० कम परन्तु कागज मढ़वाने की लागत वही रहती, तो कमरे की चौड़ाई और ऊँचाई बताओ।

### घनफल

(११८) जिनमें लम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई हो उन्हें घन या पिंड कहते हैं। इनके उदाहरण संदूक, घर का कमरा आदि हैं। घन के उपरी भाग को पृष्ठ या धरातल या तल कहते हैं। अगर कोई संदूक है तो उसमें ६ पृष्ठ होंगे और हर पृष्ठ का हर एक कोण सम कोण होगा। ऐसे घनों को जिनके हर पृष्ठ के हर एक कोण समकोण हों आयताकार घन कहते हैं और अगर लम्बाई चौड़ाई और ऊँचाई मध्येक आपस में बराबर हों तो उसे सम घन कहने हैं। पिंडों के नापने की इकाई भी कोई पिंड हो होना चाहिए और तब किसी पिंड के घनफल से यह मतलब होगा कि इसमें पिंड की इकाई कितनी बार शामिल है। पिंडों के नापने की इकाई वह पिंड या घन है जिसकी हर एक भुजा इकाई के समान होती है चाहे ये इकाईयाँ इंच, फुट, गज या और कोई वस्तु हो।

अगर कोई वस्तु एक गज लम्बी, एक गज चौड़ी और एक गज ऊँची हो और उसके हर एक पृष्ठ का हर एक कोण समकोण हो तो उसे घन गज कहेंगे और उससे जिनकी जगह धिरी हुई है वह घन फल कहलाती है। पिंडों के नापने की यह इकाई कहला सकती है। पिंडों के नापने की इकाई समघन है। परन्तु वर्ग गज और गज वर्ग की भाँति घन गज और



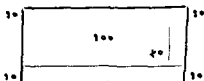




में होंगी। खोई १० गज चौड़ी और २ गज गहरी होगी। तो बचाओर सुदवाने में २४० घन गज के हिमाव से क्या प्रचर्च होगा ?

$$\begin{aligned}\text{खोई की खम्बाई} &= 2 \times 100 + (20 + 10 + 10) \times 2 \text{ गज} \\ &= 340 \text{ गज}\end{aligned}$$

साफ जाहिर है कि १० का दूना या तो खम्बाई में या चौड़ाई जोड़ना चाहिए।



$$\begin{aligned}\therefore \text{खोई का घनफल} &= 340 \times 10 \times 2 \text{ घनगज} \\ &= 13600 \text{ घन गज}\end{aligned}$$

१ घनगज में २४०

$$\begin{aligned}\therefore 13600 \text{ घन गज में } &13600 \times 240 \\ &= 3264000 \text{ रु० उत्तर}\end{aligned}$$

४ उदाहरण : - एक संदूक की बाहरी खम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई क्रम से २ फीट ४ फीट और ३ फीट है। संदूक एक ऐसे तले बना हुआ है जो ३ इंच मोटा है। अगर १ घनफुट लकड़ों का दाम १ रु० ८ आ० हो तो बचाओर उस संदूक में जगी हुई लकड़ी का दाम क्या होगा।

संदूक का ऊपरी परिमाण मानून है, इसलिए लकड़ों की मोटाई के हिसाब से हर एक परिमाण में घटाने से संदूक का भीतरी परिमाण मानून लिया गया।

संदूक की

संदूक की

और संदूक

फीट

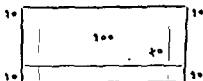
फीट

१ फीट

में होंगी। सोई १० गज चौकी और २ गज गहरी होगी। तो बनायो रूप सुदवाने में २ ८० घन गज के हिमाश से क्या व्यर्थ होगा ?

$$\begin{aligned}\text{सोई की सम्पाई} &= 2 \times 100 + (20 + 10 + 10) \times 2 \text{ गज} \\ &= 240 \text{ गज}\end{aligned}$$

साफ जाहिर है कि १० का दूना या तो सम्पाई में या चौलाई में जोड़ना चाहिए।



$$\begin{aligned}\therefore \text{सोई का घनफल} &= 240 \times 10 \times 2 \text{ घनगज} \\ &= 10000 \text{ घन गज}\end{aligned}$$

१ घनगज में २ ८०

$$\begin{aligned}\therefore 10000 \text{ घन गज में } &10000 \times 280 \\ &= 2800000 \text{ द० उत्तर}\end{aligned}$$

४ उदाहरण : - एक संदूक की बाहरी सम्पाई, चौलाई की ऊँचाई क्रम से २ जूट ४ जूट और १ जूट है। संदूक एक ठेके तकले बनाव दिया है जो १ इंच मोटा है। अगर १ घनफुट लकड़ों का दाम १ ९ ८ भा० हो तो बनायो उक्त संदूक में खरी हुई लकड़ी का दाम क्या होगा ?

संदूक का ऊपरी परिमाण मान्य है इसलिये लकड़ों की मोटाई के हिसाब से एक परिमाण में घटाने से संदूक का भीतरी परिमाण मान्य हो जायगा।

$$\text{संदूक की भीतरी सम्पाई} = 2 - \frac{1}{4} = 1\frac{3}{4} \text{ जूट}$$

$$\text{संदूक की भीतरी चौलाई} = 4 - \frac{1}{4} = 3\frac{3}{4} \text{ जूट}$$

$$\text{और संदूक की भीतरी ऊँचाई} = 1 - \frac{1}{4} = \frac{3}{4} \text{ जूट}$$

कितनी इँटे खगेंगी यदि गारे की जुकाई में उस दीवार का  $\frac{1}{2}$  भाग ठेका हो जाता है ?

( १४ ) एक संदूक में जो बाहर से १ फुट लम्बी, ४ फुट चौड़ी और ३ फुट ऊँची है और जो १ इंच मोटे लकड़े से बनाई गई है, कितने घन फुट लकड़ी खगी है ?

( १५ ) एक दीवार २० गज लम्बी २ $\frac{1}{2}$  फुट चौड़ी और १२ फुट ऊँची है उसके घनमान में १ इंच लम्बी, १ इंच चौड़ी और १ इंच मोटी कितनी इँटे खगेंगी जब कि दीवार में १ फीट ऊँचा और ३ फीट चौड़ा एक दरवाजा है ।

( १६ ) ११ फीट लम्बे और ७ फीट चौड़े कमरे की ऊँचाई बताओ जब कि कमरे में ११६३ घन फीट ८९४ घन इंच हवा समाती है ।

( १७ ) २ गज लम्बे और १ $\frac{1}{2}$  चौड़े होज की गहराई बताओ जब कि इस होज में उतना ही पानी आता है कितना कि ४ गज लम्बे १ गज चौड़े और १ फीट ३ इंच गहरे होज में आता है ।

( १८ ) यदि एक घन फुट पत्थर की तौल १६९ सेर है तो ४ फीट लम्बे, ३ फीट १ इंच चौड़े और १ फीट मोटे पत्थर की तौल बताओ ।

( १९ ) एक होज १६ फीट लम्बा, १२ फीट चौड़ा और २ फीट गहरा है, एक नल जो प्रति मिनट में ३० घन फीट पानी डालता है इसे कितनी देर में भर सकेगा ?

( २० ) एक, १० फीट १ इंच लम्बे और २ फीट ३ इंच चौड़े, रौंठ में पानी भरा है । पानी १ $\frac{1}{2}$  इंच नीचा करने के लिए कितना घन फुट पानी निकासना पड़ेगा ?

( २१ ) यदि एक आदमी के लिए १० घन फीट हवा की आवश्यकता पड़ती है तो बताओ उस कमरे में जिसकी लम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई क्रम से २५, १८ और २२ फीट है कितने मनुष्य रह सकते हैं ?

झिनी हूँ जगेंगी यदि गारे की लुगई में कम दीवार का १ भाग पैदा जाता है ?

( १४ ) एक संयुक्त में जो बाहर से १ फुट लम्बी, १ फुट चौड़ी १ १ फुट ऊंची है और जो १ इंच मोटे लकने से बनाई गई है, जिसे बन सकने लगी है ?

( १५ ) एक दीवार २० गज लम्बी २ १/२ फुट चौड़ी और १२ फुट है है उसके बनवाने में ३ इंच लम्बी, १ इंच चौड़ी और ३ इंच मोटी जि हूँ जगेंगी अब कि दीवार में १ फीट ऊंचा और ३ फीट चौड़ा दरवाजा है ।

( १६ ) ११ फीट लम्बी और ७ फीट चौड़े कमरे की ऊँचाई बन जब कि कमरे में १११२ बन फीट ८९४ बन इंच हुआ समझी है ।

( १७ ) २ गज लम्बी और १ १/२ चौड़े होठ की गहराई बनाओ जः हम होठ में डबना ही पानी आता है जिनका कि ४ गज लम्बी १ गज चौ और १ फीट ३ इंच गहरे होठ में आता है ।

( १८ ) यदि एक बन फुट पत्थर की लोख १९९ से है ४ फीट लम्बी, १ फीट १ इंच चौड़े और १ फीट मोटे पत्थर की न बनाओ ।

( १९ ) एक होठ १९ फीट लम्बा, १२ फीट चौड़ा और २ १/२ गहरा है, एक नख जो प्रति मिनट में ३० बन फीट पानी काटता है ३ जिनी देर में पानी लेंगा ?

( २० ) एक, १० फीट १ इंच लम्बी और २ फीट ३ इंच चौड़ी, में पानी भरा है । पानी १ १/२ इंच नीचा लम्बी के जिद् जिना बन फुट पानी दिखावना रहेगा ?

( २१ ) यदि एक आदमी के जिद् १० बन फीट पानी की लम्बाई पानी है तो बनाओ हम कमरे में जिम्बा लम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई से १२, १८ और २२ फीट है जिसे समुदाय रह सके है ?

कितनी हूँटें खोंगी यदि गारे की लुहाई में उस दीवार का  $\frac{1}{2}$  भाग तैयार हो जाता है ?

( १४ ) एक संदूक में जो बाहर से १ फुट लम्बी, ४ फुट चौड़ी और ३ फुट ऊँची है और जो १ इंच मोटे लकड़ों से बनाई गई है, कितने घन फुट लकड़ों खोंगी है ?

( १५ ) एक दीवार २० गज लम्बी २ $\frac{1}{2}$  फुट चौड़ी और १२ फुट ऊँची है उसके बनवाने में ३ इंच लम्बी, १ इंच चौड़ी और ३ इंच मोटी कितनी हूँटें खोंगी जब कि दीवार में १ फीट ऊँचा और ३ फीट चौड़ा दरवाजा है ।

( १६ ) ११ फीट लम्बे और ७ फीट चौड़े कमरे की ऊँचाई बताओ जब कि कमरे में ११३१ घन फीट ८९४ घन इंच हवा समाती है ।

( १७ ) २ गज लम्बे और १ $\frac{1}{2}$  चौड़े होज की गहराई बताओ जब कि इस होज में उतना ही पानी आता है जितना कि ४ गज लम्बे १ गज चौड़े और १ फीट ३ इंच गहरे होज में आता है ।

( १८ ) यदि एक घन फुट पर्यर की तौल ११६ सेर है तो ४ फीट लम्बे, ३ फीट १ इंच चौड़े और १ फीट मोटे पर्यर की तौल बताओ ।

( १९ ) एक होज ११ फीट लम्बा, १२ फीट चौड़ा और २ फीट गहरा है, एक नल जो प्रति मिनट में ३० घन फीट पानी बाकता है उसे कितनी देर में भर सकेगा ?

( २० ) एक, १० फीट १ इंच लम्बे और २ फीट ३ इंच चौड़े, होज में पानी भरा है । पानी १ $\frac{1}{2}$  इंच नीचा करने के लिए कितना घन फुट पानी निकालना पड़ेगा ?

( २१ ) यदि एक आदमी के लिए १० घन फीट हवा की आवश्यकता पड़ती है तो बताओ उस कमरे में जिसकी लम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई क्रम से २२, १८ और २२ फीट है कितने मनुष्य रह सकते हैं ?



निकलेगी २ फुट ६ इंच ऊँचा करना चाहता है। यदि खाई की गहराई जगह बराबर हो तो खाई की गहराई बताओ।

( १० ) एक आयताकार गड १८० गज लम्बा और ११० गज चौड़ा है। उसके चारों ओर एक खाई खुदवानी है जिसकी दीवारें जगह जगह रहेंगी। खाई की चौड़ाई २४ फीट और गहराई १८ फीट होगी तो खाई खुदाई का खर्च ८ आने प्रति घन गज की दर से क्या होगा ?

( ११ ) एक होज ६० फीट लम्बा और ४० फीट चौड़ा है जो पत्ती डालने की नाली से ६ दिन में भर जाता है। परन्तु यदि उसमें १००० घन फीट पानी डाल दिया जाए तो बाकी होज ३ दिन १८ घंटे में नाली से भर जाता है तो होज की गहराई बताओ।

( १२ ) एक कमरा बाहर से ३० फीट लम्बा २० फीट चौड़ा और १८ फीट ऊँचा है। उस की दीवारें २ फीट चौड़ी हैं। कमरे में २ दरवाजा, प्रत्येक ८ फीट ऊँचा और ४ फीट चौड़ा और ३ खिड़कियाँ ६ फीट ऊँची और ११ चौड़ी हैं तो ( १ ) दिवार बनाने का खर्च ६ ६० १० आ० प्रतिघन फीट की दर से और ( २ ) उन दीवारों में लगाने वाली ईंटों की संख्या जब कि प्रत्येक ईंट ६ इंच लम्बी, ६ इंच चौड़ी और ४ इंच मोटी हो बताओ।

( १३ ) एक होज १ इंच मोटे तख्ते का बना हुआ है और बाहर की ओर २१ फीट लम्बा, ७ फीट ८ इंच चौड़ा और ११ फीट १ इंच गहराई तो बताओ उस में कितने घन पानी आएगा ? ( एक घनफीट पानी = १००० गैलन )

( १४ ) एक सन्दूक की बाहरी लम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई क्रमशः ४ फीट, २ फीट और ११ इंच है और यह सन्दूक १ इंच मोटे तख्ते से बनाया गया है तो बताओ उस सन्दूक में कितने घन इंच लकड़ी लगी है और ३ आ० प्रति वर्ग फुट के हिसाब से सन्दूक के रँगने में क्या खर्च पड़ेगा ? ( सन्दूक बन्दनदार है )





वैसे ही किया करो जैसा समानुपात में किया जाता है अर्थात् प्रत्येक में दो सप्तमियों को लेकर देख लो कि इस में कौन प्रथम राशि के स्थान पर लिखा जायगा और कौन दूसरी राशि के स्थान पर। इसके बाद दूसरी और तीसरी राशियों के स्थान के अंकों के गुणनफल में पहली राशि के स्थान के अंका का भाग दे दो तो उत्तर था जायगा। यह नियम नीचे के उदाहरणों द्वारा स्पष्ट हो जायगा।

१ उदाहरण — ५ आदमी १५ दिन में ३० रु० कमाते हैं तो ८ आदमी १० दिन में कितना कमायेंगे ?

$$\begin{array}{rcl} ५ \text{ आदमी} & = & ५ \text{ आदमी} \\ १५ \text{ दिन} & १० \text{ दिन} & १ \end{array} \quad \begin{array}{l} ) \\ \\ \end{array} \quad \begin{array}{l} ३० \text{ रु०} \\ \cdot \text{ उत्तर} \end{array}$$

$$\text{उत्तर } ५ \times १५ = ७५ \quad ३० \quad १०$$

$$\begin{array}{rcl} \text{उत्तर } ८ & = & १० \quad ३० \text{ रु०} \\ & ५ & १५ \end{array}$$

$$= ३२ \text{ रु०}$$

इस प्रश्न में पहले उत्तर चौथी राशि के स्थान पर रख दिया जो उत्तर रु० में आयेगा इस लिये तीसरी राशि के स्थान पर उसी का रु० तीस ३० रु० रख दिया। अब ५ आदमी और ८ आदमी जो और भी अपने मन में माचा कि यदि ५ आदमी ३० रु० कमाते हैं तो ८ आदमी कितना कमायेंगे अगर जाना हो अथवा मैं समय एक ही हो। माचने में पता चला कि उत्तर तीसरी राशि ३० रु० में अधिक होय। इस लिये ८ की दूसरी राशि ५ तीस लिखा और ५ को पाँच राशि ५ तीस इसका अर्थ १० दिन और १० दिन जो। मैं माचा कि अगर १० दिन में ३० रु० कमाने हैं तो इस दिन में कितना कमायेंगे अगर जाना हो अथवा मैं समझता हूँ मन्थना के समान इसका अर्थ १० रु० में कम आयेगा इसका अर्थ १० रु० में कम आयेगा अर्थात् १० रु० का रु०











४२०) खेजदार ३ घंटा प्रति दिन काम करके ३० गज खम्बो, १४ गज चौं और १२ गज गहरी खोदें किन्ने दिनों में खोदेंगे ?

( ३८ ) एक रेख गाड़ी जितने समय में ११ मीख जाती है, उतने सन में दूसरी रेख गाड़ी ८ मीख जाती है, यदि दूसरी गाड़ी १० दिन में १०८० मीख जाए तो पहली गाड़ी १२ दिन में कितनी दूर जायगी ?

( ३९ ) ८ मर्द और ६ खड्के १२ एकड़ धान २ दिन में काटते हैं तो १० मर्द ४ खड्के १२ दिन में कितने एकड़ धान काटेंगे ? अब नि यह ज्ञात है कि २ खड्कों का काम १ मर्द के काम के बराबर है ।

( ४० ) यदि ४ मर्द और १० खड्के एक काम को ८ दिन में ३० दिन ३ घंटे काम करके पूरा करें तो ३ मर्द और ६ खड्के उसमें दूने कम को प्रति दिन ८ घंटे काम करके कितने समय में पूरा करेंगे ? १ एक मर्द का काम एक खड्के से दूना होता है ।

( ४१ ) यदि २१० मजदूर प्रति दिन १० घंटे काम करके ० दिन में एक महर १ मीख खम्बी ६ फीट चौड़ी और २ फीट गहरी खोदें तो प्रति दिन ० घंटे काम करके कितने दिनों में ३२ मजदूर एक महर ११० फीट खम्बी ० फीट चौड़ी और २ फीट गहरी खोदेंगे ?

( ४२ ) एक खने के खेज को २० मर्द या २४ खड्के ८ घंटे प्रति दिन काम करके २२ दिन में काटते हैं तो १६ मर्द और २० खड्के उसमें दूने खेज को प्रति दिन ६ घंटे काम करके कितने दिनों में काटेंगे ?

( ४३ ) यदि गीम के ८ खेम्बों में जो प्रति दिन ४ घंटे उड़ते हैं, ६ दिन में १० द० बगले हैं तो १२ द० में १६ तक दिन कितने खेम्ब उड़ेंगे प्रति दिन ३ घंटे उड़ाये जा सकेंगे ?

( ४४ ) एक काम को ४४ मर्द या २४ खड्के १० घंटे प्रति दिन आराम करके २२ दिन में पूरा करने हैं तो बचापसे १६ मर्द और २४ खड्के मिल कर उस काम के १/३ को ० घंटे प्रति दिन काम करके कितने दिनों में पूरा करेंगे ?





औरत और ३२० खड़के मिल कर कितने दिनों में ४ घंटे प्रति दिन काम करके १६ मीछ ले जाएँगे ?

( २१ ) एक विद्यार्थी ४ घंटे में २० पृष्ठ लिखता है, जब कि अन्य पृष्ठ में ५० पंक्तियाँ होती हैं। तो बनाओ उसे ४० पृष्ठ लिखने में बिना समय खोएगा, जब प्रत्येक पृष्ठ में २५ पंक्तियाँ हों ?

( २२ ) ३५ मर्द एक दीवार को, जो ७०० फीट लम्बी, २ फीट गेटी और ७ फीट ऊँची है, १८ घंटा प्रतिदिन काम करके १५ दिन में बनाते हैं तो ४६ मनुष्य और ४६ स्त्रियाँ मिलकर १००० फीट लम्बी, १½ फीट गेटी और ७ फीट ऊँची दीवार को प्रतिदिन कितने घंटे काम करके ४९½ दिन में पूरा करेंगे ? जब कि यह ज्ञात है कि ५ मर्दों के काम ७ स्त्रियों के काम के बराबर है।

( २३ ) २ मनुष्य या ३ औरत या ४ खड़के प्रतिदिन २० घंटे काम करके २१ दिन में ५ पेड़ काटते हैं तो बनाओ २१ मनुष्य ३९ औरत और ६० खड़के मिलकर १२५० पेड़ों को प्रतिदिन कितने घंटे काम करके ७० दिनों में काटेंगे ?

( २४ ) १ मर्द या २ औरत या ३ खड़के २ घंटे में ५०० गैलन पानी खींचते हैं तो बनाओ १८५५०० गैलन पानी २० मर्द ३० औरत और ४५ खड़के मिलकर कितने घंटे में खींचेंगे ?

( २५ ) ९ घोड़े और २५ बैल के खिलाने का खर्च २० दिन में २००० है तो बनाओ ८ घोड़े और ३५ बैलों के १० दिन खिलाने में क्या खर्च होगा ? यह मान्य है कि २ घोड़े इतनी ही पाम खाते हैं जितनी १० बैल।

( २६ ) एक शहाद पर ३० मनुष्य थे। उनके लिए १० दिनों के भोजन का सामान, २० औरत प्रति मनुष्य प्रति दिन के दिवाण में, औरत या ३३ दिन घोड़े इत्यादि के कारण शहाद को १ मरतब तक इस शहाद का धराना पड़ा और इसके घोड़े ५ पादमी मर गये तो शहाद के प्रचार बँटि जाय कि सामान बचता दिनों के लिए पूरा हो जाय ?





धा : कुछ दिन के बाद ४०० सिपाही और आ गये और सब गुराक १०  
और प्रति अनुष्य प्रति दिन दो जाने लगे और गुराक कुछ १० दिनों तक  
पल्लो गो बताओ किजने दिनों के बाद और सिपाही आये थे ?

( ७० ) एक दिने में १२०० सिपाही घिरे हुए थे। उनके लिए १० दिन के खाने का सामान, २० घंटाक प्रति मनुष्य प्रति दिन के हिसाब से उपस्थित था। कुछ दिनों के बाद १००० सिपाही और आ गये और अब कुल १४ घंटाक प्रति मनुष्य प्रति दिन हो जाने लगी और सुनाक कुछ १२ दिनों तक खजी तो बताओ किउने दिनों के बाद और सिपाही आये थे ?

( ७१ ) एक समझनाकार बुद्ध के भीतर के द्रष्टृक विचारों की उन्माद क्या होती जिस में ३३,०१६? पाँच पानी आता हो; जब कि एक घन-कुट्ट पानी की मात्रा ७०० आती होती है ?

( ३१ ) एक विद्ये में १२०० मनुष्य विद्ये में हैं। उनके विषय १० दिनों के खाने का सामान, १० और प्रति मनुष्य प्रति दिन के हिस्सा के, उपस्थित था। १० दिनों के बाद कुछ मनुष्य और था मने और गुलाब पड़ने की धंधला धांधी कर ही गई और सामान कुछ १० दिनों में समाप्त हो गया तो बचाओ सोचें किनसे मनुष्य और था मने थे ?

[illegible]

१. यह सच है कि जिस देश में हमारे लोग रहते हैं, वह एक बहुत बड़ा देश है।  
 २. हमारे देश में बहुत सारे लोग रहते हैं, जो हमारे साथ मिलकर काम करते हैं।  
 ३. हमारे देश में बहुत सारे लोग रहते हैं, जो हमारे साथ मिलकर काम करते हैं।  
 ४. हमारे देश में बहुत सारे लोग रहते हैं, जो हमारे साथ मिलकर काम करते हैं।

( ७१ ) ८ मनुष्य या १२ खदके १२ बीघे धान ६ घंटे प्रति दिन काम करके १० दिनों में काटते हैं तो बताओ कितने खदके ८ मनुष्यों साथ काम करके १० बीघे खेत के धान ६ घंटे प्रति दिन काम कर ४ दिन में काट लेंगे ?

( ७२ ) एक चोर चोरी करके भागा । घर से निकलते समय दल ने उसे पकड़ लिया और उससे चोरी के ६० रु० का १ और १ अधिक बंध घोड़ दिया । फिर उसे सठरी ने फाटक पर पकड़ा और जो कुछ उसके पास था उसका १ और १ ६० अधिक लेकर घोड़ दिया । आगे बढ़ने पर उसे कोतवाल ने पकड़ा और जो कुछ उसके पास था उसका १ और १ ६० अधिक लेकर घोड़ दिया । आगे बढ़ने पर फिर चौक पर दूसरे सिपाई ने पकड़ा और जो कुछ उसके पास था उसका १ और १० अधिक बंध घोड़ दिया और अन्त में शहर के बाहरी फाटक के कोतवाल ने पकड़ा और उसके पास के रुपये का १ और ८ अधिक लेकर घोड़ दिया एवं प्रकार उसका कुछ रुपया समाप्त हो गया तो बताओ उसने कुछ बिना रुपये चोरी की थी ?

( ७३ ) १ मनुष्य पूरे दिन काम करके एक काम को ४६ दिन में पूरा कर सकते हैं । लेकिन उन में से एक मनुष्य दूसरे काम के कारण सिर्फ आधे समय काम करता है और दूसरा सिर्फ तिहाई समय और तीसरा सिर्फ चौथाई समय, तो बताओ काम कितने दिनों में पूरा होगा ?

( ७४ ) यदि १२ मनुष्य एक पुरता, जो १२० गज लम्बा है, ८ घंटे प्रति दिन काम करके १२ दिन में बना सकते हैं तो १२० गज लम्बे पुरते को कितने मनुष्य ६ घंटे प्रति दिन काम कर के २४ दिन में बना लेंगे ? जब कि अन्त के तीन दिनों में २० मनुष्य और बढ़ा लिये जावें ।

( ७५ ) १० घंटे प्रति दिन काम करके एक पुरता, जो ८० गज लम्बा है, १५ आदमी १ दिन में बनाते हैं तो ६० गज लम्बे पुरते बनाने के

लिये ८ घंटे प्रति दिन करने वाले कितने मजदूर लगाने चाहिये कि काम १३ दिन में समाप्त हो जाए ? जब कि अन्त के दो दिनों में ६ मनुष्य और बना दिये जाएंगे ।

( ८० ) २० मनुष्य एक पुरता जो, ७५ गज लम्बा है १२ घंटे प्रति दिन काम कर के, ६ दिन में बना सकते हैं । उसी प्रकार के एक दूसरे पुरते में जो ६० गज लम्बा है ६ घंटे प्रति दिन काम करनेवाले ६ मनुष्य लगाये गये । दो दिन के बाद कुछ और आदमी लगाये गये और काम कुल ६ दिनों में पूरा हो गया तो बताओ पीछे और कितने मनुष्य लगाये गये थे ?

( ८१ ) १२ राज एक भीत को, जो २५ फीट लम्बी, ३ फीट मोटी और ८ फीट ऊँची है, ८ घंटे प्रति दिन काम करके ६ दिन में बनाते हैं तो बताओ ६ घंटे प्रति दिन काम करने वाले कितने आदमी लगाये जाय कि ३० फीट लम्बी, ३ १/२ फीट मोटी और १० फीट ऊँची भीत ६ दिन में तैयार हो जाये ? जब कि पीछे के तीन दिनों में ११ आदमी काम नहीं करते हैं ।

( ८२ ) ४ पौण्ड चाय और ८ पौण्ड चीनी का दाम १३ शिल्लिङ्ग है ? यदि चाय का दाम २५ प्रति सैकड़ा बढ़ जाय और चीनी का दाम १५ प्रति सैकड़ा घट जाए तो उन का दाम ५६ पेंस बढ़ जाता है तो एक पौण्ड चाय और एक पौण्ड चीनी का मूल्य बताओ ।

( ८३ ) १० आदमी एक खाई, जो १५ फीट लम्बी, १० फीट चौड़ी और ५ फीट गहरी है, १४ घंटा प्रति दिन खारान करके १५ दिन में खोदने हैं तो १६ फीट लम्बी, ८ फीट चौड़ी और ४ फीट गहरी खाई खोदने के लिये ८ घंटे प्रति दिन काम करने वाले कितने आदमी लगाये जायें कि काम १० दिन में अन्त हो जाये । यह भी मालूम है कि अन्त के दो दिन में ६ मजदूर काम नहीं करेंगे ?

( ८४ ) ३ पौण्ड चाय और २ पौण्ड चीनी का मूल्य ७ शिल्लिङ्ग है ।





## प्रश्नोत्तर

( १० ) एक ठीकेदार के पास दो तरह के आदमी हैं। पहले के प्रत्येक के एक सप्ताह की मजदूरी ३२ सि० ४ पैसे और दूसरे के प्रत्येक के एक सप्ताह की मजदूरी २१ सि० ४ पैसे हैं। दोनों के काम में ४ : ३ का समान्य है। यदि वह अपना काम पहली तरह के आदमी से कराता है तो काम दूसरी तरह के आदमी जितने समय में करते हैं उससे ३ सप्ताह पहले हो जाता है और खर्च १०२ पाँच अधिक पड़ता है तो बताओ दोनों तरह के बराबर बराबर आदमी रखने से कुल कितना खर्च होगा ?

( ११ ) एक किसान के पास दो प्रकार के मजदूर हैं। पहले प्रकार के प्रत्येक के प्रति दिन की मजदूरी ६ आ० ८ पा० और दूसरे प्रकार के प्रत्येक के प्रति दिन की मजदूरी ७ आ० ४ पा० हैं। दोनों के कामों में ७ : ६ का समान्य है। पहले प्रकार के मजदूर से काम कराने में दूसरे प्रकार के मजदूर से काम कराने के समय की अपेक्षा ३ दिन कम लगता है किन्तु खर्च ८० रु० अधिक होता है। तो दोनों प्रकार के बराबर बराबर मजदूर रखने से क्या खर्च होगा ?

( १२ ) ११ नम्बर के प्रश्न में यह भी बताओ दोनों प्रकार के कितने कितने मनुष्य रखेंगे ?

( १३ ) एक ठीकेदार के पास दो तरह के कुली हैं। पहले प्रकार के प्रत्येक की मजदूरी प्रति सप्ताह २८ सि० २ पैसे और दूसरे प्रकार के प्रत्येक की मजदूरी प्रति सप्ताह २२ सि० १ पैसे हैं। दोनों के कामों में ४ : ३ का समान्य है। पहले प्रकार के कुली से काम करवाने में दूसरे प्रकार के कुली से काम करवाने के समय का अपेक्षा २ सप्ताह की बचत है किन्तु खर्च २४० पाँच अधिक होता है तो बताओ दोनों प्रकार के बराबर बराबर कुल रखने से क्या खर्च होगा ?



∴ १ घादनी और १ लड़का १ दिन में  $\frac{9 \times 1}{9 \times 12}$  या  $\frac{1}{12}$  काम कर सकते हैं।

∴ १ घादनी और १ लड़का उसे १२ दिन में कर सकते हैं।

१ उदाहरण:—= मनुष्य और ६ लड़के २० एकड़ १ दिन में और ६ मनुष्य = लड़के २४ एकड़ ४ दिन में काट सकते हैं तो बताओ १ मनुष्य और तीन लड़के ३० एकड़ को कितने दिन में काटेंगे ?

= मनुष्य और ६ लड़के १ दिन में  $\frac{1}{4}$  एकड़ काट सकते हैं और ६ मनुष्य और = लड़के १ दिन में ६ एकड़ काट सकते हैं

= मनुष्य और ६ लड़के १ दिन में  $\frac{1}{4}$  एकड़ काटते हैं }  
और ६ मनुष्य और = लड़के १ दिन में ६ एकड़ काट सकते हैं }

इन दोनों को जोड़ने से

∴ १४ मनुष्य और १४ लड़के  $\frac{3}{4}$  एकड़ एक दिन में काट सकते हैं

∴ १ मनुष्य और १ लड़का  $\frac{3}{4 \times 14}$  एकड़ " " "

∴ ३ मनुष्य और ३ लड़के  $\frac{3 \times 3}{3 \times 14}$  एकड़ " " "

या  $\frac{1}{14}$  एकड़ " " "

३ = एकड़  $\frac{3}{14}$  दिन या १४ दिन में काट सकते हैं

१४ दिन उत्तर

अभ्यासाय प्रश्न : १२८ )

१. यदि ३ गाय और ३ भैंस का मूल्य २०० रु. और ३ गाय तथा ३ भैंस का मूल्य २०० रु. हो तो एक गाय का मूल्य बताओ।

( २ ) यदि १ बैल और ४ गाय का मूल्य ४४० रु० और ७ बैल तथा १ गाय का मूल्य ४६३ रु० हो तो एक गाय का मूल्य बताओ ।

( ३ ) यदि ७ मन चावल और १ मन सरसों का मूल्य १२१ रु० । आ० तथा ६ मन चावल और ७ मन सरसों का मूल्य ११८ रु० ० आ० हो तो एक मन चावल और १ मन सरसों का मूल्य अलग २ बताओ ।

( ४ ) ३ मनुष्य और ४ लड़के एक खेत को २ दिन में तथा १ मनुष्य और १ लड़के उसी खेत के  $\frac{1}{3}$  को २ दिन में काट सकते हैं तो एक १ मनुष्य और १ लड़का मिल कर उस खेत को कितने दिनों में काट सकेंगे ?

( ५ ) १ मनुष्य और ८ स्त्रियों मिल कर एक काम के  $\frac{1}{3}$  को २ दिन में और ३ मनुष्य और ६ स्त्रियों मिल कर उसी काम के  $\frac{1}{3}$  को ३ दिन में पूरा कर सकते हैं तो बताओ १ मनुष्य और १ स्त्री अलग अलग उस काम को कितने दिनों में पूरा करेंगे ?

( ६ ) ४ मनुष्य और १ लड़के ११ बीघा २ दिन में, तथा ७ मनुष्य और १ लड़के १३ बीघा ४ दिन में काट सकते हैं तो ३ मनुष्य और १ लड़के मिल कर १४ बीघा कितने दिनों में काटेंगे ?

( ७ ) २ मनुष्य और ३ लड़के मिल कर एक काम को  $2\frac{1}{2}$  दिन में और ३ मनुष्य तथा २ लड़के मिल कर उसी काम को  $2\frac{1}{3}$  दिन में कर सकते हैं तो एक मनुष्य और १ लड़का मिल कर उस काम को कितने दिनों में समाप्त करेंगे ?

( ८ ) यदि ४ मनुष्य और १ लड़कों की ४ दिन की मजदूरी ११ रुपया तथा ७ मनुष्य और १ लड़कों की २ दिन की मजदूरी २८ रु० ८ आना हो तो २ मनुष्य और २ लड़के कितने दिनों में ८१ रु० पावेंगे ?

( ९ ) एक वर्षन, जिसमें १७२ डोल पानी आता है दो नलों से भर जाता है । यदि पहिला नल ४ घंटे और दूसरा नल ३ घंटे खुला रहता है तो वर्षन में ८६ डोल पानी भर जाता है और जब पहिला नल १ घंटे

। और दूसरा नख ४ घंटे तक खुला रहता है तो वर्तन में २६ होत  
का जाता है तो दोनों नखों से कितने घंटे में वर्तन आधा भर जाएगा

### श्रुत नियम

( १३४ ) श्रुत नियम समस्त समानुपात या ऐच्छिक नियम  
विलुप्त प्रयोग हो है। श्रुत नियम को निम्न अनुपात, परिवर्तन (बदल  
भी कह सकते हैं। इनकी और भी कई तरह से परिभाषायें दी जा सक  
हैं। वैरागिक से भी इसका धर्म समन्ध है। इसमें कई राशियाँ  
हुई रहती हैं और दो दो से समन्ध भी दिया रहता है। अथ इस में या  
निरालना पड़ता है कि पहली राशि और अन्तिम राशि में क्या समन्ध  
है। इससे यह पता चल जाता है कि पहली राशि की एक दो हुई संख्या  
अन्तिम राशि की द्विगु संख्या के समान है। जिन लोगों ने वैरागिक  
भली भाँति समझ लिया है, उन्हें ऐसे प्रश्नों के लगाने में किसी प्रकार की  
कठिनाई नहीं हो सकती जैसा कि नीचे के उदाहरणों से स्पष्ट हो जाएगा।

१ उदाहरण: - यदि ४ भेड़ का मूल्य ५ चकरी के बराबर, १० चकरी  
का मूल्य ३ गाय के बराबर, ६ गाय का मूल्य ४ बैल के बराबर और ६  
बैल का मूल्य ३ घोड़े के बराबर है तो २ घोड़े का मूल्य कितनी भेड़ के  
मूल्य के बराबर है ?

$$\left. \begin{array}{l} ४ \text{ भेड़} = ५ \text{ चकरी} \\ १० \text{ चकरी} = ३ \text{ गाय} \\ ६ \text{ गाय} = ४ \text{ बैल} \\ ६ \text{ बैल} = ३ \text{ घोड़े} \\ ३ \text{ घोड़ा} = ६ \text{ बैल} \end{array} \right\}$$

$$\therefore \begin{array}{l} १ \text{ घोड़ा} = \frac{१}{२} \text{ बैल} \\ ४ \text{ बैल} = ६ \text{ गाय} \\ १ \text{ बैल} = \frac{३}{२} \text{ गाय} \end{array}$$

$$\therefore \frac{1}{4} \text{ पैल} = \frac{1 \times 1}{1 \times 4} \text{ गाय}$$

$$1 \text{ गाय} = 10 \text{ बकरी}$$

$$\therefore 1 \text{ गाय} = \frac{1}{10} \text{ बकरी}$$

$$\therefore \frac{1 \times 1}{1 \times 4} \text{ गाय} = \frac{1 \times 1 \times 10}{1 \times 4 \times 1} \text{ बकरी}$$

$$1 \text{ बकरी} = 4 \text{ भेड़}$$

$$\therefore 1 \text{ बकरी} = \frac{1}{4} \text{ भेड़}$$

$$\therefore \frac{1 \times 1 \times 10}{1 \times 4 \times 1} \text{ बकरी} = \frac{1 \times 1 \times 10 \times 4}{1 \times 4 \times 1 \times 1} \text{ भेड़}$$

$$\therefore 1 \text{ घोड़ा} = \frac{1 \times 1 \times 10 \times 4}{1 \times 4 \times 1 \times 1} \text{ भेड़}$$

$$\therefore 2 \text{ घोड़ा} = \frac{2 \times 1 \times 1 \times 10 \times 4}{1 \times 4 \times 1 \times 1} \text{ भेड़}$$

$$= 10 \text{ भेड़ उत्तर}$$

ऊपर की क्रिया को ध्यान पूर्वक देखने से पता चलता है, पहले तो रश्मियों को पहले और दूसरे दो भागों में बाँटना चाहिए जैसा कि ऊपर किया गया है। एक भाग को बाईं ओर रखना चाहिए और दूसरे को दाहिनी ओर। अब बाईं ओर की सब संख्याओं को परस्पर गुणा करके, इस संज्ञक गुणनफल से, दाहिनी ओर की सब संख्याओं के संज्ञक गुणनफल में भाग देना चाहिए। इस प्रकार बाईं ओर की प्रथम संख्या का और दाहिनी ओर की अन्तिम संख्या का संबंध मालूम हो जायगा और इसमें बाईं ओर की प्रथम संख्या की हकाई का मान, दाहिनी ओर की अन्तिम संख्या के पदों में निकलेगा। अगर बाईं ओर की सब संख्याओं के संज्ञक गुणनफल में, दाहिनी ओर की सब संख्याओं के संज्ञक गुणनफल से भाग दें तो भी एक संबंध निकल आया परन्तु ऐसा करने से दाहिनी ओर की अन्तिम संख्या की

इच्छाई का नान, बाईं ओर की प्रथम संख्या के पदों में आवेगा। पहले ही देख लेना चाहिए कि किस का भाग देने से आसान होनी। शक्ति राशि की इच्छाई का नान निम्नलिखित ही आसान होता है।

२ उदाहरण :— ६ घोड़ों का नोज १६ गायों के नोज के समान, १२ गायों का नोज १० बैलों के नोज के समान, २० बैलों का नोज १२ ऊँटों के नोज के समान, १ ऊँट का नोज २४ भेड़ों के नोज के समान और ६ भेड़ों का नोज २० रु० तो १२ घोड़ों का नोज क्या होगा और १ घोड़े की कितनी भेड़ों के समान होंगे?

$$६ \text{ घोड़ा} = १६ \text{ गाय}$$

$$१२ \text{ गाय} = १० \text{ बैल}$$

$$२० \text{ बैल} = १२ \text{ ऊँट}$$

$$१ \text{ ऊँट} = २४ \text{ भेड़}$$

ऊपर के नियम के अनुसार

$$१ \text{ घोड़ा} = \frac{१६ \times १० \times १२ \times २४}{६ \times १२ \times २० \times १} \text{ भेड़}$$

$$\therefore ६ \text{ घोड़ा} = \frac{६ \times १६ \times १० \times १२ \times २४}{६ \times १२ \times २० \times १} \\ = २२४ \text{ भेड़ें}$$

$$\therefore १२ \text{ घोड़ा} = \frac{१२ \times २२४}{१} \text{ भेड़ें}$$

$$\text{और एक भेड़ का नोज} = \frac{२०}{१} \text{ रु०}$$

$$१२ \text{ घोड़े का दान} = \frac{१२ \times २२४}{१} \text{ भेड़ों का दान} \\ = १२ \times २२४ \times \frac{२०}{१} \\ = २६८८०$$

## अभ्यासार्थ प्रश्न ( १२९ )

( १ ) यदि १२ गाय ११ घोड़े के बराबर, १२ घोड़े २ मोटर के बराबर और ११ मोटर ८ हाथी के बराबर हैं तो ४ हाथी का मूल्य कितनी गाय के मूल्य के बराबर होगा ?

( २ ) यदि ७ मेर चाय का मूल्य ४ सेर कद्दू के मूल्य के बराबर, ४ सेर कद्दू का मूल्य २ मेर चीनी के मूल्य के बराबर और १२ मेर चीनी का मूल्य २० मेर चाटे के मूल्य के बराबर हो तो २२ सेर चाटे का मूल्य कितने सेर चाय के मूल्य के बराबर है ?

( ३ ) यदि ४ मछान का मूल्य ६ पेड़ के बराबर, २ पेड़ का मूल्य १२० बकरी के मूल्य के बराबर, १२ बकरी का मूल्य २ गाय के बराबर, १० गाय का मूल्य २ भैंस के बराबर और २ भैंस का मूल्य ८ बैट के मूल्य के बराबर है तो १० बैट का मूल्य कितने मछान के मूल्य के बराबर होगा ?

( ४ ) यदि १२ घोड़ों का मूल्य ७ भैंस के मूल्य के बराबर, ११ भैंस का मूल्य ११ गाय के मूल्य के बराबर, १४ गाय का मूल्य ६६ बकरी के मूल्य के बराबर और १२ बकरी का मूल्य ११ भेड़ के मूल्य के बराबर हो तो १२ भेड़ का मूल्य कितने घोड़े के मूल्य के बराबर होगा ?

( ५ ) यदि ८ घोड़े = ६ भैंस, ११ भैंस = १६ गाय, ४ गाय = ११ बकरी और १८ बकरी = २२ भेड़ तो २२ भेड़ के मूल्य में कितने घोड़े कटेंगे या बचेंगे ?

( ६ ) यदि २० कीचो बराबर हैं १२ घमरु के, ४ घमरु बराबर हैं ४ घाम के और १२ घाम बराबर हैं २६० मुरारी के मूल्य के तो ११ कीचो, ४ घमरु, १० घाम और २० मुरारी का मूल्य कितना होगा यदि मुरारी की दर ४० कि० प्रति सेर है ?

१. २६० मुरारी में १०० सेर हैं। वेचों का सम्बन्ध इस प्रकार है कि

२६० मुरारी १०० घाम के हैं जो १६ घमरु के, ४ घमरु के तो २० कीचो के हैं।



नारियल के, २ पेड़ ताड़ के तो ११ पेड़ आम के और ७ पेड़ निम्ब के तो २ पेड़ ताड़ के हैं तो हर तरह के पेड़ों की संख्या बताओ ।

( ८ ) १६ अनुप्य उतने कान को कर सकते हैं जितने को २२ छियाँ; और २ छियाँ उतने कान को कर सकती हैं जितने को ८ लडके । एक कान को १२५ लडकों ने निज कर पूरा किया तो बताओ उसी कान को कितने अनुप्य कर सकते हैं ?

( ९ ) यदि ७२ रु० = ७ पौण्ड, २ पौण्ड = ६३ फ्लोरिन और १४ फ्लोरिन = २ डालर के होता है तो ७० डालर में कितने रुपये मिलेंगे ?

( १० ) क ७ दिन में उतना कान कर सकता है जितना ख ६ दिन में, ख ८ दिन में उतना कान कर सकता है जितना ग ७ दिन में और ग ६ दिन में उतना कान कर सकता है जितना घ १० दिन में; तो कितने दिनों में करेंगे ?

( ११ ) जितने समय में क एक कान का १ करता है ख उतने समय १ करता है और ख जितने समय में १ करता है ग उतने समय में १ करता है और ग जितने समय में १ करता है घ उतने समय में १ करता है यदि घ उस कान को १२ दिन में कर सकता है तो ख निज कर कितने दिनों में कर सकेगा ?

### समानुपाती भागों में विभाग

७५ । किसी दी हुई संख्या या राशि को समानुपाती भागों में विभाजित करना है यह आशय होता है कि उनको देने भागों में समानुपाती हो । जैसे ३० रु० को देने भागों में ५ रु० का ५ भाग हो स्पष्ट है कि इनका उत्तर २० रु०, ५ रु०, ५ रु०



# अनुपात

$$\therefore \frac{अ}{ब} \times \frac{ब}{स} = \frac{अ}{स} = \frac{3}{4} \times \frac{4}{2} = \frac{3}{1}$$

$$\text{और } \frac{अ}{ब} \times \frac{ब}{स} \times \frac{स}{द} = \frac{अ}{द} = \frac{3}{4} \times \frac{4}{2} \times \frac{2}{1} = 3$$

$$\therefore अ : ब : स : द = 3 : 4 : 2 : 1$$

$$\therefore 3 + 4 + 2 + 1 = 10$$

$$120 \div 10 = 12$$

$$\therefore 10 \times 3 = 30 \text{ रु० अ का भाग}$$

$$\therefore 10 \times 4 = 40 \text{ रु० ब का भाग}$$

$$\text{और } 10 \times 2 = 20 \text{ रु० स का भाग}$$

$$\text{और } 10 \times 1 = 10 \text{ रु० द का भाग}$$

( ४ ) 120 गैलन मिश्रित वस्तु में शराब और पानी में 3:4 का संबंध है तो बताओ उसमें कितना और पानी मिलाया जाय कि शराब और पानी में 2:1 का संबंध हो जाय

$$2 + 1 = 3$$

$$\therefore \text{शराब} = \frac{1 \frac{2}{3}}{3} \times 2 = 0.2 \text{ गैलन}$$

$$\text{और पानी} = \frac{1 \frac{2}{3}}{3} \times 1 = 1.0 \text{ गैलन}$$

इस प्रश्न से साफ जाहिर है कि उसमें केवल पानी ही बढ़ाया जाता है  
इसलिए शराब की मात्रा वही रहती है

$$2 : 1 :: 0.2 \text{ गैलन} : \text{उत्तर}$$

$$\therefore 2 \times \text{उत्तर} = 0.2 \times 1 \text{ गैलन}$$

$$\therefore \text{उत्तर} = \frac{0.2}{2} = 0.1 \text{ गैलन}$$

$$1.0 - 0.1 = 0.9 \text{ गैलन पानी और मिलाना चाहिए}$$

( ५ ) एक पीपे में 10 गैलन शराब और पानी मिला हुआ भाग है।  
उमें शराब और पानी का अनुपात 3 : 1 है। तो बताओ पीपे में से कितनी

मिश्रित वस्तु निकाल कर उतना ही पानी भरा जाय कि उस पीपे में शराब और आधा पानी हो जाय ।

$$३ + २ = ५$$

उस पीपे में शराब =  $\frac{१}{५} \times ३ = ३$  गैलन

और पानी =  $\frac{१}{५} \times २ = १२$  गैलन

पीपे में आधी शराब रह जानी चाहिए अर्थात् उसमें  $३ + ३$  या ६ गैलन ही शराब रहनी चाहिए ।

∴  $३ - ३ = ०$  गैलन शराब निकाल लेना चाहिए ।

परन्तु ३ गैलन शराब निकालने में २ गैलन पानी भी निकल जाय इस लिए  $३ + २$  या ५ गैलन मिश्रित वस्तु निकालना चाहिए ।

### अभ्यासार्थ प्रश्न ( १३० )

( १ ) ३० रु० को ऐसे दो भागों में विभाजित करो कि ५५ रु० का बूना हो ।

( २ ) ९० को ऐसे तीन भागों में बाँटो कि उन के भाग १, २, ३ के समानुपाती हों ।

( ३ ) १०० रु० को अ, ब और स में इस प्रकार बाँटो कि ब के का बूना और स को अ तथा ब के भागों के योग के समान मिले ।

( ४ ) ८१ को ऐसे तीन भागों में बाँटो कि उनके भाग १, २, ३ के समानुपाती हों ।

( ५ ) ११ रु० १२ आने को ऐसे चार भागों में बाँटो जो  $\frac{१}{२}, \frac{१}{३}, \frac{१}{४}$  और  $\frac{१}{५}$  के समानुपाती हों ।

( ६ ) २४ पाँच ११ शि० ४ पैसे को दो ऐसे भागों में विभज्ये जिनमें दूसरा पहले का  $\frac{१}{२}$  हो ।

( ७ ) ४५ रु० को ऐसे ५ भागों में विभक्त करो कि उनके भाग  $\frac{१}{२}, \frac{१}{३}, \frac{१}{४}, \frac{१}{५}$  और  $\frac{१}{६}$  के समानुपाती हों ।



( ३३ ) ४८ को दो सम भागों में विभक्त करो कि पहले का हिस्सा और दूसरे का योगना मिला कर १०३ हो ।

( ३४ ) ४१ को दो सम भागों में बाँटो कि पहले का  $\frac{1}{2}$  और दूसरे का  $\frac{1}{3}$  मिला कर १० हो ।

( ३५ ) क, ख म कुल बड़ा और ग से ४ वर्ष बड़ा है । तीनों की आयु का योगफल ६६ वर्ष है तो प्रत्येक की आयु बताओ ।

( ३६ ) इस समय क ख और ग की आयु का योगफल ३८ वर्ष है ४ वर्ष पहले तीनों का आयु का सम्बन्ध  $४ : ६ : १$  था, तो इस समय तीनों की आयु पृथक् पृथक् क्या है ?

( ३७ ) जब कि २ $\frac{1}{2}$  तोखे सोने के दाम १८ रु० ६ पा० १ धा० थे तो एक तोखे चांदी के दाम क्या होना चाहिये, जब उसकी और सोने के कीमत में  $१ : १२\frac{1}{2}$  का अनुपात है ?

( ३८ ) एक मनुष्य के पास ५ पीछ १० शि० की पूँजी है, जिसमें साखरेन, अर्द्ध काउन और शि० के सिक्के  $२ : ३ : ११$  के अनुपात में हैं, प्रत्येक की संख्या बताओ ।

( ३९ ) १०० पौ० को १५ पुरुष, २० स्त्री और ३० बालकों में इस प्रकार बाँटो कि एक पुरुष और एक बालक का भाग मिला कर दो स्त्रियों के भाग के समान हो और सब स्त्रियों को कुल ६० पीछ मिले ।

( ४० ) एक कारखान में काम करने वाले पुरुष, स्त्री और बच्चों के मज्दूरी दर  $१ : २ : ३$  के सम्बन्ध में हैं, और एक पुरुष, एक स्त्री, और १ लड़के का मजदूरी दर  $६ : ३ : २$  के सम्बन्ध में है । जब कारखाने में कुल २० पुरुष हैं और मासिक मजदूरी ४५० रु० है तो बताओ १ पुरुष १ स्त्री और १ लड़के का मजदूरी पृथक् पृथक् क्या है ?

( ४१ ) एक मनुष्य ने अपनी सम्पत्ति का  $\frac{1}{2}$  खपने पुत्र के लिये और  $\frac{1}{3}$  खपने लाल मिला  $४०$  रु० का नाम ३  $२ : १$  के अनुपात में बाँट कर दिया । अब उसने अपनी लक्ष्मी में से ५०० रु० खर्च

दिये और पाकी को व और स में ४ : १ के अनुपात से बाँटे दिया। अगर स का हिस्सा ६५०० रु० हो तो बताओ व और स को कितना मिला ?

( ४२ ) २०० को दो भागों में विभाजित करो कि पहले का दूना, दूसरे के तिगुने के बराबर हो।

( ४३ ) कुछ रुपये क, स और ग में बाँटे गये; क को स से तिगुना और स को ग से दूना मिला। यदि क ने ग से २० रु० अधिक पाये तो बताओ कुल कितने रुपये बाँटे गये ?

( ४४ ) ६० गैलन निहित वस्तु में शराब और पानी में ३ : २ का सम्बन्ध है तो बताओ उसमें कितना पानी मिलाया जाय कि शराब और पानी में ४ : ३ का सम्बन्ध हो जाय ?

( ४५ ) एक वर्तन में ४० सेर दूध और पानी मिला हुआ भरा है जिसमें दूध और पानी का अनुपात ३ : २ है तो बताओ वर्तन में से कितने सेर निहित वस्तु निकाल कर उतना ही पानी भरा जाय कि वर्तन में आधा दूध और आधा पानी हो जाय।

( ४६ ) एक वर्तन में २४ सेर दूध भरा हुआ है। पहले उसमें से ४ सेर दूध निकाल लिया और वर्तन को पानी से भर दिया, अब उस निहित वस्तु में से ४ सेर निकाल कर फिर पानी से भर दिया, यह क्रिया तीन बार की गई तो बताओ अन्त में दूध और पानी में क्या सम्बन्ध रहेगा ?

( ४७ ) एक वर्तन में कुछ दूध रखा है। पहले उसमें से २ सेर दूध निकाल कर फिर २ सेर पानी घोड़ दिया गया। फिर २ सेर निहित वस्तु निकाल कर उसमें २ सेर पानी भर दिया गया। अब उसमें दूध और पानी में १६६ : २६ का सम्बन्ध है। तो बताओ पहले उस वर्तन में कितना दूध था ?

### दन्तुरा या कमीशन

( ४८ ) दन्तुरा या कमीशन वह धन है जो मध्यस्थ व्यक्ति को वस्तु का माल खन की लागत पर प्रति सैकड़ा दिया जाय

स्थक, प्रामिसरी नोट या कम्पनी के कागजों के बँचवाने वाले मध्यम को प्रायः दलाल कहते हैं और उनकी दस्तूरी 'दलाली' कहलाती है।

बीमा कराई उस दस्तूरी को कहते हैं जो किसी कम्पनी को निम्न विशेष दशा में वस्तुओं के सुरक्षित रखने तथा हानि की दशा में उसे रोकने की प्रतिज्ञा के लिए दी जाय। इससे स्पष्ट है कि कमीशन, दस्तूरी, दलाली और बीमा कराई आदि सब प्रति सैकड़ा के हिसाब से दिया जाता है।

पालिसी एक प्रतिज्ञा पत्र है। बीमा कराई को प्रीमियम भी कहते हैं।

१ उदाहरण :—एक दलाल के द्वारा एक मकान ३२०० रु० में खरीदा। तो बताओ दलाल को कितना मिला। दलाली प्रति सैकड़ा २ रु० है।

$$१०० रु० : ३२०० रु० :: २ : उत्तर$$

$$\therefore १०० \times \text{उत्तर} = ३२०० \times २ रु०$$

$$\text{उत्तर} = \frac{३२०० \times २}{१००} रु०$$

$$= ६४ रु०$$

२ उदाहरण — ३ रु० प्रति सैकड़ा बीमा कराई की दर है तो यदि एक मनुष्य को १००० रु० की बीमा कराई में कितना वार्षिक प्रीमियम देना पड़ेगा।

$$१०० रु० में प्रीमियम = ३ रु०$$

$$\therefore १ रु० " " = \frac{३}{१००} रु०$$

$$१००० रु० " " = \frac{१००० \times ३ रु०}{१००}$$

$$= ३० रु०$$

अभ्यासार्थ प्रश्न ( १३१ )

( १ ) एक दलाल ने ३२५२ रु० का समान बेचा, तो उसे २ प्रति सैकड़ा की दर से दलाली में कितने रुपये मिलेंगे ?



( २ ) ६१२ पौण्ड १० शि० ४ पेंस पर ४ शिल्लिङ्ग प्रति सैकड़ा की दर से दजाली क्या होगी ?

( ३ ) यदि किसी दजाल की १½ पौण्ड प्रति सैकड़ा की दर से किसी मकान के खेंचने के लिए १६ पौण्ड ६ शि० ८ पेंस दजाली मिली हो तो मकान का मूल्य बताओ ।

( ४ ) एक दजाल ने ४ रु० ८ आने प्रति घेरे की दर से ४२५ घेरे पारख मोल लिये । उने प्रति सैकड़ा २½ रु० की दर से कमीशन मिलता तो बताओ खरीदने वाले को कुछ कितने रुपये खर्च पड़े ?

( ५ ) एक जहाज के माल के असली मूल्य के ¼ का बीमा कराया गया । यदि प्रीमियम १½ रु० प्रति सैकड़ा की दर से २३ रु० १२ आ० ६½ पाई लगा तो जहाज की असली कीमत बताओ ।

( ६ ) एक ली पौण्ड के बीमा कराने में २१ शि० प्रीमियम, १ शि० ६ पेंस प्रतिशत पत्र कर ( स्टाम्प ) और १० शि० दजाल के कमीशन देना पड़ता है । यदि २५२५ पौण्ड का बीमा कराया जाय तो कुछ कितना खर्च पड़ेगा ?

( ७ ) १५३८ पौण्ड कीमत के माल का बीमा ३½ पौण्ड प्रति सैकड़ा प्रीमियम की दर से कितने का कराया जाए कि यदि माल किसी कारण से नष्ट हो जाए तब भी उस माल का मूल्य और बीमा कराई दोनों वसूल हो जाएँ ?

( ८ ) १५५६ पौण्ड के माल का बीमा कितने का कराया जाए कि माल नष्ट होने पर माल और बीमा कराई दोनों वसूल हो सकें ? जब कि प्रति सैकड़ा प्रीमियम २७ शि० ३ पेंस, स्टाम्प १ शि० ६ पेंस और दजाली १० शि० ६ पेंस है ।

( ९ ) १५५६ रु० का माल का बीमा कितने रुपये का कराया जाए कि माल नष्ट होने पर भी माल और बीमा का खर्च वसूल हो सके । बीमा



पानु हाथी का दान = २२०० रु०

∴ बैल और गाय का दान = २४०० - २२००  
= २०० रु०

∴ घोड़ा का दान = ३०० - २००  
= १०० रु० उत्तर

### अभ्यासार्थ प्रश्न ( १३२ )

निम्न लिखित संख्याओं की औसत निकालो :—

( १ ) २, ६, ७, ८, ४

( २ ) ११, १२, १६, १३, २३

( ३ ) २८, २४, १६, १३, ६

( ४ ) ८, ११, १३, ६, १०

( ५ ) ३२, ३२, १४, १३, ३६, ६

( ६ )  $2\frac{1}{2}$ ,  $3\frac{1}{2}$ ,  $2\frac{1}{2}$ ,  $2\frac{1}{2}$

( ७ )  $11\frac{1}{2}$ ,  $2\frac{1}{2}$ ,  $3\frac{1}{2}$ ,  $1\frac{1}{2}$ ,  $1\frac{1}{2}$

( ८ ) पांच बैलों का मूल्य क्रम से ३२, ४२, ८१, ३२ और २४ रु० हैं तो उनके मूल्य की औसत निम्नलिखित है।

( ९ ) ४ बच्चों की उपस्थिति क्रम से २०, २४, २१ और २३ दिन हैं तो उनकी उपस्थिति की औसत बताओ।

( १० ) एक नमुन्य ने अपनी पाँच गायों को क्रम से २०, २२, ४३, ४२ और ७२ रु० में बेची तो प्रत्येक गाय का औसत मूल्य क्या हुआ ?

( ११ ) एक बटई ने ४ कुर्तों पाँच पाँच रुपय में, ६ कुर्तों चार रुपय में और दो कुर्तों २ रु० में बेचे तो प्रत्येक कुर्ता का औसत मूल्य बताओ।

१० । चार बैल और ३ गायों के मूल्य का औसत ७८ रु० है

गायों के मूल्य की औसत ४५ रु० है तो बैलों के मूल्य की औसत बताओ ।

( १३ ) चार मनुष्यों के रुपये की औसत १४५ रु० है । समस्त पाँच मनुष्य के पास ४२५ रु० है तो छठे लोगों के रुपये की औसत बताओ ।

( १४ ) ८ घोड़े, १० बैल, ० गाय और ५ भैंस के मूल्य का औसत ५५ रु० है । घोड़ों के मूल्य की औसत ८५ रु०, बैलों के मूल्य की औसत ६५ रु० और गायों के मूल्य की औसत २५ रु० है तो भैंस के मूल्य की औसत बताओ ।

( १५ ) ६ मनुष्यों की आय की औसत २० रु० है । समस्त ७ मनुष्यों की आय कुल से ११ और ३५ रु० है, तो छठे चार मनुष्यों की आय की औसत बताओ ।

( १६ ) ० चार घरों की लीज की औसत १ मन १५ से है । यदि ३ छोटे घरों की लीज की औसत ० मन है तो छठे तीन छोटे घरों की लीज की औसत बताओ ।

( १७ ) एक गायगायिका से १५ अड़क है । उनको आय की औसत १० रु० है, यदि चार अड़क और आठ अड़क जिनकी आय की औसत ० रु० है तो छठे एक गायगायिका के अड़क की आय की औसत बताओ ।

( १८ ) एक गाय, एक गेडा और एक बैल के समस्त की औसत १० रु० है और उन्हीं गाय, गेडा और बैल के समस्त की औसत १० रु० है । यदि गेडा की आय ० रु० है तो बैल की आय बताओ ।

( १९ ) एक गेडा, एक गाय और १ भैंस के मूल्य की औसत १० रु० है और उन्हीं गेडा, गाय और एक हाथी के मूल्य की औसत १० रु० है । यदि हाथी की मूल्य २३०५ रु० है तो गेडा की मूल्य बताओ ।

( २० ) किसी एक महीने की कुल २० मजदूरों की औसत मजदूरी १० रु० है और किसी दूसरे महीने की २० मजदूरों की औसत मजदूरी १० रु० है तो किसी एक महीने की औसत मजदूरी बताओ ।

इस प्रश्न का उत्तर १० दिना हुआ है, तो बताओ वे दो संख्याएँ कौन कौन सी हो सकती हैं ?

( २१ ) १० से लेकर २०० तक की संख्याओं की औसत बताओ ।

( २२ ) एक मेस में ४० आदमियों की रसोई बनती थी । उसमें १२ आदमियों के और बढ़ जाने पर मेस का खर्च प्रति मास ६८० बढ़ गया, परन्तु औसत खर्च प्रति आदमी १८० कम हो गया तो बताओ पहले मासिक खर्च क्या था ?

( २३ ) सम्मेलन की प्रथमा परीक्षा के १ परीक्षार्थियों ने कुछ नम्बरों का १, १ परीक्षार्थियों ने १, १ परीक्षार्थियों ने १, १ परीक्षार्थियों ने १, १ परीक्षार्थियों ने १, १ परीक्षार्थियों ने १, १ परीक्षार्थियों ने १ और शेष परीक्षार्थियों ने १ प्राप्त किया । कुछ परीक्षार्थियों के प्राप्त नम्बरों की औसत २६६ है तो बताओ कुछ नम्बर कितने हैं ?

( २४ ) राम ने पर साख ८० बीघे में गेहूं बोया था । इस वर्ष उसने २० बीघे अधिक गेहूं बोया और पर साख से कुछ ६० मन अधिक गेहूं पैदा हुआ । परन्तु गेहूं की औसत पैदावार पर साख से इस वर्ष प्रति बीघा १६ मन कम हो गई तो बताओ पर साख उसे कुछ कितने मन गेहूं पैदा हुआ था ?

### तत्कालधन और नितोकाटा

( १०८ ) मान लिया कि किसी आदमी ने कुछ धन उधार लिया और महाजन के ब्याज और नूजधन निवाकर कुछ नियत समय के बाद देने का वादा किया । अब किसी कारण से वह नियत समय के पहले ही रुपया कुछ देना चाहता है । ऐसी दशा में वह महाजन के कुछ रुपया नहीं देना बल्कि उतने समय का जितने समय पहले वह रुपया देना ब्याज काट लेगा । इन रुपये के जो नियत समय के पहले ब्याज काट कर दिया जाता है । वह काल धन और जितना ब्याज काट लिया जाता है उसे नितो काटा

कहते हैं और जितना धन के देने का वह पहले वादा करता है देय धन कहते हैं। अतएव देय धन में व्याज और मूल धन दोनों मिश्र रहने हैं।

इन परिभाषाओं से स्पष्ट है कि तत्कालधन = मूलधन

मितीकाटा = व्याज [ परन्तु यह भी

स्मरण रखना चाहिये कि व्याज और मिती काटा दो भिन्न २ धन के हैं, एक ही धन के नहीं।

और देयधन = तत्कालधन + मिती काटा

उपर के समीकरणों का प्रयोग व्यवहार के लिए दिया जा सकता है।

१ उदाहरण :— १ मैकदा व्याज की दर से ४ वर्ष के अन्त में देयधन ४८० रु० का तत्कालधन बनाना।

१ वर्ष में १ रु० व्याज है।

४ वर्ष में  $४ \times १ = ४$  रु०

मिश्रधन =  $१०० + ४ = १०४$  रु०

∴ १०४ रु० का तत्कालधन = १०० रु०

∴ १ रु० " " =  $\frac{१००}{१०४}$  रु०

∴ ४८० रु० " " =  $\frac{४८० \times १००}{१०४}$  रु०  
= ४६० रु०

∴ उत्तर = ४६० रु०

### अभ्यासाय प्रश्न ( १३३ )

तत्कालधन बनाना :—

( १ ) १ महीने के अन्त में देय ११० रु० = माने का, १ प्रति मैकदा व्याज की दर से।

( २ ) १ वर्ष के अन्त में देय १८१६ रु० का, ४ प्रति मैकदा व्याज की दर से।

# अङ्कगणित

(३) १½ वर्ष के अंत में देय १२२६ रु० ४ आने का, २½ सैकड़ा ब्याज की दर से।

(४) ३ वर्ष ६ नहीने के अंत में देय १६१६१ रु० २ आ० ४ प का ४ प्रति सैकड़ा ब्याज की दर से।

(५) २ वर्ष के अंत में देय ४२१२ रु० का, ३½ प्रति सैकड़ा ब्याज की दर से।

(६) २ नहीने के अंत में देय ३४३ पौ० ६ शिल्लिंग = पैसे का ४½ प्रति सैकड़ा ब्याज की दर से।

(७) ६ नहीने के अंत में देय ४१ = पौण्ड का, ६ प्रति सैकड़ा ब्याज की दर से।

(८) ४½ वर्ष के अंत में देय ४२३ पौण्ड १२ शिल्लिंग का, २ प्रति सैकड़ा ब्याज की दर से।

(९) २ वर्ष के अंत में देय २४ पौण्ड १० शिल्लिंग का, ४ प्रति सैकड़ा चक्र वृद्धि ब्याज की दर से।

(१०) २१ नहीने के अंत में देय ६२० पौ० १ = शिल्लिंग ४ पौ० का, ३½ प्रति सैकड़ा ब्याज की दर से।

(११) १६ नहीने के अंत में देय धन २२६१ रु० = आ० का, ४½ प्रति सैकड़ा ब्याज की दर से।

२ उदाहरण :— २ प्रति सैकड़ा ब्याज की दर से २ वर्ष के अंत में निधन १००० रु० का निती काटा बताओ।

$$\begin{aligned} 1 \text{ वर्ष में ब्याज} &= x \text{ रु०} \\ २ \text{ वर्ष में ब्याज} &= २ \times x \text{ रु०} \\ &= २२ \text{ रु०} \end{aligned}$$

$$\begin{aligned} १०० \text{ रु० का निधन} &= १०० + २२ = १२२ \text{ रु०} \\ १०२ \text{ रु० का निती काटा} &= २२ \text{ रु०} \end{aligned}$$

$$1.1 \quad " \quad " \quad " = \frac{22}{122} \text{ रु०}$$

$$\therefore 1000 \text{ रु०} \quad " \quad " = \frac{1000 \times 22}{122} \text{ रु०}$$

$$= 1800 \text{ रु०}$$

$$\therefore \text{उत्तर} = 1800 \text{ रु०}$$

### अभ्यासार्थ प्रश्न ( १३४ )

निम्नोक्तानि निहालाः—

( १ ) १½ प्रति मैकदा व्याज की दर से ८ महीने के चाल देय बन २०० रु० का ।

( २ ) ०½ प्रति मैकदा व्याज की दर से ०३ दिन के चाल में देय बन ०१० रु० का माना का ।

( ३ ) २ प्रति मैकदा व्याज की दर से ३ महीने के चाल में देय बन १३२० रु० का ।

( ४ ) १½ प्रति मैकदा व्याज की दर से २½ वर्ष के चाल में देय बन ४१६ रु० का ।

( ५ ) १½ प्रति मैकदा व्याज की दर से ८ महीने के चाल में देय ०१ सौबड १२ सिद्धि का ।

( ६ ) १ प्रति मैकदा व्याज की दर से १½ वर्ष के चाल में देय १२०८ रु० १२ पा० का ।

( ७ ) २ प्रति मैकदा व्याज की दर से ३ वर्ष के चाल में देय १३३ सौ० १२ सिद्धि का ।

( ८ ) २ प्रति मैकदा व्याज की दर से १२ महीने के चाल में देय १३२८ रु० २ पा० का ।



## अनुपात

( ६ ) २ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से १० वर्ष के अन्त में  
 ₹ १६ रु० १० आ० न पाई का ।

( १० )  $3\frac{1}{2}$  प्रति सैकड़ा व्याज की दर से १० वर्ष के अन्त में  
 देय धन ₹ २५३ पौण्ड २ शिल्लिंग ६ पेंस का ।

( ११ )  $2\frac{1}{2}$  प्रति सैकड़ा व्याज की दर से  $2\frac{1}{2}$  वर्ष के अन्त में  
 देय ₹ २२० पौण्ड १० शिल्लिंग ६ पेंस का ।

३ उदाहरण :—६ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से ₹ १० रु० का ₹ १०  
 रु० निती काया है तो समय निकालो ।

$$₹ १० रु० का निती काया = ₹ २१० रु०$$

$$\therefore \text{तत्काल धन} = ( ₹ १० - ₹ २१० ) रु०$$

$$= ₹ ७०० रु०$$

$$₹ ७०० रु० का व्याज = ₹ २१० रु०$$

$$\therefore ₹ १ रु० " " = ₹ \frac{२१०}{७००} रु०$$

$$\therefore ₹ १०० रु० " " = ₹ \frac{१०० \times २१०}{७००} रु०$$

$$= ₹ ३० रु०$$

$$₹ ३० रु० व्याज होता है = ३ वर्ष में$$

$$\therefore ₹ १ रु० " " = \frac{३}{१} वर्ष में$$

$$\therefore ₹ ३० रु० " " = \frac{३ \times ३०}{१} वर्ष में$$

$$= ९ वर्ष में$$

$$\text{उत्तर } ९ \text{ वर्ष ।}$$

## अभ्यासार्थ प्रश्न (१३५)

नीचे लिखे हुए प्रश्नों में समय बताओ जब कि :—

( १ )  $4\frac{1}{2}$  प्रति सैकड़ा की दर से ₹ ७२ रु० १२ आने का निती काया  
 ₹ १२ आना है ।

( २ ) ४ प्रति लैक्य की दर से ११२ रु० का मिनी आटा ११२ रु० है ।

( ३ ) ३½ प्रति लैक्य की दर से ३५० पी० १५ लि० ५ पें० का मिनी आटा १२ पी० १० लि० ५ पें० है ।

( ४ ) ४½ लैक्य की दर से २२५ पी० १ लि० ११ पें० का मिनी आटा ५ पी० १ लि० ११ पें० है ।

( ५ ) ४½ लैक्य की दर से ३०२ पी० ८ लि० का मिनी आटा १२ पी० ८ लि० है ।

( ६ ) २½ लैक्य की दर से ४०८ रु० ४ आ० ४ पाई का मिनी आटा ३३ रु० ४ आ० ४ पाई है ।

( ७ ) ४½ लैक्य की दर से ३०२ रु० ८ आ० ४ पाई का मिनी आटा ३० रु० ८ आ० ४ पाई है ।

( ८ ) ४½ लैक्य की दर से ४०८ पी० ८ लि० १½ पी० का मिनी आटा ४०८ पी० है ।

( ९ ) ४ लैक्य की दर से १५५५ पी० ५ लि० २½ पी० का मिनी आटा १५५५ पी० ५ लि० २½ पी० है ।

( १० ) ४ लैक्य की दर से ४०३ रु० १ आ० ५½ पाई का मिनी आटा १८० रु० १ आ० ५½ पाई है ।

( ११ ) ४ लैक्य की दर से ४०३ लैक्य ८ लि० ५ पें० का मिनी आटा ४०३ लैक्य है ।

४ लैक्य — ४ लैक्य की दर से ४०३ रु० का ४०३ रु० का मिनी आटा है जो मिनी की दर का है ।

४०३ रु० का मिनी आटा — ४०३ रु०

४०३ रु० ४०३ रु०

— ४०३ रु०

४०३ रु० का मिनी आटा — ४०३ रु०

$$\therefore 1 \text{ रु० } 11 \text{ " } = \frac{140}{100} \text{ रु०}$$

$$\therefore 100 \text{ रु० } 11 \text{ " } = \frac{100 \times 140}{100} \text{ रु०}$$

$$= 140 \text{ रु०}$$

$$\therefore \text{ दर } = \frac{1}{100} = 0 \text{ प्रति सैकड़ा}$$

### अभ्यासार्थ प्रश्न ( १३६ )

प्याज की दर बताकर ज्ञेय कि :—

( १ ) ३ वर्ष के अन्त में ४३६० रु० देय धन पर ३६० रु० निती काटा है ।

( २ ) ४ वर्ष के अन्त में ३२६ पौण्ड देय धन पर तत्काल धन ६७२ पौण्ड है ।

( ३ ) ४ वर्ष के अन्त में ३६० पौण्ड २ शिलिङ्ग २ पेंस देय धन पर निती काटा ७१ पौण्ड १२ शिलिङ्ग २ पेंस है ।

( ४ ) ३½ वर्ष के अन्त में ३८२ पौण्ड १२ शिलिङ्ग देय धन पर निती काटा ४८ पौण्ड ४ शिलिङ्ग है ।

( ५ ) ६½ वर्ष के अन्त में देय धन ११०४६ रु० १० आ० = पाई पर निती काटा ३०२४ रु० १० आ० = पाई है ।

( ६ ) ३ वर्ष के अन्त में ८३३ पौ० १२ शिलिङ्ग देय धन पर निती काटा १०८ पौण्ड १२ शिलिङ्ग है ।

( ७ ) ६ महीने के अन्त में देय धन ४१८ पौण्ड पर तत्काल धन ४०० पौण्ड है ।

( ८ ) २½ वर्ष के अन्त में देय धन २३८ पौण्ड १० शि० ७ ½ पें० पर तत्काल धन २०० पौण्ड १२ शि० ४ पेंस है ।

( ९ ) २ वर्ष के अन्त में १४६६२ रु० = आ० देय धन पर निती काटा २३६२ रु० = आ० है ।





व्यवहारिक वृद्धा = २ रु०

और हुंडी भुनाने वाले को २००-२ वा ४४२ रु० मिले।

✓ उदाहरण — एक हुंडी का असली मितिकाटा २० रु० है।  
बैंकर का लाभ २ रु० है तो कितने रु० की हुंडी थी ?

व्यवहारिक वृद्धा = बैंकर का लाभ + असली मितिकाटा

$$= २ + २०$$

$$= २२ रु०$$

असली मितिकाटे का व्याज = व्यवहारिक वृद्धा - असली मितिकाटा

$$= २२ - २०$$

$$= २ रु०$$

∴ २० रु० का व्याज = २ रु०

२ रु० व्याज पर मूलधन = २० रु०

∴ १ रु० " =  $\frac{१०}{१}$  रु०

∴ २२ रु० " =  $\frac{२२ \times २०}{२}$  रु०

$$= १०० रु०$$

३ उदाहरण :— २०० रु० की एक हुंडी १० मार्च को १ महीने की मुरत पर लिखी गई और २० वीं अप्रैल को ४  $\frac{१}{२}$  सैकड़े व्याज की शर्त से भुनाई गई। तो बैंकर का लाभ बताओ।

बैंकर का लाभ = व्यवहारिक वृद्धा - असली मितिकाटा

$$\text{व्यवहारिक वृद्धा} = \frac{४०० \times ४ \times १४६}{१०० \times २ \times ३६५} = २ रु०$$

$$\text{और असली मितिकाटा} = \frac{२}{१०६} \times \frac{२०० \times ३}{२} = \frac{४२००}{१०६} रु०$$

$$\text{बैंकर का लाभ} = २ - \frac{४२००}{१०६} = २१ रु०$$



जाये जिससे सौदागर अपने माहकों को १२ प्रति सैकड़ा इस्तूरी दे प्रति सैकड़ा के लाभ में रहे ।

( १० ) एक व्यापारी अपने मात्र को क्रय मूल्य से २० प्रति लाभ लेकर बेचता है और अपने माहकों को १० प्रति सैकड़ा इस्तूरी है तो उसे प्रति सैकड़ा क्या लाभ होता है ?

( ११ ) १००० रु० की एक हुयडी २४ मार्च को १ महीने की पर जित्नी गई और १७ अप्रेल को ४ प्रति सैकड़ा व्याज की १ भुनाई गई तो बताओ हुयडी बेचने वाले को क्या मित्रा और क व्यवहारिक बहा क्या हुआ ?

( १२ ) १०० रु० की एक हुयडी १ जनवरी को १ महीने की पर जित्नी गई और ११ मई को २½ सैकड़े व्याज की दर से भुनाई तो बेकर का लाभ बताओ । और यह भी बताओ कि भुनाने वाले कितना मित्रा ?

### अभ्यासार्थ प्रश्न ( १३८ )

( १ ) क्रय मूल्य से प्रति सैकड़ा कितने अधिक दाम में सौदा के जाये जिस से व्यापारी अपने माहकों को २ प्रति सैकड़ा कमीशन दे प्रति सैकड़ा लाभ में रहे ?

( २ ) यदि किसी पुस्तक की १ प्रतियों के बजार का मूल्य उसी पुस्तक की १० प्रतियों के नकद मूल्य के बराबर हो, तो डिस्कांट की प्रति सैकड़ा दर बताओ ।

( ३ ) यदि १ सैकड़े व्याज की दर से १०० रु० का माल ३४२ रु० के मित्राकाटा के बराबर हो तो बताओ, ३४२ रु० किस समय के अन्त में देय है ?

( ४ ) यदि ३½ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से ७०० रु० का माल ७१८ रु० के मित्राकाटे के बराबर है तो बताओ, ७१८ रु० किस समय के अन्त में देय है ?



## घटनान्तिक

(२) ४ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से किसी समय में किसी धन व्याज २६ रु० और ( उसी समय के लिए उसी व्याज दर से ) नितीन १२ रु० हैं तो वह धन और समय बताओ ।

(६) ६ $\frac{1}{2}$  प्रति सैकड़ा व्याज की दर से किसी समय में किसी धन व्याज ४८ पौण्ड और नितीन ४२ पौण्ड हैं तो वह धन और समय बताओ ।

(७) किसी पुस्तक की २० प्रतियों के उधार मूल्य उनकी २१ प्रतियों के नकद मूल्य के बराबर हैं, तो प्रति सैकड़ा व्याज की दर बताओ ।

(८) किसी समय के लिए २४६ पौण्ड पर २१ पौण्ड नितीन ४२ पौण्ड हैं तो उसने ही धन पर उस समय में देने समय के लिए क्या नितीन होगा ?

(९) एक मनुष्य ने ४०२ रु० में एक घोड़ा मोल लिया और उसी समय साठ भर के बाद पर ८८० रु० में बेच दिया । यदि व्याज की दर ८ प्रति सैकड़ा साझा हो तो बताओ इस समय वह प्रति सैकड़ा छिने लाभ में रहा ?

(१०) नाथाराय व्याज और नितीन कटे में क्या बनार होगा ?

(११) २ वर्ष में मूल धन और व्याज नितीन पर ६६२ रु० होते हैं और व्याज मूलधन का  $\frac{1}{5}$  है तो मूलधन और वार्षिक प्रति सैकड़ा व्याज की दर बताओ ।

(१२) ४ वर्ष के बाद देने वाले धन का नितीन कटे १४१ रु० का ८ पौण्ड और उसी का धन पर का व्याज १३० रु० होगा है तो मूलधन और व्याज की दर बताओ ।

(१३) १ वर्ष में ८ सैकड़ा व्याज की दर से व्याज और नितीन ३६ रु० हैं तो मूलधन बताओ ।

( १४ ) ११२ पौण्ड का तत्कालधन क्या होगा जो उसे इस प्रकार मिलने को है—४२ पौण्ड १ वर्ष में, १९ पौण्ड २ वर्ष में और १०१२ में, व्याज की दर ५ प्रति सैकड़ा है ?

( १५ ) छात्र कितना धन चुकाने से २२० रु० ऽ व्या० का ५ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से १ वर्ष ३ महीने के पश्चात् देने वाले ऋण चुकता हो जायेगा ?

( १६ ) छात्र कितना धन चुकाने से ११२० पौण्ड का २ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से २ वर्ष ८ महीने के पश्चात् देने वाले ऋण का चुकता हो जायेगा ?

( १७ ) एक सौदागर सकल २० रुपये पाने से ६० रु० के बिज क रुपया भर पाता है, तो बताओ वह कितना प्रति सैकड़ा दस्तूरी देता है !

( १८ ) ४ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से कितना धन उधार दिया गए कि २ वर्ष में उससे दूना व्याज मिले जितना ५ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से ८०० रु० का ६ वर्ष में मिलता है ?

( १९ ) ६०० रु० को दो भागों में इस प्रकार बांटे कि पहले भाग का  $2\frac{1}{2}$  प्रति सैकड़े व्याज की दर से २ वर्ष में व्याज की आमदनी दूसरे भाग के व्याज की आमदनी से, जो ३ प्रति सैकड़े व्याज की दर से ४ वर्ष में मिलती है तिगुनी हो ।

( २० ) यदि देय धन ३०० रु० और पुष्प समय में किसी व्याज की दर से उसका साधारण व्याज ३६ रुपया है तो उतने ही समय का उसी व्याज की दर से मिली कटा बताओ ।

( २१ ) यदि  $3\frac{1}{4}$  वर्ष में किसी व्याज की दर से देय धन ७२० रु० और उसका साधारण व्याज १२६ रु० है तो उतने ही समय का उसी व्याज की दर से मिली कटा और तत्काल धन बताओ ।

( २२ ) एक व्यापारी अपनी चीजें ऋण मूल्य से २२ प्रति सैकड़ा

अधिक पर बैकता है। परन्तु धरने प्राइवो को १२ प्रति सैकड़ा कमी देता है तो यथाप्रा उते कितना प्रति सैकड़ा लाभ होता है?

( २३ ) कितने को हुंरी १३ वरं को निपाद पर कितो जावे कि = जाना प्रति सैकड़ा नाइपारी निजोसाय काट कर इतो समय रुपया लेने से ४६० रु० १० आ० निजते ?

( २४ ) २ प्रति सैकड़ा ब्याज की दर से कितो समय में कुच धन का निमधन १०२० रु० होता है। ब्याज नूबधन का ३ है तो नूबधन और समय बताओ।

( २५ ) यदि ब्याज की दर २ प्रति सैकड़ा हो तो कितना धन बैंक में जना कर दिया जाय कि चार वर्षों तक प्रत्येक वर्ष के अन्त में कम से २१० रु०, ४२० रु०, ६३० रु० तथा ८४० रु० निजते रहें ?

( २६ ) यदि ब्याज की दर ६ प्रति सैकड़ा साखाना हो तो कितना रुपया बैंक में जना कर दिया जाय कि चार वर्षों तक प्रत्येक वर्ष के अन्त में १२०० रु० निजता रहे ?

( २७ ) कौलधारी ने धरने रुपये का २२ प्रति सैकड़ा, ६ प्रति सैकड़ा ब्याज की दर से अन्त को कर्ज दिया और रुपे रुपया बैंक में जना कर दिया। बैंक में २ प्रति सैकड़ा ब्याज निजता है। यदि ४ वर्ष के अन्त में कौलधारी को कुज ब्याज के २१० रु० निजते तो यथाप्रा उतके पात पहले कुज कितने रुपये थे ?

( २८ ) यदि ब्याज की दर १० प्रति सैकड़ा है तो कितने रुपये इत समय कितो बैंक में जना कर दिऐ जायें कि ३ वर्षों तक प्रत्येक वर्ष के अन्त में कम से १२० रु०, ४२० रु० और ६२० रु० निजते रहें ?

( २९ ) यदि ब्याज की दर ४ प्रति सैकड़ा है तो कितने रुपये इत समय कितो बैंक में जना कर दिऐ जायें कि ४ वर्षों तक प्रत्येक वर्ष के अन्त में १००० रु० निजते रहें ?

( ३० ) यदि ब्याज की दर ६ प्रति सैकड़ा है तो कितने रुपये इत समय कितो बैंक में जना कर दिऐ जायें कि ५ वर्षों तक प्रत्येक वर्ष के अन्त में १००० रु० निजते रहें ?



( ३८ ) एक सौदागर अपनी वस्तुओं को नगद और धन नहीं देने के उपाय दोनों तरह से बेचता है । यदि ब्याज की दर ५ प्रति सैकड़ा हो तो बताओ इन दोनों दानों में वह क्या संबंध रखेगा ?

( ३९ ) लगभग ३२ वर्ष में कोई धन चक्रवृद्धि ब्याज से तिगुना हो जाता है तो सूद की दर बताओ ।

( ४० ) कोई धन १४ $\frac{1}{2}$  वर्ष में चक्रवृद्धि ब्याज से दूना होजाता है तो सूद की दर बताओ

( ४१ ) कुछ दिनों में दिये धन ६७२ पौंड का तत्कालधन १२६ पौंड है । यदि चक्रवृद्धि सूद की दर ४ $\frac{1}{2}$  प्रति सैकड़ा हो तो समय निकालो ।

( ४२ ) कितने दिनोंमें १०० पौंड का निधधन ५ प्रति सैकड़ा चक्रवृद्धि ब्याज की दर से ११४६ पौंड १४ रि० १० पैसे हो जायगा ?

( ४३ ) आठ वर्ष में दिये धन १०००० पौंड का ५ प्रति सैकड़ा चक्रवृद्धि ब्याज की दर से कितना तत्काल धन होगा ?

( ४४ ) ६ $\frac{1}{2}$  वर्ष में चक्रवृद्धि ब्याज की कित दर से १००० रु० का २५०० रु० हो जायगा ?

( ४५ ) यदि ब्याज की दर ५ प्रति सैकड़ा हो तो इस समय बैंक में कितना जमा कर दिया जाय कि पहले वर्ष के धन में १० पौंड दूसरे वर्ष के धन में २० पौंड, तीसरे वर्ष के धन में ३० पौंड और चौथे वर्ष के धन में ४० पौंड, आदि (धनत्व समय तक इसी प्रकार १० रु० प्रति वर्ष अधिक) निब्रते रहें ? ( इतने चक्रवृद्धि ब्याज लगाया गया है ) ।

( ४६ ) मानलो कि ब्याज प्रतिशत दिया जाता है तो २० वर्ष में ५ प्रति सैकड़ा की दर से कित धन का १ पौंड हो जायगा ?

### समय समीकरण

( १८० ) भिन्न भिन्न समयों में जुड़ाए जाने वाले भिन्न भिन्न वर्षों में जुड़ाए जाने के ऐसे एक समय के जानने की रीति को समय समीकरण को है जिसमें देने से महाजन या अणु लेने वाले किसी को धाम या हानि न हो। इसे समीकृत समय कहते हैं ।

### समीकृत समय जानने के नियम

प्रत्येक अणु को समय से गुणा करो और इन गुणनफलों के योग। अणु के योग का भाग दे दो तो समीकृत समय निश्चय आएगा ।

१ उदाहरण:—३०० व० ४ वर्ष के बाद, २०० व० चार वर्ष के बाद और ४०० व० २ वर्ष बाद में मिलने वाला है तो समीकृत समय निम्नोः।

$$\text{समीकृत समय} = \frac{300 \times 4 + 200 \times 4 + 400 \times 2}{300 + 200 + 400}$$

$$= \frac{2200}{1200} \text{ वर्ष}$$

$$= \frac{11}{6} \text{ वर्ष}$$

$$= 1 \frac{5}{6} \text{ वर्ष}$$

२ उदाहरण :—२०० व० कुछ वर्ष बाद मिलने वाला है, १०० व० २ वर्ष बाद और ८०० व० ११ वर्ष बाद मिलने वाला है। इन का मनोमय समय ४ वर्ष है तो बताओ कि २०० व० कितने वर्षों के बाद मिलने वाला है ?

$$200 + 100 + 800 = 1100 \text{ व०}$$

$$1100 \times 4 = 4400, \text{ यह ४० और वर्षों के गुणनफल का योग है।}$$

$$\text{फलानु } 4400 \div 1100 = 4$$







### बनारस

(३) राज के शहर के समस्त के व्यापारी मनीषी व  
 वैष्णव हैं। यदि उनके बनारस के समस्त का १ भाग  
 वैष्णवों के दत्त में और १ भाग १ यदि वैष्णवों के दत्त में उद्योग  
 है तो ऐसे समस्त दत्त में उनके उद्योग विद्यु है ?

(४) वैष्णवों के बनारस का १ भाग १ यदि वैष्णव व्याप  
 के और १ भाग १ यदि वैष्णवों के दत्त में उद्योग विद्यु है। उन  
 के मनीषी दत्त १ यदि वैष्णव है तो वैष्णवों के दत्त के व्याप  
 का है ?

(५) राज के शहर के १६०० रौप्य के व्यापारी मनीषी  
 ४०० यदि वैष्णव हैं। यदि उनके २०० रौप्य ४ यदि वैष्णव  
 २०० रौप्य १ यदि वैष्णव व्यापारी के दत्त में है तो ऐसे के व्यापारी  
 का है ?

### वैष्णव और वैष्णव

(१२२) जब कोई व्यापारी या दुकानदार किसी प्रकार के दत्त  
 लगे वस्तुओं के बिक्री है तो उन वस्तुओं के नाम या कुछ नाम दत्त  
 १ प्रकार के दत्त विद्या दुकानदारों में ऐसा है कि वे प्रतीति और  
 लगे के नाम, मूल, राज, बिक्री विद्या लगे हैं। इस कारण के  
 दत्त या विद्या बिक्री हैं।

### वैष्णव या विद्या का मूल्य

मनीषी मूल्य विनिर्दिष्ट मूल्य  
 उद्योग मूल्य और विनिर्दिष्ट मूल्य

मूल्य

|       |   |   |   |   |   |   |   |   |   |    |
|-------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|
| मूल्य | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० |
| मूल्य | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० |
| मूल्य | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० |
| मूल्य | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० |

प्रायः प्रातःकाल प्रातःकाल वस्तुओं के खरीदने के समय ही राम वही और बाद में दूधानदार उनके पास एक कागज प्रेषित है जिसमें हरे वस्तुओं के नाम, जो भिन्न भिन्न विधियों पर हो गई है, लिखा है और उनका मूल्य भी दर्शाता है। इसे हिमाय कहते हैं। अब मैं प्रत्येक वस्तु का नाम तथा राम प्राति हिमा हो ता उसे हिमा हिमाय कहते हैं।

### हिमाय का नमूना

२० जनवरी सन् १९२०

संयुक्त प्रांतीय चर्खा मंडल का सचिव भवन

प्रमाण (पैक)

| सन् १९२० ई० |   |                              |   | १  | २  |
|-------------|---|------------------------------|---|----|----|
| १ जनवरी     | " | कायव माह जो बीरक में लिखा है | " | १० | ०  |
| २ जनवरी     | " | "                            | " | १२ | १० |
| ३ जनवरी     | " | "                            | " | १५ | २  |
| ४ जनवरी     | " | "                            | " | १६ | ३  |

### धोतर वार हिमाय का नमूना

२१ जनवरी सन् १९२०

संयुक्त प्रांतीय चर्खा मंडल का सचिव भवन

प्रमाण

| सन् १९२० ई०   |               |               |               | १ | २ |
|---------------|---------------|---------------|---------------|---|---|
| १ सन् १९२० ई० | १ सन् १९२० ई० | १ सन् १९२० ई० | १ सन् १९२० ई० | १ | १ |
| २ सन् १९२० ई० | २ सन् १९२० ई० | २ सन् १९२० ई० | २ सन् १९२० ई० | १ | १ |
| ३ सन् १९२० ई० | ३ सन् १९२० ई० | ३ सन् १९२० ई० | ३ सन् १९२० ई० | १ | १ |
| ४ सन् १९२० ई० | ४ सन् १९२० ई० | ४ सन् १९२० ई० | ४ सन् १९२० ई० | १ | १ |

## अभ्यासार्थ प्रश्न (१४१)

नीचे लिखे प्रश्नों का बॉक्स नाम और तिथि के सहित  
बनाया:—

( १ ) २ गज २ फीट क्लरपाट २ ६० २ आ० ३ पाई प्रति गज,  
०१ गज चीन कपड़ा १ ६० १२ आ० प्रति गज; २० गज चीन की कटाई  
१ आ० २ पाई प्रति गज; ३ गज खरर १ ६० ४ आ० प्रतिगज ; ४२ गज  
फोट ४ आ० ११ पाई प्रति गज ।

( २ ) गंगा-पुस्तक-नाका की ३ पुस्तकें २ ६० ४ आ० प्रति पुस्तक,  
साहित्य पुस्तक नाका की २२ पुस्तकें १ ६० १ आ० प्रति पुस्तक, कौजभारी  
नाका की ३० पुस्तकें १२ आ० प्रति पुस्तक ।

( ३ ) मज नाका की २२ पुस्तकें १ ६० २ आ० प्रति पुस्तक; गंगा  
नाका की २२ पुस्तकें २ ६० १ आ० प्रति पुस्तक, २२ ग० कपड़ा १२ आ०  
प्रति गज, २ मोटर गाड़ी ० हजार ६० प्रति मोटर, २२ साइकिल २२०  
रुपया प्रति साइकिल ।

( ४ ) २ धातुपान १० लाख ६० प्रति धातुपान, १ नकान ० लाख  
६० प्रति नकान, १ मोटर साइकिल ० हजार ६० प्रति मोटर साइकिल ।

( ५ ) १०० दर्जन रेशिज १२ आ० प्रति दर्जन, २० कोरी होल्डर १  
६० १ आ० प्रति कोरी, १०० धान रेशमी कपड़ा १२० २० २ आ० प्रति  
धान, १२० दर्जन दूध ४ ६० १० आ० प्रति दूध ।

( ६ ) २२ सूख दर्जक पत्र ४२० ६० प्रति सूख दर्जक पत्र, २० सूख  
धान २२ ६० प्रति सूखधान, २० पुती २ २० प्रति पुती, १० चीन ० हजार  
६० प्रति चीन ।

( ७ ) २० बोरा धातु १२ ६० २ आ० प्रति बोरा, २ लाख बोरा १०  
४० ६० प्रति बोरा, १ लाख बोरा बोरे १२ ६० ४ आ० प्रति बोरा, १०  
लाख बोरा बोरा १० ६० प्रति बोरा ।



उदाहरण के लिए नाम तो कि हो मनामान्तर बहियों वा हो रेखगाहियों  
एक ही दिशा में और एक ही बाज में जा रही हैं। अब एक रेखगाहों की  
बनेषा दूसरी की कोई गति हो नहीं लायून होगी। इसे सापेक्ष गति  
कहते हैं क्योंकि एक समान गति परार्थ की गति दूसरे गतिशील की गति  
की बनेषा सापेक्ष गति कहलाती है। समान गति परार्थों की निरपेक्ष-गति  
दूसरी और सापेक्ष-गति दूसरी होती है। भावः = गति के प्रभों में निरपेक्ष  
गति और सापेक्ष गति के न समझने में लोग भ्रम का जाते हैं। सौद-धेन  
में भी निरपेक्ष और सापेक्ष गति का अन्तर उदाहरण निम्नता है। घड़ी के  
प्रभों में भी इन गतियों का अन्तर पाया जाता है।

### सापेक्ष-गति

( १८४ ) अब दो परार्थ एक ही लायी रेखा में चलते हो तो जिन गति  
में एक दूसरे के पास जाते हैं या एक दूसरे से दूर होते हैं सापेक्ष गति  
कहाता है।

मगर है कि अब दो दोनों एक ही दिशा की और जाते हो तो सापेक्ष  
गति, अब के बिना बिना भ्रमण बहियों का अन्तर है और अब के विपरीत  
दिशा में जा रहे हो तो सापेक्ष-गति, अब दोनों का बिना बिना अन्तर  
बहियों के बीच के समान होती है। उदाहरण के लिए बहियों वा तो समान रेखा  
में होतो है या एक ही में। अन्तः १८५ : इसे समझने के लिए, सापेक्ष-  
( १८५ ) का बहियों वा अन्तर के लिए हो जाता है।

### ( १ ) सौद-धेन

१८५ : अब दो दो बहियों का अन्तर के लिए सौद-धेन  
१८५ : अब दो दो बहियों का अन्तर के लिए सौद-धेन  
१८५ : अब दो दो बहियों का अन्तर के लिए सौद-धेन

दौड़-खेल की क्रियाएँ नीचे के उदाहरणों से स्पष्ट होंगी।

१ उदाहरण :—१६० गज की दौड़ में अ, ब से ६० गज आगे निकल जाता है और स से १२० गज। बताओ ४८० गज की दौड़ में ब और स में कौन जीतेगा और कितना ?

$$१६० - ६० = १०० \text{ गज}$$

$$१६० - १२० = ४० \text{ गज}$$

जितनी देर में अ १६० गज दौड़ता है व १०० गज दौड़ता है

और " " ब १६० " " स ४० " "

∴ " " ब १०० " " स ४० " "

∴ " " ब १ " " स  $\frac{४०}{१००}$  " "

∴ " " ब ४८० " " स  $\frac{४८० \times ४०}{१००}$  " "

∴ " " ब ४८० " " स ४४८ " "

४८० गज की दौड़ में ब, स से ( ४८० - ४४८ ) गज या ३२ गज आगे निकल आयेगा।

२ उदाहरण:—एक मील की दौड़ में अ, ब से १२२ गज और स से ४८० गज आगे निकल जाता है। अगर ब और स दौड़ें तो अ तीन मिनट दो मील की दौड़ में जीत जाता है। तो बताओ एक मील दौड़ने में ब कितना समय लगेगा।

$$१०६० - १२२ = १४३८ \text{ गज}$$

$$१०६० - ४८० = १२८० \text{ गज}$$

दो मील की दौड़ में अ, स से तीन मिनट जीत जाता है

तो १ मील की " १ " मिनट " "

और १ मील की " ४८० गज " "

इससे साफ जाहिर है कि स,  $\frac{1}{2}$  मिनट में ४८० गज दौड़ सकता है ।

स को ४८० गज पछाने में समय =  $\frac{1}{2}$  मिनट

∴ स को १ गज " " " =  $\frac{1}{960}$  मिनट

∴ स को १२८० गज " " " =  $\frac{1280 \times \frac{1}{960}}{2}$  मिनट  
= ४ मिनट

एतन्नु अब तक स १४०८ गज दौड़ता है तब तक स १२८० गज दौड़ता है ।

१४०८ गज के दौड़ने में स को ४ मिनट लगता है

∴ १ " " " "  $\frac{1}{176}$  मि. " "

∴ १०१० गज " " स को  $\frac{4 \times 1010}{176}$  मिनट लगता है

या २ मिनट लगता है ।

३ उदाहरणः—एक खेल में १२० प्वाइंट में स, व में १० प्वाइंट जीत जाता है और स, स में ८० प्वाइंट में ६ प्वाइंट जीतता है तो बताओ कि अगर व और स ४४४ प्वाइंट खेलें तो कौन जीतेगा और कितना ?

१२०—१०—११० प्वाइंट

८०—६—७४ प्वाइंट

जितनी दूर में स १२० प्वाइंट खता है व ११० प्वाइंट खता है

और " " स ८० " " स ७४ " "

" " स १ " " स  $\frac{1}{80}$  " "

स ११० " " स  $\frac{110 \times \frac{1}{80}}{2}$  " "

स में १११ प्वाइंट खता है

अब हमें पता है कि स १११ प्वाइंट खता है

स व में जीतता है तो स जीत जाएगा ।







( १० ) क एक मीछ १ मिनट में दीढ़ सकता है और ख, क के ११२ गज की दीढ़ में ३२ गज से लगना है तो बताओ १२० गज दीढ़ में ख को कितना समय लगेगा ?

( ११ ) एक खेल में क १२ प्वाण्ट में ख को १ प्वाण्ट, ग २२ प्वाण्ट में ग को ३ प्वाण्ट और ग १० प्वाण्ट में ब को १ प्वाण्ट देता है तो बताओ २२० प्वाण्ट में क, ग को और ख, ब को कितने प्वाण्ट देगा ?

( १२ ) एक मीछ की दीढ़ में क ने ख को ४० गज घागे रखे और १० गज उस से घागे निकल गया . ख ने ग को २० गज घागे रखा और ३० गज घागे निकल गया । तो बताओ क और ग उनसे दीढ़ें तो क, ग से कितने गज से जीवेगा ?

( १३ ) एक मीछ की दीढ़ में क, ख को ८८ गज और ख, ब को ८० गज घागे रखता है । क, ग को एक मीछ की दीढ़ में १ दिन पढ़ने खजने दे सकता है तो प्रत्येक को १ मीछ दीढ़ने में कितने समय लगता है ?

( १४ ) एक मीछ की दीढ़ में क ने ख को ८० गज घागे रखा और १० गज उस से घागे निकल गया । ख ने ग को ३० गज घागे रखे और १० गज पीछे रह गया । यदि क और ग उनका ही दीढ़ें तो क कितने गज से जीवेगा ?

( १५ ) एक मीछ की दीढ़ में क, ख में १० गज, ग, ब में १२ गज और ख, ब में ७२ गज घागे निकल जाना है । यदि क और ग दीढ़ें तो कितने गज से जीवेगा ?

( १६ ) एक खेल में ८० प्वाण्ट में ख, ब को १ प्वाण्ट और ग, ब २० प्वाण्ट दे सकता है तो बताओ १०० प्वाण्ट में ख, ग को कितने प्वाण्ट दे ?



८ गज के  $9\frac{1}{2}$  मिनट पर छ को २४१ गज दौड़ना बाकी था तो बत्ताये दौड़ की लम्बाई क्या थी और क की चाल प्रति घंटा क्या थी ?

( २४ ) क और छ ने  $1\frac{1}{2}$  मील की दौड़ की । पहले जितने छल में छ २ गज दौड़ता था उतने में क १ गज, परन्तु आधी दूरी चलने पर थक गया और जितने समय में पहले १ गज चलना था उतने में छ १ गज चलने लगा और वह अपनी पहली चाल से चला गया तो कौन जीतेगा और कितने अन्तर से जीतेगा ?

( २५ ) एक मील की दौड़ में क, छ से २४० गज आगे था । उतनी ही दूरी की दौड़ में क, ग को १८ मिनट से और छ, बड़े १ मिनट से जीतता है । तो बताओ, क कितने समय में १ मील दौड़ता है ?

( २६ )  $1\frac{1}{2}$  मील की दौड़ में क, छ को ४४० गज और छ, बड़े १३२ गज से जीतता है तो बताओ यदि क और ग दौड़ें तो क किस गज से जीतेगा ?

### गोल-चक्र

( १८९ ) १ उदाहरण:—अ, ब और स एक ही स्थान से एक गोल (वृत्त) रास्ते पर, त्रिभुजा के ४० मील है, क्रम से १, ८ और ३ मील प्रति घंटा की चाल से चले । अ और ब एक दिशा में और स विपरीत दिशा में बढ़ करता है । तो बताओ कितने घंटों के बाद वे फिर एक जगह पर होंगे ?

ब, अ से २ मील प्रति घंटा अधिक चलता है अतएव वह  $\frac{1}{2}$  घंटे में ब ने एक पूरा चक्र अधिक कर लेगा । अतएव अ और ब अवधि २ घंटे के अन्त में मिलेंगे ।

अ और स मिल कर एक घंटे में १२ मील ने चलेंगे । अतएव अवधि  $\frac{1}{3}$  या २ घंटे के बाद मिलेंगे ।

तीनों के मिलने का समय - ४० और १ का लघुतम समापक





नीचे के उदाहरणों से ये सिद्ध होनी।

१ उदाहरण :—एक नुपु रेल की पटरियों के समानान्तर तथा पटरियों के पास के रास्ते पर २ मील प्रतिघंटा की चाल से जा रहा था। उसके पीछे से एक रेलगाड़ी आई और उस नुपु को पकड़ लिया। रेलगाड़ी के साथ साथ कुछ दूर तक नुपु भी चलता रहा, किन्तु १२ सेकंड में रेलगाड़ी उसे पार कर गई। अगर रेलगाड़ी की लम्बाई ८८ गज हो तो रेलगाड़ी की चाल बताओ।

१ घंटा में नुपु २ मील जाता है

∴ १२ सेकंड में वह  $\frac{2}{3600} \times 12$  मील या  $\frac{1}{150}$  मील जायगा।

८८ गज =  $\frac{88}{1080}$  या  $\frac{1}{12}$  मील

∴ १२ सेकंड में रेल  $\frac{1}{150} - \frac{1}{12}$  या  $\frac{1}{12}$  मील जाती है।

स्पष्ट है कि रेलगाड़ी को उस नुपु के पार करने में उस नुपु की १२ सेकंड में तै की हुई दूरी और अपनी लम्बाई दोनों को पार करना पड़ेगा। इस लिए दोनों को जोड़ना चाहिए।

१२ सेकंड में रेलगाड़ी की चाल =  $\frac{1}{12}$  मील

१ सेकंड में रेलगाड़ी की चाल =  $\frac{1}{12 \times 12}$  मील

∴ १२ में  $\frac{1}{12} + \frac{1}{12 \times 12}$  मील

= २० मील

उदाहरण :—एक रेलगाड़ी ८८ गज की लम्बाई है, २० मील की चाल से चल रही है। एक नुपु २ मील प्रतिघंटा की चाल से जा रहा था। रेलगाड़ी के पीछे से एक रेलगाड़ी आई और उस नुपु को पकड़ लिया। रेलगाड़ी के साथ साथ कुछ दूर तक नुपु भी चलता रहा, किन्तु १२ सेकंड में रेलगाड़ी उसे पार कर गई। अगर रेलगाड़ी की लम्बाई ८८ गज हो तो रेलगाड़ी की चाल बताओ।

अगर रेलगाड़ी की चाल २० मील प्रतिघंटा हो ( २० )









## प्रकाशित

एक ही दिना में  
कुल पहली गाड़ी में रखा है इस लिए उसे सारेण्य गति में  
ही बन्नाई पर करनी पड़ेगी।

एक ही दिना में सारेण्य गति = २ मीटर  
घर १०६ गज = १/१ मीटर  
२ मीटर १ घंटा में  
१ मीटर १/१ घंटा में  
१/१ मीटर १/१ घंटा या ३२ सेकंड में

## विपरीत दिना

इस दिना में सारेण्य गति = २२ मीटर  
२२ मीटर १ घंटा में  
१ मीटर १/१ घंटा में  
१/१ मीटर १/१ घंटा या १०० सेकंड में  
१०० × २२

## ( ४ ) बहुल्य हुनरी गाड़ी में

बहुल्य हुनरी गाड़ी में रखा है इस लिए उसे सारेण्य गति में रहना  
ही ही बन्नाई पर करनी पड़ेगी।

## इसी एक ही दिना में

इस दिना में सारेण्य गति = २ मीटर  
घर १०६ गज = १/१ मीटर  
२ मीटर १ घंटा में  
१ मीटर १/१ घंटा में  
१/१ मीटर १/१ घंटा या ३२ सेकंड में

विपरीत दिशा में

इस दशा में सापेक्ष गति = २२ मील

२२ मील १ घंटा में

∴ १ मील  $\frac{1}{22}$  घंटा में

•  $\frac{1}{22}$  मील  $\frac{1 \times 1}{22 \times 22}$  घंटा या  $2\frac{1}{22}$  सेकंड में

✓ उदाहरण : एक कीड़ा एक बॉल पर दिन में १२ गज जाता है परन्तु रात में २ गज फिनल आता है, तो बताओ वह कितने घंटों में पहुँच जायगा जबकि बॉल की लम्बाई २० गज हो

$$२० - १२ = ८ गज$$

$$१२ - २ = १० गज$$

कीड़ा २४ घंटे में ८ गज चढ़ता है। यह भी स्पष्ट है कि वह ऊपर चढ़ जायगा तब फिनलने का कोई प्रश्न ही नहीं रहेगा ८ से १२ पूरा पूरा नहीं करता है, इसलिए अन्तिम दिन कीड़े चढ़ने को नहीं मिलेगा। अन्दाज से मालूम हुआ कि १ दिन तक १ गज चढ़ जायगा।

•  $२० - ४२ = ८ गज$ । हम आठ गज को बड़े १२ गज प्रति दिशाव से चढ़ेगा।

१२ गज १२ घंटे में

∴ १ गज  $\frac{1}{12}$  घंटा में

∴ ८ गज  $\frac{8 \times 12}{12}$  या ८ घंटे में

कुल  $८ \times २४ = ८$  या १२२ घंटे लगेंगे

• उदाहरण. दो तोपें एक ही स्थान पर ५ मिनट के अन्तर पर रहो हैं, परन्तु एक मनुष्य ने जो दूरा स्थान की ओर आ रहा था, दूसरे आसन्न १ मिनट २० सेकंड के अंतर से मुनी। यदि आसन्न की ११०० फीट प्रति सेकंड हो तो उस मनुष्य को पाछा बताओ।



के बहाव के साथ सेने की अपेक्षा दूना समय लगता है। तो नदी का बहाव प्रति मील बताओ।

स्पष्ट है कि नाव की चाल + नदी का बहाव =  $2 \times$  ( नाव की चाल - बहाव )

$$( \text{नाव की चाल} + \text{बहाव} ) + ( \text{नाव की चाल} - \text{बहाव} ) = 1 \times ( \text{नाव की चाल} - \text{बहाव} )$$

$$\therefore 2 \text{ नाव की चाल} = 1 \times ( \text{नाव की चाल} - \text{बहाव} )$$

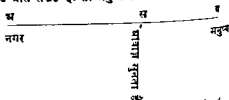
$$\therefore 2 \times 6 = 1 \times ( \text{नाव की चाल} - \text{बहाव} )$$

$$\therefore \text{नाव की चाल} - \text{बहाव} = \frac{2 \times 6}{1} = 12$$

$$\text{बहाव} = 6 - 12$$

$$= -6 \text{ मील}$$

६ उदाहरण:—दो तोपें एक ही स्थान से १२ मिनट के अन्तर से छूटती हैं। एक मनुष्य ने, जो उस स्थान की ओर आ रहा था, तोपें सुनने की आवाज़ ११ मिनट २० सेकंड के अन्तर से सुनी। यदि आवाज़ की चाल ११२० फीट प्रति सेकंड हो तो मनुष्य की चाल बताओ।



मान लो कि अ स्थान पर नापें १२ मिनट के अन्तर से छूटती हैं और ब स्थान से मनुष्य अ स्थान की ओर आ रहा है। यदि वह मनुष्य ब स्थान पर खड़ा रहता तो वह तोपों की आवाज़ १२ मिनट के अन्तर से ही सुनता क्योंकि अ से ब स्थान तक पहुँचने में आवाज़ को प्रत्येक बार समान समय लगता, परन्तु मनुष्य अ स्थान की ओर आ रहा है। इसलिए वह













पीछे पहुँचता है और यदि ५ मील प्रति घण्टा चलता है तो समय से १५ मिनट पहिले पहुँचता है, तो उसे कितनी दूर जाना है

( २९ ) मुझे एक नियत स्थान पर एक नियत समय पर पहुँच यदि मैं प्रति घण्टा ४ मील की गति से चलता हूँ तो १० मिनट देर। यदि प्रति घण्टा ५ मील की गति से चलता हूँ तो १० मिनट पहले जाना है तो उस स्थान की दूरी बताओ ।

( ३० ) एक नियत स्थान पर पहुँचने के लिए जब मैं ५ मील घण्टा की गति से चलता हूँ तो ७½ मिनट देर से और जब ६ मील घण्टा की गति से चलता हूँ तो १०½ मिनट पहले पहुँचता हूँ तो स्थान की दूरी बताओ ।

( ३१ ) दो तापे एक ही स्थान से १२ मिनट के अन्तर में दूरी, एक मनुष्य ने जो उस स्थान की ओर जा रहा था, नेत्र दूरने की ५ ११ मिनट २० सेकण्ड के अन्तर में सुनी । यदि आशय ११२० ई० सेकण्ड भ्रमता है तो उस मनुष्य की गति प्रति घण्टा बताओ ।

( ३२ ) दो तापे एक ही स्थान से १२ मिनट के अन्तर में । एकल एक मनुष्य ने जो उस स्थान से दूर हो जा रहा था तोपे दूरने की ५ ११ मिनट २० सेकण्ड के अन्तर में सुनी । यदि आशय ११२० ई० सेकण्ड भ्रमता है तो उस मनुष्य की गति प्रति घण्टा बताओ ।

( ३३ ) दो तापे एक ही स्थान से ५ मिनट के अन्तर में दूरी । एकल एक मनुष्य ने जो उस स्थान से दूर हो जा रहा था तोपे दूरने की ५ ११ मिनट २० सेकण्ड के अन्तर में सुनी । यदि आशय ११२० ई० सेकण्ड भ्रमता है तो उस मनुष्य की गति प्रति घण्टा बताओ ।

( ३४ ) दो तापे एक ही स्थान से ५ मिनट के अन्तर में दूरी । एकल एक मनुष्य ने जो उस स्थान से दूर हो जा रहा था तोपे दूरने की ५ ११ मिनट २० सेकण्ड के अन्तर में सुनी । यदि आशय ११२० ई० सेकण्ड भ्रमता है तो उस मनुष्य की गति प्रति घण्टा बताओ ।

( ३५ ) दो तापे एक ही स्थान से ५ मिनट के अन्तर में दूरी । एकल एक मनुष्य ने जो उस स्थान से दूर हो जा रहा था तोपे दूरने की ५ ११ मिनट २० सेकण्ड के अन्तर में सुनी । यदि आशय ११२० ई० सेकण्ड भ्रमता है तो उस मनुष्य की गति प्रति घण्टा बताओ ।

( ३६ ) दो तापे एक ही स्थान से ५ मिनट के अन्तर में दूरी । एकल एक मनुष्य ने जो उस स्थान से दूर हो जा रहा था तोपे दूरने की ५ ११ मिनट २० सेकण्ड के अन्तर में सुनी । यदि आशय ११२० ई० सेकण्ड भ्रमता है तो उस मनुष्य की गति प्रति घण्टा बताओ ।

( ३७ ) दो तापे एक ही स्थान से ५ मिनट के अन्तर में दूरी । एकल एक मनुष्य ने जो उस स्थान से दूर हो जा रहा था तोपे दूरने की ५ ११ मिनट २० सेकण्ड के अन्तर में सुनी । यदि आशय ११२० ई० सेकण्ड भ्रमता है तो उस मनुष्य की गति प्रति घण्टा बताओ ।

















३ उदाहरण :—४ घंटे ५ बजे के बीच में कब घड़ी की सुइयों में १८ दर्जे का अन्तर होगा ?

वास्तव में यह अवस्था दो बार होगी । पहले उस अवस्था में जब कि की सुई दूसरी सुई से (  $20-12$  ) या ८ दर्जे अधिक घूम लेगी और जब यह घड़ी सुई छोटी सुई से  $20 + 12$  या ३२ दर्जे अधिक घूम लेगी

मिनट की सुई २५ दर्जे ६० मिनट में आगे निकल जाती है

.. " " १ दर्जा  $\frac{60}{5} = 12$  मिनट में " "

.. " " २ दर्जे  $\frac{60 \times 2}{5} = 24$  मिनट में " "

" " या  $24 \frac{1}{2}$  मिनट में " "

" " ३२ दर्जे  $\frac{60 \times 32}{5} = 384$  मिनट में " "

या  $64 \frac{4}{5}$  मिनट में " "

४ उदाहरण :—एक घड़ी आठ १२ बजे ठीक कर दी गई । समय इस घड़ी में जब ५ बज कर ३९ मिनट हुए थे तब ठीक कर बजे थे । तो बताओ कि जब घड़ी में ११ बज कर १२ मिनट पड़ेगा तो ठीक समय क्या होगा ?

जब घड़ी में  $2 \frac{1}{2}$  बजता है तब ठीक समय ९ बजे है

" " १ " " " "  $9 \frac{1}{2}$  "

" "  $11 \frac{1}{2}$  " " "  $12 \frac{1}{2}$  या १२ बजे है

५ उदाहरण :—दो घड़ियों में हम समय १ बजता है, परन्तु हमें एक प्रति दिन ( २४ घंटे में ) १ सेकंड मुल चकती है और दूसरी सेकंड तेज । तो बताओ कि कितनों दिनों के बाद उनमें १ घंटे का अन्तर हो जायगा ?

$1 + 2 = 3$  सेकंड

३ सेकंड का अन्तर १ दिन में

१ सेकंड का अन्तर  $\frac{1}{3}$  दिन में

$3 \times 60 = 180$  सेकंड का अन्तर  $180 \times \frac{1}{3} = 60$  दिन में

या २२० दिन में







( १० ) एक घड़ी एक दिन में ३ मिनट तेज़ चलती है तो दूसरी ४ मिनट सुस्त । पहली घड़ी सोमवार के १० बजे और दूसरी उसी दिन चार बजे दिन में ठीक की गई तो बताओ शुक्रवार के १० दिन में दोनों घड़ियों में क्या समय होगा ?

( ११ ) एक घड़ी १६ घण्टे में ३० सेकेंड सुस्त और दूसरी १८ घण्टे में ३० सेकेंड तेज़ चलती है । पहली घड़ी शुक्रवार के ८ बजे दिन में और दूसरी उसी दिन ६ बजे रात में ठीक कर दी गई । तो बताओ जब शुक्रवार के १२ बजे दिन में दोनों में कितने समय का अन्तर होगा ?

( १२ ) एक घड़ी एक दिन में १ मिनट तेज़ चलती है और दूसरी १ मिनट सुस्त । दोनों में सोमवार के दिन में १२ एक साथ बजे तो बताओ शनिवार की रात में जब दूसरी घड़ी में १० बजे के ४३.१६ मिनट का समय है तो पहली घड़ी में क्या समय होगा ?

( १३ ) रविवार के ४ बजे दिन में एक घड़ी ३ मिनट तेज़ थी और दूसरी २ मिनट सुस्त । यदि गुरुवार की ८ बजे संध्या समय पहली घड़ी १ मिनट सुस्त और दूसरी ३ मिनट तेज़ हो गई तो बताओ उनमें ठीक ठीक समय कब था ?

( १४ ) दो घड़ियों में रविवार के सवेरे ७ एक साथ बजे । मंगल के सवेरे जब पहली घड़ी में ३ बजे तब दूसरी घड़ी में ३ बजने में १२ मिनट बाकी थे । तो बताओ कुल घड़ी को कितना तेज़ या तेज़ घड़ी को कितना सुस्त करें कि दोनों में बुध के दिन में १२ एक साथ बजे ?

( १५ ) दो घड़ियों जिनमें पहली प्रति दिन २ मिनट सुस्त और दूसरी १ मिनट तेज़ चलती है, २ बजे सवेरे ठीक कर दी गई । तो बताओ जब उसी दिन दूसरी घड़ी में ३ बजे कर ४८ मिनट होंगे तो पहली घड़ी में क्या समय होगा ?

( १६ ) एक घड़ी प्रति दिन ४ मिनट तेज़ और दूसरी ३ मिनट सुस्त चलना है । गुरुवार के ६ बजे मध्य ठीक की गई तो बताओ जब उसी दिन





बताओ उस समय प्रायेक घड़ी में क्या बजेगा जब एक घड़ी दूधों के १ मिनट बोधे हो ?

( ३१ ) एक घड़ी में जो १ बजे मधेरे डीक की गई थी, ११ मध्याह्न डीक समय पर २ बजने में ५ मिनट बाकी थे, तो बताओ उसमें २ बजेगे, तब डीक समय क्या होगा ?

( ३२ ) एक घड़ी में जो १ बजे मधेरे डीक की गई, २ बजने डीक समय पर २ बज कर ५ मिनट हुए थे, तो अब उसमें २ बजने का समय क्या था ?

( ३३ ) एक घड़ी की सुइयों प्रायेक ११ मिनट चलाए एक दूधों आच्छादित करता है, तो बताओ घंटा २४ घण्टे में कितनी तेज है ?

( ३४ ) एक घड़ी में २ और १ बजे के बोध में जब दोनों सुइयों का मध्यम पर भी डीक समय था, वह प्रति घंटे ५ मिनट मूल्य चलाता था तो बताओ दोपहर के १२ बजे उसमें क्या समय था ?

( ३५ ) एक घड़ी में १० और ११ बजे के बीच में जब दोनों सुइयों एक मध्यम पर भी डीक समय था, वह प्रति घंटे ११ मिनट तेज चलता था तो बताओ मधिर डीक १ बजे उसमें क्या समय था ?

( ३६ ) एक घड़ी दिन के १ बजे मधेरे डीक की गई। अब यदि वह १, मिनट मूल्य चलता है, तो बताओ डीक समय क्या होगा जब अपने दोनो सुइयों १ बजे के बीच लायला तब एक मीट में ही ?

( ३७ ) एक घड़ी दिन के २ बजे मध्याह्न डीक की गई। अब यदि वह २ मिनट तेज चलता है, तो बताओ डीक समय क्या होगा जब दोनों सुइयों इसी दिन मध्यम में २ और १० बजे के बीच में लायला तब एक मीट में लायला चलाए ?

( ३८ ) एक घड़ी में १ बजे मधेरे डीक की गई। अब यदि वह ३ मिनट तेज चलता है, तो बताओ डीक समय क्या होगा जब दोनों सुइयों इसी दिन मध्यम में ३ और १० बजे के बीच में लायला तब एक मीट में लायला चलाए ?



गई और १०१० रु० पर बेंची गई तो भी १० रु० लाभ हुआ। अर्थात् १०० में १० रु० लाभ हुआ। इसे निरपेक्ष लाभ कहते हैं। परन्तु पहली १० में सापेक्ष लाभ दूसरी दरा से कहीं अधिक है उसे १० रु० पर १० रु० लाभ हुआ और दूसरी दरा में १००० रु० पर १० रु०। इसलिये देखें कि सापेक्ष लाभों में बड़ा अन्तर है। इनो लिये लाभ और हानि के प्रश्न बहुत प्राति सैकड़ा हानि या लाभ लगाया जाता है। लाभ हानि के प्रश्न ऐकिक नियम, त्रैराशिक या समानुपात किमी की भी सहायता से प्राप्य से हल सकता है। हानि और लाभ के लगाने का नियम नीचे के उदाहरण से स्पष्ट हो जायगा :—

१ उदाहरण :—एक आदमी ने एक घोड़ा ८० रु० में खरीदा और ६० रु० पर बेच दिया तो उसे प्रति सैकड़ा क्या लाभ हुआ ?

$$८० - ६० = २० \text{ रु० लाभ}$$

$$८० \text{ रु० पर उसका लाभ} = २० \text{ रु०}$$

$$१ \quad ८० \quad " \quad " \quad " \quad = \frac{२०}{८०}$$

$$१०० \quad ८० \quad " \quad " \quad " \quad = \frac{१०० \times २०}{८०}$$

$$= २५ \text{ प्रति सैकड़ा लाभ}$$

२ उदाहरण — एक घोड़े को २२ रु० पर खरीदे में १० प्रति सैकड़ा हानि होता है तो बताओ उसे कितने पर बिके कि २० प्रति सैकड़ा लाभ हो ?

मान लिया कि शरी १०० रु० पर खरीदा गया

$$१०० - १० \quad २० \text{ रु० पर खरीदे में } १० \text{ प्रति सैकड़ा हानि होता है तो } २० \text{ प्रति सैकड़ा लाभ होने के लिए उसे } १०० \text{ रु० का } १२० \text{ रु० पर बिकना पड़ेगा}$$

$$१० \quad १२० \quad ०० \quad १२०$$

$$1. 100 \times 100 = 10000 \times 100 = 1000000$$

$$2. 100 = 100 \times 100 = 10000$$

$$3. 100 = 100 \times 100 = 10000$$

यह अनुसंधान का बड़े तरह से किया हो सकता है।

4. अनुसंधान — एक अनुसंधान 100 करोड़ 100 करोड़ में किया गया है यह 100 करोड़ में किया गया है।

$$5. 100 \times 100 = 10000 - 10000 = 10000$$

$$6. 100 \times 100 = 10000 \times 100 = 1000000$$

$$7. 100 \times 100 = 10000 \times 100 = 1000000$$

$$8. 100 \times 100 = 10000 \times 100 = 1000000$$

$$9. 100 \times 100 = 10000 \times 100 = 1000000$$

$$10. 100 \times 100 = 10000 \times 100 = 1000000$$

$$11. 100 \times 100 = 10000 \times 100 = 1000000$$

$$12. 100 \times 100 = 10000 \times 100 = 1000000$$

$$13. 100 \times 100 = 10000 \times 100 = 1000000$$

$$14. 100 \times 100 = 10000 \times 100 = 1000000$$

$$15. 100 \times 100 = 10000 \times 100 = 1000000$$

$$16. 100 \times 100 = 10000 \times 100 = 1000000$$

$$17. 100 \times 100 = 10000 \times 100 = 1000000$$

( ३ ) एक घोड़ा ८५ रु० को मोल लिया गया और १४ रु० दान में बेचा गया ; तो प्रति सैकड़ा क्या लाभ हुआ ?

( ४ ) एक दुर्गा ४ रु० १२ आने में प्ररीती गई और १ रु० १२ आने में बेच दी गई तो प्रति सैकड़ा क्या हानि हुई ?

( ५ ) एक कुर्सी ६ रु० १२ आने को बेचने से १० प्रति सैकड़ा कम हुआ ; तो वह कुर्सी मिलने में बेची जाय कि २० प्रति सैकड़ा लाभ हो ?

( ६ ) एक घड़ी २० प्रति सैकड़ा लाभ से २५ रु० में बिकी जाय तो क्या मूल्य बताओ ?

( ७ ) मिलने रुपये में २४ वस्तु प्ररीती जाती हैं उनमें ही दूसरे १८ वस्तु बेची जाती हैं तो प्रति सैकड़ा क्या लाभ होगा ?

( ८ ) एक नृक्षानदार एक बोरा गेहूँ ० रु० १२ आने में मोल देव है और १५ प्रति सैकड़ा लाभ में बेचता है तो मिश्र मूल्य बताओ ?

( ९ ) एक घोड़ा २५ रु० में बेचने से प्रति सैकड़ा १२ की हानि हुई तो घोड़े का मूल्य बताओ ?

( १० ) एक पुस्तक विक्राने एक पुस्तक २ रु० १२ आने में १५ रु० की सैकड़ा हानि उठाई तो पुस्तक का मूल्य बताओ ?

( ११ ) एक नृक्षानदार ने एक बोरा आरत १२ रु० दान में मोल का १५ प्रति सैकड़ा लाभ उठाया तो आरत का मूल्य बताओ ?

( १२ ) एक वस्तु ३५ रु० १२ आने में मोल की गई ; यदि इस बेचने में ४ प्रति सैकड़ा कम बढ़ तो मिलने में कमी आए कि प्रति सैकड़ा १५ लाभ हो ?

( १३ ) एक हथौले का दुकान १०२, १०० रु० में बेचने से ८ प्रति सैकड़ा कम हुआ तो वस्तु का मूल्य बताओ ?

( १४ ) एक घड़ी ११० रु० में बेचने से १० प्रति सैकड़ा लाभ हुआ कि १२० रु० में विक्राने से प्रति सैकड़ा १० रु० का लाभ हुआ ?

( १५ ) किसी वस्तु को ४४४ रु० में बेंचने से ११ प्रति सैकड़ा लाभ होता है ता कितने में बेंचने से ७ प्रति सैकड़ा हानि होगी ?

( १६ ) किसी वस्तु को ३१५ रु० में बेंचने से ८ प्रति सैकड़ा अधिक लाभ होता है, जितना ३०० रु० में बेंचने से होता है, तो उस वस्तु का क्रय मूल्य बताओ ।

( १७ ) एक टेबुल को ४५ रु० में बेंचने से १५ प्रति सैकड़ा हानि होता है ता उसे ५५ रु० में बेंचने से प्रति सैकड़ा क्या लाभ या हानि होगा ?

( १८ ) १ रु० ३ आ० प्रति पुस्तक की दर से पुस्तकें बेंची गईं । यदि १८३ प्रति सैकड़ा के हिसाब से कुल लाभ ३७३ रु० हुआ तो कितनी पुस्तकें बेंची गईं ?

( १९ ) कुछ धान ४ रु० प्रति सैकड़ा की दर से बेंचा गया तो ६ रु० १२ आ० लाभ हुआ । यदि इसमें ३३३ प्रति सैकड़ा लाभ हुआ हो तो कितने धान बेंचे गए ?

( २० ) एक घोड़ा को ३०० रु० में बेंचने से ५ प्रति सैकड़ा हानि हुई तो २० प्रति सैकड़ा लाभ के लिए उसे कितने में बेंचना चाहिए ?

✓( २१ ) एक बनिया सौदा खरीदने समय १० प्रति सैकड़ा अधिक तालता है और बेंचने के समय १० प्र० सैकड़ा कम तालता है तो इस व्यापार से उसे प्रति सैकड़ा क्या लाभ होता है ?

✓( २२ ) एक बनिया सौदा खरीदने के समय ५ सेर में ८ छंदाक अधिक ले लेता है और बेंचने के समय ५ सेर में ८ छंदाक कम देता है, तो उसे प्रति सैकड़ा कितना लाभ होता है ?

( २३ ) एक कजड़े ने २०० धान मेल लिए ; उन में से २० धान बच गए और शेष को उम ने ६ पाई के ५ धान का दर ने बच दिया तो ३५८८ में सैकड़ा लाभ हुआ तो बताओ कि उमने कितने में १ कोड़ी धान बच दिए थे ?

( ३४ ) एक बनिव ने २१ आ० प्रति पीपड़ को दूर से चाव बेंचने  
 इस १२ प्रति मैकड़ा दानि दुई ता बगछो उये प्रति मैकड़ा क्या जानो  
 प्रति यह १२ क १० आ० प्रति दुइमेड को दूर से चाव बेंचो ।

( ३५ ) मोहन ने अपना मकान १० प्रति मैकड़ा दानि उम्र से  
 बाबा यदि यह १२ प्रति मैकड़ा लाभ लेकर बेंचना तो पढ़े की बात  
 १२, २० यदि वह पाता तो मकान का नाम क्या था ?

( ३६ ) एक मजदूर २५ रु० में बेंचने से मिलता प्रति मैकड़ा २  
 दानि १२ लाभ २० प्रति मैकड़ा अधिक २५ रु० में बेंचने से होता  
 तो एक मजदूर का अपना नाम क्या था ।

( ३७ ) एक दुकान का मुख्य प्रति मैकड़ा १२ का जाने पर १२  
 १२, आ १२ का मुख्य का नाम क्या था ।

( ३८ ) एक व्यापारी अपना व्यापार पर १२ प्रति मैकड़ा लाभ दानि  
 १२ लाभ १२ दानि मात्र का नाम क्या मुख्य से मिलता प्रति मैकड़ा  
 अधिक २० प्रति दानि का का इन नामों पर २० प्रति मैकड़ा लाभ  
 १२ रु० ।

( ३९ ) एक व्यापारी का मुख्य प्रति मैकड़ा दानि अधिक २०  
 १२ प्रति २० प्रति दानि मात्र का नाम क्या मुख्य से मिलता प्रति मैकड़ा  
 अधिक २० प्रति दानि का का इन नामों पर २० प्रति मैकड़ा लाभ

( ४० ) एक व्यापारी का १२ प्रति मैकड़ा लाभ  
 १२ प्रति २० प्रति दानि मात्र का नाम क्या मुख्य से मिलता प्रति मैकड़ा  
 अधिक २० प्रति दानि का का इन नामों पर २० प्रति मैकड़ा लाभ

( ४१ ) एक व्यापारी का १२ प्रति मैकड़ा लाभ  
 १२ प्रति २० प्रति दानि मात्र का नाम क्या मुख्य से मिलता प्रति मैकड़ा  
 अधिक २० प्रति दानि का का इन नामों पर २० प्रति मैकड़ा लाभ

( ४२ ) एक व्यापारी का १२ प्रति मैकड़ा लाभ  
 १२ प्रति २० प्रति दानि मात्र का नाम क्या मुख्य से मिलता प्रति मैकड़ा  
 अधिक २० प्रति दानि का का इन नामों पर २० प्रति मैकड़ा लाभ







## अव्ययित

को एक में मिला कर २० प्रति सैकड़ा लाभ पर बेच दिया। यदि गरीब बिक्री में मुझे ३६०००० आने लाभ हुए हों तो मैंने कितनी खरीदी थी और उन्हें मैंने किस दर में बेचा?

(४०) एक तरानू ऐसी है कि उसके एक पत्ते में जितना योग्य रत्न था दूसरे में उतने से १२ प्रति सैकड़ा अधिक रखने में डंडी सीधे होती है। इन तरानू ने एक बनिया सौदा खरीदने और बेचने दोनों ही में कड़ा लाभ उठाया है?

(४१) मोहन ने अपना घोड़ा कुछ घटा सह कर ३४०००० में बेचा, यदि वह घोड़ा ४२०००० में बिकता तो उसके घाटे का १/२ लाभ होता तो उस के घोड़े का मूल्य बताओ।

(४२) एक नवान कुछ लाभ पर ६६०००० में बेच दिया गया। यदि नवान २४०००० में बिकता तो लाभ का १/२ हानि होती। तो नवान का मूल्य बताओ।

(४३) किसी बनिया ने अपने बड़िये चीनी को १२ प्रति सैकड़ा लाभ पर बेचने का निश्चय किया। परन्तु उस बड़िये चीनी में १/२ घटिया चीनी, जिसका मूल्य बड़िये चीनी का १/२ था मिला दिया। तो बताओ बनिये को प्रति सैकड़ा क्या लाभ हुआ?

(४४) बनिया अपनी बड़िया चाय को २० प्रति सैकड़ा लाभ पर बेचना चाहता है। परन्तु उस बड़िये चाय में १/२ घटिया चाय जिसका मूल्य बड़िये चाय का १/२ है, मिला दिया। तो बताओ वह उसे प्रति सैकड़ा क्या लाभ होगा?

(४५) मोहन ने एक जमीन का टुकड़ा २२ १/२ प्रति सैकड़ा लाभ पर मोहन के हाथ बेच दिया। मोहन ने उसे ७ १/२ प्रति सैकड़ा लाभ लेकर गधे के हाथ बेच दिया। गधे ने २२६७००००० आने में जमीन खरीदी थी। तो बताओ मोहन ने कितने रुपये में जमीन खरीदी थी?

१०६. एक महाजन के पास १००० रु० की सम्पत्ति है।  
 उसको खर्च करने का, मास १० प्रति सैकड़ा हानि में बँच दी। तो  
 १००० रु० का पूरा खर्चा का कितना रुपये में बचे कि उसे खरीद के  
 १००० रु० में खर्च हो जाय ?

१०७. महाजन ने १२५० मन चावल खरीदा उसमें से १/५ का  
 खर्च खर्च कर के १००० रु० में खर्च कर के १००० प्रति सैकड़ा और  
 १००० रु० में खर्च कर के १००० रु० में खर्च कर के १००० रु० में  
 खर्च कर के १००० रु० में खर्च कर के १००० रु० में खर्च कर के  
 १००० रु० में खर्च कर के १००० रु० में खर्च कर के १००० रु० में  
 खर्च कर के १००० रु० में खर्च कर के १००० रु० में खर्च कर के

१०८. एक महाजन के पास १००० रु० का साठ है, उसमें १/५  
 का खर्च कर के १००० रु० में खर्च कर के १००० रु० में खर्च कर के  
 १००० रु० में खर्च कर के १००० रु० में खर्च कर के १००० रु० में  
 खर्च कर के १००० रु० में खर्च कर के १००० रु० में खर्च कर के

१०९. एक महाजन के पास १००० रु० का साठ है, उसमें १/५  
 का खर्च कर के १००० रु० में खर्च कर के १००० रु० में खर्च कर के  
 १००० रु० में खर्च कर के १००० रु० में खर्च कर के १००० रु० में  
 खर्च कर के १००० रु० में खर्च कर के १००० रु० में खर्च कर के

११०. एक महाजन के पास १००० रु० का साठ है, उसमें १/५  
 का खर्च कर के १००० रु० में खर्च कर के १००० रु० में खर्च कर के  
 १००० रु० में खर्च कर के १००० रु० में खर्च कर के १००० रु० में  
 खर्च कर के १००० रु० में खर्च कर के १००० रु० में खर्च कर के

१११. एक महाजन के पास १००० रु० का साठ है, उसमें १/५  
 का खर्च कर के १००० रु० में खर्च कर के १००० रु० में खर्च कर के  
 १००० रु० में खर्च कर के १००० रु० में खर्च कर के १००० रु० में  
 खर्च कर के १००० रु० में खर्च कर के १००० रु० में खर्च कर के



का लाभ या हानि उनके मूलधन के अनुपात ही में होगी। यह बात उदाहरण से स्पष्ट होगी :—

१ उदाहरण —अ, ब और ग एक व्यापार में भागी हैं। अ म० १००० रु० का १०० रु० और ग का २०० रु० लगा है। अगर कुल १००० लाभ हुआ हो तो हर एक का अलग अलग लाभ क्या होगा।

$$१०० + १०० + २०० = ३२०० रु०$$

$$३२०० रु० पर लाभ २४० रु०$$

$$१ रु० " " = \frac{२४०}{३२००} रु०$$

$$१०० रु० " = \frac{१०० \times २४०}{३२००} रु०$$

$$= ७५ रु० अ का लाभ$$

$$१०० रु० " = \frac{१०० \times २४०}{३२००} रु०$$

$$= ७५ रु० ब का लाभ$$

$$२०० रु० " = \frac{२०० \times २४०}{३२००} रु०$$

$$= १५० रु० ग का लाभ$$

### निश्चित माना

( १४० ) हमने व्यापारियों के मूलधन तथा मजदूरी का हिस्सा देकर दे। अब हमारे मूलधन और मजदूरी का भाग पूरा हो तो बर्हिदा और एक रुप मूलधन को ही मूलधन पर एक रुप बर्हिदा एक रुप मजदूरी का भाग रुप उधर से रुप उधर रुप बर्हिदा

\* उदाहरण — अ १०० रु० ब १०० रु० ग २०० रु० का १००० रु० का लाभ हुआ हो तो हर एक का अलग अलग लाभ क्या होगा।



$$\text{इसी प्रकार ख} = ७ \times ४ + (७ - १\frac{१}{२}) \times ८$$

$$= २८ + १४$$

$$= ४२ \text{ पौंड}$$

$$\therefore \text{ दोनों का मिश्रकर} = १\frac{१}{२} + ४२ = १\frac{१}{२} \text{ पौंड}$$

$$१\frac{१}{२} \text{ पौंड पर क} = १\frac{१}{२} \text{ पौंड}$$

$$\therefore १ \text{ पौंड पर क का लाभ} = \frac{३ \times १००}{२२५} \text{ पौंड}$$

$$\therefore २२५ \text{ पौंड " " } = \frac{२२५ \times ३ \times १००}{२२५ \times ३} \text{ पौंड}$$

$$= १०० \text{ पौंड}$$

$$\therefore \text{ ख का लाभ} = २२५ - १०० \text{ पौंड}$$

$$= १२५ \text{ पौंड}$$

### अभ्यासार्थ प्रश्न ( १४७ )

( १ ) क, ख और ग ने मिश्र कर व्यापार करना प्रारम्भ किया। क ने ४५० रु०, ख ने ६०० रु० और ग ने ३५० रु० लगाया। मात्र के घन में १०८ रु० लाभ हुआ तो प्रत्येक को कितना कितना लाभ का सप्लाई मिश्रित कर दिया?

( २ ) घ, व और म ने मिश्र कर एक खेल लगे। घ ने १००, व ने ७५ रु० और म ने ८५ रु० दिया। वर्ष के घन में ४० रु० का लाभ हुआ तो प्रत्येक को कितने कितने रुपये का सप्लाई मिश्रित कर दिया?

( ३ ) राम, रघु और मुरेश ने मिश्र कर व्यापार किया। राम ने १२०० रु०, रघु ने १८०० रु० और मुरेश ने ८०० रु० लगाया। वर्ष के घन में ४२५ रु० का लाभ हुआ। तो प्रत्येक को कितना कितना लाभ का सप्लाई मिश्रित कर दिया?

( ४ ) गणेश, दिनेश और मुरेश ने मिश्र कर व्यापार किया। गणेश ने मुरेश से २०० रु० अधिक, दिनेश ने गणेश से ३०० रु० अधिक और मुरेश





के रुपये देइ गुने थे । ६ महीने के बाद अ ने अपने रु० को दूना और देवड़ा कर दिया । ६ महीने के बाद स उतने हो रुपये देकर बूकान में शा हो गया जिनने उस समय अ और स के रुपये मिला कर थे । साल के १ में १३३३ रु० ४ आ० लाभ हुआ, तो बताओ लाभ के रुपये में से कितने कितने रुपये मिले ?

( ११ ) एक चरागाह में अ ने १८ घोड़े २ महीने तक, स ने १२ ४ महीने तक और स ने १४ में ३ महीने तक चराया । बैल की चाराई से तीन गुणो और घोड़े की चाराई बैल की चाराई से ऊँ है । कुल चाराई के २६ रु० ७ आ० देने पड़े, तो बताओ तीनों की कितने रुपये देने पड़े ?

( १२ ) एक व्यापार में तीन आदमियों ने रुपये लगाये । पहले अ १० रु० २ महीने तक, दूसरे का ४०० रु० ४ महीने तक और तीसरे का १० रु० ३ महीने तक रहा । तीनों के लाभ मिला कर ६८ रु० हैं, तो हर को क्या मिलना चाहिए ?

( १३ ) क और स ने मिला कर एक व्यापार किया । क ने पहले २० रु० और स ने ६०० रु० दिए । व्यापार प्रारम्भ करने के दो महीने बाद ने १००० रु० और ३ महीने बाद स ने १२०० रु० और दिए । साल भर में ६४० रु० लाभ हुआ, तो बताओ लाभ के रुपये का उन्हें किस-किस बाँटना चाहिए ?

( १४ ) मोहन और सोहन ने एक चरागाह ७ महीने के लिए लिया । मोहन ने २४ बैल ४ महीने तक चराई, तो बताओ कि बाकी तीन महीने में सोहन कितनी बैलें चरावे कि उस को मोहन का १ देना पड़े ?

( १५ ) राम और श्याम ने एक चरी का खेत ४ महीने के लिए लिया । राम ने २४ गाँव ३ महीने तक चराई । शेष दो महीने में श्याम ने कितने गाँव चराई । यदि श्याम को चराई के लिए राम का चराई का १ देना पड़े तो श्याम ने कितने गाँव चराई ?



कुल लाभ में क और ख में रुपये का अनुपात २:३ है तो बताओ क का लाभ के कुल कितने रुपये मिले ?

( २१ ) क ख और ग ने १०००० रु० की पूंजी से एक व्यापार किया । कुल पूंजी में क ने ३१००० रु० और ख ने २१००० रु० दिए । परन्तु यह बात ठहरी कि कुल लाभ आपस में बराबर बराबर बँटता हो कुल पूंजी की एक तिहाई पर ग १० प्रति सैकड़ा व्यापार देगा और य के सामने का काम करने के बदले २१०० रु० साल में मिलेंगे । यदि साल के अन्त में कुल लाभ में से क, ख और ग के रुपये का अनुपात २३:२१:१० है तो बताओ ख को कुल कितने रुपये मिले ?

( २२ ) क, ख और ग ने क्रमशः १००० रु०, १००० रु० और ७००० रु० लगा कर एक साथ एक व्यापार किया । क लाभ का १० प्रति सैकड़ा और ख लाभ का १५ प्रति सैकड़ा व्यापार के प्रबन्ध करने के लिए पाता है । शेष लाभ मूल धन में लगाये हुए रुपये के अनुसार बँटा है । साल के अन्त में क को ख से ३३० रु० कम मिले हो कुल कितना हुआ ?

( २३ ) एक साल में क ने ४५०० रु०, ख ने ३५०० रु० और ग ने ४००० रु० लगाये । साल के अन्त में प्रत्येक को लाभ के रुपये में से उसके रुपये का ५ प्रति सैकड़ा मिलने के बाद जो बचा उसका १५ प्रति सैकड़ा ख को सामने के काम करने के बदले मिला । शेष लाभ के रुपये में तीनों ने हिस्से के अनुसार बाँटे । यदि कुल १८०० रु० का लाभ हुआ है तो बताओ अब प्रत्येक को क्या मिला ?

( २४ ) क, ख और ग ने सामने का एक प्रेम खरीदा । कर्मिका के लिए क ने २५ और ख ने १५ सामान मूल्य की कुर्मियाँ दीं । ग ने कुर्मियों के मूल्य के बदले ४० रु० दिये, तो बताओ इस रुपये को क और ख किस प्रकार बाँटे ?

( २५ ) कौलधारी, धुगन और अतन्त ने मिल कर एक मकान बन



२ उदाहरण — एक चीनी १२ रु० मन की और दूसरी १० रु० मन की है, तो बताओ इनको किस अनुपात से मिलावें कि मिश्रित चीनी का भाव १२ रु० मन हो जाय ।

इस प्रश्न में लाभ या हानि की कुछ भी शर्त नहीं है । इसलिए मर्यादा को न तो लाभ ही होना चाहिए और न हानि ही ।

अब दोनों प्रकार की चीनी एक ही में मिला दी जाती है तब यह १४ रु० मन के भाव की हो जाती है, और सराब चीनी के हर एक मन के बेंचने से ( १२ - १२ ) या ३ रु० का लाभ होता है, और अच्छी चीनी के हर एक मन के बेंचने से ( १० - १२ ) या २ रु० की हानि होती है । अब दोनों प्रकार की चीनी बराबर मात्रा में मिलाई जायें तो साफ़ ज़रूर लाभ होने लगेगा । इसलिए सराब चीनी कम निजानी चाहिए । अगर प्रत्येक चीनी दो मन लें तो १ रु० लाभ होगा और अगर अच्छी चीनी १ मन लें तो १ मन में १ रु० हानि होगी । इसलिए सराब और अच्छी चीनी ११ के अनुपात से मिलाना चाहिए । ऐसे प्रश्नों के हल करने के लिए पहले मिश्रित वस्तु के मूल्य को प्रत्येक में से घटा देना चाहिए और इन अन्तरों को उलट देना चाहिए और उसी उलटे हुए अनुपात से ही वस्तुओं को मिलाना चाहिए ।

३ उदाहरण — ३ आ० ६ पा० सेर और ५ आ० सेर के भावों के दूध का किस अनुपात से मिलावें कि मिश्रित हुए दूध को ४ आ० सेर बेंचने पर १२ प्रति सैकड़ा लाभ हो ।

$$100 + 2 = \frac{2000}{14} \text{ रु०}$$

$$\frac{2000}{14} \text{ रु० पर क्रयमूल्य } 100 \text{ रु०}$$

$$120$$

$$11 \times 100 \text{ रु०}$$

$$= 1100$$









( १ ) १० रु० टन, ११ रु० टन, १२ रु० टन और २१ रु० सब कोयला किस हिसाब से मिलाया जाए कि मिले हुए कोयले का मूल्य १२ रु० टन हो ?

( २ ) १२ रु० गैलन, १० रु० गैलन, ८ रु० गैलन की शराब में सब मिलाने से ३ रु० गैलन की शराब बनती है तो तीनों प्रकार की शराब में पानी किस अनुपात से मिलाया गया है ?

( ३ ) १६ रु० तोले के सोने में कुछ भाग १६ रु० तोला, कुछ १८ रु० तोला, कुछ २३ रु० तोला और कुछ २४ रु० तोला का सोना मिलाया गया । अब मिले हुए सोने की दर २० रु० तोला है तो मिलाए गए सब का अनुपात बताओ ।

( ४ ) १० रु० मन, १४ रु० मन, १८ रु० मन और २० रु० मन के चीनी मिला कर ४० मन चीनी १७ रु० मन की तैयार की गई तो बराबर हर तरह की चीनी किस अनुपात से मिलाई गई और मिली हुई ४२ मन चीनी में कौन चीनी कितनी है ?

( ५ ) पाँच घाने सेर, ४ घाने सेर और ७ घाने सेर की चीनी किस हिसाब से मिलाई जाए कि मिली हुई चीनी की दर ६ घाने सेर हो । ११ सेर मिश्रित चीनी में किस प्रकार की चीनी कितनी है ?

( १० ) किसी दूकान दार के पास १० आ०, १२ आ०, १२ आ० और १ रु० १ आ० प्रति सेर की दर का मसाला है । यदि पहले दो प्रकार के मसाले बराबर बराबर मिला लिए जाए और पिछले दोनों प्रकार के मसालों भी बराबर बराबर मिला लिए जाए तो अब मिश्रित मसाला १४ आने सेर का तैयार करने के लिए किस हिसाब से मिलाना चाहिए ?

( ११ ) एक मनुष्य के पास १४ रु० प्रति गैलन की और २४ रु० प्रति गैलन की शराब थी । उसने दोनों प्रकार की शराबों को ३ : २ के अनुपात में छेकर मिला दिया । अब मिली हुई शराब में किस हिसाब से पानी मिलावे कि मिली हुई वस्तु १६ रु० प्रति गैलन की हो जावे ?



( १८ ) एक वर्तन में ३६ सेर दूध है। पड़जे उस में से ३ सेर निकाल लिया और तब ३ सेर पानी डाल दिया। अब उस मिश्रित में से ३ सेर निकाल कर फिर ३ सेर पानी डाल दिया। यह क्रिया बार की गई तो बताओ अन्त में दूध और पानी में क्या सम्बन्ध रहेगा ?

( १९ ) एक दूध से भरे हुए वर्तन में से ६ सेर दूध निकाल पानी से वर्तन को भर दिया। फिर मिश्री हुई वस्तु में से ६ सेर निकाल फिर पानी से वर्तन को भर दिया। तो दूध और पानी का सम्बन्ध १६ : १ हो गया, तो बताओ पड़जे वर्तन में कितने सेर दूध थे ?

( २० ) एक शराब से भरे पीपे में १० सेर शराब निकाल कर पानी से भर दिया। फिर मिश्री हुई वस्तु में से १० सेर निकाल फिर पानी से पीपे भर दिया। अब फिर मिश्री हुई वस्तु में से १० निकाल कर पीपे को पानी से भर दिया, शराब और पानी का सम्बन्ध २१६ : १२७ हो गया तो बताओ पीपे में कितनी शराब थी ?

( २१ ) एक नेत्र से भरे पीपे में से १६ सेर तेज निकाल कर पानी से भर दिया। फिर मिश्री हुई वस्तु में से १६ सेर निकाल कर पानी से भर दिया। इसी प्रकार का क्रिया चार बार करने पर तेज पानी का सम्बन्ध २२६ : ३६६ रहा, तो बताओ पीपे में कितने सेर तेज थे ?

( २२ ) एक वर्तन में २६ सेर दूध है। उस में से ११ सेर निकाल कर वर्तन को पानी से भर दिया। अब उस मिश्रित वस्तु में से ११ सेर निकाल कर फिर वर्तन को पानी से भर दिया। यह क्रिया बार की गई तो बताओ अन्त में दूध और पानी का सम्बन्ध क्या रहेगा ?

( २३ ) नम्बर २१ के प्रश्न में यदि निकालने तथा डालने की क्रिया ५ बार करने पर तेज और पानी का सम्बन्ध २२३ : ३८१ हो तो तेज के लाल के लाल कितना है ?













$$\therefore \frac{४८०००}{१} \text{ रु० " " " } \rightarrow \frac{४८००० \times १००}{१ \times १००} \text{ रु०}$$

$$\rightarrow \frac{४८०००}{१} \text{ रु०}$$

उत्तर = १९१११ रु० रु० पा० ।

१ उदाहरण.—४ रु० सैकड़े स्टाक के स्टाक का भाव १०१ रु० ।  
१२००० रु० के स्टाक पर मिलना दिविडेंड मिलेगा ?

१०० रु० के स्टाक से दिविडेंड = ४ रु०

$$\therefore १ \text{ रु० " " " } = \frac{४}{१००} \text{ रु०}$$

$$\therefore १२००० \text{ रु० " " " } = \frac{१२००० \times ४}{१००} \text{ रु०}$$

= ४८० रु० उत्तर

२ उदाहरण:—१ रु० सैकड़े स्टाक में १०१ रु० अगले से ११०  
की आसानी होती है तो स्टाक का भाव बताओ ।

११० रु० आसानी मिल जब के अगले से होती है = १०१ रु०

$$१ \text{ रु० " " " } = \frac{१०१}{११०} \text{ रु०}$$

$$\therefore १ \text{ रु० " " " } = \frac{१ \times १०१}{११०} \text{ रु०}$$

= १०१ रु०

३ उदाहरण:—११० रु० के भाव के १००० रु० के भाव के १  
का देना वक़्त यदि देनाओं ? प्रति सैकड़ा रु० ?

$$११० = \frac{१}{१} = \frac{१०१}{१} \text{ रु०}$$

$$१०० \text{ रु० के स्टाक के ११० रु० का देना वक़्त = } \frac{१०१}{१} \text{ रु०}$$

$$१ \text{ रु० के } \frac{१०१}{१} \text{ रु०}$$



$$१४१\frac{१}{२} + \frac{१}{२} = १४०$$

$$१४० \text{ रु० के खगाने से साबाना घामरनी} = २ \text{ रु०}$$

$$१ \text{ रु० " " " " } = १\frac{१}{२} \text{ रु०}$$

$$२४०००० \text{ " " " } = \frac{२४०००० \times २}{१२०} \text{ रु०}$$

$$= ४००० \text{ रु०}$$

### अभ्यासार्थ प्रश्न ( १४९ )

( १ ) एक मनुष्य ने २२०० रु० से लस मोहर के सेयर खरीदे, जो अब हर एक सेयर ११२ रु० में बिकने लगा तो वह कमा, तो कमाया में बिना खान हुआ ?

( २ ) एक मनुष्य ने ११ $\frac{१}{२}$  की दर का २००० रु० का सेयर खरीदा और अब प्रत्येक सेयर का दाम ११० $\frac{१}{२}$  हो गया तो वह कमा, तो कमाया कमे बिना खान हुआ अब कि दहाही प्रति पैकडा ? है ?

( ३ ) २ रु० पैकड व्याज के १८०० रु० के खाक के दाम २१ $\frac{१}{२}$  में दर में क्या होगा, अब कि दहाही प्रति पैकडा ? है ?

( ४ ) ४ रु० पैकड व्याज के २२०० रु० का खाक ४ रुप के सेयर में मोहर खेने में बिना खाने परगा अब कि दहाही ? है ?

( ५ ) एक दिन ५४०० मित्र कम्पनी के सेवती का भाव १०० रु० में तो कमाया एक मनुष्य १६०० रु० में बिना सेवती का खरीद पकडा है ?

( ६ ) १६०० सेयर १८० मि० व १२ $\frac{१}{२}$  सेयर का दर के बिना के सेयर खरीदे जा सकते है, अब कि दहाही २ मि० १९५ प्रति पैकडा ?

( ७ ) एक मनुष्य ने १००० रु० में १२ $\frac{१}{२}$  रु० पैकडा व्याज का खाक खरीदा २२ $\frac{१}{२}$  का दर में खरीदा और खाक का दाम २४०, अब कि दहाही या कमाया अब खाक का बिना खान हुआ ? है ?





( ८ ) ३६०० रु० के बन्धुई चुंगी के डिबिटर १२ रु० मैरहा प्रीमियम से बँचने में कितना रु० मिलेगा यदि दवाली १ रु० मैरहा है ?

( ९ ) २½ रु० सैकड़े ब्याज के कम्पनी कागज का भाव बढ़ाओ जब कि २००० रु० का कागज बँचने से २१०२ रु० मिलने है । दवाली प्रति सैकड़ा १ रु० है ।

( १० ) एक मनुष्य के पास ४२०० पौण्ड के स्टॉक है, यदि वह उन्हें ८०½ की दर से बेच कर जो धन मिले उसमें ४½ प्रति सैकड़ा का स्टॉक ८१ पौण्ड की दर से जोड़ ले, तो उसके पास कितने का स्टॉक होगा ?

( ११ ) एक मनुष्य ने ६६ की दर के ४½ रु० सैकड़े ब्याज के कम्पनी कागज में २१०० रु० लगाये और दुः महीने का डिबिटर लेकर उसके ६४ की दर से बेच दिया, तो बढ़ाओ उसे क्या लाभ हुआ ?

( १२ ) २½ रु० सैकड़े के ३००००० रु० के कागज का दुः माही डिबिटर क्या होगा ?

( १३ ) २½ रु० सैकड़े के १४ २०० रु० के कागज का वार्षिक हनपन कितना होगा ?

( १४ ) ४½ सैकड़े ब्याज २२१२० रु० के कागज से २ वर्ष की अवधि की प्रति रु० में ४ पाई इन्कम्पेन्ड होने के बाद क्या होगी ?

( १५ ) ३ रु० सैकड़े ब्याज का ८२ के भाव में कितने रु० का कंपनी का कागज जोड़ देने से १८० रु० का वार्षिक डिबिटर मिलेगा ?

( १६ ) एक मनुष्य ने २००० रु० में ४ रु० प्रति सैकड़े के कागज कागज ११½ की दर में खरीदा, तो बढ़ाओ कि ६ वर्षों में उसे १८०२ रु० मिलने का लाभ होगा ? दवाली प्रति सैकड़ा है

( १७ ) १ रु० सैकड़ा का १०½ की दर में कितने रु० कागज कागज का कागज खरीदा और १८ वर्षों में १ रु० १ पाई इन्कम्पेन्ड रु० के दर पर रु० कागज १८ रु० १ पाई रु० कागज खरीदा और १८ वर्षों में १ रु० १ पाई रु० कागज खरीदा ?

( १८ ) एक आदमी ने २८०१५ से एक कम्पनी का शेयर जो २५ सैकड़ा म्याज का है और १०२½ की दर से मिलता है खरीदा। तो आमदनी पर ५ पाई प्रति रुपया टैक्स देने पर उसे वार्षिक आमदनी क्या होगी दलाली प्रति सैकड़ा ½ है।

( १९ ) ३ रु० सैकड़े और १०½ की दर के ३००० के कम्पनी कागज के बदले में ३½ रु० सैकड़ा म्याज का १२½ की दर का कितने का कम्पनी कागज मिलेगा और वार्षिक आमदनी में इस बदले से क्या अन्तर पड़ेगा जब कि दलाली प्रति सैकड़ा ½ है।

( २० ) एक मनुष्य ने ८००० रु० से ७२½ की दर से ३½ रु० सैकड़ा म्याज के स्टॉक खरीदे और जब उस की दर १८½ हो गई, तो बेंच कर विप्री के रूप से ७२½½ की दर से ४ रु० सैकड़ा म्याज का स्टॉक खरीदा तो उसकी आमदनी में क्या लाभ या हानि हुई ? दलाली प्रति सैकड़ा ½ है।

( २१ ) एक मनुष्य ने ८२½ रु० के भाव से ४ रु० सैकड़े म्याज का नोट खरीदा और १ वर्ष के बाद ८० रु० के भाव से बेंच डाला, तो बराबर पैसा करने से उसे कितना लाभ या हानि हुई, जब नोट १००० रु० का था ? दलाली प्रति सैकड़ा ½ देनी पड़ती है।

( २२ ) एक मनुष्य के पास ३ रु० सैकड़े म्याज का ८१½ की दर का ३२०० रु० का नोट है। उसने इसे बेंच कर ४ रु० सैकड़े म्याज के १११½ की दर से कम्पनी कागज माल लिया, तो बताओ उसके सालाना म्याज में क्या अन्तर पड़ेगा ? जब कि दलाली ½ प्रति सैकड़ा है।

( २३ ) एक मनुष्य ने १४०० पीपड का नोट ८८ पीपड के भाव से ४ पीपड सैकड़े म्याज का खरीदा और जब नोट का भाव बढ़ कर ९१ पीपड हो गया तो नोट को बेंच कर ७० पीपड के रेखवे के हिस्से खरीदे तब पर ४½ प्रति सैकड़ा नफा मिलता था, तो बताओ उस की आमदनी में क्या पड़ेगा ?



( २४ ) एक मनुष्य को ४ रु० सैकड़े व्याज के कम्पनी कागज में ६३½ की दर से बिलाना रुपया लगाना चाहिये, कि ४ पाई प्रति रुपया इन्वर्मटैबल देकर ६५८ रु० की वार्षिक आयदनी हो ?

( २५ ) एक मनुष्य ने कुछ धन ३½ प्रति सैकड़ा पाछे सरकारी कागज में जित की दर ६७½ ईं लगाया, यदि वह उन को ६७½ की दर से खरीदता तो उसे १०० रु० के सरकारी कागज अधिक मिलते तो बताओ उसने कितने रुपय कागज खेने में लगाए ? दजाली ½ प्रति सैकड़ा ईं ।

( २६ ) ४½ सैकड़े व्याज का कम्पनी कागज खरीदने में १६४२२ रु० ८ आ० लगाने से २१३ रु० १२ आ० मासिक आयदनी होती है, तो उस कागज का भाव बताओ ।

( २७ ) एक मनुष्य १४६०० पौण्ड ३ प्रति सैकड़ा के ६० के भाव के और ३½ प्रति सैकड़ा के ६० के भाव के स्टॉक में लगाता ईं, उस की सम्पूर्ण आयदनी २०० पौण्ड ईं, तो बिलने का प्रत्येक स्टॉक उसने खरीदा ?

( २८ ) एक मनुष्य ने कुछ धन से ३½ प्रति सैकड़ा के ६८ के भाव से स्टॉक खरीदा । अगर वह ४ प्रति सैकड़ा के १०८ की दर से उनमें से धन से दूसरे तरह का स्टॉक खरीदता, तो उस व्याज में वार्षिक २० पौण्ड अधिक मिलता, तो बताओ उसने कितना धन लगाकर स्टॉक खरीदा ?

( २९ ) एक आदमी ने कुछ रुपये से ४½ प्रति सैकड़ा व्याज के सरकारी कागज १०४ की दर से खरीदा और जब प्रत्येक स्टॉक का मूल्य १०१ रु० हो गया, तो उसने बेच दिया । हमने उसे ६०० रु० का लाभ हुआ तो बताओ उसने कितना रुपय का स्टॉक खरीदा था ?

( ३० ) जब स्टॉक का भाव १०८ सैकड़ा ईं तब १२१० पौंड के कागज का ४०० लाभ हुआ ?

( ३१ ) १ पौंड व्याज का कागज का भाव ८० ईं ३, पौंड व्याज के कागज का भाव ८० ईं ३ तब वार्षिक का लाभ कागज में लगाया मित्रों को १००० पौंड तब कितना कागज का भावदारी में लगाया व्याज मित्रों ?

( ३२ ) बताओ कौन से कागज़ में रुपये लगाना अच्छा है? १½ सैकड़े ब्याज के ६८½ रु० के भाव के कागज़ में, अथवा १½ रुपये के १०५ रु० के भाव के कागज़ में ?

( ३३ ) १६४३० रु० से ४½ रु० सैकड़े ब्याज का १०९ रु० के भाव का कम्पनी कागज़ प्ररीदने से कितने रुपये महीने की आमदनी होगी, यदि १० वर्ष पीछे सम मोल के हिसाब से रुपये फेर दिया जाय, तो इसमें कितना पर वार्षिक कितने सैकड़े का ब्याज मिलेगा ?

( ३४ ) एक मनुष्य ने ३ रु० सैकड़े की ब्याज का कागज़ ४२ के भाव से बेच कर ५ रु० ब्याज का कागज़ प्ररीद किया, परन्तु उस की आमदनी में कुछ अन्तर नहीं हुआ, बताओ उसने विपुला कागज़ किस भाव में प्ररीदा था ?

( ३५ ) ५ पींड सैकड़ा ब्याज का १५½ पींड के भाव से २११९ रु० ५ शि० का कम्पनी कागज़ बेच कर ४ पींड सैकड़ा ब्याज का ८१ पींड के भाव का कागज़ मोल देने से आमदनी में क्या अन्तर होगा ? दबाली मानकर देनी पकती है ।

( ३६ ) किस में रुपये लगाना लाभदायक है ? १० सैकड़े आमदनी के बैंक के भाग में १११ के भाव से, अथवा २ सैकड़े ब्याज का कागज़ ११ के भाव प्ररीद करने में ।

( ३७ ) ३ पींड सैकड़े ब्याज का १५०० पींड का कागज़ ८१½ के भाव से प्ररीदने में क्या लाभ होगा, और इससे क्या दर ब्याज मिलेगा ? ( दबाली ½ प्रति सैकड़ा है ) ।

( ३८ ) एक मनुष्य ने ४½ सैकड़े के कम्पनी कागज़ को १०४ के भाव से प्ररीदने में कुछ रुपये लगाये, जब कागज़ का भाव बढ़ कर १०१ होगा तब उसको बेच दिया, इसमें उसको दबाली जोड़ कर १०० रु० काय हुआ, बताओ उसने कितने रुपये लगाये थे ?

( ३६ ) हमारे पास ३००० पाँड का ४ सैकड़े व्याज का कम्पनी कागज़ था; जब उस का भाव  $\text{₹} ८२\frac{१}{४}$  हुआ तब हमारे दलाल ने  $\frac{१}{४}$  सैकड़ा दलाली ले कर उसे बेच दिया और फिर उस धन को उसने  $४\frac{१}{४}$  सैकड़े के  $\text{₹} ८८\frac{१}{४}$  के भाव से कागज़ में  $\frac{१}{४}$  सैकड़ा दलाली लेकर खरीदने में लगा दिया, बताओ उस ने पिछला कागज़ कितना खरीदा ?

( ४० )  $४\frac{१}{४}$   $\text{₹} ८०$  सैकड़ा व्याज का कम्पनी कागज़ खरीदने में  $\text{₹} ५६४२२$   $\text{₹} ८० =$  घा० लगाने से  $२१३$   $\text{₹} १२$  आ० नासिक आमदनी होती है; तो उस कागज़ का भाव बताओ ।

( ४१ ) एक मनुष्य  $१६३०००$   $\text{₹} ०$  में से कुछ रुपया ४ प्रति सैकड़े के  $१०८$  के भाव के गवर्नमेंट स्टॉक में लगाता है, और शेषधन को ५ प्रति सैकड़े के  $१०६\frac{१}{४}$  के भाव के म्यूनिस्पल डिबेंचर में; बताओ प्रत्येक में कितना कितना धन लगावे, ताकि दोनों से समान आमदनी हो जाय ?

( ४२ ) मैं  $१२८०५$   $\text{₹} ०$  ४ प्रति सैकड़े वाले कागज़ में जिसकी दर  $\text{₹} ८८\frac{१}{४}$  है लगाता हूँ; जब कि उनकी दर बढ़कर  $१०२\frac{१}{४}$  हो जाती है तब बेचता हूँ और इस प्राप्ति को  $४\frac{१}{४}$  प्रति सैकड़े वात्रे में जिसकी दर  $१०५\frac{१}{४}$  है लगाता हूँ; तो मेरी आय में क्या परिवर्तन हुआ ? ( दलाली  $\frac{१}{४}$  प्रति सैकड़ा सम्पूर्ण व्यापारों में ली जाती है ) ।

( ४३ ) एक मनुष्य ने एक ही धन दो प्रकार के स्टॉक में व्यय किया;  $३\frac{१}{४}$  प्रति सैकड़ा वाले सरकारी कागज़ में जिसकी दर  $१०३\frac{१}{४}$  है और  $८$  प्रति सैकड़ा वाले म्यूनिमिपल डिबेंचर में जिसकी दर  $१०५$  है; उसकी आय एक स्टॉक से दूसरे से  $६३$   $\text{₹} ०$  अधिक है, तो प्रत्येक स्टॉक में कितना धन लगाया गया था ?

( ४४ ) एक मनुष्य के पास  $३\frac{१}{४}$  प्रति सैकड़ा वाले सरकारी कागज़ १ स्टॉक है जो  $२८५६$   $\text{₹} ०$  वार्षिक देता है । वह स्टॉक का आधा  $१०६\frac{१}{४}$  १ दर विव्रय करता है, और इस प्राप्ति को हवडे की मिल के भागों में  $१५३$



( ५० ) एक मनुष्य ने  $3\frac{1}{2}$  सैकड़े का कम्पनी कागज़  $82\frac{1}{2}$  के भाव से ख़रीद कर  $100000$  रु० पाये; फिर उसने अपने रु० का  $\frac{1}{4}$  भाग, ४ सैकड़े कागज़  $86$  के भाव से ख़रीद करने में और शेष  $3$  सैकड़े का कागज़  $90$  के भाव से ख़रीद करने में लगा दिये; बताओ इस व्यापार से उसकी आमदनी में क्या अन्तर होगा ?

( ५१ ) ४ प्रति सैकड़े के कागज़ का भाव  $80$  है और ५ प्रति सैकड़े के कागज़ का भाव  $120\frac{1}{2}$ ; किसमें रुपया लगाना अच्छा है। क़िस प्रकार का कागज़ कितने का है, जब कि आमदनी में  $30$  रुपये का अन्तर है।

( ५२ ) ४ प्रति सैकड़े के कम्पनी कागज़ को सममोल ( पार ) के भाव से मोल लेने में कितना रुपया लगाना चाहिए, कि उनकी आय उस प्रति के समान हो; जो  $100000$  रु० देकर  $8\frac{1}{2}$  प्रति सैकड़े व्याज के कम्पनी कागज़ को  $100$  के भाव से मोल लेने से होती है।

( ५३ ) ३ सैकड़े के व्याज का कागज़  $100\frac{1}{2}$  के भाव से मिलता है और  $3\frac{1}{2}$  सैकड़े के व्याज का ३ सैकड़ा चट्टे (  $80$  के भाव ) से कागज़ मोल लिया जाता है; बताओ इन दोनों में कौन सा कागज़ ख़रीद करने में रुपया लगाना अच्छा है ?

( ५४ ) एक मनुष्य  $10000$  पाँड ३ प्रति सैकड़ा के  $80$  के भाव के और  $3\frac{1}{2}$  प्रति सै० के  $80$  के भाव के स्टॉक में लगाता है; उसकी सम्पूर्ण आमदनी  $400$  पाँड है, तो कितने का प्रत्येक स्टॉक उसने ख़रीदा ?

( ५५ ) एक मनुष्य के पास  $10000$  पाँड का ३ सैकड़े का स्टॉक है; वह उसे  $83\frac{1}{2}$  के भाव से बँच देता है और जो कुछ आमदनी होती है, उसे ४ सैकड़े के  $101\frac{1}{2}$  के भाव के स्टॉक में लगा देता है, तो उसकी आमदनियों का अन्तर क्या हुआ ? [ दलाली दर सौदेपर  $\frac{1}{2}$  प्रति सैकड़ा ]

( ५६ ) एक लाख रुपया के  $3\frac{1}{2}$  सैकड़ा व्याज के गवर्नमेंट प्रीमियरी नोट में, जिसका भाव  $100\frac{1}{2}$  है। मार्गिक क्या आमदनी होगी ?



( ६४ ) २ रु० सैकड़े व्याज और ६७½ रु० की दर के कागज में कितना रु० लगाया जाए, कि धानदानी पर २½ रु० सैकड़े का इन्कम टैक्स दे कर २२१२ रु० की वार्षिक बचत हो ?

( ६५ ) ४½ रु० सैकड़े व्याज और १०३½ रु० की दर के कागज में कितना रुपया लगाया जाए, कि धानदानी पर ३ रु० सैकड़े का इन्कम टैक्स देकर २६१६ रु० की वार्षिक बचत हो ?

( ६६ ) जब ३½ रु० सैकड़े व्याज के कागज का भाव ८२ रु० था, एक धानदानी ने उसे बेच कर बिस्की के दानों से ४ रु० सैकड़े व्याज का दूसरा कागज ६२ रु० के भाव से खे लिया। इस से उस की वार्षिक धानदानी १२० रु० बढ़ गई, तो बताओ उस के पास ३½ प्रति सैकड़े व्याज का कितने का कागज था ?

( ६७ ) जब ४½ रु० सैकड़े व्याज के कागज का भाव ८८ रु० था, एक धानदानी ने उसे बेच कर बिस्की के दानों से २ रु० सैकड़े व्याज का दूसरा कागज ६६ के भाव से खे लिया। इस से उस की वार्षिक धानदानी २० रु० = छा० बढ़ गई तो बताओ उस के पास ४½ रु० प्रति सैकड़े व्याज का कितने का कागज था ?

( ६८ ) एक मनुष्य ने २ रु० सैकड़े व्याज के ७६०० रु० का कागज ७½ प्रति सैकड़े बढ़े से बेच कर बिस्की के रुपये से ६½ रु० सैकड़े व्याज के कागज १७½ प्रति सैकड़े प्रीमियम से लिये, तो बताओ इस से उस की वार्षिक धानदानी में क्या लाभ वा हानि होगी ?

( ६९ ) मुझे कितना धन ४½ प्रति सैकड़े व्याज के कागज में ८१ के भाव से लगाना चाहिये कि और ३००० रु० ३ प्रति सैकड़े के कागज में ७२ के भाव से लगा कर और कुछ धानदानी पर ४ पाई प्रति रुपया इन्कम टैक्स देकर १७४ रु० मुझे वार्षिक बच रहे ?

( ७० ) किस में ४३१२ पी० लगाना अच्छा होगा ३½ प्रति सैकड़ा कागज और ६१ के भाव के कागज में वा ६२ पाई प्रति हिस्से के भाव के उल्लेख 'मच क हिस्से में कितने शेयर' पर ४ प्रति सैकड़े का व्याज मिलना है ?

( ७१ ) एक कंपनी के २५ हिस्सों का मोल २१२२ पौंड है, डिविडेण्ड २ पौंड सैकड़े की दर से दिया जाय, तो छिने हिस्सों का १४८० पौंड होगा, जब डिविडेण्ड २½ पौंड सैकड़े की दर से दिया जा

( ७२ ) एक कंपनी के १८ हिस्सों का मोल १०२८८० है, ३५ डिवाइड ४½ सैकड़े की दर से दिया जाय, तो छिने हिस्सों का १३२००० होगा, जब डिविडेण्ड २ सैकड़े की दर से दिया जाय

( ७३ ) २ सैकड़े ब्याज के कागज का भाव १०० और १ सैकड़े ब्याज के कागज का भाव १०२ है । एक मनुष्य ने प्रत्येक १४५ २०००० का कागज मोल लिया और दूसरे ने प्रत्येक प्रसार के १००००० खगाये । दोनों को अपनी खानगी के रुपये पर जो ब्याज हम को दूँ का मित्रान करो ।

( ७४ ) २ सैकड़े ब्याज के कागज का क्या भाव होगा, जो खानगी के रुपये का १,००० पाई प्रति रुपये का इन्फ्लू है, जो २५ के वार्षिक ब्याज बन रहे ?

( ७५ ) ४½ सैकड़े ब्याज के कागज का क्या भाव होगा, जो खानगी के रुपये का १,००० पाई प्रति रुपये का इन्फ्लू है, जो २५ के वार्षिक ब्याज बन रहे ?

( ७६ ) एक मनुष्य ने प्रति सैकड़े ब्याज का कागज, जिस का भाव मित्रान है और जिस का दरवा एक साठ के छल्ल से धन मोल के दूँ खानगी, जो ४५०००० बन रहा है । यदि ५००० प्रति सैकड़े ब्याज का यह कागज किस भाव से बना चर्चिद ?

( ७७ ) एक मनुष्य ने प्रति सैकड़े ब्याज का कागज जिस का खानगी मित्रान है और जिस का दरवा एक साठ के छल्ल से धन मोल के दूँ खानगी, जो ४५०००० बन रहा है । यदि ५००० प्रति सैकड़े ब्याज का यह कागज किस भाव से बना चर्चिद ?



( ७८ ) एक अनुसूच के २२० १०, ४१ १० मैकड़े कागज के कागज से २२ १० के भाव से लगाये । जब कागज का भाव २ १० घट गया, तो कुछ कागज बेच दावा और जब भाव ४ १० बढ़ गया, तब दोबारा खरीदा । इससे उसे कुछ ३१ १० का लाभ हो गया, तो दवाकी पीड़े उस ने किन्हीं का कागज बेचा ।

( ७३ ) एक मनुष्य ने २००० रु०, २½ रु० लेखी व्याज के साथ  
 ५२½ रु० के भाव से खरीदा । जब व्याज का भाव ५ रु० बढ़ गया तो  
 कुछ व्याज बेच दिया और जब भाव ३ रु० बढ़ गया तब दोबारा बेचा ।  
 एक मनुष्य ने कुछ २ रु० का भाव खरीदा तो बचाने पर दो कमीतिके का  
 व्याज बेचा था ?

1. 10) एक मनुष्य ने एक 1100 रु. की गलियारी में अपनी 1000 रु. की गलियारी को 1000 रु. की गलियारी में बदल दिया। यह गलियारी 1000 रु. की गलियारी में बदल दी गई।

[illegible]

1. 凡在本行开立存款账户的客户，均可向本行申请开立定期存款账户。  
 2. 本行定期存款账户分为整存整付、零存整付、整存零付、零存零付四种。  
 3. 本行定期存款利率按中国人民银行规定的利率执行。  
 4. 本行定期存款期限分为三个月、六个月、九个月、十二个月四种。  
 5. 本行定期存款账户不得用于办理支付结算。

1. The first group of people who are likely to be affected by the proposed changes are those who are currently employed in the public sector. This group includes a wide range of individuals, from those who are employed in the public sector to those who are employed in the private sector. The proposed changes are likely to have a significant impact on the public sector, as it is the largest employer in the economy. The public sector is likely to be affected in a number of ways, including a reduction in the number of employees, a reduction in the number of hours worked, and a reduction in the number of jobs available. The public sector is also likely to be affected by a reduction in the number of jobs available, as the public sector is likely to be the first to be affected by a reduction in the number of jobs available. The public sector is also likely to be affected by a reduction in the number of jobs available, as the public sector is likely to be the first to be affected by a reduction in the number of jobs available.

मोज लिया । उस की कुल साजाना आमदनी २१२ रु० ८ पा०  
तो बताओ उसने कुल कितने रुपये खगाये ?

( ८४ ) एक मनुष्य को १८८२ रु० स्टाक में खगाने दी तो वहाँ  
प्रति सैकड़े म्यात्र के कारगज में जिस का भाव ० $\frac{1}{2}$  प्रति सैकड़े  
से है स्वया खगाना अधिक लाभकारी होगा, या सम मोज पर  
हिस्सा लेना, जिस पर प्रति दिन प्रति सैकड़ा २ $\frac{1}{2}$  पाई म्यात्र मिल  
और दोनों का अन्तर निकालो ।

( ८५ ) एक मनुष्य ने १ $\frac{1}{2}$  प्रति सैकड़े म्यात्र के कारगज  
रोपर २४०० रु० में लिया । उस की वार्षिक आमदनी १८० रु० ८  
हुई, तो बताओ मोज लेते समय १ $\frac{1}{2}$  प्रति सैकड़े का रोपर धिम में  
से था ?

( ८६ ) मैंने २ $\frac{1}{2}$  प्रति सैकड़े म्यात्र के लेखे रोपर ४२०२ रु०  
लिये । मेरी वार्षिक आमदनी २२२ रु० की हुई, तो बताओ मोज  
समय मैंने रोपर कितने बड़े से लिये थे ?

( ८७ ) एक मनुष्य ने ४ $\frac{1}{2}$  प्रति सैकड़े म्यात्र के कारगज में १२  
कुछ धन खगाया । जब उस का भाव १४ $\frac{1}{2}$  हो गया तो १८०० रु०  
कारगज बेच दिया और रोप को लक्ष बेचा, अब उस का भाव ८२ $\frac{1}{2}$  हो  
कुछ दिनों के रुपये उसने २ प्रति सैकड़े म्यात्र के कारगज में जो ८२ $\frac{1}{2}$   
रु का है, खगा दिये । इस प्रकार उस की आमदनी ८ $\frac{1}{2}$  रु० अधिक  
गई तो बताओ पड़ले उसने कितने रुपये खगाये थे ?

( ८८ ) एक मनुष्य ने ४ $\frac{1}{2}$  प्रति सैकड़े म्यात्र के कारगज में ११ $\frac{1}{2}$   
रु से कुछ धन खगाया । जब उस का भाव १८ $\frac{1}{2}$  हो गया, तो १२०२ रु०  
का कारगज बेच दिया और रोप को कुछ दिनों के बाद ८२ रु से बेच  
कुछ दिनों के रुपये उसने ४ $\frac{1}{2}$  सैकड़े म्यात्र के कारगज में सम मोज पर  
लिया । इस प्रकार उस की आमदनी १२ रु० बढ़ गई, तो बताओ उस  
कितना धन खगाया था ?



छदाई के बाद जर्मनी के सिक्कों का भाव इतना गिर गया था कि वे पहले कई रु० की मितलती थीं वे कुछ ही भागों की मितलने लग गयीं।

भारत वर्ष में चाँदी के सिक्कों का भाव नहीं बढ़ता, पर सोने का मौज बाजार भाव के अनुसार घटता बढ़ता रहता है और इसी के सार सरकार अपने खजाने से खेभदेन करती है। इस प्रकार भारत का लाख रु० का घाटा होता है।

एक देश के सिक्कों को दूसरे देश के सिक्कों में बदलने के सिक्कों का बाजार भाव जानने की आवश्यकता होती है जो राय के न्यापारिक कार्यों से संबंधित घटते बढ़ते रहते हैं। कभी कभी इन के बीच भी सहायता देते हैं जिन्हें इकसचेंचें बैंक कहते हैं। इन बैंकों में भी एक देश का सिक्का या धन दूसरे देश के सिक्कों में बदला जाता है भिन्न भिन्न देशों में भिन्न भिन्न सिक्कों का प्रयोग होता है और इन की बनावट शुद्ध धातु के विचार से भिन्न भिन्न होती है। इन में किसी देश के सिक्कों में शुद्ध धातु की मात्रा अधिक होती है और कि कम कभी कभी इन सिक्कों की धातुओं के अनुसार इन का मौज किया जाता है जैसे अंगरेजी साखरेन में सोना प्रातिमही में वैजंजि १ २६१ गुना होता है, इसलिए भारत में १ पाँच, १ २६१ वैजंजि समान होना चाहिए परन्तु राजनैतिक और व्यापारिक कार्यों में मान घटा बढ़ा करता है। जब एक देश का मुद्रा, शुद्ध धातु के सिक्के दूसरे देश की मुद्रा के बराबर होता है तो उसे समान बदला अर्थ परन्तु ये भी बढ़ते रहते हैं। और प्रायः बाजार भाव पर निर्भर रहते हैं।

बहुत देशों में अन्य परिमाणों की भाँति सिक्के की १०, १००, १ आदि भागों में विभाजित किए गए हैं क्योंकि ऐसे भागों के परिवर्तन अत्यन्त करने में बड़ी सामान्य पड़ती है और एक धंधे से दूसरा धंधे रूप में केवल इशमजब का चिह्न लगाकर बदल सकते हैं। अथ, ५ बेजंजिषम, स्विज्जर बैंक और यूनान के सिक्के तीस परिमाण और दर



१ उपादयण :—अगर १ शिखर १२ आने के सामान हो :  
 पीर - शिखर = पय के मिलने ह० आयेंगे ?

$$४२ पा० १ शिखर = पय - \frac{१२०}{१} पीर$$

$$१२ पा० \frac{१}{४} ह०$$

$$१ शिखर \frac{१}{४} ह०$$

$$४२ शिखर \frac{१२०}{१} ह०$$

$$\frac{१२०}{४} पा०, \quad \frac{१२०}{१} ह०, \quad \frac{१२०}{४} ह०$$

$$\frac{१२०}{४} ह०$$

२ उपादयण :—अगर २२०० इटकों के छिरी के बरतों में छिने हों  
 के लम्बाई १००० मीटर है अब १ शिखर २२०० पय और १२००  
 = १२००

$$१ शिखर = १२०० पय$$

$$२२०० पय = १२०० शिखर$$

$$१२०० शिखर = १२०० शिखर$$

$$१२०० शिखर = १२०० शिखर$$

$$\frac{१२००}{१२००} शिखर = १ शिखर$$

$$\frac{१२००}{१२००}$$

$$\frac{१२००}{१२००} शिखर = १ शिखर$$

$$\frac{१२००}{१२००} शिखर = १ शिखर$$



$$11 + 1 = 12 \text{ और } 21 + 1 = 22$$

$$\text{पहले सिक्के में मोना की मात्रा} = \frac{121 \times 11}{12} \text{ ग्रैम}$$

$$\text{और " " चाँदी " " } = \frac{121}{12} \text{ ग्रैम}$$

$$\text{और } \frac{121}{12} \text{ ग्रैम चाँदी का मूल्य} = \frac{121}{12 \times 16} \text{ ग्रैम सोना है}$$

$$\begin{aligned} \therefore \text{पहले सिक्के का मोल} &= \left( \frac{121 \times 11}{12} + \frac{121}{144} \right) \text{ ग्रैम सोना} \\ &= \frac{9229}{144} \text{ ग्रैम सोना} \end{aligned}$$

$$\text{द्वि तूमेरे सिक्के में } \frac{21 \times 21}{24} \text{ ग्रैम सोना है}$$

$$\text{और " " } \frac{21}{24} \text{ ग्रैम चाँदी है}$$

$$\text{अतः } \frac{21}{24} \text{ ग्रैम चाँदी का मोल} = \frac{21}{24 \times 16} \text{ ग्रैम सोना है}$$

$$\begin{aligned} \therefore \text{तूमेरे सिक्के का मोल} &= \left( \frac{21 \times 21}{24} + \frac{21}{24 \times 16} \right) \text{ ग्रैम सोना} \\ &= \frac{9229}{144} \text{ ग्रैम सोना} \end{aligned}$$

$\frac{9229}{144}$  ग्रैम  $\frac{9229}{144}$  की गणितीय मुख्यता करने से प्राप्त करता है

यदि सिक्के का समस्त मोल निम्नलिखित सिक्कों के समस्त मोल के सम

2. इस प्रकार समस्त ११४ है यद्वा यह सिक्के निम्नलिखित सिक्कों के सम है







( २१ ) घेंगरेजी मुद्रा अमेरिका में १ प्रति सैकड़ा बादे से है , तो बताओ समान भाव से ७१० बाजर के लिए कितने पौंड देने को आवश्यकता है जब एक बाजर ४ शि० ६ पेंस के समान हो ।

### मीटरी प्रणाली या दशमलव पद्धति

( ११७ ) मीटरी प्रणाली में सब दस्तुनों के नापने की इकाई प्रायः मीटर होता है । संसार के अधिकतर मन्त्र देशों में मीटरी प्रणाली का अब प्रयोग होने लगा है । पहले संसार के निम्न निम्न देशों में मात्र को प्रणालियों की निम्न निम्न होता थी, इसलिये अन्तर्जातीय व्यापार में बड़े कठिनाइयों पड़ती थी इसलिये अद्यतन शासकों के अन्त में सब लोग एक ऐसी इकाई के निश्चय करने का विचार करने लगे जो सब देशों में समान भाव से प्रचलित हो सके । इस प्रयत्न में प्राप्त देश के निवासियों को सफलता हुई । दशमलव के निश्चयबेवाजे हिन्दू ही हैं और यह मीटरी प्रणाली दशमलव के सिद्धान्त से बहुत कुछ समानता रखती है परन्तु मीटरी प्रणाली के आरम्भ करने का लक्ष्य प्राप्त देश ही को प्राप्त है, भारत वर्ष को नहीं । सन् १७९३ ई० में फ्रांस का महानगर ने विरचय किया कि मूल्य रीति से रक्ता प्रत्येक को दूता के एक अंगरेज भाव को नाप को इकाई मानने से सब को एक ही सुझावा रहेगा । इस दूता का नाप महा सदा व नाप रहा । ऐसा सोचा गया कि यह नाप सदा एक ही रहेगा । नाप में सदा एक स्थान का रहे । अर्थात् पाण्डु बहुत अधिक विचार के बाद जब ३ सन् १७९३ ई० में नाप को इकाई का अधिक करने ऐतिहासिक नाप को नाप इकाई प्रयोग का ही इकाई को रूप का पाह का नाप नाप के ही नाप । परन्तु अन्तर्जातीय व्यापार में नाप इकाई प्रयोग के कारण प्रणाली में बड़े कठिनाई उत्पन्न है । ( १ ) इस में नाप को नाप के नाप के नाप है । ( २ ) नाप में समानता नाप है । ( ३ ) नाप में इकाई प्रयोग के नाप के नाप ।



घौर मिरिया मिटर = १०००० मीटर  
इसी प्रकार घौर भी समझ लेना चाहिए ।

### मीटरों प्रणाली के पैमाने

मीटरों प्रणाली में: —

- ( १ ) लम्बाई की इकाई = १ मीटर
- ( २ ) क्षेत्रफल की इकाई = १ एयर = १०० वर्ग मीटर
- ( ३ ) घनफल की इकाई = १ स्क्वेयर = १ घन मीटर
- ( ४ ) तरल द्रव्यों की माप की इकाई = १ लिटर =  $\frac{1}{1000}$  घन मीटर
- ( ५ ) तौल की इकाई = १ ग्राम =  $\frac{1}{1000000}$  घन मीटर स्वच्छ पानी की तौल ।

### इकाई का परिमाण

१० मिली मीटर = १ सेंटी मीटर = ३६३००० इंच

१० सेंटी मीटर = १ डेसी मीटर = ३६३००० इंच

१० डेसी मीटर = १ मीटर = ३६३००० इंच

१० मीटर = १ डेका मीटर = ३६३००० इंच

= ३२०००००० फीट

१० डेका मीटर = १ डेका मीटर = ३२०००००० फीट

१० डेका मीटर = १ किलो मीटर = ३२०००००० फीट

= १०६३ ६३००० गज

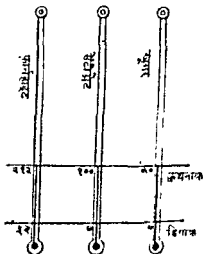
० किलो मीटर १ मिरिया मीटर = ३२००० ००० फीट

= १०६३ ६३००० गज

१ मीटर ३६३० इंच ३ फीट ३, इंच के लगभग

कभी कभी ३, फीट

इन सबों में सेंटीमीटर ही मीटरों प्रणाली के अनुकूल बनाया गया है वरन् नहीं ।



प्राम, हेमी प्राम आदि का जोड़ना घटाना गुणा और भाग करने की तरह से ही होता है ।

१ उदाहरण:—८६ मीटर १ सेंटी मीटर और २ मिमीमीटर मिमी मीटर बनाओ ।

८६ मीटर  $\rightarrow$  ८६००० मिमी मीटर

१ सेंटी मीटर = १० मिमीमीटर

कुल  $८६००० + १० + २ = ८६०१२$  मिमी मीटर

२ उदाहरण — ८६ मीटर में कितने इंच होंगे, १० सेंटी मीटर + १ इंच

$$४१ \text{ डेसीमीटर} = ४१ \text{ सेंटी मीटर}$$

$$२५४ \text{ सेंटी मीटर} = १ \text{ इंच}$$

$$\therefore १ \text{ सेंटी मीटर} = \frac{१}{२५४} \text{ इंच}$$

$$\therefore ४१ \text{ सेंटी मीटर} = \frac{४१}{२५४} \text{ इंच} \\ = १०' ०२ \text{ इंच}$$

३ उदाहरण:—२०६ वर्ग मीटर का वर्ग मिर्खीमीटर बनाओ ।

$$\begin{aligned} २०६ \text{ वर्गमीटर} &= २०६ \times १०० \text{ वर्ग डेसीमीटर} \\ &= २०६ \times १०० \times १०० \text{ वर्ग सेंटी मीटर} \\ &= २०६ \times १०० \times १०० \times १०० \text{ वर्ग मिर्खी मीटर} \\ &= २०६०००००० \text{ वर्ग मिर्खी मीटर} \end{aligned}$$

४ उदाहरण:—१६ वर्ग मिर्खीमीटर का वर्ग डेसी मीटर बनाओ

$$\begin{aligned} १६ \text{ वर्ग मिर्खीमीटर} &= \frac{१६}{१००} \text{ वर्ग सेंटी मीटर} \\ &= \frac{१६ \times १००}{१०० \times १००} \text{ वर्ग डेसी मीटर} \\ &= \frac{१६ \times १००}{१०० \times १००} \text{ वर्ग डेसी मीटर} \\ &= ०.००१६ \text{ वर्ग डेसी मीटर} \end{aligned}$$

५ उदाहरण:— एक पोटल के दुब्बे की खन्दाई, चौड़ाई और ऊँचाई क्रम से १० सेंटीमीटर, ८ सें. मी. और ६ सें. मीटर हैं और उस की लंबाई १००८ सें. मी. है तो एक घन सेंटी मीटर कितना भारी है ?

$$\text{दुब्बे का घन मात्र} = १० \times ८ \times ६ \text{ घन सेंटी मीटर}$$

$$\text{एक घन सेंटी मीटर का भार} = \frac{१}{१०००} \text{ ग्राम} = ०.००१ \text{ ग्राम}$$

इस उदाहरण से स्पष्ट है कि पोटल की लंबाई, चौड़ाई, और ऊँचाई का घन मात्र १००८ सें. मी. है तो एक घन सेंटी मीटर कितना भारी है ?

$$१ \text{ घन सेंटी मीटर} = \frac{१}{१०००} \text{ ग्राम}$$

$$१००८ \text{ घन सेंटी मीटर} = १००८ \times \frac{१}{१०००} \text{ ग्राम}$$

$$१००८ \text{ घन सेंटी मीटर} = १.००८ \text{ ग्राम}$$





१ उदाहरण :- १९४१ = ईश्वरमान में से १२४१ = प्राप्त धनको

१३४६ = हेस्तोमान = १३४६ = मान

ધોર ૧૨'૪૧ન પ્રાસ = ૧૨'૪૧ન પ્રાસ

पञ्चमे मे : पञ्चम उत्तर

अन्वयासार्यं प्रश्न ( ४५१ )

( १ ) ३ किडोमोडर डे मोडर दनाघो

( २ ) ४ डिग्रियों ५ दशमियों ७ दशमियों = नौर ७ दशमियों ५ नवमियों और ३ निम्नोत्तरी के निम्नोत्तरी बनायीं ।

( ३ ) १९४२१० निदेशित १९४२१० दिनांक १९४२१० ।

( ४ ) १५० ( २३ ) ईश्वरीय चैतन्यस्य वदन्ति ।

( २ ) ५१ के ५४ के संशोधन का कार्य समाप्त ।

( १ ) यह भी नीचे के दो नाम बताओ ।

( ० ) १२४६ संवत् ८५५ भाद्रपद १

( २५५ )

( १ ) : २३ : ४२४ : २०७५ :: १००० : २००००

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100 101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038 1039 1040 1

... ..

[illegible][illegible]

1. *Journal of the American Medical Association*, 1990; 263: 2503-2506.

100

*Journal of Management Studies*, 19(1), 67-80.

[illegible]

11. 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 2680, 2681

• *How to Write a Book* by Stephen King



( ३६ ) अगर ३० $\frac{1}{2}$  मीटर का दाम १२० ग्रॉक हो तो १ मीटर का दाम क्या होगा ?

( ४० ) अगर २० घादनी ४ दिन में १४'४ स्टेपर जमीन खोद सकते हैं तो कितने घादनी १६ दिन में १२'८ मीटर ऊंची १२'२ मीटर चौड़ी और १'६ मीटर गहरी खाई खोदेंगे ?

( ४१ ) अगर १० घंटा प्रति दिन काम करके ३२ दिन में २४ घादनी एक हावार जो ३० मीटर ऊंची, २ मीटर मोटी और १० मीटर ऊंची है बना सकते हैं तो क्या २० मीटर ऊंची, १ मीटर और २ डेसीमीटर मोटा तथा ६ मीटर ऊंची हावार को ८ घंटा प्रति दिन काम करके २४ दिन में कितने घादनी बनाएंगे ?

( ४२ ) अगर १२'७४ निरिदा घान गेहूँ का दाम २२ ४७ ग्रॉक हो तो २८'६ किजो घान गेहूँ का दाम क्या होगा ?

( ४३ ) अगर २२ ६ मीटर का दाम १४'४ ग्रॉक हो तो १२'६ मीटर के दाम क्या होंगे ?

( ४४ ) २२ किजोघान २२ घान में १६ का भाग हो ।

( ४५ ) ६३२ ग्रॉक = दक्षिण ३ सेंटियर्स में २ ग्रॉक ७ दक्षिण ४'३ घान में का भाग हो

१. १० 'किजो घान २० घान २ दक्षिणघान ३ सेंटियर्स में २२

२. १० '३००० घान में का भाग

३. ३००० घान ३००० घान २००० घान १००० घान का भाग

४. ३००० घान ३००० घान ३००० घान ३००० घान ३००० घान ३००० घान

५. ३००० घान

६. ३००० घान ३००० घान ३००० घान ३००० घान ३००० घान ३००० घान

७. ३००० घान ३००० घान ३००० घान ३००० घान ३००० घान ३००० घान

८. ३००० घान ३००० घान ३००० घान ३००० घान ३००० घान ३००० घान ३००० घान

९. ३००० घान



और भी अवरुध ध्यान देना चाहिए। ऐत्यों तथा चरागाहों की घास भी बढ़ती रहती है। यदि सम्बन्धी क्रियाएँ नाँचे के उदाहरणों से स्पष्ट हो जायेंगी।

१ उदाहरण:—एक घरागाह की घास की वृद्धि सदा एक सी रहती है। उसमें पहले से भी घास खरी हुई है। यदि ४० बैल उस घरागाह की घास को २ दिन में और १२ बैल ६ दिन में चर सकते हों तो बताओ १० दिन में कितने बैल चर सकेंगे ?

कसबा घात ७५ दिन की घरी हुई घात को ५ दिन में ४० पैज पर लेते हैं

" " ५ २ " " " " १ " " २०० ईसवी " "(१)

ॐ " " - ६ " " " " ६ " " ३५ ॐ " "

" " १६ " " " " ११ " २१० पैसा " " (२)

( २ ) ने से ( १ ) को घटावे से

( १—२ ) दिन को पत्ती हुई घास को १ दिन में १० बैल चर सकते हैं इस प्रकार स्पष्ट है कि १ दिन में १० बैलों के चराने के बिये पर्याप्त घास बढ़ जाती है ।

... ४ दिन से धान २ - १० या २० पैडों के लिए पर्याप्त होगा।

(१) मे मे इमे ह्यवे मे ह्यवे हे हि

माना जाय कि यदि  $x = 100$ — $20$  या  $120$  है तो यह मान्यता है कि यह बात ( २ ) से से  $\{ (200 - ( 100 \times 10 )) \} = 120$  है। या यह मान्यता है

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

1 1/2 1/2 3/4 3/4

[illegible]

1. The first step is to identify the problem or question that needs to be answered. This involves understanding the context and the specific requirements of the task.



घोर भी अवश्य ध्यान देना चाहिए। सेतों तथा चरागाहों की घास भी बढ़ती रहती है। वृद्धि सम्बन्धी क्रियाएँ नीचे के उदाहरणों से स्पष्ट हो जायेंगी।

१ उदाहरण.—एक चरागाह की घास की वृद्धि सदा एक सी रहती है। उसमें पहले से भी घास लगी हुई है। यदि ४० बैल उस चरागाह की घास को २ दिन में घोर ३२ बैल ६ दिन में चर सकते हों तो यथाश्रो १० दिन में कितने बैल चर सकेंगे ?

असली घास — २ दिन की बढ़ी हुई घास को २ दिन में ४० बैल चर लेते हैं  
 " " " २ " " " " " १ " " २०० बैल " "(१)  
 घोर " " " ६ " " " " ६ " " ३२ बैल " "  
 " " " ६ " " " " १ " " २३० बैल " "(२)

( २ ) में से ( १ ) को घटाने से

( ६—२ ) दिन की बढ़ी हुई घास को १ दिन में १० बैल चर सकते हैं इस प्रकार स्पष्ट है कि १ दिन में १० बैलों के चरने के लिये पर्याप्त घास बढ़ जाती है।

.. २ दिन की घास २ १० या २० बैलों के लिए पर्याप्त होगी

( १ ) में से इसे घटाने से स्पष्ट है कि

असली घास के चरने के लिए २००—२० या १२० बैलों की आवश्यकता है यही घास ( २ ) में से  $\{ ( २३० - ( ६ \times १० ) ) = १२०$  बैल भी चर सकती है

१० दिन में असली घास के लिए १२० १० या १२ बैलों की आवश्यकता है

घोर चर हुई घास के लिए प्रति दिन १० बैलों की आवश्यकता है

१० १२ २२ बैल उन

इस प्रकार २ १२ २२ घास में भी चर सकते हैं पर हाँड़ में पड़ने से २२ बैल घास को चर सकते हैं २२ बैल घास को चर सकते हैं २२ बैल घास को चर सकते हैं २२ बैल घास को चर सकते हैं

८०००

८४०० = एक वर्ष में मूत्रधन

५

४२००० हमारे वर्ष का ध्यात्र

८४००

८८२० = दो वर्ष में मिश्रधन

५

४४१०० तीसरे वर्ष का ध्यात्र

८८२०

४२११ तीनों वर्ष में मिश्रधन

८०००

४२११ तीसरे वर्ष के धन्य तक का ध्यात्र

### वृद्धि सम्बन्धी प्रश्न

( २०१ ) ऐच्छिक नियम. साधारण त्रैतायिक, समानुपात वृद्धि  
 त्रैतायिक ध्यात्र में वृद्धि की ओर कुछ भी ध्यान नहीं दिया जा  
 साधारण ध्यात्र में भी वृद्धि की ओर कुछ भी ध्यान नहीं दिया जा  
 परन्तु चक्रवृद्धि ध्यात्र में हम ही ओर ध्यान दिया जाता है। इसी वि  
 ओर ध्यान देने से ही हमका नाम चक्रवृद्धि ध्यात्र पर रखा है।  
 वृद्धि सम्बन्धी प्रश्नों की सब बातों का वर्णन यहाँ नहीं हो सकेगा।  
 सब का वर्णन अक्षर-अक्षर तथा अक्षर राशि अक्षर में रहता है अक्षरों में  
 सम्बन्धी सुगम बातों का वर्णन करना यहाँ भी आवश्यक है। यहाँ  
 ध्यान की धाम की दो गाथ २ दिन में चरें तो शर है कि यहाँ धाम  
 धाम की १ गाथ १० दिन में नहीं चर सक्ती यदि धाम की दूई का  
 विचार किया जाय। इसी प्रकार कुर्छ में भी धामी मद्रा सोती में ध्या  
 रहता है। अतएव कुर्छ के प्रश्नों को हल करने में धामी सोई है।



और यह मालूम है कि १० दिन के बड़े पानी को १ दिन में २० मनुष्य खाड़ी कर सकता है।

∴ दोनों के घटाने से स्पष्ट है कि ( ६०—२० ) मनुष्य ६००० घन फीट पानी खाड़ी कर सकता है

∴ ४० मनुष्य ६००० " "

∴ १ मनुष्य  $\frac{6000}{40}$  या १५०

घन फीट " "

∴ ७५०० घन फीट पानी खाड़ी करने के लिए ७५०० ÷ १५० = ५० मनुष्यों की आवश्यकता होगी

∴ २ दिन में ५० ÷ २ या २५ मनुष्यों की आवश्यकता होगी

और बड़े पानी के लिए प्रति दिन दो मनुष्यों की आवश्यकता होगी

∴ जब मिठा पर २५ ÷ २ या १२ मनुष्यों की आवश्यकता होगी उत्तर।

### अभ्यासार्थ प्रश्न ( १५२ )

( १ ) मान लो कि घास की वृद्धि मर्रा एक ही भी रहती है और पहले से भी कुछ घास उगी है तो उस क्षेत्र की घास को १२ दिन में कितने बैल पर लेने बिने ३ बैल १० दिन में और ५ बैल १५ दिन में खा लेंगे ?

( २ ) यदि किसी क्षेत्र की पहले से उगी हुई घास तथा इस समय का नया हुई घास को १५ बैल १० दिन में और १० बैल २० दिन में खा लेंगे है तो उसी क्षेत्र में २५ दिन तक कितने बैल खा सकेंगे ? यदि घास की वृद्धि मर्रा एक ही है।

३. यदि ४ बैल की उगी हुई तथा इस समय की बढ़ने वाली घास को १० बैल १ दिन में और १० बैल १५ दिन में खा लेंगे है तो २५ बैल १५ दिन में और १० बैल कितने दिन खा लेंगे ? यदि घास की वृद्धि मर्रा एक ही है ?











॥ होव २५ मिनट में भर जाता है। जब अ और स साथ साथ खोले जाते हैं तो वह २० मिनट में भर जाता है और जब तीनों एक साथ खोल दिए जाते हैं तो ३० मिनट में भरता है। यदि व और स नल एक साथ खोल दिए जाएँ और अ बंद रहे तो भरा होव कितनी देर में खाली हो जाएगा ?

✓ ( ० ) उन दोनों संख्याओं को बताओ जिनका अन्तर ५ है और दोनों संख्या का तिगुना बड़ी संख्या के दूने से १ अधिक है।

✓ ( = ) मैं कुछ दूर घोड़े पर प्रति घंटे १२ मील की चाल से गया और ५ मील प्रति घंटे की चाल से पैदल लौट आया। जाने आने में मुझे कुल ५½ घंटे लगे तो बताओ मैं कितनी दूर गया था ?

( ६ ) एक फौज नियमानुसार पंक्तियों में जा रही थी। हर एक पंक्ति में सिपाहियों की संख्या कुल पंक्तियों की संख्या से १० कम थी। सामने से शत्रुओं को आते हुए देख कर हर पंक्ति में ६० सिपाही बढ़ा दिए गए और इस तरह पूरी फौज केवल १० पंक्तियों में बँट गई। बताओ फौज में कुल कितने सिपाही थे ?

( १० ) एक खाई खोदने में ८० मजदूरों ने काम करना प्रारम्भ किया। पहले १० दिनों तक सब ने मिल कर काम किया, फिर कुछ मजदूरों ने काम करना छोड़ दिया। उन सबों की २४ दिन की मजदूरी पहले की अपेक्षा ५०:६४ के अनुपात में कम हो गई तो बताओ पिछले १४ दिनों में कितने मजदूरों ने काम करना छोड़ दिया ?

( ११ ) एक आदमी अपनी यात्रा का  $\frac{1}{3}$  भाग ३ मील प्रति घंटा की चाल से पूरा करता है  $\frac{1}{3}$  भाग ४ मील प्रति घंटा से,  $\frac{1}{3}$  भाग ५ मील प्रति घंटा से और शेष ६ मील प्रति घंटा से। इस प्रकार सब यात्रा ५ घंटे ४२ मिनट में पूरा कर लेता है। तो बताओ उसे कुल कितनी दूर की यात्रा करनी थी ?

( १२ ) किसी धन का दो वर्ष का व्याज ३१ पौ० १६ शि० ३½ पैसे





( १६ ) यदि २४०३ में किसी संख्या का भाग देते हैं तो ८ शेष बचता है यदि उसी संख्या से ७८४८ में भाग देते हैं तो ३ शेष बचता है ।

तो वह कौन सी संख्या है ?

( २० ) वह घोड़ी से घोड़ी कौन सी संख्या है जिस से अगर १३२० गुणा करें तो गुणनफल पूर्ण वर्ग हो ?

( २१ ) किसी लड़ाई में एक सौत्र ने शिकस्त खाई । इस में ३ आदमी मार लिए हुए भागे । जितने बाकी बचे, उन में से १ ने अपना हथियार दिया । अब बाकी में से ३ का पता न लगा कि क्या हुए और इतने पर भी २०० तिराही घायल हुए और मारे गये तो बताओ सौत्र में कितने बाकी थे ?

( २२ ) दो रेखगाड़ी एक ही समय—एक क स्थान से स स्थान के लिए और दूसरी स स्थान से क स्थान के लिए—बुझती हैं ; पहली प्रति घंटे ० मील और दूसरी प्रति घंटे २० मील चलती है । जब दोनों गाड़ी आपस में मिलती हैं तो यह नालून होता है कि एक दूसरी से १०० मील अधिक चल चुकी, तो क से स तक की दूरी बताओ ।

( २३ ) एक आपताकार खेत का क्षेत्रफल ६ एकड़ १६० व० गज है और इस की लम्बाई चौड़ाई की तिगुनी है । तो एक कोय से समाने तक के कोय तक की दूरी बताओ ।

( २४ ) राम और रमान मिल कर एक दीवार को १०½ दिन में तैयार करते हैं । राम ७ दिन में जितना काम करता है, रमान उतने को १० दिन में पूरा करता है तो बताओ दोनों अलग अलग कितने समय में करेंगे ?

( २५ ) एक मनुष्य पटना से राम नगर ३ मील प्रति घंटे की चाल से गया और ४ मील प्रति घंटे की चाल से लौट आया । यदि वह ४ मील प्रति घंटे की चाल से जाता और २ मील प्रति घंटे की चाल से लौटता तो उसे पहिले की अपेक्षा ४½ घंटे कम जगते, तो पटना से राम नगर की दूरी बताओ ।

























































यदि तुम मुझे १० धान दे दो तो मेरे पास तुम से हुने धान हो जाय । तो बराबरी प्रत्येक के पास कितने धान थे ?

( १३० ) कितो निम्न के द्वारा में ३ जोड़ देने से वह २ हो जाती है और यदि उस के हर में से दो घटा दें तो वह १ हो जाती है । तो बराबरी, वह कौन सी निम्न है ?

( १३१ ) एक घोड़े और दूसरी घोड़ी दो संख्याएं हैं । यदि घोड़ी संख्या में ० जोड़ दें तो योगफल बड़ी का घुना हो जाता है और यदि बड़ी संख्या में ४ जोड़ दें तो योगफल घोड़ी संख्या का तिगुना हो जाता है । तो अब दोनों संख्याओं को बताओ ।

( १३२ ) एक पत्ता में १२ प्रति लैकड़ा पत्ताधार्य उर्ध्व हूय । यदि १० पत्ताधार्य और रहते और उनमें से १६ फेज हो जाते तो उर्ध्व होने वाले पत्ताधार्यों की संख्या ४४०० प्रति लैकड़ा होती तो बराबरी कुछ कितने पत्ताधार्य पत्ता में पड़े थे ?

( १३३ ) एक सौदगर ने दो वस्तुओंको ४६ रु० में बेचा । उसे रहती पर १० प्रति लैकड़ा और दूसरी पर २० प्रति लैकड़ा खान हुआ । यदि प्रत्येक वस्तु पर वह १२ प्रति लैकड़ा खान उठता, तो भी उठना ही खान होगा तो बराबरी उतने कितने में प्रत्येक वस्तु को बेचा ।

( १३४ ) २३२ को ऐसे दो हितों में बांटे कि पहले भाग का १० प्रति लैकड़ा दूसरे भाग के ४० प्रति लैकड़े से २० रु० हो ।

( १३५ ) दो लड़के एक ही समय पढ़ा से इन्द्रपुर के खिर, जो पढ़ा से ११ मील का दूरी पर है, चले । पहला बितने समय में १२ मील चलता है, दूसरा उतने ही समय में ११ मील चलता है । यदि पहला लड़का इन्द्रपुर दूसरे लड़के से १ घंटा पहले पहुँच गया तो दोनों की चाल प्रति घंटा क्या है ?

( १३६ ) ब्रह्म और सुन्त ने एक ही समय रु० में पढ़ा से गया और गया से पढ़ा के खिर प्रस्थान किया । यदि वे परस्पर के निम्न के







( २०४ ) एक नाव १० घंटा में ३० मील धारा की ओर और ४४ मील धारा के विरुद्ध जाती है। वही नाव १३ घंटे में ४० मील धारा की ओर २२ मील धारा के विरुद्ध जाती है तो नाव तथा धारा की चाल बताओ।

( २०५ ) दो रेलगादियाँ जिनकी लम्बाई ६० गज और ७२ गज हैं समानान्तर पटरियों पर एक ही ओर आ रही हैं। पहली (६० गज) गाड़ी दूसरे को १२ सेकंड में पार कर जाती है। यदि धीमा चाल से चलने वाली गाड़ी की चाल दोगुनी होती तो यह उसे २४ सेकंड में पार कर जाती। तो दोनों गाड़ियों की चाल बताओ।

( २०६ ) एक शराब के दूकानदार के पास दो तरह की शराब है एक २ शि० प्रति बोतल की और दूसरी ३ शि० ४ पेंस प्रति बोतल की। तो बताओ हरेक तरह की शराब की कितनी कितनी बोतलें बेकर निजावे कि १०० बोतल निजी हुई शराब २ शि० ४ पेंस प्रति बोतल के हिसाब से बिक सके।

( २०७ ) एक मील की दौड़ में अ, ब को ४४ गज देता है और तब भी उससे २१ सेकंड पहले ही निपट स्थान पर पहुँच जाता है। दूसरी बार फिर वे दौड़ते हैं। इस में अ, ब को १ मिनट १२ सेकंड देता है, तो भी ब को २२ गज हरा देता है। तो बताओ वे दोनों १ मील कितनी देर में दौड़ सकते हैं ?

( २०८ ) दो आदमी एक ही समय एक क स्थान से ख स्थान के लिए और दूसरा ख स्थान से क स्थान के लिए रवाना हुए। १४ दिन चलने के बाद दोनों एक दूसरे को मिले। मिलने की जगह से अपनी अपनी यात्रा पूरी करने में एक से दूसरे को ३ १/२ दिन अधिक लगता है। यदि क स्थान से ख स्थान की दूरी ४६० मील है तो प्रत्येक की चाल अलग अलग बताओ।



































चाहिए। य स = १०० के बराबरी और य स को ३ बिन्दु पर दो तुल्य भागों में विभाजित करो

$$\therefore \text{अ य}^2 + २ \times १० \times \text{अ य} + \text{य द}^2 = १४४०० + १०^2$$

$$\text{या अ य}^2 + २ \times \text{य द} \times \text{अ य} + \text{य द}^2 = १६६००$$

$$\therefore (\text{अ य} + \text{य द})^2 = (१३०)^2$$

$$\text{या अ य} + \text{य द} = १३०$$

$$\text{या अ य} + १० = १३०$$

१० दोनों और घटाने से

$$\text{अ य} = २०$$

$$\therefore \text{अ य मूल्य} = २०$$

इस क्रिया से निम्न लिखित नियम निश्चयता है —

बैची को सौगुन करहु, वर्ग पचास निज़ाय ।

वर्गमूल को ताहि कर, रेडु पचास घटाय ॥

इन क्रियाओं से यह नही समझना चाहिए कि ऐसे प्रश्नों का केवल यह एक नियम निश्चयता है वास्तव में ये नियम रेखा के बराबरी पर निर्भर हैं रेखा भिन्न भिन्न लम्बाई तक बढ़ाई जा सकती है और उसी के अनुसार भिन्न भिन्न नियम भी निकाल सकते हैं वास्तव में ऐसे प्रश्नों के अनन्त नियम निकाले जा सकते हैं उदाहरण के लिए इसा प्रश्न के कुछ और नियम यही दिए जाते हैं :—

### दूसरा नियम

चितने पर धोड़ा देया जाय उनमे २ का वर्ग जोड़ो, योगफल का वर्गमूल को वर्गमूल में से २ घटाओ और तब शेषफल को १० से गुणा कर दो ।













प्राथम्य, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, पंचम, षष्ठ तथा सप्तम परिधिप्र मान से

१, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १०, ११, १२ और १३ हैं। संलग्न भिन्न का मान १३ है। इस उदाहरण से भी दिखाया जा सकता है कि संलग्नभिन्न का मान पहले, तीसरे और पाँचवें परिधिप्र के मान से कम और दूसरे, चौथे, छठे और सातवें परिधिप्र के मान से अधिक है।

इन उदाहरणों से यह भी स्पष्ट हो है कि ज्यों ज्यों इन परिधिप्रों की संख्या बढ़ती जाती है त्यों त्यों, प्रत्येक परिधिप्र का मान, संलग्न भिन्न के मान के अधिक पास पहुँचता जाता है।

करणीगत संख्याओं से संलग्न भिन्न बनाने की रीति निम्न लिखित क्रिया से स्पष्ट होगी—

१४ उदाहरणः—मान लो  $\sqrt{12}$  को संलग्न भिन्न के रूप में खाना है

$$\sqrt{12} = 4 - (\sqrt{12} - 4) = 4 + \frac{2}{(\sqrt{12} + 4)}$$

$$\frac{\sqrt{12} + 4}{2} = 2 + \frac{\sqrt{12} - 2}{2} = 2 + \frac{2}{\sqrt{12} + 2}$$

$$\frac{\sqrt{12} + 2}{2} = 1 + \frac{\sqrt{12} - 2}{2} = 1 + \frac{2}{\sqrt{12} + 2}$$

$$\frac{\sqrt{12} + 2}{2} = 1 + \frac{\sqrt{12} - 2}{2} = 1 + \frac{2}{\sqrt{12} + 2}$$

$$\frac{\sqrt{12} + 2}{2} = 1 + \frac{\sqrt{12} - 2}{2} = 1 + \frac{2}{\sqrt{12} + 2}$$

$$\frac{\sqrt{12} + 2}{2} = 1 + \frac{\sqrt{12} - 2}{2} = 1 + \frac{2}{\sqrt{12} + 2}$$









मान लो और तब सुगमता से उनका मान निश्चित लो। इन नव बातों का विस्तृतपर्यन्त हमारे भाग में किया जायगा।

### संख्याओं के निम्नलिखित आधार

१२ उदाहरण:- प्रकृतियुक्त में प्रायः जिन अंकों का प्रयोग होता है वे नव-  
के-नव नौ इकाई के अंक और एक शून्य से प्रकृतियुक्त किन् प्राप्ते हैं परन्तु ऐसा  
करना केवल सुगम मात्र ही है, आवश्यक नहीं। यदि हम लोग चाहें तो २,  
३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १०, ११ अथवा सत्रह या और अधिक अंक को भी  
इकाई मान सकते हैं और उनमें भी नव गणित का सकते हैं। यदि कोई  
आदमी चाहे तब को ही इकाई माने तो उसे इन बातों की कमी नहीं मूखता  
चाहिए कि उस दशा में कोई भी अंक ५ से अधिक नहीं हो सकता। उस  
दशा में सात दहाई होना और उसे २४२२ को लिखना पड़ेगा :-

$$2 \times 10^3 + 4 \times 10^2 + 2 \times 10^1 + 2 \times 10^0$$

यदि कोई मनुष्य सात तक के अंकों को इकाई माने और ८ को दहाई  
माने तो वह २३० २२२ में से १०१२२२ को धारण :-

$$230222$$

$$101222$$

$$111111$$

इस दशा में ११११११ और २० का गुण्य लो किया जायगा :-

$$111111$$

$$20$$

$$111111$$

$$202222$$

$$111111$$

यदि कोई आदमी केवल १ तक इकाई माने तो इन अंकों का लोचन

२२११ उनको पुनः २२१२२ का रूप प्राप्त होगा और २२१२२ के  
उदाहरण में लगे हैं :-

७ २२१३

७ ७४४ २

७ १०६ २

७ १२ १

२ १

$$२०१३ = २ \times ७ + १ \times ७ + १ \times ७ + २ \times ७ + २ \\ २११२२$$

अष्टगणित का यह अंश बहुत ही सुन्दर तथा मनोरंजक है। इस विस्तृत ग्रन्थ के अन्तर्गत भाग में किया जायगा। इस लोगों के गणित का एक ही प्रधान नियम तब तक इसी मानने है और एक ही ही परन्तु निम्न निम्न व्यवस्था का आधार मान कर भी सब क्रियाएँ सम्पन्न हो सकें कि अगर क उदाहरणों से स्पष्ट है।

### सम्प्रदाय

१. अष्टगणित का यह अंश करने सब भिन्न भिन्न अंशों के अंशों को एक ही अंश में बदलना है जैसे १।

$$१ = १ \times २ \times ३$$

$$१ = २ \times ३$$

-

$$२ = २ \times ३ = १ \times २ \times ३$$

$$३ = ३ \times २ = १ \times २ \times ३ \quad २ = २, ३ और १४ है$$

$$४ = ४ \times ३ = १ \times २ \times ३$$

२. अगर क जिसमें का अंशों में अंशों के अंशों को एक ही अंश में बदलना है जैसे १।  
 ३. अगर क जिसमें का अंशों में अंशों के अंशों को एक ही अंश में बदलना है जैसे १।  
 ४. अगर क जिसमें का अंशों में अंशों के अंशों को एक ही अंश में बदलना है जैसे १।

# फर्माडो

न

१७ उदाहरण :— $2^n + 1$  को फर्माडो कहते हैं। फर्मा पारचाय देरा  
अ एक बहुत हो अधिक प्रतिद गणितज्ञ हो गया है। न को निच निच  
संख्या नावने से

न

$2^n + 1$  के घनन्त नान हो सकते हैं।

जैसे नावलो कि  $n=1$

न

१

$$\text{तब } 2^1 + 1 = 2^1 + 1$$

$$= 2^2 + 1$$

$$= 4 + 1$$

$$= 5$$

इसे  $F_1$  से प्रकृष्ट करवे की चाक है  $\therefore F_1 = 5$

न

इतो प्रकृष्ट  $F_2 = 2^2 + 1$

२

$$= 2^2 + 1$$

४

$$= 2^4 + 1$$

$$= 16 + 1$$

$$= 17$$

$$\therefore F_2 = 17$$

न

इतो प्रकृष्ट  $F_3 = 2^4 - 1$

३

$$= 2^4 - 1$$

=

$$= 15$$



परन्तु यदि चक्रवृद्धि व्याज हो और दर १० प्रति सैकड़ा हो तो एक वर्ष में १०० का व्याज १० होगा यह व्याज साल के अन्त में अथवा दूसरे वर्ष के प्रारंभ में मूलधन में जोड़ दिया जायगा और दूसरे वर्ष के प्रारंभ में मूलधन ११० हो जायगा । ११० का सालाना दर ११ पौ व्याज होगा और तीसरे साल के प्रारंभ में उसका मूलधन १२१ हो जायगा । १२१ पौंड का १ वर्ष में १२ पौंड २ शि० व्याज होगा । इसी प्रकार यदि इस प्रश्न को लगाया जाय तो पता चलेगा कि दसवें वर्ष के अन्त में उसका मूलधन २५६ पौंड ७ शि० ६ पेंस हो जायगा । वास्तव में यह प्रश्न यों भी लग सकता है :—

$$1\frac{1}{8} \times 1\frac{1}{8} \times 1\frac{1}{8} \times 1\frac{1}{8} \times 1\frac{1}{8} = 1\frac{1}{8} \cdot 1\frac{1}{8} \times 1\frac{1}{8} \times 1\frac{1}{8} \times 1\frac{1}{8} \times$$
  
 $100 = (1\frac{1}{8})^5 \times 100 = 256 \text{ पौं } 3 \text{ शि० } 6 \text{ पैस। परन्तु चक्रवृद्धि व्याज}$   
 के लगाने का यह नियम उचित नहीं प्रचलता क्योंकि इसमें तो यह बात  
 मान ली गई है कि मूलधन साख्खर तक कुछ नहीं बढ़ता और साख के अन्त  
 में एक दिन बढ़ जाता है। यदि यह मान लें कि छठे नहीं बने मूल धन बढ़  
 जाता है तो इससे अधिक ठीक होगा क्योंकि वास्तव में तो मूलधन साख के  
 भीतर भी बढ़ता ही रहता है।

६ नहींने का व्याज = २ पौंड  $\therefore$  १ पौंड का निधधन =  $(1 + \frac{1}{2}) = \frac{3}{2}$

६ नहोने का एक चक्र है

∴ १० वर्ष में कुल २० चक्र होंगे

$$\begin{aligned}\therefore 100 \text{ पैसे का निम्नवन} &= \frac{21}{22} \times \frac{21}{22} \times \frac{21}{22} \dots 20 \text{ बार यही} \times 100 \\ &= \left(\frac{21}{22}\right)^{20} \times 100 \\ &= 265 \text{ पैसे} = \text{रु०}\end{aligned}$$

परन्तु वास्तव में यह नियम भी उल्लिखित नहीं है क्योंकि १. नहींने के अन्त में भी कुछ-न-कुछ व्याज अवश्य ही हो जाएगा। मान लिया कि वषं में १० पार व्याज मूलधन में जोड़ा जाता है वषं में अब १०० ब्रह्महोते

















गया। अब १० गैलन निधित वस्तु निकाल कर उसमें फिर १० गैलन पानी ढाल दिया गया। यही क्रिया कई करोड़ बार की गई तथापि उस पीपे में कुछ—न—कुछ शराब का हिस्सा रह ही गया तो बताओ उस पीपे से शराब को बिल्कुल निकाल देने के लिए यह क्रिया कितनी बार धौर करनी पड़ेगी? क्या इस क्रिया की सहायता से उस पीपे में कभी भी केवल पानी—ही—पानी रह जायगा?

( ३० ) एक मनुष्य ५ घौर ६ यजे के बीच में अपने घर से बाहर गया और ६ तथा ७ यजे के बीच में लौटा। लौट कर उसने देखा कि घड़ी की सुइयों ने अपने स्थानों को परिवर्तन कर लिया है। तो बताओ वह कै यजे अपने घर से बहार गया था?

( ३१ ) मैं चार घौर पाँच यजे के बीच में अपने घर से बाहर टहलने गया था और ५ तथा ६ यजे के बीच में लौटा। मैंने धाकर देखा कि चलते समय जहाँ पर घंटे वाली सुई थी वहीं पर अब निनट वाली सुई था गई थी और निनट वाली सुई के स्थान पर घंटे वाली सुई था गई थी तो बताओ मैं कै यजे अपने घर से बाहर टहलने के लिए गया था?

( ३२ ) एक जहाज़ १५ मील प्रति घंटा के हिसाब से पूर्व की ओर जा रहा है। यह एक विशेष स्थान पर बारह यजे पहुँचता है। एक दूसरा जहाज़ उत्तर की ओर से चला जा रहा है और यह जहाज़ उस विशेष स्थान पर छेड़ यजे पहुँचता है तो बताओ कि वे एक दूसरे से निकटतम कब होंगे? और तब उनके बीच की दूरी क्या होगी?

( ३३ ) एक जहाज़ १२ मील प्रति घण्टे के हिसाब से उत्तर की ओर जा रहा है। इस जहाज़ ने अपने से १० मील की दूरी पर अपने ठीक पूर्व की ओर एक दूसरे जहाज़ को जो १६ मील प्रति घंटे के हिसाब से ठीक पश्चिम की ओर जा रहा था देखा। तो बताओ कि इन दोनों जहाज़ों के बीच का समय से कम दूरी क्या होगी? वे एक दूसरे से निकटतम कब होंगे?









( ४८ ) मयमूल्य के तिगुने प्रति सैकड़े लाभ से एक मनुष्य ने अपने देल को ३२ रु० में बेच दिया तो पैज का मयमूल्य क्या है ?

( ४९ ) मय मूल्य के पागुने प्रति सैकड़े लाभ से एक मनुष्य ने अपने देल को ३६ रु० पर बेच दिया तो पैज का मयमूल्य बताओ ।

( ५० ) एक मनुष्य ने अपनी गाय को उतने ही सैकड़ा हानि उठाकर २२ रु० पर बेच दिया जितने पर उसने खरीदा था तो गाय का दान बताओ । यदि उसे २४ रु० पर बेचा होता तो गाय का दान क्या होता ?

( ५१ ) एक मनुष्य ने मयमूल्य के चापे प्रति सैकड़ा हानि उठ कर अपने माज को ४८ रु० में बेच दिया, जितने पर उसने खरीदा था । तो माज का मय मूल्य बताओ ।

( ५२ ) एक संख्या के वर्गमूल का दस गुना, उसी संख्या का आठवां भाग और ६ मिलकर उस संख्या के समान हो जाते हैं तो उन संख्या को बताओ ।

( ५३ ) किसी संख्या के वर्ग का २ गुना और ४ मिल कर उस संख्या के १२ गुने के समान है । तो वह कौन सी संख्या है ?

( ५४ ) एक घंटा का एक ऐसी संख्या बताओ जिसके बलों, घनों, तथा अगुर्ध पात्र आदि सभी में घन्टा के एक घंटा के ही हो तो उन संख्या में हो जितना बनी, सब आदि किया गया है ।

( ५५ ) क्या घर २४ को साह और जो कोई एक ही संख्या है ? यदि हो सकता हो तो उन्हें बताओ ।

( ५६ ) साह घंटे का ऐसी संख्याओं के विचारों जिसके बलों के घन्टा के तीस घंटा की रही हो तो उन संख्या में है जितना उन्हें किया गया है ।

( ५७ ) दो घंटों का साह कौन सी वर्ग संख्या है जिसके घन्टा घंटों में एक एक कोह देवे में तो वह वर्ग—संख्या साह बताओ ?

















$$\begin{array}{r}
 (20) \quad 1. \overline{1} \\
 \quad \quad 1. \overline{1} \\
 \quad \quad \quad 1. \overline{1} \\
 \quad \quad \quad \quad 1. \overline{1} \\
 \quad \quad \quad \quad \quad 1. \overline{1} \\
 \quad \quad \quad \quad \quad \quad 1. \overline{1} \\
 \quad \quad \quad \quad \quad \quad \quad 1. \overline{1} \\
 \quad \quad \quad \quad \quad \quad \quad \quad 1. \overline{1} \\
 \quad \quad \quad \quad \quad \quad \quad \quad \quad 1. \overline{1} \\
 \quad \quad \quad \quad \quad \quad \quad \quad \quad \quad 1. \overline{1} \\
 \quad \quad \quad \quad \quad \quad \quad \quad \quad \quad \quad 1. \overline{1} \\
 \quad \quad \quad \quad \quad \quad \quad \quad \quad \quad \quad \quad 1. \overline{1}
 \end{array}$$

अनन्त तक

( 21 ) ( अ ) ११३२१ को १ के भाज्य पर प्रकटित करो ।

( ब ) ११३२१ को १२ के भाज्य पर प्रकट करो ।

( 22 ) ( अ ) २१ के भाज्य पर ११२३२११ जिया है तो इसे २ के भाज्य पर जियो ।

( ब ) १ के भाज्य पर २१२ जिया है तो इसे १० के भाज्य पर जियो ।

( 23 ) १ को भाज्य मान कर १००१२१२१ में ४१०२ का भाग हो

०४ १ को भाज्य मानकर ११२२४ का वर्ग मूल निकालो ।

०४ १ को भाज्य मानकर १४१२ ४४ का वर्ग मूल निकालो

और भाग का १ के भाज्य पर जियो

०४ १ को भाज्य मान कर १००१ ००१०४ में प्रकटित किया गया होगा अब इसे १०० के भाज्य पर जियो ।

०४ १ को भाज्य मान कर जियो कि ११११ का १००० पर १ ००४ मिला ।

०४ १ को भाज्य मान कर जियो कि ११११ का १००० पर

१ ००४ मिला १ को भाज्य मान कर जियो कि ११११ का १००० पर





( ताल्य , परिदृष्टों का मान, संक्षिप्त मिश्रों के मान से कम होता है  
भी मित्र क्या कि उषां उषां परिदृष्टों की समता बढ़ती जाती है। ( १० )  
क मान संक्षिप्त मिश्र के मान के समान होता उदा जाता है ।

( ११ ) १०० गीत का मिश्रधन २० वर्ष में २ गीत प्रति वैकृता  
व्याज क दियाव में मिलना हो जायगा ?

( १२ ) २ प्रति वैकृता अकृष्टि व्याज की दर से मिली वन स  
मिलने दिना में हो जायगा ?

( १३ ) १०००० गीत व वर्ष के बाद मिलने जा रहा है तो १  
मान वैकृता अकृष्टि व्याज की दर से समता नाचाव वन बताओ

( १४ ) १० प्रति वैकृता अकृष्टि व्याज की दर से १००० गीत  
१००० गीत मिलने दिना में हो जायगा ?

( १५ ) मित्र क्या कि २ प्रति वैकृता अकृष्टि व्याज की दर से  
१० में काट वन योग्य व भी सजिद हो जायगा ?

( १६ ) ४ प्रति वैकृता अकृष्टि व्याज की दर से मिल वन स  
हो व १००० गीत हो जायगा ?

( १७ ) ८ प्रति वैकृता अकृष्टि व्याज की दर से १०० गीत  
१०० गीत मिलने दिना में हो जायगा ?

( १८ ) १० प्रति वैकृता अकृष्टि व्याज की दर से मिले वन  
१००० गीत मिलने में हो जायगा ?

( १९ ) १०० गीत की दर से मिलने में उक्त व्याज की दर से  
१००० गीत मिलने में हो जायगा ?

( २० ) १००० गीत की दर से मिलने में उक्त व्याज की दर से  
१००० गीत मिलने में हो जायगा ?

( २१ ) १००० गीत की दर से मिलने में उक्त व्याज की दर से  
१००० गीत मिलने में हो जायगा ?

( २२ ) १००० गीत की दर से मिलने में उक्त व्याज की दर से  
१००० गीत मिलने में हो जायगा ?



( २ ) मनुष्यों की एक पंक्ति को जिसकी लम्बाई १०० फीट है, गली से निकलने में जो एक मोड़ २० फीट लम्बी है कितनी देर लगे जब कि वह एक मिनट में २८ पद प्रत्येक २१ फीट का रखते हैं !

( ३ ) एक काम को १५ आदमी ४० दिन में करते हैं। यदि दसवें दिन ५ आदमी कम होते जायें तो बचाओ काम कितने दिनों में पूरा हो जावेगा ?

( ४ ) एक मनुष्य ने कुछ नारङ्गियाँ १ आने की ३ के भाव से बेची थीं और उतनी ही १ आने की २ के भाव से मोड़ लीं, सब नारङ्गियाँ उसने दो आने की २ के भाव से बेच डालीं; तो बताओ उससे प्रति सैकड़ा लाभ या हानि हुई ?

( ५ ) अ और ब की अवस्थाओं का जोड़ इस समय ७० वर्ष है। १० वर्ष हुए तब उनकी अवस्थाओं में ० व २ की निम्न ( अनुपात ) रहे तो बताओ अब उनकी अवस्थाएँ क्या हैं ?

( ६ ) एक नगर की मनुष्य संख्या इस समय २००० है और १० वर्षों में सैकड़ा प्रत्येक वर्ष बढ़ती जाती है; तो बताओ १ वर्ष उपरान्त उसकी मनुष्य संख्या क्या होगी ?

( ७ ) अ, ब, स, एक घेत के चारों ओर ८, १० और १२ मिमी हैं घूम सकते हैं; तो बताओ घूमना आरम्भ करने के कितने देर का फिर मिलेंगे ?

( ८ ) १० व २० अ, ब और स में इस भाँति बाँटो कि अ को २ से विभूय मिले और स को ब से १० व २० कम मिलें ।

१६२१

अष्टागणित

समय—३ घण्टे

[ प्रत्येक प्रश्न के नम्बर किनारे पर दिये हुये हैं । प्रत्येक प्रश्न की क्रिया स्पष्ट और विधि-सहित होनी चाहिये । ]

१—'०४२१ और '००२६ के योगफल और अन्तर को गुणा करो और उसके वर्गमूल के दसवें भाग को '०२, '०३, व '०० के गुणनफल के दसगुने से भाग दो । ... ६

२—तीन मनुष्य घिन के ढगों की लम्बाई २३ फीट, २३ फीट और ३ फीट है एक मील दहले तो बताओ कि उनके क्रदन (दग) कितनी बार एक साथ पड़े ? ... ६

३—अष्टागणित द्वारा रई की ४१ गठरी का मोल १४ रु० १२ प्या० = पा० प्रति मन की दर से निपाओ जब कि एक गठरी ४ मन ३ सेर = प्या० की है । ... ७

४—दो मैा मिट्टी के एक ढेर में रुपये, घट्टी, व चौपटियां निजी हुई हैं । और उनके मोल में अनुपात २०, १२ और ६ का है तो चौपटियों की संख्या बताओ । ... ६

५—एक कम्बरे की लम्बाई चौड़ाई से दुनी है और उसकी चटाई का लम्बाई ६ सिंघिंग प्रति गज की दर से ४४ पी० २ सि० है और दोरातों की पुताई का लम्बाई १ सि० ६ पें० प्रति वर्ग गज की दर से = पी० = सि० है तो कम्बरे की लम्बाई, चौड़ाई व ऊँचाई निखाओ । ७

६—एक व्यापारी ने ५ फाट मैा मैा रुपये को बेंचे जिस में एक पर २० सिंघिंग निपाओ जान और दूसरे पर २० प्रति निपाओ जानि हुई तो बताओ कि उसके लाभ हुआ या हानि और कितना ? ७

७—एक व्यापारी ५ फाट मैा मैा रुपये को बेंचे जिस में एक पर २० सिंघिंग निपाओ जान और दूसरे पर २० प्रति निपाओ जानि हुई तो बताओ कि उसके लाभ हुआ या हानि और कितना ? ७





## अष्टगणित

११२१

### अंकगणित

सनय—३ घण्टे

[ प्रत्येक प्रश्न के नम्बर किनारे पर दिये हुये हैं। प्रत्येक प्रश्न की विशिष्ट और विधि—सहित होनी चाहिये। ]

१—०४२१ और ००२४ के योगफल और अन्तर को गुणा करो और उसके वर्गमूल के दसवें भाग को ०२, ०३, व ०० के गुणनफल के दसगु से भाग दो।

२—तीन मनुष्य त्रिन के ढगों की लम्बाई २½ फीट, २¼ फीट और २ फीट हैं एक नील टहले तो बताओ कि उनके कदम (दग) कितनी बार एक साथ पड़े ?

३—व्यवहार गणित द्वारा रुई की ४१ गटरी का मोल १४ रु० १२ पैसे = पा० प्रति मन की दर से निकालो जब कि एक गटरी ४ मन ३ सेर = द्वांश की है।

४—दो नौ सिद्धों के एक ढेर में रुपये, अठगो, व चौअन्नियां मिली हुई हैं। और उनके मोल में अनुपात २०, १२ और ३ का है तो चौअन्नियों की संख्या बताओ।

५—एक कमरे की लम्बाई चौड़ाई से दूनी है और उसकी चटाई का क्षेत्र ६ शिलिंग प्रति गज की दर से ४४ पौ० २ शि० है और दीवारों की पुताई का क्षेत्र १ शि० ६ पैसे प्रति वर्ग गज की दर से ८ पौ० ८ शि० है तो कमरे की लम्बाई, चौड़ाई व ऊँचाई निकालो।

६—एक व्यापारी ने २ घोड़े सौ नौ रुपये को बेंचे जिस में एक पर २० प्रति सैकड़ा लाभ और दूसरे पर २० प्रति सैकड़ा हानि हुई। तो बताओ कि उसको लाभ हुआ या हानि, और कितना ?

७—एक व्यापारी ने ऐसी मगज खरीदी कि जिसकी एक और १२ मन खरीने से दूसरी और केवल ३८ सेर तुल्य मके। उसने ४ रु० ८

















# बहुपक्षित

यदि एक घर कुछ खरबों तौल में १६ पौंड हो तो तन्दूर में  
पताचो।

मार्च तन् १८२५ ई०

( १ ) इतनाखत गुप्ता के इत हब किये हुए मध्य में कुछ मझों के  
पर जो निद गये हैं गुप्ता का चिन्ह X दिया है, इन स्थानों में कुछ बि

१८०४२

X X ०६

X X X X X X

१४ = ६ X X

२ ० १ १ १ X

२ १ २ ४ X X

२३१ ४ २ २ १ १ २

( २ ) कितों ज्योत्सो ने १०००) २० के धावत्र मोख बिदु उनमें से  
चौपाई धावत्र ४ मवि लैकड़ा खानि से दिहे; धर सिधो का भाव मवि लैकड़ा  
कितना बहा दिया जाय कि धेर धावत्रों को उस भाव से यैवने से कुछ न  
१ २० मवि लैकड़ा खान हो।

( ३ ) हण्ड नन्द ने एक दुकान नितो दून बड़ी तन्व १८११ के  
१२०० २० लगत कर लोखो। उस दिन दो गौं धोखी मोहा ३१ २० मवि

गौं के हिनार से राधेनोहन की दुकान से, और ४० धान नारसोन १० २०  
मवि धान के भाव से धीरान के बहाँ से नैपारे। १० २० की बहाइ सिधो

हुई, और ११० २० का नारसोन नदारी जाय छे गया और ६० २०  
नगाव है गया, उस दिन का हिनार रोकर बहाँ और गाना यहाँ से कैंने  
लिखोये ?

१ ४ लखनऊ लख को गाने से कितों धर का निध धर २ वरं से







पश्चात् लड़के को उम्र से दुगनी रह जायेगी । यताश्रो उसके साथी की उम्र कितनी थी ?

...६

३—एक दियासलाई का बक्स २'५ इंच लम्बा, १'७५ इंच चौड़ा और ८ इंच ऊंचा है । यदि प्रत्येक दियासलाई का घन फल ०'३५ घन इंच हो तो इस बक्स में कितनी दियासलाईयाँ धा सकती हैं ?

...६

६०

### अंकगणित १६२७

( समय - ३ घण्टे )

नोट—प्रत्येक प्रश्न की क्रिया सारू होनी चाहिये ।

✓(१) ७८६२७ को ७२६४८ से तीन पंक्तियों में गुणा करो ।

( २ ) २७५'०४६ में ७ और ४ के स्थानीय मान का अन्तर निकालो ।

( ३ ) सेठ फूजचन्द ने मिती पूस सुदी ५ सम्बत् १९८१ को ३० मन चना ४ रु० २ आ० मन की दर से और ४० मन चावल ७ रु० २ आ० मन की दर से गज्राधर अनाज वाले से उपार खरीदे और १० मन चीनी १६ रु० ८ आ० मन की दर से नरुद मँगवाई । घन्तू घाड़तिये के यहाँ से १२० मन गेहूँ ८ मन से खरीदे । १ रु० ५ आ० किराया, १० आ० घाड़त और २ आ० रामलीला की यावत जगे, जिसमें से ३०० रु० नरुद दिये गए । शान को ४४२ रु० ८ आ० नरुद बाकी बचे, । यताश्रो उस दिन पहली धी रोकड़ बाकी क्या थी । रोकड़ यही का नमूना लिख कर विधि निलाओ ।

( ४ ) किसी संख्या का वर्गमूल २२'८२ है और दो स्थान दशमलव तक वर्गमूल निकालने के बाद ४७८ बाकी बचे । उस संख्या का वर्गमूल ५ दशमलव स्थान तक क्या होगा ?

( ५ ) एक दुकानदार ११ चाकू १० रु० में खरीदता है और १० चाकू ११ रु० में बेचता है, तो उसे प्रति सैकड़ा क्या लाभ होगा ?



४—अ, व और स ने मिलकर व्यापार किया। अ का ३००० रुपया  
 ३ नहोने तक व का २००० रुपया ६ नहोने तक और स का ६००० रुपया  
 ० नहोने तक व्यापार में लगा रहा। यदि ० नहोने के पाँचें कुछ लाभ  
 ०२० रुपया हो, तो हर एक को लाभ में कितना रुपया मिलेगा ?

१—कुछ नाब ४२० रुपया में मोल किया गया और एक तिहाई नाब  
 खरीद के शर्तों पर बेचा गया। तो बताओ कि बाकी को कितने प्रति  
 सैकड़ा लाभ पर बेचा जाने कि कुछ लागत पर २० प्रति सैकड़ा  
 लाभ हो।

६—एक रकम के ३ वरं के साधारण और चक्रवृत्ति व्याज में ३३२  
 रुपये ८ आने का अन्तर है तो रकम बताओ जब कि दर २ प्रति सैकड़ा  
 प्रति वरं हो ?

०—पिता की आयु पुत्र की आयु से २२ वरं अधिक है ५ वरं के  
 साधारण पिता की आयु पुत्र की आयु से कहीं हो जायगी। बताओ पुत्र की  
 वर्तमान आयु क्या है।

८—एक आदमी एक बग के गिरुं ( चारों ओर ) ३ मोल का घहर  
 लगा है यदि बग २६ गज बन्हा और ८० गज चौड़ा हो तो उसने कुछ  
 ने घहर लगाये।

९—१८२१६ और १८२१२ का गुणनफल दो रकमों में निकालो।



























# उत्तरनामा

- ( ४१ ) अन्वि १०१२१६; योग २१ ( ४२ ) अन्वि ११६ योग ४  
 ( ४३ ) अन्वि ११२०१; योग ० ( ४४ ) अन्वि १२११२; योग ४  
 ( ४५ ) अन्वि २२१०२; योग १००१ ( ४६ ) अन्वि ०१२००२; योग ४  
 ( ४७ ) अन्वि २११२; योग ११६ ( ४८ ) अन्वि १००१ योग ०२  
 ( ४९ ) अन्वि ४८; योग १२ ( ५० ) अन्वि २०२; योग १२  
 ( ५१ ) अन्वि १०८; योग १०

## अभ्यासार्थं मदन ( १९ ) पृष्ठ ७३

- |                      |                        |
|----------------------|------------------------|
| ( १ ) १४४, १२४, ११६  | ( २ ) ०२६, ०८४, ८४१    |
| ( ३ ) १११, १०१, १११  | ( ४ ) ११२६, १४४४, १२२३ |
| ( ५ ) १६८१, १०१२, ८१ | ( ६ ) १२१६             |
| ( ७ ) ००२६           | ( ८ ) ०६२१             |
| ( ९ ) ११२६           | ( १० ) १०१२२           |
| ( ११ ) १४६४१६        | ( १२ ) १११०२२          |
| ( १३ ) ८१२६४१००      | ( १४ ) ११२२४४१६        |
| ( १५ ) ११६११११८६     | ( १६ ) ११२०११२४००००    |
| ( १७ ) १११००२६       | ( १८ ) १८२६, १०१८      |
| ( १९ ) १२०१८         | ( २० ) १०१८२६          |
| ( २१ ) १८१०१०        | ( २२ ) १४१११२          |
| १३ ११११              | ( २३ ) ११४११०२६        |
| १४ १११११००३          | ( २४ ) १११८०००१६       |
| १५ १११११११११         | १८ १११०२६११८८८         |
| १६ १०११              | १० १११११               |
| १७ १०११०१            | ११ ११११११              |
| १८ १०११०१            | १२ १०१                 |
| १९ १०१०१             | १३ १११०                |
| २० १०१०              | २८ १११११               |



# उत्तरनामा

- ( २६ ) ३२  
 ( ३१ ) २२६२ रु०  
 ( ३३ ) क ३० रु०, ख १२ रु०, ग २० रु०  
 ( ३४ ) क १६ रु०, ख २४ रु०, ग २२ रु०  
 ( ३५ ) जगन १२ रु०, गिरियरधारी २६ रु०, कौजधारी २२ रु०,  
 ( ३६ ) कदख ११२, लोचो २४२, धान ३६१  
 ( ३७ ) क ३२, ख ६०, ग २२  
 ( ३८ ) १२३३ रु०  
 ( ४० ) १३  
 ( ४२ ) २०  
 ( ४४ ) क २३ रु०, ख २२ रु०, ग ४२ रु०  
 ( ४५ ) धान २०२, लोचो २६०  
 ( ४६ ) जानुन २२, लोचो १०२, धान १२०  
 ( ४७ ) पहिले में ३२, दूसरे में २२, तीसरे में १००  
 ( ४८ ) क ४०, ख ६०, ग १०२  
 ( ४९ ) मोहन २२, लोहन २०, राधा १००  
 ( ५० ) २४, १६, २  
 ( ५१ ) नई ३, लोचो ६, लदख ३  
 ( ५२ ) १२१११२३२२६३  
 ( ५३ ) १०३२  
 ( ५४ ) १०४ गज  
 ( ५५ ) ०४  
 ( ५६ ) ०  
 ( ५७ ) १०४  
 ( ५८ ) १०४  
 ( ५९ ) १०४  
 ( ६० ) १०४  
 ( ६१ ) १०४  
 ( ६२ ) १०४  
 ( ६३ ) १०४  
 ( ६४ ) १०४  
 ( ६५ ) १०४  
 ( ६६ ) १०४  
 ( ६७ ) १०४  
 ( ६८ ) १०४  
 ( ६९ ) १०४  
 ( ७० ) १०४



- ( २० ) ७२ गज १ क्रीट ३ इंच ( २१ ) ३४ रु० १ पा०  
 ( २२ ) १६ मन १० सेर १३ घुटाक ( २३ ) १० पौ० १६ सि० ० पे०  
 ( २४ ) १३ मन ६ सेर ३ घुटाक ( २५ ) ६ दिन २० घंटे ३३ मिनट  
 ( २६ ) ३ घंटा १५ मिनट ४३ सेकंड ( २७ ) १३१ गज २ क्रीट ३ इंच  
 ( २८ ) ४ पौ० १८ सि० २ पेस २ फादिङ्ग  
 ( २९ ) ४ पौ० ११ सि० १० पेस ३ फादिङ्ग  
 ( ३० ) १६ घंटा २२ मिनट ६ सेकंड  
 ( ३१ ) २३ बीघा १० विरवा ५ विरवांसी  
 ( ३२ ) २६ यो० ६ बि० १६ विरवांसी  
 ( ३३ ) ४ फर्लाङ्ग ७ गज १ फीट ११ इंच  
 ( ३४ ) ७ फर्लाङ्ग ८ गज २ क्रीट ० इंच

### अभ्यासार्थ प्रश्न (२२) पृष्ठ १००

- ( १ ) १४ घाने २ पैसे ( २ ) १ रु० १२ घाने १ पैसा  
 ( ३ ) २ रु० १३ घाने ३ पैसे ( ४ ) २ रु० ३ घाने २ पैसे  
 ( ५ ) २ रु० १४ घाने ( ६ ) ० रु० ६ घाने  
 ( ७ ) १ रु० १ पैसा ( ८ ) १६ रु० १३ घाने ३ पाई  
 ( ९ ) २३ रु० ८ घा० ३ पाई ( १० ) ३२ रु० ६ घा० २ पाई  
 ( ११ ) ७७ रु० ३ घा० ११ पाई ( १२ ) २२० रु० ८ घा० ८ पाई  
 ( १३ ) २३८ रु० १४ घा० ३ पाई ( १४ ) ६ मन २२ सेर २ घुटाक  
 ( १५ ) २४ मन २४ सेर १६ घुटाक ( १६ ) ८८ मन ६ सेर ३ घुटाक  
 ( १७ ) २८४ मन १४ सेर १० घुटाक ( १८ ) ११ गज २ क्रीट ८ इंच  
 ( १९ ) २४ गज ० क्रीट २ इंच ( २० ) ३६ गज १ इंच  
 ( २१ ) १८ गज १ क्रीट ३ इंच ( २२ ) १३ पौ० १६ शिल्लिङ्ग ७ पेस  
 ( २३ ) ४० पौंड १० शिल्लिङ्ग ( २४ ) ६८ पौंड ३ शिल्लिङ्ग ७ पेस  
 ( २५ ) ६० पौंड १० शिल्लिङ्ग ४ पेस ( २६ ) २६ घंटे ४६ मिनट ६ सेकंड





उत्तरनामा

- [illegible]

# अभ्यासार्थ प्रश्न ( २४ ) पृष्ठ ११५

- १ ) १६ रु० १४ आ० ( २ ) २६ रु० ८ आ० २ पा०
- ३ ) ६८ रु० ३ आ० ३ पा० ( ४ ) १४१ रु० ७ पा०
- ५ ) २३७ रु० ११ आ० ६ पा० ( ६ ) २४६ रु० ११ आ० ८ पा०
- ७ ) २६७ रु० १० आ० ६ पा० ( ८ ) १०७१ रु० १२ आ० ६ पा०
- ९ ) २३२६ रु० ६ पा० ( १० ) ३०७७ रु० १ आ० ६ पा०
- ११ ) २२६६ रु० ६ आ० ६ पा० ( १२ ) ३०६२७ रु० ३ आ०
- १३ ) ७६६१ रु० १४ आ० २ पा० ( १४ ) ७०२० रु० १४ आ० २ पा०
- १५ ) ४६ म० २० सेर १२ पौ० ( १६ ) १४७० मन ६ सेर ६ पौ०
- १७ ) २४७०६ मन २४ सेर ११ पौ०
- १८ ) ३०६ पौ० १६ शि० ६ पौ० ( १९ ) ४८ पौ० १० शि० १० पौ०
- २० ) १६६६ पौ० १० शि० ( २१ ) ३०० पौ० १२ शि०
- २२ ) १२१२२० पौ० १४ शि० ( २३ ) १६६२६ ग० ६ ई०
- २४ ) १४२६ व० ग० १ व० क्री० ७२ व० ई०
- २५ ) ३४ मी० ६२८ गज ( २६ ) ३६६ रु० १० आ० ६ पा०
- २७ ) ३६१ रु० १ आ० ६ पा० ( २८ ) १४६ रु० ६ आ० ६ पा०
- २९ ) २२६६ रु० ७ आ० ६ पा० ( ३० ) २२४६८ रु० २ आ०
- ३१ ) ६००० रु०
- ३२ ) १७७६ बी० १४ बिस्वा १ बिस्वांसी १६ कचवांसी
- ३३ ) ७६६ मन १४ सेर ( ३४ ) ३२२ ग० २ क्री०
- ३५ ) ८३ मन १२ सेर १३ पौ०
- ३६ ) ४२ वर्ष ६ महीना ६ दिन २२ घंटा २० मिनट
- ३७ ) १६२६ रु० १० आ० ६ पा० ( ३८ ) १३११ रु० ११ आ० ६ पा०
- ३९ ) २० मन ३८ सेर १२ पौ० ( ४० ) ६६६६ रु० ७ आ० ६ पा०
- ४१ ) ३६६ रु० ४ आ० ८ पा० ( ४२ ) ६२१४ रु० ६ आ०
- ४३ ) ८ रु० ६ आ० ३ पा० ( ४४ ) ६० रु० २ आ० ८ पा०









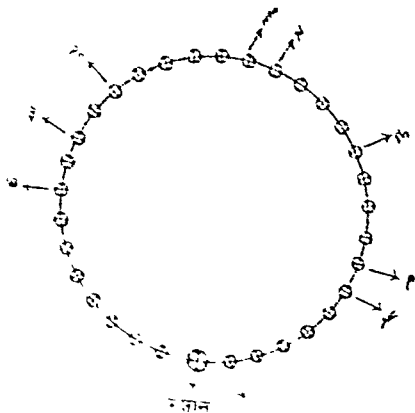






# उत्तरनामा

- ( १ ) १२ निनट  
 ( ७ ) ११ सेर  
 ( ६ ) २६ वरं  
 ( ११ ) एक, तीन, नौ, सत्ताइस के, चार बांड लै लीजै ।  
 एक सेर, तैं चाजोस लग, सब वस्त तौज कर दीजै ॥  
 ( १२ ) जिन स्थानों पर १०२ भादि लिखे हैं वहाँ वहाँ हिन्दू धौर शेष  
 स्थानों पर मुसलमान थे ।





# अन्याताय नमः ( २० ) पृष्ठ १६३

- |                            |                            |
|----------------------------|----------------------------|
| ( १ ) २, ४, ८, १६          | ( २ ) २, ४, ८              |
| ( ३ ) २, ४, ८, १६          | ( ४ ) २, ४, ८, १६, ३२      |
| ( ५ ) २, ४, ८, १६, ३२      | ( ६ ) २                    |
| ( ७ ) २                    | ( ८ ) २, ४, ८              |
| ( ९ ) २                    | ( १० ) २                   |
| ( ११ ) २, ४, ८             | ( १२ ) २, ४, ८             |
| ( १३ ) २, ४, ८             | ( १४ ) २                   |
| ( १५ ) २, ४                | ( १६ ) २, ४, ८, १६         |
| ( १७ ) २, ४, ८             | ( १८ ) २, ४                |
| ( १९ ) २, ४, ८, १६, ३२, ६४ | ( २० ) २, ४, ८, १६, ३२, ६४ |
| ( २१ ) २, ४, ८, १६         | ( २२ ) २, ४                |
| ( २३ ) २, ४, ८, १६         | ( २४ ) २, ४, ८, १६, ३२, ६४ |
| ( २५ ) २, ४, ८, १६, ३२     | ( २६ ) २, ४, ८, १६         |
| ( २७ ) २, ४, ८, १६         | ( २८ ) २, ४, ८, १६         |
| ( २९ ) २, ४, ८, १६, ३२     | ( ३० ) २, ४, ८, १६, ३२     |
| ( ३१ ) २, ४, ८, १६, ३२     | ( ३२ ) २, ४, ८, १६, ३२     |
| ( ३३ ) २, ४, ८, १६, ३२     | ( ३४ ) २, ४, ८, १६, ३२     |
| ( ३५ ) २, ४, ८, १६, ३२     | ( ३६ ) २, ४, ८, १६, ३२     |
| ( ३७ ) २, ४, ८, १६, ३२     | ( ३८ ) २, ४, ८, १६, ३२     |
| ( ३९ ) २, ४, ८, १६, ३२     | ( ४० ) २, ४, ८, १६, ३२     |
| ( ४१ ) २, ४, ८, १६, ३२     | ( ४२ ) २, ४, ८, १६, ३२     |
| ( ४३ ) २, ४, ८, १६, ३२     | ( ४४ ) २, ४, ८, १६, ३२     |
| ( ४५ ) २, ४, ८, १६, ३२     | ( ४६ ) २, ४, ८, १६, ३२     |
| ( ४७ ) २, ४, ८, १६, ३२     | ( ४८ ) २, ४, ८, १६, ३२     |
| ( ४९ ) २, ४, ८, १६, ३२     | ( ५० ) २, ४, ८, १६, ३२     |





|            |            |            |
|------------|------------|------------|
| ( 12 ) 440 | ( 13 ) 450 | ( 14 ) 460 |
| ( 15 ) 470 | ( 16 ) 480 | ( 17 ) 490 |

अभ्यासाय परतः ( ३६ ) १७८

|                 |                 |                 |
|-----------------|-----------------|-----------------|
| ( 四 ) 1 号       | ( 五 ) 2 号       | ( 六 ) 3 号       |
| ( 七 ) 4 号       | ( 八 ) 5 号       | ( 九 ) 6 号       |
| ( 十 ) 7 号       | ( 十一 ) 8 号      | ( 十二 ) 9 号      |
| ( 十三 ) 10 号     | ( 十四 ) 11 号     | ( 十五 ) 12 号     |
| ( 十六 ) 13 号     | ( 十七 ) 14 号     | ( 十八 ) 15 号     |
| ( 十九 ) 16 号     | ( 二十 ) 17 号     | ( 二十一 ) 18 号    |
| ( 二十二 ) 19 号    | ( 二十三 ) 20 号    | ( 二十四 ) 21 号    |
| ( 二十五 ) 22 号    | ( 二十六 ) 23 号    | ( 二十七 ) 24 号    |
| ( 二十八 ) 25 号    | ( 二十九 ) 26 号    | ( 三十 ) 27 号     |
| ( 三十一 ) 28 号    | ( 三十二 ) 29 号    | ( 三十三 ) 30 号    |
| ( 三十四 ) 31 号    | ( 三十五 ) 32 号    | ( 三十六 ) 33 号    |
| ( 三十七 ) 34 号    | ( 三十八 ) 35 号    | ( 三十九 ) 36 号    |
| ( 四十 ) 37 号     | ( 四十一 ) 38 号    | ( 四十二 ) 39 号    |
| ( 四十三 ) 40 号    | ( 四十四 ) 41 号    | ( 四十五 ) 42 号    |
| ( 四十六 ) 43 号    | ( 四十七 ) 44 号    | ( 四十八 ) 45 号    |
| ( 四十九 ) 46 号    | ( 五十 ) 47 号     | ( 五十一 ) 48 号    |
| ( 五十二 ) 49 号    | ( 五十三 ) 50 号    | ( 五十四 ) 51 号    |
| ( 五十五 ) 52 号    | ( 五十六 ) 53 号    | ( 五十七 ) 54 号    |
| ( 五十八 ) 55 号    | ( 五十九 ) 56 号    | ( 六十 ) 57 号     |
| ( 六十一 ) 58 号    | ( 六十二 ) 59 号    | ( 六十三 ) 60 号    |
| ( 六十四 ) 61 号    | ( 六十五 ) 62 号    | ( 六十六 ) 63 号    |
| ( 六十七 ) 64 号    | ( 六十八 ) 65 号    | ( 六十九 ) 66 号    |
| ( 七十 ) 67 号     | ( 七十一 ) 68 号    | ( 七十二 ) 69 号    |
| ( 七十三 ) 70 号    | ( 七十四 ) 71 号    | ( 七十五 ) 72 号    |
| ( 七十六 ) 73 号    | ( 七十七 ) 74 号    | ( 七十八 ) 75 号    |
| ( 七十九 ) 76 号    | ( 八十 ) 77 号     | ( 八十一 ) 78 号    |
| ( 八十二 ) 79 号    | ( 八十三 ) 80 号    | ( 八十四 ) 81 号    |
| ( 八十五 ) 82 号    | ( 八十六 ) 83 号    | ( 八十七 ) 84 号    |
| ( 八十八 ) 85 号    | ( 八十九 ) 86 号    | ( 九十 ) 87 号     |
| ( 九十一 ) 88 号    | ( 九十二 ) 89 号    | ( 九十三 ) 90 号    |
| ( 九十四 ) 91 号    | ( 九十五 ) 92 号    | ( 九十六 ) 93 号    |
| ( 九十七 ) 94 号    | ( 九十八 ) 95 号    | ( 九十九 ) 96 号    |
| ( 一百 ) 97 号     | ( 一百零一 ) 98 号   | ( 一百零二 ) 99 号   |
| ( 一百零三 ) 100 号  | ( 一百零四 ) 101 号  | ( 一百零五 ) 102 号  |
| ( 一百零六 ) 103 号  | ( 一百零七 ) 104 号  | ( 一百零八 ) 105 号  |
| ( 一百零九 ) 106 号  | ( 一百一十 ) 107 号  | ( 一百一十一 ) 108 号 |
| ( 一百一十二 ) 109 号 | ( 一百一十三 ) 110 号 | ( 一百一十四 ) 111 号 |
| ( 一百一十五 ) 112 号 | ( 一百一十六 ) 113 号 | ( 一百一十七 ) 114 号 |
| ( 一百一十八 ) 115 号 | ( 一百一十九 ) 116 号 | ( 一百二十 ) 117 号  |
| ( 一百二十一 ) 118 号 | ( 一百二十二 ) 119 号 | ( 一百二十三 ) 120 号 |
| ( 一百二十四 ) 121 号 | ( 一百二十五 ) 122 号 | ( 一百二十六 ) 123 号 |
| ( 一百二十七 ) 124 号 | ( 一百二十八 ) 125 号 | ( 一百二十九 ) 126 号 |
| ( 一百三十 ) 127 号  | ( 一百三十一 ) 128 号 | ( 一百三十二 ) 129 号 |
| ( 一百三十三 ) 130 号 | ( 一百三十四 ) 131 号 | ( 一百三十五 ) 132 号 |
| ( 一百三十六 ) 133 号 | ( 一百三十七 ) 134 号 | ( 一百三十八 ) 135 号 |
| ( 一百三十九 ) 136 号 | ( 一百四十 ) 137 号  | ( 一百四十一 ) 138 号 |
| ( 一百四十二 ) 139 号 | ( 一百四十三 ) 140 号 | ( 一百四十四 ) 141 号 |
| ( 一百四十五 ) 142 号 | ( 一百四十六 ) 143 号 | ( 一百四十七 ) 144 号 |
| ( 一百四十八 ) 145 号 | ( 一百四十九 ) 146 号 | ( 一百五十 ) 147 号  |
| ( 一百五十一 ) 148 号 | ( 一百五十二 ) 149 号 | ( 一百五十三 ) 150 号 |
| ( 一百五十四 ) 151 号 | ( 一百五十五 ) 152 号 | ( 一百五十六 ) 153 号 |
| ( 一百五十七 ) 154 号 | ( 一百五十八 ) 155 号 | ( 一百五十九 ) 156 号 |
| ( 一百六十 ) 157 号  | ( 一百六十一 ) 158 号 | ( 一百六十二 ) 159 号 |
| ( 一百六十三 ) 160 号 | ( 一百六十四 ) 161 号 | ( 一百六十五 ) 162 号 |
| ( 一百六十六 ) 163 号 | ( 一百六十七 ) 164 号 | ( 一百六十八 ) 165 号 |
| ( 一百六十九 ) 166 号 | ( 一百七十 ) 167 号  | ( 一百七十一 ) 168 号 |
| ( 一百七十二 ) 169 号 | ( 一百七十三 ) 170 号 | ( 一百七十四 ) 171 号 |
| ( 一百七十五 ) 172 号 | ( 一百七十六 ) 173 号 | ( 一百七十七 ) 174 号 |
| ( 一百七十八 ) 175 号 | ( 一百七十九 ) 176 号 | ( 一百八十 ) 177 号  |
| ( 一百八十一 ) 178 号 | ( 一百八十二 ) 179 号 | ( 一百八十三 ) 180 号 |
| ( 一百八十四 ) 181 号 | ( 一百八十五 ) 182 号 | ( 一百八十六 ) 183 号 |
| ( 一百八十七 ) 184 号 | ( 一百八十八 ) 185 号 | ( 一百八十九 ) 186 号 |
| ( 一百九十 ) 187 号  | ( 一百九十一 ) 188 号 | ( 一百九十二 ) 189 号 |
| ( 一百九十三 ) 190 号 | ( 一百九十四 ) 191 号 | ( 一百九十五 ) 192 号 |
| ( 一百九十六 ) 193 号 | ( 一百九十七 ) 194 号 | ( 一百九十八 ) 195 号 |
| ( 一百九十九 ) 196 号 | ( 二百 ) 197 号    | ( 二百零一 ) 198 号  |
| ( 二百零二 ) 199 号  | ( 二百零三 ) 200 号  | ( 二百零四 ) 201 号  |
| ( 二百零五 ) 202 号  | ( 二百零六 ) 203 号  | ( 二百零七 ) 204 号  |
| ( 二百零八 ) 205 号  | ( 二百零九 ) 206 号  | ( 二百一十 ) 207 号  |
| ( 二百一十一 ) 208 号 | ( 二百一十二 ) 209 号 | ( 二百一十三 ) 210 号 |
| ( 二百一十四 ) 211 号 | ( 二百一十五 ) 212 号 | ( 二百一十六 ) 213 号 |
| ( 二百一十七 ) 214 号 | ( 二百一十八 ) 215 号 | ( 二百一十九 ) 216 号 |
| ( 二百二十 ) 217 号  | ( 二百二十一 ) 218 号 | ( 二百二十二 ) 219 号 |
| ( 二百二十三 ) 220 号 | ( 二百二十四 ) 221 号 | ( 二百二十五 ) 222 号 |
| ( 二百二十六 ) 223 号 | ( 二百二十七 ) 224 号 | ( 二百二十八 ) 225 号 |
| ( 二百二十九 ) 226 号 | ( 二百三十 ) 227 号  | ( 二百三十一 ) 228 号 |
| ( 二百三十二 ) 229 号 | ( 二百三十三 ) 230 号 | ( 二百三十四 ) 231 号 |
| ( 二百三十五 ) 232 号 | ( 二百三十六 ) 233 号 | ( 二百三十七 ) 234 号 |
| ( 二百三十八 ) 235 号 | ( 二百三十九 ) 236 号 | ( 二百四十 ) 237 号  |
| ( 二百四十一 ) 238 号 | ( 二百四十二 ) 239 号 | ( 二百四十三 ) 240 号 |
| ( 二百四十四 ) 241 号 | ( 二百四十五 ) 242 号 | ( 二百四十六 ) 2     |

4. 4. 4 374 15) 72 242

|     |     |     |     |            |
|-----|-----|-----|-----|------------|
| 1   | ... | ... | ... | ( 4 ) 1054 |
| 2   | ... | ... | ... | ( 4 ) 1010 |
| 3   | ... | ... | ... | ( 1 ) 1017 |
| 4   | ... | ... | ... | ( 1 ) 1054 |
| 5   | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 6   | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 7   | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 8   | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 9   | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 10  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 11  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 12  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 13  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 14  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 15  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 16  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 17  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 18  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 19  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 20  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 21  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 22  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 23  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 24  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 25  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 26  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 27  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 28  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 29  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 30  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 31  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 32  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 33  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 34  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 35  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 36  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 37  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 38  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 39  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 40  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 41  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 42  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 43  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 44  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 45  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 46  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 47  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 48  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 49  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 50  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 51  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 52  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 53  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 54  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 55  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 56  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 57  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 58  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 59  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 60  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 61  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 62  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 63  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 64  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 65  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 66  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 67  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 68  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 69  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 70  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 71  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 72  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 73  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 74  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 75  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 76  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 77  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 78  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 79  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 80  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 81  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 82  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 83  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 84  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 85  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 86  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 87  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 88  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 89  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 90  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 91  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 92  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 93  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 94  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 95  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 96  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 97  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 98  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 99  | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |
| 100 | ... | ... | ... | ( 1 ) 1010 |

उत्तरनामा

- (७) १ शिलिङ्ग (८) २ शिलिङ्ग (९) २ इंच  
 (१०) ११ इंच (११) १ निनट (१२) २६ निनट

अभ्यासार्थ प्रश्न (३९) पृष्ठ १९०

- |                            |                            |                            |                             |
|----------------------------|----------------------------|----------------------------|-----------------------------|
| (१) $\frac{1}{2}$          | (२) $\frac{1}{4}$          | (३) $\frac{3}{4}$          | (४) $\frac{1}{8}$           |
| (५) $\frac{1}{16}$         | (६) $\frac{1}{32}$         | (७) $\frac{1}{64}$         | (८) $\frac{1}{128}$         |
| (९) $\frac{1}{256}$        | (१०) $\frac{1}{512}$       | (११) $\frac{1}{1024}$      | (१२) $\frac{1}{2048}$       |
| (१३) २                     | (१४) $\frac{1}{16}$        | (१५) $\frac{1}{32}$        | (१६) $\frac{1}{64}$         |
| (१७) $\frac{1}{128}$       | (१८) $\frac{1}{256}$       | (१९) $\frac{1}{512}$       | (२०) $\frac{1}{1024}$       |
| (२१) $\frac{1}{2048}$      | (२२) $\frac{1}{4096}$      | (२३) $\frac{1}{8192}$      | (२४) $\frac{1}{16384}$      |
| (२५) $\frac{1}{32768}$     | (२६) $\frac{1}{65536}$     | (२७) $\frac{1}{131072}$    | (२८) $\frac{1}{262144}$     |
| (२९) $\frac{1}{524288}$    | (३०) $\frac{1}{1048576}$   | (३१) $\frac{1}{2097152}$   | (३२) $\frac{1}{4194304}$    |
| (३३) $\frac{1}{8388608}$   | (३४) $\frac{1}{16777216}$  | (३५) $\frac{1}{33554432}$  | (३६) $\frac{1}{67108864}$   |
| (३७) $\frac{1}{134217728}$ | (३८) $\frac{1}{268435456}$ | (३९) $\frac{1}{536870912}$ | (४०) $\frac{1}{1073741824}$ |

अभ्यासार्थ प्रश्न (४०) पृष्ठ १९३

- (१)  $\frac{1}{2}$ ,  $\frac{1}{4}$  और  $\frac{1}{8}$  (२)  $\frac{1}{16}$ ,  $\frac{1}{32}$  और  $\frac{1}{64}$   
 (३)  $\frac{1}{128}$ ,  $\frac{1}{256}$ ,  $\frac{1}{512}$  और  $\frac{1}{1024}$  (४)  $\frac{1}{2048}$ ,  $\frac{1}{4096}$ ,  $\frac{1}{8192}$  और  $\frac{1}{16384}$   
 (५)  $\frac{1}{32768}$ ,  $\frac{1}{65536}$ ,  $\frac{1}{131072}$  और  $\frac{1}{262144}$  (६)  $\frac{1}{524288}$ ,  $\frac{1}{1048576}$ ,  $\frac{1}{2097152}$  और  $\frac{1}{4194304}$   
 (७)  $\frac{1}{8388608}$ ,  $\frac{1}{16777216}$ ,  $\frac{1}{33554432}$  और  $\frac{1}{67108864}$  (८)  $\frac{1}{134217728}$ ,  $\frac{1}{268435456}$ ,  $\frac{1}{536870912}$  और  $\frac{1}{1073741824}$   
 (९)  $\frac{1}{2147483648}$ ,  $\frac{1}{4294967296}$ ,  $\frac{1}{8589934592}$  और  $\frac{1}{17179869184}$   
 (१०)  $\frac{1}{34359738368}$ ,  $\frac{1}{68719476736}$ ,  $\frac{1}{137438953472}$  और  $\frac{1}{274877906944}$   
 (११)  $\frac{1}{549892410368}$ ,  $\frac{1}{1099784820736}$ ,  $\frac{1}{2199569641472}$  और  $\frac{1}{4399139282944}$   
 (१२)  $\frac{1}{879861477248}$ ,  $\frac{1}{1759722954496}$ ,  $\frac{1}{3519445908992}$  और  $\frac{1}{7038891817984}$   
 (१३)  $\frac{1}{1415786363648}$ ,  $\frac{1}{2831572727296}$ ,  $\frac{1}{5663145454592}$  और  $\frac{1}{11326290909184}$   
 (१४)  $\frac{1}{22652581737728}$ ,  $\frac{1}{45305163475456}$ ,  $\frac{1}{90610326950912}$  और  $\frac{1}{181220653901824}$   
 (१५)  $\frac{1}{36244128791168}$ ,  $\frac{1}{72488257582336}$ ,  $\frac{1}{144976515164672}$  और  $\frac{1}{289953030329344}$   
 (१६)  $\frac{1}{58070605225888}$ ,  $\frac{1}{116141210451776}$ ,  $\frac{1}{232282420903552}$  और  $\frac{1}{464564841807104}$   
 (१७)  $\frac{1}{90912968361408}$ ,  $\frac{1}{181825936722816}$ ,  $\frac{1}{363651873445632}$  और  $\frac{1}{727303746891264}$   
 (१८)  $\frac{1}{145460750178240}$ ,  $\frac{1}{290921500356480}$ ,  $\frac{1}{581843000712960}$  और  $\frac{1}{1163686001425920}$   
 (१९)  $\frac{1}{232737120285312}$ ,  $\frac{1}{465474240570624}$ ,  $\frac{1}{930948481141248}$  और  $\frac{1}{1861896962282496}$   
 (२०)  $\frac{1}{372379392456832}$ ,  $\frac{1}{744758784913664}$ ,  $\frac{1}{1489517569827328}$  और  $\frac{1}{2979035139654656}$





उत्तरनावा

- उत्तरनामा
- ( ११ ) १. १. १. १.  
( १२ ) १. १. १. १.  
( १३ ) १. १. १. १.  
( १४ ) १. १. १. १.  
( १५ ) १. १. १. १.  
( १६ ) १. १. १. १.  
( १७ ) १. १. १. १.  
( १८ ) १. १. १. १.  
( १९ ) १. १. १. १.  
( २० ) १. १. १. १.
- अभ्यासार्थ प्रश्न ( ११ )

अभ्यासार्थं प्रश्न (४४) पृष्ठ १९८

- अभ्यासार्थ प्रश्न (४४) पृष्ठ १९८
- |                    |                    |                    |
|--------------------|--------------------|--------------------|
| (१) $\frac{2}{3}$  | (२) $\frac{1}{2}$  | (३) $\frac{2}{3}$  |
| (४) $\frac{1}{2}$  | (४) $\frac{2}{3}$  | (४) $\frac{1}{2}$  |
| (७) $\frac{1}{2}$  | (=) $\frac{1}{2}$  | (६) $\frac{1}{2}$  |
| (१०) $\frac{2}{3}$ | (११) $\frac{1}{2}$ | (६) $\frac{1}{2}$  |
| (१३) $\frac{1}{2}$ | (१४) $\frac{1}{2}$ | (१२) $\frac{1}{2}$ |
| (१६) $\frac{1}{2}$ | (१७) $\frac{1}{2}$ | (१६) $\frac{1}{2}$ |
| (१६) $\frac{1}{2}$ | (२०) $\frac{1}{2}$ | (१२) $\frac{1}{2}$ |
| (२२) $\frac{1}{2}$ |                    | (२१) $\frac{1}{2}$ |

अभ्यासार्थ प्रश्न (४५) पृष्ठ १९९  
(२) ४३

- अभ्यासाय प्रश्न (४५) पृष्ठ १९९
- |         |         |         |         |
|---------|---------|---------|---------|
| (१) २४  | (२) ४३  | (३) ३१  | (४) ४३  |
| (५) २३  | (६) २१  | (७) २६  | (८) २१  |
| (९) ४१  | (१०) २१ | (११) २१ | (१२) ३१ |
| (१३) ३१ | (१४) ३१ | (१५) ४१ | (१६) ३१ |
| (१७) ३१ | (१८) ३१ | (१९) ३१ | (२०) ३१ |
| (२१) ३२ | (२२) ३१ | (२३) ४१ |         |
- अभ्यासाय प्रश्न (४६) पृष्ठ २००
- |         |         |         |         |
|---------|---------|---------|---------|
| (१) ३१  | (२) ३१  | (३) ३१  | (४) ३१  |
| (५) ३१  | (६) ३१  | (७) ३१  | (८) ३१  |
| (९) ३१  | (१०) ३१ | (११) ३१ | (१२) ३१ |
| (१३) ३१ | (१४) ३१ | (१५) ३१ | (१६) ३१ |
| (१७) ३१ | (१८) ३१ | (१९) ३१ | (२०) ३१ |
| (२१) ३१ | (२२) ३१ | (२३) ३१ |         |

अभ्यासार्थ प्रश्न (४६) पृष्ठ २०६

- ( १ ) १  
( २ ) २  
( ३ ) ३  
( ४ ) ४  
( ५ ) ५  
( ६ ) ६  
( ७ ) ७  
( ८ ) ८  
( ९ ) ९  
( १० ) १०



- |                       |                       |                       |
|-----------------------|-----------------------|-----------------------|
| ( ७ ) $18\frac{1}{2}$ | ( ८ ) $2\frac{1}{2}$  | ( ९ ) $3\frac{1}{2}$  |
| ( १० ) $5\frac{1}{2}$ | ( ११ ) $5\frac{1}{2}$ | ( १२ ) $1\frac{1}{2}$ |
| ( १३ ) $4\frac{1}{2}$ | ( १४ ) $1\frac{1}{2}$ | ( १५ ) $4\frac{1}{2}$ |
| ( १६ ) $2\frac{1}{2}$ | ( १७ ) $2\frac{1}{2}$ |                       |

अभ्यासार्थं प्रश्न ( ५० ) पृष्ठ २०५

- |                       |                       |                       |                      |
|-----------------------|-----------------------|-----------------------|----------------------|
| ( १ ) $2\frac{1}{2}$  | ( २ ) $3\frac{1}{2}$  | ( ३ ) $1\frac{1}{2}$  | ( ४ ) $1\frac{1}{2}$ |
| ( ५ ) $1\frac{1}{2}$  | ( ६ ) $1\frac{1}{2}$  | ( ७ ) $1\frac{1}{2}$  |                      |
| ( ८ ) $1\frac{1}{2}$  | ( ९ ) $2\frac{1}{2}$  | ( १० ) $1\frac{1}{2}$ |                      |
| ( ११ ) $4\frac{1}{2}$ | ( १२ ) $2\frac{1}{2}$ | ( १३ ) $2\frac{1}{2}$ |                      |
| ( १४ ) $1\frac{1}{2}$ | ( १५ ) $1\frac{1}{2}$ | ( १६ ) $1\frac{1}{2}$ |                      |
| ( १७ ) $1\frac{1}{2}$ | ( १८ ) $2\frac{1}{2}$ | ( १९ ) $1\frac{1}{2}$ |                      |
| ( २० ) $4\frac{1}{2}$ | ( २१ ) $1\frac{1}{2}$ | ( २२ ) $2\frac{1}{2}$ |                      |
| ( २३ ) $2\frac{1}{2}$ | ( २४ ) $2\frac{1}{2}$ | ( २५ ) $2\frac{1}{2}$ |                      |
| ( २६ ) $2\frac{1}{2}$ |                       |                       |                      |

अभ्यासार्थं प्रश्न ( ५१ ) पृष्ठ २०९

- |                       |                       |                       |
|-----------------------|-----------------------|-----------------------|
| ( १ ) $2\frac{1}{2}$  | ( २ ) $3\frac{1}{2}$  | ( ३ ) $1\frac{1}{2}$  |
| ( ४ ) $1\frac{1}{2}$  | ( ५ ) $2\frac{1}{2}$  | ( ६ ) $1\frac{1}{2}$  |
| ( ७ ) $1\frac{1}{2}$  | ( ८ ) $2\frac{1}{2}$  | ( ९ ) $1\frac{1}{2}$  |
| ( १० ) $2\frac{1}{2}$ | ( ११ ) $2\frac{1}{2}$ | ( १२ ) $2\frac{1}{2}$ |
| ( १३ ) $2\frac{1}{2}$ | ( १४ ) $1\frac{1}{2}$ | ( १५ ) $2\frac{1}{2}$ |
| ( १६ ) $2\frac{1}{2}$ | ( १७ ) $2\frac{1}{2}$ | ( १८ ) $2\frac{1}{2}$ |
| ( १९ ) $2\frac{1}{2}$ | ( २० ) $1\frac{1}{2}$ | ( २१ ) $1\frac{1}{2}$ |
| ( २२ ) $1\frac{1}{2}$ | ( २३ ) $1\frac{1}{2}$ | ( २४ ) $2\frac{1}{2}$ |
| ( २५ ) $2\frac{1}{2}$ | ( २६ ) $2\frac{1}{2}$ | ( २७ ) $2\frac{1}{2}$ |



( २९ ) १११ ( ३१ ) १११ ( ३४ ) १११११  
 ( ३२ ) ११११११११

### अभ्यासार्थ नमन ( ५४ ) पृष्ठ २१५

|           |            |           |
|-----------|------------|-----------|
| ( १ ) ११  | ( २ ) १    | ( ३ ) ११  |
| ( ४ ) ४१  | ( ५ ) ११   | ( ६ ) ११  |
| ( ७ ) ११  | ( ८ ) १    | ( ९ ) ११  |
| ( १० ) १  | ( ११ ) ११  | ( १२ ) ११ |
| ( १३ ) ११ | ( १४ ) ११  | ( १५ ) १  |
| ( १६ ) १  | ( १७ ) १   | ( १८ ) ११ |
| ( १९ ) १  | ( २० ) ११  | ( २१ ) ११ |
| ( २२ ) ११ | ( २३ ) १११ | ( २४ ) ११ |
| ( २५ ) ११ | ( २६ ) ११  | ( २७ ) ११ |
| ( २८ ) १  | ( २९ ) १   | ( ३० ) १  |

### अभ्यासार्थ नमन ( ५५ ) पृष्ठ २१६

|           |                |            |
|-----------|----------------|------------|
| ( १ ) ४   | ( २ ) १        | ( ३ ) ११   |
| ( ४ ) १११ | ( ५ ) ११       | ( ६ ) ११   |
| ( ७ ) १   | ( ८ ) ११       | ( ९ ) ११   |
| ( १० ) ११ | ( ११ ) १११     | ( १२ ) १११ |
| ( १३ ) ११ | ( १४ ) १११     | ( १५ ) १   |
| ( १६ ) १  | ( १७ ) १११ १११ | ( १८ ) १११ |
| ( १९ ) १  | ( २० ) ११      | ( २१ ) १११ |
| ( २२ ) १  | ( २३ ) १       | ( २४ ) १११ |
| ( २५ ) १  | ( २६ ) १       | ( २७ ) १११ |
| ( २८ ) १  | ( २९ ) १       | ( ३० ) १११ |



|                      |                        |                        |
|----------------------|------------------------|------------------------|
| ( १३ ) $\frac{1}{2}$ | ( १४ ) $\frac{1}{2}$   | ( १५ ) $\frac{1}{2}$   |
| ( १६ ) $\frac{1}{2}$ | ( १७ ) $\frac{1}{2}$ ✓ | ( १८ ) $\frac{1}{2}$ ✓ |
| ( १९ ) $\frac{1}{2}$ | ( २० ) $\frac{1}{2}$   | ( २१ ) $\frac{1}{2}$   |
| ( २२ ) $\frac{1}{2}$ | ( २३ ) $\frac{1}{2}$   | ( २४ ) $\frac{1}{2}$   |
| ( २५ ) $\frac{1}{2}$ |                        |                        |

अभ्यासार्थ प्रश्न ( ५९ ) पृष्ठ २२१

|               |               |                     |
|---------------|---------------|---------------------|
| ( १ ) १       | ( २ ) २०      | ( ३ ) ४०            |
| ( ४ ) ३       | ( ५ ) ४०      | ( ६ ) ४             |
| ( ७ ) ३२      | ( ८ ) ८६७३    | ( ९ ) $\frac{1}{2}$ |
| ( १० ) ६३०    | ( ११ ) १६३    | ( १२ ) ७८३          |
| ( १३ ) ६७३८७३ | ( १४ ) १०८६२३ | ( १५ ) १३२३         |

अभ्यासार्थ प्रश्न ( ६० ) पृष्ठ २२३

|                      |                      |                      |                      |
|----------------------|----------------------|----------------------|----------------------|
| ( १ ) $\frac{1}{2}$  | ( २ ) $\frac{1}{2}$  | ( ३ ) $\frac{1}{2}$  | ( ४ ) $\frac{1}{2}$  |
| ( ५ ) $\frac{1}{2}$  | ( ६ ) $\frac{1}{2}$  | ( ७ ) $\frac{1}{2}$  | ( ८ ) $\frac{1}{2}$  |
| ( ९ ) $\frac{1}{2}$  | ( १० ) $\frac{1}{2}$ | ( ११ ) २             | ( १२ ) $\frac{1}{2}$ |
| ( १३ ) $\frac{1}{2}$ | ( १४ ) $\frac{1}{2}$ | ( १५ ) $\frac{1}{2}$ | ( १६ ) $\frac{1}{2}$ |
| ( १७ ) $\frac{1}{2}$ | ( १८ ) $\frac{1}{2}$ | ( १९ ) $\frac{1}{2}$ | ( २० ) $\frac{1}{2}$ |
| ( २१ ) $\frac{1}{2}$ | ( २२ ) $\frac{1}{2}$ | ( २३ ) $\frac{1}{2}$ | ( २४ ) $\frac{1}{2}$ |
| ( २५ ) $\frac{1}{2}$ | ( २६ ) $\frac{1}{2}$ | ( २७ ) $\frac{1}{2}$ | ( २८ ) $\frac{1}{2}$ |
| ( २९ ) $\frac{1}{2}$ | ( ३० ) $\frac{1}{2}$ |                      |                      |

अभ्यासार्थ प्रश्न ( ६१ ) पृष्ठ २२५

|                      |                      |                      |
|----------------------|----------------------|----------------------|
| ( १ ) १              | ( २ ) $\frac{1}{2}$  | ( ३ ) $\frac{1}{2}$  |
| ( ४ ) $\frac{1}{2}$  | ( ५ ) $\frac{1}{2}$  | ( ६ ) $\frac{1}{2}$  |
| ( ७ ) $\frac{1}{2}$  | ( ८ ) $\frac{1}{2}$  | ( ९ ) $\frac{1}{2}$  |
| ( १० ) $\frac{1}{2}$ | ( ११ ) $\frac{1}{2}$ | ( १२ ) $\frac{1}{2}$ |

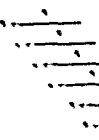
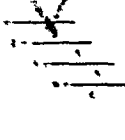


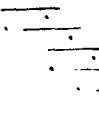
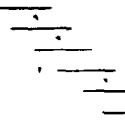


# उत्तरनामा

|            |            |            |
|------------|------------|------------|
| ( ७ ) १११  | ( ८ ) ११   | ( ९ ) ११   |
| ( १० ) १११ | ( ११ ) १११ | ( १२ ) १११ |
| ( १३ ) १११ | ( १४ ) १११ | ( १५ ) १११ |
| ( १६ ) १११ | ( १७ ) ११  | ( १८ ) ११  |
| ( १९ ) ११  | ( २० ) १११ | ( २१ ) १११ |
| ( २२ ) ११  | ( २३ ) १११ | ( २४ ) १११ |
| ( २५ ) ११  | ( २६ ) ११  | ( २७ ) १११ |
| ( २८ ) ११  | ( २९ ) ११  | ( ३० ) १११ |
| ( ३१ ) १११ | ( ३२ ) ११  | ( ३३ ) १११ |
| ( ३४ ) १११ | ( ३५ ) १११ |            |

अभ्यासार्थं नमन ( ६४ ) पृष्ठ २३२

( १ )  ( २ ) 

( ३ )  ( ४ ) 







- ( ६ ) ६१ $\frac{१}{२}$  ( ७ ) ६ $\frac{३}{४}$  ( ८ )  $\frac{१}{४}$   
 ( ९ ) ६ $\frac{१}{२}$  ( १० )  $\frac{१३}{२४}$  और  $\frac{११}{२४}$  ( ११ )  $\frac{१}{२}$   
 ( १२ ) ~~६१ $\frac{१}{२}$~~  ( १३ )  $\frac{१५}{२४}$  ( १४ ) २९ $\frac{१}{२}$   
 ( १५ )  $\frac{१५}{२४}$  ( १६ ) २४ $\frac{१}{२}$  ( १७ ) १२  
 ( १८ ) २० $\frac{१}{२}$  रु० ( १९ ) ११ $\frac{१}{२}$  पौ० ( २० ) ११ $\frac{१}{२}$   
 ( २१ )  $\frac{१५}{२४}$  ( २२ ) ४ $\frac{१}{२}$  ( २३ ) १४०  
 ( २४ )  $\frac{१५}{२४}$  ( २५ ) १० $\frac{१}{२}$  हाथ ( २६ ) ७८० गज  
 ( २७ ) ३००, ४५ ( २८ ) ८४ रु०  
 ( २९ ) ४१६६ रु० १० आ० ८ पा० ( ३० ) २३२० पौ०  
 ( ३१ ) २० मिनिट ( ३२ ) ४ ( ३३ ) ११ $\frac{१}{२}$   
 ( ३४ ) २४०, १३ ( ३५ ) २४० ( ३६ ) २४०  
 ( ३७ ) ३६ ( ३८ ) ६० रु० ( ३९ ) ६०० रु०  
 ( ४० )  $\frac{१}{४}$  ( ४१ )  $\frac{१}{४}$  ( ४२ )  $\frac{१}{४}$   
 ( ४३ ) ३ घटे ( ४४ ) १६६ $\frac{१}{२}$  ( ४५ ) ७, ४ $\frac{१}{२}$   
 ( ४६ ) १ $\frac{१}{२}$ , २ $\frac{१}{२}$  ( ४७ ) घ १ पौ० ६ सि० ८ पें०,  
 घ १ पौ० ६ सि० ४ पें०, स १ पौ० ८ सि० ४ पें०  
 ( ४८ ) १२६०६० रु० ( ४९ ) ८५ रु० १२ आ०  
 ( ५० ) घ ४० रु० ५ आ०, घ ४३ रु० १२ आ०, स १८ रु० १३ आ०  
 ( ५१ ) १२२ रु० ८ आ० ( ५२ ) ३३ $\frac{१}{२}$   
 ( ५३ ) ६ $\frac{१}{२}$  ( ५४ )  $\frac{१}{४}$  ( ५५ ) २१, २१ $\frac{१}{२}$   
 ( ५६ ) ४ पौ० ४ सि० ( ५७ ) ३६ $\frac{१}{२}$  ( ५८ ) २१ $\frac{१}{२}$   
 ( ५९ ) ६०० रु० ( ६० ) ३१ घटे ( ६१ )  $\frac{१}{४}$   
 ( ६२ ) ११, २ $\frac{१}{२}$  और ३ $\frac{१}{२}$  ( ६३ ) ११ $\frac{१}{२}$   
 ( ६४ ) ६ $\frac{१}{२}$  ( ६५ ) ७ पौ० ८ सि०  
 ( ६६ ) २६ पौ० ६ सि० ६ पें०, २१ पौ० १६ सि० २ $\frac{१}{२}$  पें०  
 ( ६७ ) ४ पौ० १८ सि० १६ पें०



- ( १६ ) ७३३ रु०  
 ( १७ ) १८० पी०  
 ( १८ ) १२६६ रु०  
 ( १९ ) ७४१ रु०  
 ( २० ) १३८१ रु० १२ आ० ११ पा०  
 ( २१ ) ४२२ रु० १४ आ० ७ पा०  
 ( २२ ) २२६६ रु० ६ आ० ६ पा०  
 ( २३ ) ११५० रु० १४ आ०  
 ( २४ ) ७८० पी० १४ लि० ८० वें  
 ( २५ ) २४२ रु० १३ आ०  
 ( २६ ) ३१६ रु० ८ आ०  
 ( २७ ) १४६ रु० ८ आ०  
 ( २८ ) २०३ रु० १० आ० ८ पा०  
 ( २९ ) ३१७६ रु० ४ आ०  
 ( ३० ) ४१० पी० ६ लि० १० वें  
 ( ३१ ) १२०२ पी० ६ लि० ४ वें

अभ्यासार्थ प्रश्न ( ३१ ) पृष्ठ २६४

- ( १ ) १५१ रु० ६ आ० ६ पा०  
 ( २ ) १११८ रु० ३ आ० ६ पा०  
 ( ३ ) २२३२ रु०  
 ( ४ ) ६६३ रु०  
 ( ५ ) ११११ रु० ११ आ० ४ पा०  
 ( ६ ) १८२२ रु० ४ आ० ८ पा०  
 ( ७ ) १८०० रु० १२ आ० २ पा०  
 ( ८ ) १००० रु० १० आ० १० पा०  
 ( ९ ) १००० रु० १० आ० १० पा०  
 ( १० ) १००० रु० १० आ० १० पा०  
 ( ११ ) १००० रु० १० आ० १० पा०  
 ( १२ ) १००० रु० १० आ० १० पा०  
 ( १३ ) १००० रु० १० आ० १० पा०  
 ( १४ ) १००० रु० १० आ० १० पा०  
 ( १५ ) १००० रु० १० आ० १० पा०  
 ( १६ ) १००० रु० १० आ० १० पा०  
 ( १७ ) १००० रु० १० आ० १० पा०  
 ( १८ ) १००० रु० १० आ० १० पा०  
 ( १९ ) १००० रु० १० आ० १० पा०  
 ( २० ) १००० रु० १० आ० १० पा०



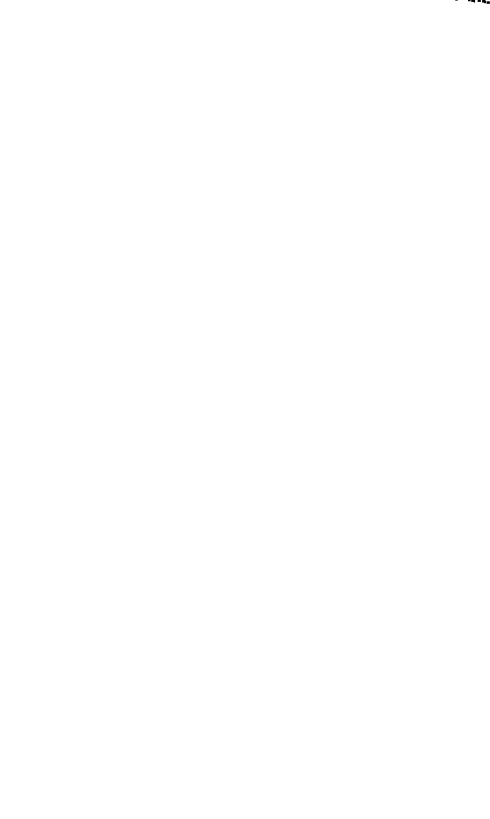












|    |     |                  |
|----|-----|------------------|
| १० | १०० | ( १० ) १ दिन     |
| २० | २०० | ( ११ ) २० मनुष्य |
| ३० | ३०० | ( १२ ) ३० दिन    |
| ४० | ४०० | ( १३ ) ४० भावनी  |
| ५० | ५०० | १०० दिन और १ दिन |

अन्वयाभाव रश्मि ( १६ ) पृष्ठ ३७३

|     |     |                                   |
|-----|-----|-----------------------------------|
| १०० | १०० | ( १ ) १०० भाग २३ तन               |
| २०० | २०० | ( २ ) २०००० तन                    |
| ३०० | ३०० | १००००० भाग                        |
| ४०० | ४०० | १०००००० भाग और १००००००० भाग       |
| ५०० | ५०० | १००००००० भाग और १०००००००० भाग     |
| ६०० | ६०० | १०००००००० भाग ( ३ ) १०००००००० भाग |

अन्वयाभाव रश्मि ( ३३ ) पृष्ठ ४००

|      |      |                                   |
|------|------|-----------------------------------|
| १००  | १००  | ( १ ) १०००००० भाग और १००००००० भाग |
| २००  | २००  | ( २ ) २०००००० भाग                 |
| ३००  | ३००  | ( ३ ) ३०००००० भाग                 |
| ४००  | ४००  | ( ४ ) ४०००००० भाग                 |
| ५००  | ५००  | ( ५ ) ५०००००० भाग                 |
| ६००  | ६००  | ( ६ ) ६०००००० भाग                 |
| ७००  | ७००  | ( ७ ) ७०००००० भाग                 |
| ८००  | ८००  | ( ८ ) ८०००००० भाग                 |
| ९००  | ९००  | ( ९ ) ९०००००० भाग                 |
| १००० | १००० | ( १० ) १००००००० भाग               |



## अध्यासाय वरन ( ८१ ) तृष्ट ३२२

- |               |              |               |
|---------------|--------------|---------------|
| ( १ ) १०० व०  | ( २ ) ४० व०  | ( ३ ) ११ व०   |
| ( ४ ) १० व०   | ( ५ ) ०० वी० | ( ६ ) १० वी०  |
| ( ७ ) २२ व०   | ( ८ ) ११० व० | ( ९ ) १२० वी० |
| ( १० ) ११५ व० |              |               |

## अध्यासाय वरन ( ८२ ) तृष्ट ३२४

- |                           |                        |
|---------------------------|------------------------|
| ( १ ) ११० व०              | ( २ ) ८० व० १ आ० १; ११ |
| ( ३ ) १११० व० ११ आ० १; १० | ( ४ ) १११० ११ आ० १; १० |
| ( ५ ) २० व०               | ( ६ ) १ व०             |
| ( ७ ) ११ व०               | ( ८ ) ११ व०            |
| ( ९ ) १०० व०              | ( १० ) १०१ वी०         |

## अध्यासाय वरन ( ८३ ) तृष्ट ३

- |                 |                |                |
|-----------------|----------------|----------------|
| ( १ ) १०० व०    | ( २ ) ११० व०   | ( ३ ) १००      |
| ( ४ ) १०० व०    | ( ५ ) ११० व०   | ( ६ ) १००      |
| ( ७ ) ११०१ वी०  | ( ८ ) ११०० वी० | ( ९ ) १००० वी० |
| ( १० ) ११०० वी० | ( ११ ) ११० वी० | ( १२ ) १०० वी० |

## अध्यासाय वरन ( ८४ ) तृष्ट ३२०

- |                          |                           |
|--------------------------|---------------------------|
| ( १ ) १११ व०             | ( २ ) १०० व०              |
| ( ३ ) ११११ व० १ आ० १; ११ | ( ४ ) १११ व०              |
| ( ५ ) ११११ व० १ आ० १; १० | ( ६ ) ११११ व० १० आ० १; १० |
| ( ७ ) ११११ व० १, १; १०   | ( ८ ) ११११ व० ११ वी०      |

























































वर्णनाम्ना

|                 |                |               |
|-----------------|----------------|---------------|
| ( १८ ) २४३६     | ( १९ ) २६६०    | ( १०० ) २८८०  |
| ( १०१ ) १२२००   | ( १०२ ) ४१२३   | ( १०३ ) २१२०  |
| ( १०४ ) २६०३०   | ( १०५ ) १२२८२० |               |
| ( १०६ ) ११६३३६० | ( १०७ ) १६४०   | ( १०८ ) ३६०   |
| ( १०९ ) ४८८०    | ( ११० ) १८४६   | ( १११ ) ६२४   |
| ( ११२ ) २६४६    | ( ११३ ) २४०२६  | ( ११४ ) ११६   |
| ( ११५ ) ०१३४०६  | ( ११६ ) ४०२६   | ( ११७ ) २२००  |
| ( ११८ ) २३१०४   | ( ११९ ) ४६२८४  | ( १२० ) ११६०० |
| ( १२१ ) २४३२६   | ( १२२ ) १२०४०६ | ( १२३ ) १६३६० |
| ( १२४ ) २८१२०४१ |                |               |

अभ्यासाय प्रश्न । ( १२३ ) पृष्ठ ४८२

- ( १ ) ८० व० क्र० ( २ ) १६२ व० क्र०  
 ( ३ ) १२० व० क्र० ( ४ ) ११० व० क्र०  
 २ ) ४३ व० क्र० १८ व० दृ० ( ६ ) ११३ व० क्र० १८ व० दृ०  
 ३ ) ४० व० ग० ८ व० क्र०  
 ४ ) ६ व० ग० २ व० क्र० २४ व० दृ०  
 ( ५ ) ३१४ व० ग० ३ व० क्र० १२६ व० दृ०  
 ( १० ) १२२० व० ग० ३ व० क्र०  
 ( ११ ) १६३० व० ग० ३ व० क्र० १०८ व० दृ०  
 १२ ) १३०४ व० ग० ८ व० क्र० ३६ व० दृ०  
 १३ ) ८० व० ग० २ व० क्र०  
 १४ ) १३० व० ग० ३ व० क्र० ६६ व० दृ०  
 १५ ) २१३ व० ग० ३ व० क्र० ३ व० दृ०  
 ( १६ ) १६८६ व० ग० ६ व० क्र० ३० व० दृ०  
 १७ ) ४ व० दृ०  
 १८ ) ४ व० क्र० ६ दृ०

















- ( २६ ) पुरुष १६० रु० १ आ०, स्त्री ६७ रु० ७ आ० ३ पा०,  
लड़का ६६ रु० ६ आ० ६ पा०, लड़की ४१ रु० १२ आ० ३ पा०
- ( ३० ) क १०२६<sup>१३</sup> रु०, ख १३१३<sup>६३</sup> रु०, ग १०२६<sup>१३</sup> रु०
- ( ३१ ) ७६ : ४६
- ( ३२ ) लड़की २३ रु०, लड़का २६ रु० और लड़कों की संख्या १०४
- ( ३३ ) २१, २७ ( ३४ ) २२, ३६
- ( ३५ ) क २८ वर्ष, ख १४ वर्ष, ग २४ वर्ष
- ( ३६ ) क १२, ख १६ ग १० ( ३७ ) १ रु० ८ आ० १६<sup>१</sup> पा०
- ( ३८ ) ४, ६, २२
- ( ३९ ) पुरुष ४ पौ० ४ शि०, स्त्री ३ पौ० बालक १ पौ० १६ शि०
- ( ४० ) पुरुष ३ रु०, स्त्री १ रु० ८ आ०, लड़का १ रु०
- ( ४१ ) घ १२३७५ रु०, ब १७७५० रु०
- ( ४२ ) १२०, ८० ( ४३ ) ४६ रु० ८ आ०
- ( ४४ ) ३ गैलन ( ४५ ) ६६ सेर
- ( ४६ ) १२५ : ६१ ( ४७ ) १ मन ३२ सेर

### अभ्यासार्थ प्रश्न ( १३१ ) पृष्ठ ५४६

- ( १ ) ८६ रु० ६ आ० ( २ ) १ पौण्ड ४ शि० ६१<sup>१</sup> पेंस
- ( ३ ) ६३३ पौण्ड ६ शि० ८ पेंस ( ४ ) १६५५ रु० ८ आ० ६ पाई
- ( ५ ) २३८० रु० ( ६ ) ८६ पौण्ड १५ शि० ७३ पेंस
- ( ७ ) १६०० पौण्ड ( ८ ) २००० पौण्ड
- ( ९ ) ६३०० रु०

### अभ्यासार्थ प्रश्न ( १३२ ) पृष्ठ ५४९

- ( १ ) ६ ( २ ) १५ ( ३ ) १८
- ( ४ ) ६३ ( ५ ) २६१ ( ६ ) ३३<sup>३</sup>
- ( ७ ) ४३ ( ८ ) २० रु० ( ९ ) २२ दिन























११) १२३४५६७८९०

१२) १२३४५६७८९०

१३) १२३४५६७८९०

१४) १२३४५६७८९०

१५) १२३४५६७८९०

१६) १२३४५६७८९०

१७) १२३४५६७८९०

१८) १२३४५६७८९०

१९) १२३४५६७८९०

२०) १२३४५६७८९०

२१) १२३४५६७८९०

२२) १२३४५६७८९०

२३) १२३४५६७८९०

२४) १२३४५६७८९०

२५) १२३४५६७८९०

२६) १२३४५६७८९०

२७) १२३४५६७८९०

२८) १२३४५६७८९०

२९) १२३४५६७८९०

३०) १२३४५६७८९०

३१) १२३४५६७८९०

३२) १२३४५६७८९० ( ३३ ) १२३४५६७८९०

३३) १२३४५६७८९० ( ३४ ) १२३४५६७८९०

३४) १२३४५६७८९०

३५) १२३४५६७८९०

३६) १२३४५६७८९०

३७) १२३४५६७८९०

३८) १२३४५६७८९०

३९) १२३४५६७८९०

४०)

४१) १२३४५६७८९०

४२) १२३४५६७८९०

४३) १२३४५६७८९०





- ( ३० ) '००६६ ( ३१ ) ६०० वर्ग सेंटी मीटर  
 ( ३२ ) ७०००००० व० मि० ( ३३ ) '०००२५ व० मी०  
 ( ३४ ) ३'६६५० से० मीटर ( ३५ ) १२ लिटर  
 ( ३६ ) ६ लिटर ( ३७ ) १६३८७  
 ( ३८ ) १३'३० मि० ( ३९ ) ४ प्रॉक  
 ( ४० ) १२० घा० ( ४१ ) ३० घा०  
 ( ४२ ) ५'८३ प्रॉ ( ४३ ) ८७७५ प्रॉक  
 ( ४४ ) १२६५'७५ ग्राम ( ४५ ) ११०  
 ( ४६ ) ११७'१'१'१ ( ४७ ) ८८ २ प्रॉक  
 ( ४८ ) ३००००० ग्राम ( ४९ ) ८५ प्रॉक ६ सेटार्म  
 ( ५० ) १३'७५ प्रॉक ( ५१ ) ६ मीटर ( ५२ ) ६६'१ मेट  
 ( ५३ ) २२'१ डिमी ( ५४ ) ६७'१ डिमी ( ५५ ) ४४'१ मेट  
 ( ५६ ) ४० ( ५७ ) ५० ( ५८ ) ५०  
 ( ५९ ) १२२ ( ६० ) १२२ ( ६१ ) ४० ( ६२ ) ३०  
 ( ६३ ) २५ ( ६४ ) २० फीट २५ ( ६५ ) २५'१ फीट २५'१  
 ( ६६ ) १६ फीट १८ ( ६७ ) १० फीट १२'१  
 ( ६८ ) ७६५'०६ व० से० मी० ( ६९ ) ११३३५१ व० मि० मी०  
 ( ७० ) १ ४ व० मी०

अभ्यासार्थ प्रश्न ( १५२ ) पृष्ठ ६८३

- ( १ ) ४ ईड ( २ ) ४ ईड ( ३ ) १८ टिड  
 ( ४ ) ३६ टिड ( ५ ) ३० टिड ( ६ ) १४ टिड  
 ( ७ ) १३ टिड ( ८ ) १४ टिड १० २५ ४० टिड





- ( ११ ) १ मिनिट १ से० ( १२ ) १२१ १०१  
 ( १३ ) १२ मिनिट ( १४ ) १० से० १० से०  
 ( १५ ) २०२ डेग्री आन की २२२ माइल  
 ( १६ ) = ५० ( १७ ) २ से०  
 ( १८ ) १ एचरे ४ एचरे मन  
 ( १९ ) १२० मिनिट ( २० ) १ से०  
 ( २१ ) ४ १००० २० से० ५००० से० ( २२ ) १२ से०  
 ( २३ ) १ एचरे ४ से० १०० से०  
 ( २४ ) ४ १०० से० १० से० १० से० १० से०  
 ( २५ ) १०० से० ( २६ ) १० से०  
 ( २७ ) १० से० ( २८ ) १० से०  
 ( २९ ) = ५० ( ३० ) १० से०  
 ( ३१ ) १० से० ( ३२ ) १० से०  
 ( ३३ ) १० से० ( ३४ ) १० से०  
 ( ३५ ) १० से० ( ३६ ) १० से०  
 ( ३७ ) १० से० ( ३८ ) १० से०  
 ( ३९ ) १० से० ( ४० ) १० से०  
 ( ४१ ) १० से० ( ४२ ) १० से०  
 ( ४३ ) १० से० ( ४४ ) १० से०  
 ( ४५ ) १० से० ( ४६ ) १० से०  
 ( ४७ ) १० से० ( ४८ ) १० से०  
 ( ४९ ) १० से० ( ५० ) १० से०  
 ( ५१ ) १० से० ( ५२ ) १० से०  
 ( ५३ ) १० से० ( ५४ ) १० से०  
 ( ५५ ) १० से० ( ५६ ) १० से०  
 ( ५७ ) १० से० ( ५८ ) १० से०  
 ( ५९ ) १० से० ( ६० ) १० से०  
 ( ६१ ) १० से० ( ६२ ) १० से०  
 ( ६३ ) १० से० ( ६४ ) १० से०  
 ( ६५ ) १० से० ( ६६ ) १० से०  
 ( ६७ ) १० से० ( ६८ ) १० से०  
 ( ६९ ) १० से० ( ७० ) १० से०  
 ( ७१ ) १० से० ( ७२ ) १० से०  
 ( ७३ ) १० से० ( ७४ ) १० से०  
 ( ७५ ) १० से० ( ७६ ) १० से०  
 ( ७७ ) १० से० ( ७८ ) १० से०  
 ( ७९ ) १० से० ( ८० ) १० से०  
 ( ८१ ) १० से० ( ८२ ) १० से०  
 ( ८३ ) १० से० ( ८४ ) १० से०  
 ( ८५ ) १० से० ( ८६ ) १० से०  
 ( ८७ ) १० से० ( ८८ ) १० से०  
 ( ८९ ) १० से० ( ९० ) १० से०  
 ( ९१ ) १० से० ( ९२ ) १० से०  
 ( ९३ ) १० से० ( ९४ ) १० से०  
 ( ९५ ) १० से० ( ९६ ) १० से०  
 ( ९७ ) १० से० ( ९८ ) १० से०  
 ( ९९ ) १० से० ( १०० ) १० से०

















# नवीन अंकगणित

लेखक

गणितार्थ पण्डित अरवि उदयसिंह

विभिन्न विद्यापीठों में प्रख्यात

रूप

अंकगणित और अंकगणित विद्यापीठों के विद्यार्थियों के लिए  
व्यापक ( १२० ) अंशों के अंकगणित  
कक्षाओं के लिये

|                         |      |     |    |
|-------------------------|------|-----|----|
| संस्करण                 | २००७ | पेज | २  |
| I भाग                   | २००७ | पेज | ११ |
| अंकगणित कक्षाओं के लिये |      |     |    |
| भाग                     | २००७ | पेज | ११ |
| अंकगणित कक्षाओं के लिये |      |     |    |
| I भाग                   | २००७ | पेज | ११ |
| अंकगणित कक्षाओं के लिये |      |     |    |
| II भाग                  | २००७ | पेज | ११ |
| अंकगणित कक्षाओं के लिये |      |     |    |
| III भाग                 | २००७ | पेज | ११ |
| अंकगणित कक्षाओं के लिये |      |     |    |

मिलने का पता-

रामनारायण लाल

अंकगणित और अंकगणित

१ ईस्ट रोड, इलाहाबाद



